स्वतंत्रता की पहली किरण का साक्षी

लखनऊ एवं कानपुर से प्रकाशित

स्वतंत्र भारत

लखनऊ, मंगलवार
7 जुलाई, 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष 7
सं. 2083 वि.
वर्ष 79, अंक - 315 पृष्ठ 16
संस्करण : नगर
मूल्य : 4 रुपये

epaper : epaper.swatantrabharat.net

सैमसन जिम्बाब्वे टी-20 सीरीज से बाहर, रिंकू सिंह की वापसी

चंपत राय-अनिल मिश्रा का इस्तीफा मंजूर

राम मंदिर चढ़ावा चोरी के बाद यह ट्रस्ट की पहली बैठक राम मंदिर गेस्ट हाउस में हुई सम्पन्न

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा चोरी को ले करके श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं मणिराम दास छावनी के महंत नृत्यगोपाल दास की अध्यक्षता में आज श्रीराम मंदिर के गेस्ट हाउस में ट्रस्ट की पहली बैठक सम्पन्न हुई। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार इस बैठक में श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चम्पत राय बंसल, ट्रस्ट के सदस्य डा. अनिल मिश्रा ने भाग नहीं लिया। उनके इस्तीफे पर ट्रस्ट ने बड़ी गंभीरता से चर्चा की। उसके बाद उनका इस्तीफा सर्वसम्मति से मंजूर कर लिया गया और उन्हे बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। चढ़ावा चोरी मामले में नाम उछलने के बाद चम्पत राय, डा. अनिल मिश्रा को लेकर लगातार तीखे सवाल उठाये जा रहे थे, जिसके बाद उन्होंने खुद इस्तीफा दे दिया था। बैठक की शुरुआत में ही ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्यगोपाल दास ने यह बेहद संवेदनशील घटना बताया। उन्होंने कहा कि रामलला के दरबार में हुई इस कथित चोरी की घटना पर गहरा दुख और खेद व्यक्त किया। इसके तुरन्त बाद ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविन्द देव गिरी ने मीटिंग का मुख्य एजेंडा सबके सामने रखा और चम्पत राय व डा. अनिल मिश्रा के इस्तीफे पर विचार का प्रस्ताव पटल पर रखा। इस दौरान बैठक में ट्रस्ट के कोषाध्यक्ष का दर्द इस हाई प्रोफाइल के दौरान देखा गया। कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देव गिरी ने बेहद भावुक होते हुए स्वीकार किया कि हमसे बहुत बड़ी गलती हो गयी है। इस पूरे घटनाक्रम से दुनिया भर के भक्तों को गहरी ठेस पहुंची है। उन्होंने कहा कि व्यवस्था में कुछ जगहों पर तकनीकी और प्रशासनिक खामियां थीं जिन पर उस समय पर ध्यान नहीं दिया गया। सूत्रों का कहना है कि जब अंदर यह मंथन चल रहा था तब चम्पत राय और डा. अनिल मिश्रा एक साथ अयोध्या में ही मौजूद थे, लेकिन दोनों में से कोई भी इस बैठक में शामिल नहीं हुआ।

कृष्ण मोहन राय को मिली मंदिर व्यवस्था की जिम्मेदारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट में एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल देखने को मिला है, जिसके तहत चंपत राय की विदाई के बाद अब कृष्ण मोहन को ट्रस्ट की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। जिम्मेदारी संभालते ही कृष्ण मोहन ने अपनी पहली औपचारिक पत्रकार वार्ता को संबोधित किया, जिसमें उन्होंने मुख्य रूप से ट्रस्ट की साख और जनता के भरोसे को बहाल करने पर जोर दिया। उन्होंने खुले तौर पर स्वीकार किया कि हाल के दिनों में समाज के मन में कुछ बातों को लेकर संशय और अविश्वास का माहौल बना है, जिसे दूर करना ही उनकी सबसे पहली और मुख्य प्राथमिकता होगी। उल्लेखनीय है कि पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए समिति की अगली बैठक 22 जुलाई को होगी। भविष्य में मंदिर की व्यवस्थाओं को अधिक पारदर्शी, सुरक्षित और त्रुटिरहित बनाने के लिए बैठक में एक छोटी समिति गठित करने का निर्णय लिया गया है। ट्रस्ट की अगली बैठक 22 जुलाई को निर्धारित की गई है। कृष्ण मोहन आरएसएस के पदाधिकारी और पूर्व इंडियन फॉरेस्ट सर्विस (आईएफएस) अधिकारी रह चुके हैं। 73 साल के कृष्ण मोहन को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पिछले साल ही ट्रस्ट मेंबर बनाया गया था। वह आरएसएस के क्षेत्र संघ चालक (क्षेत्र प्रभारी) हैं। कृष्ण मोहन हरदोई जिले के शाहाबाद विधानसभा क्षेत्र के चंद्रपुर गांव के रहने वाले हैं।

योगी मंत्रिमंडल ने पारित किए 28 प्रस्ताव

जलालाबाद अब परशुरामपुरी

होमगार्ड्स को कैशलेस इलाज | पदक विजेताओं की होगी सीधी भर्ती | डाटा सेंटर नीति फिर से लागू | पशुओं का कराया जाएगा बीमा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को कैबिनेट बैठक आयोजित की गई। कैबिनेट में विभिन्न विभागों के 29 प्रस्ताव रखे गए। इनमें से 28 को मंजूरी दी गई। जबकि, एक प्रस्ताव मदरसे से संबंधित स्थगित कर दिया गया। शाहजहांपुर जिले के जलालाबाद का नाम बदलकर परशुरामपुरी किया गया। इसके प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि शाहजहांपुर के जलालाबाद का नाम परशुरामपुरी किया गया। यह जगह भगवान परशुराम की जन्मस्थली है। शासन ने 25 जून 2025 को अनुरोध किया था। भारत सरकार से एनओसी आने के बाद इस पर अब कैबिनेट की भी सहमति मिल गई है। कैबिनेट में उप्र में स्टार्टअप को प्रोत्साहन देने के लिए नई नीति के साथ ही उप्र में स्टार्टअप, इन्क्यूबेशन स्टार्टअप इकोसिस्टम को प्रोत्साहित करने सोसायटी पंजीकरण अधिनियम के तहत उप्र स्टार्टअप मिशन की स्थापना से संबंधित प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। डाटा सेंटर नीति जो समाप्त हो गई थी, आज फिर से लागू कर दी गई। मिशन डायरेक्टरेट बॉडी के हेड चीफ सेक्रेटरी होगें। एंपावरमेंट कमेटी बनाई जाएगी। अभी तक स्टार्टअप पॉलिसी में प्रोटोटाइप 10 लाख और सीए कैपिटल 15 से 50 लाख है। इनक्यूबेटर संचालन को 40 लाख सालाना अनुदान मिलेगा। 1000 करोड़ का स्टार्टअप फंड रखा गया है। इसमें 400 करोड़ एकेटीयू का है। पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह ने बताया कि सीएम जोखिम पशुधन बीमा प्रबंधन योजना, नस्ल सुधार, पशुधन बीमा और गौशाला के संवर्धन के लिए कई योजनाएं लागू की जाएंगी। पशुओं का बीमा भी होगा। इसका राज्यांश 85 फीसदी है। प्रत्येक पशुधन की कीमत तय की जाएगी। मुर्रा भैंस 75000, विदेशी, हरियाणवी, साहिबान गिरी गाय की कीमत 50 हजार से 65 हजार तक रहेगी। बैल की कीमत 40 हजार, खच्चर, गधा आदि 20 हजार, घोड़ा 60 हजार, भेड़ और बकरी की 6500 रुपये कीमत रहेगी। बीमा में केंद्र का राज्यांश 51 फीसदी, राज्य का 34 फीसदी और किसान का 15 फीसदी रहेगा। दैवीय आपदा, बीमारी और हादसे पर बीमा मिलेगा। गौशालाओं में 1.35 लाख गाय हैं। इन पर हर दिन आठ करोड़ रुपये खर्च हो रहा है। श्रम मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि बनारस में ईएसआईसी श्रम विभाग के मेडिकल कॉलेज के लिए निःशुल्क जमीन आवंटन का प्रस्ताव पारित किया गया। मुरादाबाद, गोरखपुर में पांच-पांच एकड़ में 100 बेड हॉस्पिटल के लिए जमीन आवंटित की गई है। बनारस में 13 एकड़ जमीन पर मेडिकल कॉलेज बनेगा। 50 फीसदी जमीन श्रमिकों के बच्चों के लिए आरक्षित किया गया है। कुल 50 सीट में 25 सीट श्रमिक के बच्चों के लिए रहेगी। मंत्री गिरीश यादव ने बताया कि ओलंपिक, महिला ओलंपिक, एशियन आदि के पदक विजेताओं के सीधी भर्ती का प्रस्ताव पास किया गया। लोक सेवा आयोग की प्रक्रिया से बाहर करके इन्हें नौकरी दी जाएगी। समूह ख और क के लिए यह है।

ताजमहल में तेजो महालय मंदिर, हाईकोर्ट ने जवाब मांग

प्रयागराज। आगरा स्थित ताजमहल परिसर में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर होने का दावा करने वाले मुकदमे में सर्वे कमिश्नर नियुक्त करने को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट में दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच ने मामले की सुनवाई करते हुए जवाब मांगा है। मामले में राज्य सरकार समेत अन्य पक्षों को जवाब दाखिल करना होगा। यह याचिका आगरा की जिला अदालत के उन आदेशों के विरुद्ध दाखिल की गई है, जिनमें सिविल जज (सीनियर डिवीजन) और अपर जिला जज ने विवादित परिसर का सर्वेक्षण करने के लिए एडवोकेट कमीशन नियुक्त करने का आदेश देने से इनकार कर दिया था। मामले के तथ्यों के मुताबिक ताजमहल परिसर में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर होने का दावा करने को लेकर आगरा के सिविल जज (सीनियर डिवीजन) की अदालत में वर्ष 2015 से दीवानी मुकदमा लंबित है। इस मुकदमे में यह घोषणा करने की मांग की गई है कि ताजमहल परिसर में वास्तव में भगवान श्री अग्रेश्वर महादेव नागनाथेश्वर विराजमान तेजो महालय मंदिर स्थित है। इसी मुकदमे के ट्रायल के दौरान परिसर के सर्वेक्षण के लिए एडवोकेट कमीशन नियुक्त करने का प्रार्थना पत्र दिया गया था। दोनों अदालतों (सिविल जज सीनियर डिवीजन व अपर जिला जज) ने इस पर कोई भी आदेश देने से मना कर दिया था।

'देश में भारत टैक्सी की तर्ज पर शुरू होगी नई सहकारी जीवन बीमा कंपनी'

- अमित शाह ने किया बड़ा एलान

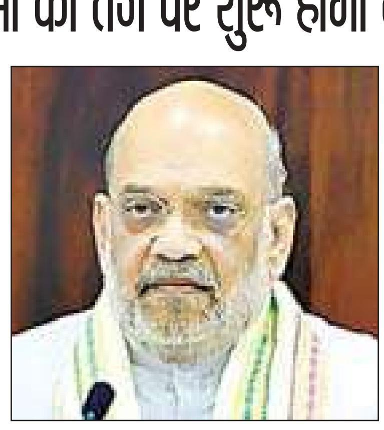

नई दिल्ली। देश के सहकारिता आंदोलन को नया जीवन देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक नीतिगत पहल की है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में घोषणा की कि देश में सहकारी समितियों के विकास को तेज करने के लिए जल्द ही एक नई सहकारी लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) कंपनी का गठन किया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि सहकारिता आंदोलन, जो कांग्रेस शासन के दौरान एक उपेक्षित आंदोलन बन चुका था, उसे इस मंत्रालय के गठन से एक महत्वपूर्ण लाइफलाइन मिली है। देश के लगभग 8.5 लाख सहकारिता संगठनों और 30 करोड़ से अधिक सदस्यों के लिए यह पहल एक दूरगामी गेम-चेंजर साबित होने वाली है। केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बताया कि देश में सहकारी मॉडल पर आधारित भारत टैक्सी का कामकाज बेहद शानदार रहा है और आगामी दो वर्षों में इसका विस्तार 500 शहरों में करने की ठोस तैयारी है। इसी मॉडल की तर्ज पर, बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक स्वतंत्र सहकारी जीवन बीमा कंपनी स्थापित की जाएगी।
उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि उर्वरक क्षेत्र की दिग्गज सहकारी संस्था इफको (आईएफएफसीओ) पहले से ही एक जापानी फर्म के साथ संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) के जरिए बीमा व्यवसाय में सक्रिय है। यह नई कंपनी सीधे तौर पर सहकारिता क्षेत्र को वित्तीय सुरक्षा के दायरे में लाकर उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेगी।

नौसेना को मिलेगा नया 'समुद्री प्रहरी' महेंद्रगिरि

- दुश्मन के रडार को देगा चकमा

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना की ताकत जल्द ही और बढ़ने वाली है। 11 जुलाई को विशाखापत्तनम में प्रोजेक्ट-17ए के तहत तैयार स्वदेशी स्टील्थ फ्रिगेट महेंद्रगिरि को औपचारिक रूप से नौसेना के बेड़े में शामिल किया जाएगा। यह केवल एक नया युद्धपोत नहीं, बल्कि भारत की बढ़ती रक्षा तकनीक, आत्मनिर्भरता और समुद्री सुरक्षा का नया प्रतीक भी है। अत्याधुनिक हथियारों और स्टील्थ तकनीक से लैस यह युद्धपोत हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की रणनीतिक क्षमता को और मजबूत करेगा। महेंद्रगिरि पूरी तरह भारत में डिजाइन और निर्मित आधुनिक स्टील्थ फ्रिगेट है। इसका डिजाइन भारतीय नौसेना के युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो ने तैयार किया है, जबकि इसका निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। स्टील्थ तकनीक की वजह से यह दुश्मन के रडार पर सामान्य युद्धपोतों की तुलना में काफी कम दिखाई देता है। युद्ध के दौरान यह विशेषता इसे सामरिक बढ़त देती है और दुश्मन के लिए इसकी पहचान करना कठिन बना देती है। महेंद्रगिरि में 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल किया गया है। इसके निर्माण में देश की बड़ी रक्षा कंपनियों के साथ-साथ सैकड़ों सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों ने भी योगदान दिया है।

अमरनाथ गुफा में शिवलिंग 90 प्रतिशत गायब

- ऊंचाई एक फीट बची
- तीन दिन में 56000 श्रद्धालुओं ने दर्शन किए

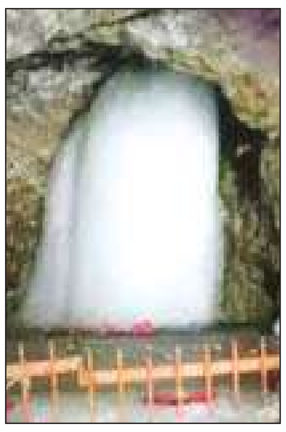

श्रीनगर। अमरनाथ में बनने वाले पवित्र शिवलिंग का आकार एक फीट रह गया है। सोमवार को एक फीट के बाबा बर्फानी की फोटो सामने आई। 57 दिन चलने वाली यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी। पिछले 3 दिनों में 56 हजार से ज्यादा तीर्थयात्री दर्शन कर चुके हैं। यह आंकड़ा पिछले साल से 18.6 प्रतिशत ज्यादा रहा। 2025 में पहले तीन दिन में 47,972 श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे थे। यात्रा के लिए इस साल 4 लाख श्रद्धालुओं ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 23 मई को बीएसएफ के जवानों ने जो तस्वीर जारी की थी, उसमें शिवलिंग का आकार करीब 7 फीट था। 29 जून को पहली पूजा के दिन भी हिमलिंग की ऊंचाई 5 फीट से ज्यादा थी। 6 जुलाई को सामने आई तस्वीर में हिमलिंग लगभग 90 प्रतिशत गायब हो चुका है। अमरनाथ का हिम शिवलिंग किसी बर्फ के ब्लॉक को तराशकर नहीं बनाया जाता, बल्कि यह प्राकृतिक आइस स्टैलेग्माइट है। जैसे चूना-पत्थर की गुफाओं में जमीन से खनिज जमा होकर स्टैलेग्माइट बनते हैं, उसी तरह अमरनाथ गुफा में छत से टपकने वाला पानी जमकर बर्फ का शिवलिंग बनाता है। इसका आकार हर साल मौसम, तापमान और पानी की उपलब्धता के अनुसार अलग-अलग होता है। यही इसकी सबसे अनोखी विशेषता है। 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम रूट और 14 किमी वाले छोटे, लेकिन कठिन बालटाल रूट से लगातार यात्री दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन खत्म होगी।

17 जुलाई को लॉन्च होगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे जल्द ही यात्रियों को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन की सौगात देने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 17 जुलाई को देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन को हरी झंडी दिखाएंगे। यह ट्रेन हरियाणा के जींद-सोनीपत रूट पर चलेगी। यह ट्रेन हाइड्रोजन फ्यूल सेल तकनीक से संचालित होगी। खास बात यह है कि ट्रेन को मेक इन इंडिया पहल के तहत विकसित किया गया है और इसका डिजाइन लखनऊ स्थित आरडीएसओ ने तैयार किया है।

बारिश पर आईएमडी का कई राज्यों के लिए रेड-ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली। देशभर में मानसून अब पूरी तरह सक्रिय हो गया है और कई राज्यों में अगले 24 से 72 घंटे बेहद भारी पड़ सकते हैं। भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने गुजरात, तटीय महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक और छत्तीसगढ़ के लिए रेड अलर्ट, जबकि उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार कुछ इलाकों में 21 से 50 सेंटीमीटर तक बारिश हो सकती है, जबकि अगले तीन दिनों में मानसून के पूरे देश में फैलने की संभावना है। आईएमडी के वैज्ञानिक डॉ. शशि कांत ने सोमवार को बताया कि देश के पश्चिमी तट, जिसमें गुजरात, सौराष्ट्र, तटीय महाराष्ट्र, तटीय कर्नाटक और केरल शामिल हैं, वहां आज पूरे क्षेत्र में बहुत भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना है। गुजरात, तटीय महाराष्ट्र और तटीय कर्नाटक के लिए रेड अलर्ट जारी किया गया है। इन राज्यों में कुछ स्थानों पर 21 सेंटीमीटर से अधिक बारिश दर्ज हो सकती है। आज पूर्वी मध्य प्रदेश और दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश, जिनमें वाराणसी और प्रयागराज जैसे क्षेत्र शामिल हैं।

नेतन्याहू के भारत समर्थन वाले बयान पर सरकार पर बरसी कांग्रेस

- कहा- 'विश्वगुरु' की चुप्पी अस्वीकार्य

नई दिल्ली। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याह की तरफ से भारत के समर्थन का दावा किए जाने के बाद कांग्रेस ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने सोमवार को कहा कि इस्राइल की सैन्य कार्रवाइयों पर प्रधानमंत्री मोदी की चुप्पी भारत की सभ्यतागत परंपराओं और मूल्यों के खिलाफ है। जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर जारी बयान में कहा कि नेतन्याहू का यह कहना गलत है कि भारत इस्राइल के साथ खड़ा है। उन्होंने कहा कि भले ही प्रधानमंत्री मोदी इस्राइल के प्रति झुकाव रखते हों, लेकिन करोड़ों भारतीय गाजा में हो रही हिंसा, फलस्तीनियों के विस्थापन, ईरान पर हमलों और दक्षिणी लेबनान में इस्राइली सैन्य अभियान की निंदा करते हैं। उनके अनुसार, ये सभी घटनाएं मानवता पर हमला हैं।

मणिपुर में तनाव के बीच फिर भड़की हिंसा

इंफाल। मणिपुर में लंबे समय से जारी जातीय तनाव के बीच एक बार फिर हिंसा भड़क उठी। कांगपोकपी जिले के थिंगखोंगजांग (थिंगखोजांग) कुकी गांव पर हुए कथित सशस्त्र हमले में एक महिला और एक बच्चा घायल हो गए। घटना के बाद कुकी संगठनों ने सोमवार से राष्ट्रीय राजमार्ग-37 (एनएच-37) पर 24 घंटे के बंद का एलान कर दिया है। साथ ही स्वतंत्र न्यायिक जांच, दोषियों की गिरफ्तारी और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की मांग उठाई है। हालांकि, सरकार की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, रविवार शाम गांव के लोग चर्च में प्रार्थना कर रहे थे, तभी हथियारबंद हमलावरों ने गांव पर गोलीबारी की और विस्फोटक फेंके।

किश्तवाड़-डोडा में बारिश से तबाही

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ और डोडा जिले में सोमवार को भारी बारिश के बाद अचानक आई भीषण बाढ़ ने भारी तबाही मचा दी। तेज बहाव के साथ आए पानी और मलबे ने 540 मेगावाट क्वार जलविद्युत परियोजना के टीआरटी क्षेत्र को अपनी चपेट में ले लिया। बाढ़ की वजह से कई जगहों पर लैंडस्लाइड भी हुआ है। उधर, लगातार बारिश के कारण प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। प्रभावित इलाकों में हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। बाढ़ का असर 540 मेगावाट के क्वार पावर प्रोजेक्ट पर पड़ा है। परियोजना की टीआरटी साइट पर भारी मात्रा में मलबा और पानी घुसने से वहां खड़े कई वाहन मलबे में फंस गए। कई गाड़ियों को भारी नुकसान पहुंचा है।

महाराष्ट्र के सतारा में बारिश से पुल टूटा

सतारा। देश के कई राज्यों में मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। महाराष्ट्र में तीन दिन से लगातार बारिश हो रही है। मुंबई-पुणे रेल रूट पर करजत-लोनावला के भोर घाट सेक्शन में दो जगह लैंडस्लाइड हो गई। इससे तीनों रेलवे लाइनें प्रभावित हो गईं। 20 ट्रेनों को कैंसिल करना पड़ा। उधर, मुंबई-पुणे एक्सप्रेस-वे पर भी लैंडस्लाइड होने से रास्ता बंद हो गया। सातारा जिले के महाबलेश्वर में वेण्णा नदी का पुल टूट गया। 10-12 पर्यटक फंसे हैं, कारों को क्रेन की मदद से निकाल गया। बीएमसी ने आज सभी सरकारी और प्रायवेट स्कूलों-कॉलेजों में छुट्टी घोषित की है। मुंबई एयरपोर्ट पर 17 फ्लाइट रद्द हुईं। मुंबई में प्राइवेट ऑफिसों के कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम करने को कहा गया है।

पड़ताल

पाकिस्तान की साजिश के सबूत होने का दावा

पहलगाम आतंकी हमला : एनआईए ने पेश की पूरक चार्जशीट

- हाफिज सईद को बनाया आरोपी
- लश्कर प्रमुख पर लगाए गंभीर आरोप

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को पहलगाम आतंकी हमले के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए पाकिस्तान स्थित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद को अपनी पूरक (सप्लीमेंट्री) चार्जशीट में आरोपी बनाया है। एनआईए ने उस पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और सीमा पार से आतंकी साजिश रचने जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी ने हमले की साजिश और आतंकी नेटवर्क से जुड़े अन्य आरोपियों के खिलाफ भी अतिरिक्त साक्ष्य अदालत में पेश किए हैं। जम्मू की एनआईए स्पेशल कोर्ट में दायर अपनी सप्लीमेंट्री चार्जशीट में, आतंकवाद-रोधी एजेंसी ने हाफिज सईद पर व्यक्तिगत तौर पर और प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा व उसके सक्रिय प्रॉक्सी संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के चीफ के तौर पर आरोप लगाए हैं। जांच एजेंसी के अनुसार, हाफिज सईद के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए), 1967 की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। चार्जशीट में उस पर भारत के खिलाफ युद्ध छेड़ने और पाकिस्तान से आतंकी साजिश चलाने का आरोप लगाया गया है। 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के 15 दिन बाद भारतीय सेना ने सात मई को ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को तबाह किया था। जिसमें कई कुख्यात आतंकी भी मारे गए थे। इसके बाद दोनों देशों के बीच हालात बिगड़े और दो दशक बाद हालात चरम पर पहुंच गए। वहीं पाकिस्तान की तरफ से भारत के शहरों को निशाना बनाए जाने के बाद, भारत की वायु रक्षा प्रणाली ने सभी को नाकाम करते हुए उसका माकूल जवाब दिया।

पहले स्थानीय पुलिस ने दर्ज की थी एफआईआर

हमले के बाद सबसे पहले पहलगाम थाने में एफआईआर दर्ज की गई थी। शुरुआती जांच के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह मामला एनआईए को सौंप दिया था। एनआईए ने कहा है कि मामले की जांच अभी जारी है और एजेंसी पाकिस्तान की उस पूरी साजिश का पर्दाफाश करने में जुटी है, जिसके तहत सीमा पार से भारत में आतंकवाद को लगातार बढ़ावा दिया जा रहा है।

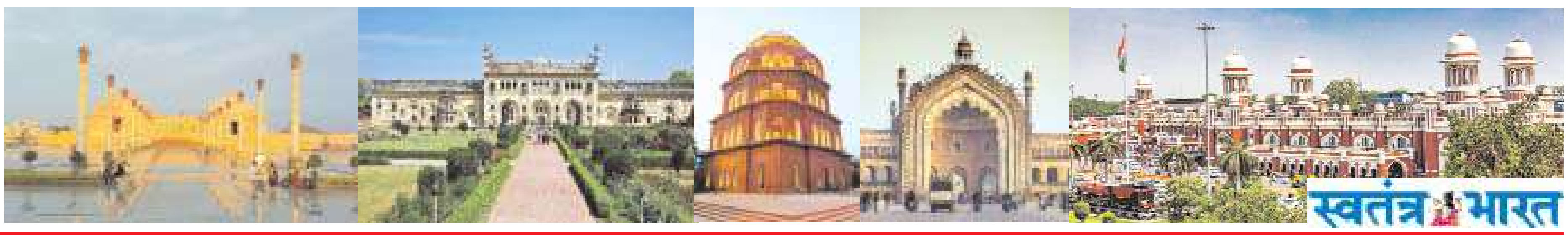

जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

अधिकारियों को दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को राजधानी लखनऊ स्थित अपने सरकारी आवास पर आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने फरियादियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि घबराइए नहीं, हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। जनता दर्शन में बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों ने भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई, राजस्व, चिकित्सा, पेंशन, आवास और अन्य जनसमस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र मुख्यमंत्री को सौंपे। मुख्यमंत्री ने प्रत्येक फरियादी की बात गंभीरता से सुनी और संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि जनता की शिकायतों के समाधान में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि हर शिकायत पर संवेदनशीलता और पारदर्शिता के साथ कार्रवाई की जाए, ताकि लोगों को शीघ्र न्याय मिल सके। जनता दर्शन कार्यक्रम में महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर सुना गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार आमजन की समस्याओं के समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है और प्रत्येक नागरिक को न्याय दिलाना सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

■ भूमि विवाद, पुलिस कार्रवाई, राजस्व, चिकित्सा, पेंशन, आवास और अन्य जनसमस्याओं से जुड़े प्रार्थना पत्र

डीआरएम ने अधिकारियों को रेलवे पुलों के मॉनिटरिंग किए जाने के दिए निर्देश

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। पूर्वोत्तर रेलवे लखनऊ मण्डल में संरक्षित रेल परिवहन, यात्रियों की सुरक्षा तथा संरक्षा के समुचित प्रबंधन को सुनिश्चित करने के लिए सोमवार को मण्डल रेल प्रबंधक गौरव अग्रवाल ने शाखाधिकारियों की उपस्थिति में लखनऊ-लखीमपुर रेलखण्ड का निरीक्षण यान द्वारा संरक्षा निरीक्षण किया। निरीक्षण के आरंभ में मण्डल रेल प्रबंधक द्वारा सिधौली-कमलापुर रेलखण्ड के मध्य माइनर ब्रिज सं. 82 का विस्तृत संरक्षा निरीक्षण किया। इसके बाद कमलापुर-खैराबाद रेलखण्ड के मध्य मेजर ब्रिज सं. 84 की सभी मानकों के अनुरुप संरक्षा निरीक्षण किया तथा एलएचएस सं. 69 को भी गहनता से जांचा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को रेलवे पुलों के नियमित अनुरक्षण तथा मॉनिटरिंग किए जाने के निर्देश दिए। इसके बाद खैराबाद स्टेशन पहुंचने पर मण्डल रेल प्रबंधक ने स्टेशन अधीक्षक कार्यालय में पैनल बोर्ड पर परिचालनिक कार्यप्रणाली, पैनल रूम, रिले रूम, स्टेशन वर्किंग रूल एवं पॉइंट क्रासिंग, स्टेशन यार्ड की सिगनलिंग प्रणाली व प्वाइंट आदि का अवलोकन किया तथा संरक्षा मानको के अनुरुप उनकी विधीक्षा की। निरीक्षण के अन्तिम चरण में महोदय द्वारा खैराबाद-लखीमपुर रेलखण्ड के मध्य समपार सं0 105 एवं 113 सी नॉन इंटरलॉक गेट का जायजा लिया तथा गेटमैन से संरक्षा संबंधी पूछताछ की। यहां से लखीमपुर स्टेशन पहुंचने पर अमृत भारत स्टेशन योजना के अन्तर्गत स्टेशन के पुनर्विकास, पैनल रुम, सर्कुलेटिंग एरिया, दिव्यांगजन अनुकूल शौचालय, उच्च गुणवत्ता प्रकाश व्यवस्था, प्रतीक्षालय तथा यार्ड में पॉइंट्स, क्रॉसिंग व एलडब्लूआर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/समन्वय, वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबंधक, वरिष्ठ मण्डल इंजीनियर/।।, वरिष्ठ मण्डल परिचालन प्रबंधक, वरिष्ठ मण्डल संरक्षा अधिकारी, वरिष्ठ मण्डल सिगनल एवं दूरसंचार इंजीनियर, वरिष्ठ मण्डल विद्युत इंजीनियर/सा0 तथा अन्य अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे।

खबर एक नज़र

अभ्युदय का अधिष्ठापन समारोह संपन्न

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। इनर व्हील क्लब ऑफ लखनऊ अभ्युदय का वार्षिक अधिष्ठापन समारोह गोमती नगर स्थित होटल में आयोजित हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन मधु कमानी की उपस्थिति में सत्र 2026-27 के लिए डॉ. मीनू कृपाल ने अध्यक्ष, सुबूही अल्वी ने उपाध्यक्ष, पायल ने सचिव, रितु अरोड़ा ने कोषाध्यक्ष, विभा सिंह ने आईएसओ तथा रूचि बाला ने संपादक पद की शपथ ली। समारोह के दौरान क्लब ने तीन जरूरतमंद बच्चों की स्कूल फीस जमा कराई, महिलाओं को स्वरोजगार के लिए सिलाई मशीनें भेंट कीं, 10 एनसीसी छात्राओं को हेलमेट वितरित किए, %एक पेड़ बेटी के नाम% अभियान के तहत 50 पौधे बांटे, वृद्धाश्रम में पेडेस्टल फैन, सिविल अस्पताल में व्हीलचेयर तथा जरूरतमंद बच्चों को स्कूल बैग और स्टेशनरी उपलब्ध कराई। इस अवसर पर मधु कमानी और डॉ. मीनू कृपाल ने महिला सशक्तिकरण एवं सामाजिक सेवा के कार्यों को आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

लविवि : कुलपति ने बढ़ाया कैडेट्स का उत्साह

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। 64 यूपी बटालियन एनसीसी द्वारा आयोजित कंबाइंड एनुअल ट्रेनिंग कैंप में लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जय प्रकाश सैनी ने कैडेट्स को संबोधित करते हुए उनके अनुशासन, उत्साह और सामर्थ्य की सराहना की तथा उन्हें राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में लखनऊ ग्रुप मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर पुनीत श्रीवास्तव ने कुलपति का स्वागत किया। इस दौरान एनसीसी गतिविधियों पर आधारित फिल्म का प्रदर्शन, %ऑपरेशन सिंदूर% विषयक सांस्कृतिक प्रस्तुति, मेधावी कैडेट्स का सम्मान, एनसीसी गान और वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित हुए। कुलपति ने कहा कि एनसीसी युवाओं में नेतृत्व, अनुशासन और सेवा भावना विकसित करने का प्रभावी माध्यम है। बाद में ग्रुप कमांडर ने कैंप का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की सराहना करते हुए कैडेट्स और अधिकारियों को ÷वेल-डन÷ कहा। समारोह में विश्वविद्यालय के वरिष्ठ अधिकारी, 64 यूपी बटालियन के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल ए. के. गुप्ता, एएनओ, जेसीओ, पीआई स्टाफ तथा बड़ी संख्या में कैडेट्स मौजूद थे।

पदोन्नत 158 खंड शिक्षा अधिकारियों को मिली नई तैनाती

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने पदोन्नति प्राप्त 158 खंड शिक्षा अधिकारियों (बीईओ) को नई तैनाती दे दी है। बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से जारी आदेश के अनुसार अधिकांश अधिकारियों को विभिन्न जनपदों के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) में वरिष्ठ प्रवक्ता के पद पर नियुक्त किया गया है। शासन के निर्देशानुसार सभी अधिकारियों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपने नए तैनाती स्थल पर कार्यभार ग्रहण करना होगा। लंबे समय से पदोन्नति के बाद नियुक्ति का इंतजार कर रहे अधिकारियों को इस आदेश से राहत मिली है। सरकार का मानना है कि अनुभवी अधिकारियों की तैनाती से डायट में शिक्षक प्रशिक्षण, शैक्षणिक अनुसंधान और शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार से जुड़े कार्यों को नई गति मिलेगी। साथ ही शिक्षक प्रशिक्षण व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं मजबूत बनाने में भी सहायता मिलेगी। बेसिक शिक्षा विभाग के इस फैसले को राज्य में शैक्षिक गुणवत्ता सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

इस्तीफा मंजूर करें, नहीं तो कोर्ट जाऊंगा : अलंकार अग्निहोत्री

स्वतंत्र भारत लखनऊ। निलंबित पीसीएस अधिकारी एवं राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अलंकार अग्निहोत्री सोमवार को बरेली पहुंचे, जहां उन्होंने कमिश्नर कार्यालय में अपने इस्तीफे से संबंधित शासन के आरोपपत्र पर पक्ष रखा। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि उनका इस्तीफा स्वीकार किया जाए। उन्होंने इसे अपना अंतिम निर्णय बताते हुए कहा कि यदि शासन इस्तीफा मंजूर नहीं करता है तो वह न्यायालय की शरण लेंगे। गौरतलब है कि बरेली में सिटी मजिस्ट्रेट के पद पर तैनाती के दौरान ने 26 जनवरी को अपने पद से इस्तीफा दिया था। इसके बाद शासन ने उन्हें निलंबित कर दिया था। कमिश्नर कार्यालय में बातचीत के दौरान उन्होंने अयोध्या राम मंदिर चढ़ावा मामले को लेकर भी गंभीर आरोप लगाए। उनका आरोप था कि जांच में केवल छोटे लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, जबकि बड़े जिम्मेदार लोगों को बचाने का प्रयास हो रहा है। उन्होंने दावा किया कि कथित घोटाला 10 से 15 हजार करोड़ रुपये का है। अलंकार अग्निहोत्री ने भाजपा सरकार पर भी निशाना साधते हुए कहा कि भगवान राम के नाम पर सत्ता हासिल की गई और अब उन्हीं के नाम पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। उन्होंने दिल्ली के स्वास्थ्य विभाग में कथित 650 करोड़ रुपये के घोटाले का भी उल्लेख करते हुए सरकार पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाए और कहा कि जनता वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव में इसका जवाब देगी। उन्होंने यह भी घोषणा की कि राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगा। इस दौरान संगठन के जिलाध्यक्ष आयेंद्र कुमार मिश्रा सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

■ बरेली पहुंचे अलंकार अग्निहोत्री, कमिश्नर कार्यालय में रखा अपना पक्ष

एकेटीयू का 24वां दीक्षांत समारोह आज

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय का 24वां दीक्षांत समारोह मंगलवार को जानकीपुरम स्थित पं अटल बिहारी वाजपेयी बहुउद्देश्यीय सभागार में होगा। यह बातें कुलपति प्रो जेपी पाण्डेय ने पत्रकारवार्ता में पत्रकारों से कही। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह की अध्यक्षता विश्वविद्यालय की कुलाधिपति राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल करेंगी जबकि बतौर मुख्य अतिथि इंडियन ऑयल कॉर्पेरेशन लिमिटेड के चेयरमैन अरविंदर सिंह साहनी होंगे। वहीं, विशिष्ट अतिथि मंत्री प्राविधिक शिक्षा विभाग आशीष पटेल रहेंगे। उन्होंने बताया कि दीक्षांत समारोह में कुल 83 छात्रों को 84 पदक दिये जाएंगे। जिसमें 35 स्वर्ण पदक तो 23 रजत और 24 कान्स्य पदक हैं। इस बार चांसलर मेडल अजय कुमार गर्ग इंजीनियरिंग कॉलेज गाजियाबाद के बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग पाठ्यक्रम की छात्रा अंशिका राणा को दिया जाएगा। वहीं, कमल रानी वरूण स्मृति स्वर्ण पदक केआईईटी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के बीटेक कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पाठ्यक्रम की छात्रा इशिका को मिलेगा। समारोह में 62537 छात्रों को डिग्री एवं 53 छात्रों को पीएचडी की डिग्री अवार्ड होगी। कुल पदक पाने वालों में 52 छात्राएं तो 31 छात्र शामिल हैं। वहीं रोगन कला के कलाकार श्री कंसारा आशीष शांतिलाल को डी लिट की मानद उपाधि प्रदान की जाएगी।

पूर्वाभ्यास में परखी तैयारी

डॉ एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय के 24वें दीक्षांत समारोह की तैयारियां सोमवार को पूर्वाभ्यास के जरिये परखी गयी। कुलपति प्रो जेपी पांडेय के निर्देशन में समारोह स्थल पं अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में पूर्वाभ्यास किया गया। इस दौरान शैक्षणिक शोभा यात्रा निकाली गयी तो मेधावियों के बैठने के स्थान और मेडल के क्रम को तय किया गया। पूर्वाभ्यास के दौरान शैक्षणिक शोभायात्रा में राज्यपाल की भूमिका में प्रो अरूणिमा वर्मा रहीं। इस दौरान प्रति कुलपति प्रो राजीव कुमार, कुलसचिव रीना सिंह, वित्त अधिकारी केशव सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो दीपक नगरिया सहित अन्य लोग मौजूद थे।

केंद्रीय ट्रेड यूनियनों का 29 जुलाई को दिल्ली में राष्ट्रीय सम्मेलन

किसान विरोधी नीतियों के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन की रणनीति बनेगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति के केंद्रीय पदाधिकारियों ने सोमवार को बताया कि संयुक्त किसान मोर्चा तथा 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों के संयुक्त आह्वान पर किसानों, मजदूरों एवं कर्मचारियों का एक विशाल राष्ट्रीय सम्मेलन आगामी 29 जुलाई को नई दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। इस सम्मेलन में देशभर के किसान संगठनों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों तथा विभिन्न उद्योगों के श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में भाग लेंगे। संघर्ष समिति ने बताया कि सम्मेलन में देश के किसानों, श्रमिकों, कर्मचारियों तथा सार्वजनिक क्षेत्र से जुड़े अत्यंत महत्वपूर्ण मुद्दों पर व्यापक विचार-विमर्श होगा। प्रमुख विषयों में केंद्र सरकार द्वारा बिजली क्षेत्र के निजीकरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रस्तावित इलेक्ट्रिसिटी (संशोधन) विधेयक-2025, उत्तर प्रदेश सहित विभिन्न राज्यों में विद्युत वितरण कंपनियों के निजीकरण की बढ़ती प्रक्रिया, श्रमिक अधिकारों को प्रभावित करने वाली चार श्रम संहिताएं (लेबर कोड्स) तथा प्रस्तावित बीज विधेयक शामिल हैं। इन सभी मुद्दों पर साझा राष्ट्रीय रणनीति तैयार करते हुए व्यापक जनआंदोलन की रूपरेखा तय किए जाने की संभावना है। संघर्ष समिति ने कहा कि देश के विभिन्न राज्यों से सार्वजनिक क्षेत्र के कर्मचारी संगठनों के प्रतिनिधि तथा संयुक्त किसान मोर्चा के बैनर तले हजारों किसान प्रतिनिधि इस सम्मेलन में भाग लेकर निजीकरण, श्रम विरोधी नीतियों और किसान विरोधी कदमों के विरुद्ध साझा संघर्ष को और अधिक मजबूत करने का संकल्प लेंगे। समिति के पदाधिकारियों ने स्मरण कराया कि इससे पूर्व 12 फरवरी को संयुक्त किसान मोर्चा एवं 10 केंद्रीय ट्रेड यूनियनों तथा नेशनल कोऑर्डिनेशन कमेटी ऑफ इलेक्ट्रिसिटी इंप्लाइज एंड इंजीनियर्स के संयुक्त आह्वान पर देशव्यापी हड़ताल आयोजित की गई थी। दुर्भाग्यवश उसके बाद भी सरकारों की नीतियों में अपेक्षित सकारात्मक बदलाव नहीं हुआ। इसके विपरीत उत्तर प्रदेश, हरियाणा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र सहित अनेक राज्यों में बिजली के निजीकरण की प्रक्रिया और तेज कर दी गई है, जिससे देशभर के बिजली कर्मचारियों में गहरा असंतोष व्याप्त है। संघर्ष समिति ने स्पष्ट किया कि यदि 29 जुलाई के राष्ट्रीय सम्मेलन में बिजली के निजीकरण, श्रम विरोधी नीतियों तथा किसान विरोधी कानूनों के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आंदोलन का निर्णय लिया जाता है, तो देश के बिजली कर्मचारी पूरे मनोबल और एकजुटता के साथ उसमें सक्रिय भागीदारी निभाएंगे।

12वीं के मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल ग्रुप आर्फ स्कूल्स लखनऊ के कक्षा 12वीं (2026) में सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र- छात्राओं को स्कॉलरशिप वितरण एवं सम्मान समारोह का आयोजन रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल स्कूल सेक्टर 14 इंदिरा नगर लखनऊ स्थित अमर शहीद कैप्टन मनोज कुमार पांडेय सभागार में संपन्न हुआ। समारोह का उद्घाटन संस्था के संस्थापक प्रबंधक जयपाल सिंह ने पारंपरिक दीप प्रज्ज्वलित कर अमर शहीदों के चित्रों पर माल्यार्पण कर किया। इस अवसर पर बच्चों ने वन्दे मातरम, गणेश वंदना, देवी वंदना, गुरु वंदना एवं प्रेरणादायक गीत आदि अभूतपूर्व कार्यक्रम प्रस्तुत किया। समारोह में रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल ग्रुप आर्फ स्कूल्स लखनऊ के सीबीएसई बोर्ड द्वारा आयोजित कक्षा 12वीं (2026) की परीक्षा में 90% से अधिक अंक अर्जित करने वाले 236 छात्र- छात्राओं को संस्था के संस्थापक प्रबंधक जयपाल सिंह ने नगद पुरस्कार, सर्टिफिकेट तथा रानी लक्ष्मीबाई का मोमेंटो देकर उन्हें उनके माता-पिता के साथ सम्मानित किया। समारोह में विद्यालय के सभी डायरेक्टर्स, प्रधानाचार्या, उप-प्रधानाचार्या तथा शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित थे। अंत में संस्था के डायरेक्टर श्रीमती निर्मल टंडन ने सभी अभिभावकों तथा छात्र-छात्राओं को धन्यवाद ज्ञापित किया।

कांग्रेस मुख्यालय में बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारत के पूर्व उपप्रधानमंत्री, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रखर समाज सुधारक एवं सामाजिक न्याय के पुरोधा की पुण्यतिथि पर सोमवार को उत्तर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, नेहरू भवन में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान को याद किया। श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए पूर्व सांसद पीएल पूनिया ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का संपूर्ण जीवन सामाजिक समानता, संवैधानिक मूल्यों और वंचित समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम केवल एक राजनेता नहीं, बल्कि सामाजिक परिवर्तन के ऐसे प्रतीक थे, जिन्होंने अपने संघर्ष और कार्यों से समाज के कमजोर वर्गों को नई दिशा देने का काम किया। उन्होंने कहा कि आज के समय में उनके विचारों और आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने की आवश्यकता है, ताकि सामाजिक न्याय, लोकतंत्र और संविधान की मूल भावना को और अधिक सशक्त बनाया जा सके। पूर्व मंत्री मोईद अहमद ने अपने संबोधन में कहा कि बाबू जगजीवन राम ने अपने संघर्ष, कर्म और दूरदर्शी नेतृत्व से भारतीय राजनीति में अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने समाज के प्रत्येक वर्ग को सम्मान और समान अवसर दिलाने के लिए निरंतर कार्य किया। उन्होंने कहा कि बाबू जगजीवन राम का सार्वजनिक जीवन ईमानदारी, सेवा और समर्पण का उदाहरण है तथा उनकी विचारधारा आने वाली पीढ़ियों के लिए हमेशा प्रेरणा का स्रोत बनी रहेगी। कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेताओं ने कहा कि कांग्रेस पार्टी संविधान, सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सदैव प्रतिबद्ध रही है। नेताओं ने कहा कि पार्टी बाबू जगजीवन राम के बताए मार्ग पर चलते हुए समाज के कमजोर, वंचित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा तथा जनहित और देशहित के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेगी। श्रद्धांजलि सभा में प्रदेश कांग्रेस के कोषाध्यक्ष शिव पांडेय, विचार विभाग के चेयरमैन एच.एल. दुसाध, विचार विभाग के उपाध्यक्ष सुरेंद्र यादव, रमेश मिश्रा, संजय शर्मा, जिलाध्यक्ष रुद्र दमन सिंह %बबलू%, शहर अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी, ललन कुमार, अनामिका यादव, डॉ. लालती देवी, अनीस अंसारी, संजय सिंह, मुकेश सिंह चौहान, कुलदीप दिवाकर, बृजेन्द्र कुमार सिंह, जी.के. दुबे, पुष्पेंद्र श्रीवास्तव, संपूर्णानंद मिश्र, अब्दुल्ला शेर खान, राकेश पांडेय, आर्शीवाद श्रीवास्तव, बदरे आलम सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

■ नेताओं ने सामाजिक न्याय के आदर्शों को बताया प्रेरणास्रोत

सैकड़ों समर्थकों के साथ पूर्व विधायक रालोद में शामिल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। गुन्नौर संभल से पूर्व विधायक राजेश यादव ने सोमवार को राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय कौशल विकास मंत्री चौधरी जयंत सिंह के समक्ष उनके नेतृत्व में आस्था जताते हुए राष्ट्रीय लोकदल में शामिल होने की घोषणा की। उन्होंने अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयंत सिंह के नेतृत्व में पार्टी को मजबूत करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय लोकदल संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष एवं पूर्व सांसद केश्‍ा सीश्‍ा त्यागी मौजूद रहे। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय महासचिव अनिल दुबे ने बताया कि पूर्व विधायक राजेश यादव के पार्टी में शामिल होने से पूरे प्रदेश में दल को मजबूती मिलेगी और भारत रत्न चौधरी चरण सिंह की विचारधारा को व्यापक स्तर पर पहुंचाया जा सकेगा।

महमूद गजनवी के रास्ते पर चल रही है भाजपा : संजय सिंह

केंद्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार पर बोला तीखा हमला

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को लखनऊ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए अयोध्या राम मंदिर निर्माण में हुए भ्रष्टाचार को लेकर केंद्र की मोदी और राज्य की योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। संजय सिंह ने राम मंदिर ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय पर 'चंदा चोरी' का सीधा आरोप लगाते हुए 13 नए दस्तावेजी सबूत मीडिया के सामने सार्वजनिक किए। संजय सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा निशाना साधते हुए सवाल उठाया कि आखिर देश के प्रधानमंत्री इस महाघोटाले पर चुप क्यों हैं? मोदी सरकार इस महाभ्रष्ट ट्रस्ट को तुरंत भंग क्यों नहीं कर रही और चंदा चोरी के मुख्य आरोपी चंपत राय को अब तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया? उन्होंने ऐलान किया कि इन पुख्ता सबूतों के साथ वे आज ही एसआईटी(विशेष जांच दल) को पत्र लिखकर समय मांग रहे हैं ताकि इस महाघोटाले की परतें खोली जा सकें और सारे साक्ष्य सौंपे जा सकें। प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान सांसद संजय सिंह ने भाजपा की नीयत पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि चंपत राय के इस्तीफे की खबरें महज एक लीपापोती हैं। सिर्फ महासचिव पद छोड़ना काफी नहीं है क्योंकि वे आजीवन ट्रस्टी बने रहेंगे। इस भ्रष्ट ट्रस्ट को तुरंत भंग किया जाना चाहिए,क्योंकि खुद ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास और कोषाध्यक्ष ने यह स्वीकार किया है कि उन्हें बिना बताए पैसों का भारी हेरफेर किया गया है। सच तो यह है कि भाजपा के लोग आज महमूद गजनवी के रास्ते पर चल रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी को डर है कि अगर चंपत राय का मुंह खुला, तो इस महाघोटाले का सारा सच जनता के सामने आ जाएगा और कई बड़े चेहरे बेनकाब हो जाएंगे। संजय सिंह ने कहा कि जहां योगी सरकार किसानों को 4-5 लाख रूपए प्रति बिस्वा का मुआवजा दे रही है, वहीं चंपत राय ने चंदे के पैसे से 47-48 लाख रूपए प्रति बिस्वा में जमीनें खरीदीं। निर्माण कार्य में 40% कमीशन खाया गया और आभूषण-चढ़ावे तक की चोरी की गई। उन्होंने कहा कि विश्व हिंदू परिषद के अंतर्राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार द्वारा जांच अधिकारी (डीएसपी) को लिखी गई चिट्ठी पर पलटवार करते हुए कहा कि वे जांच को भटकाने के लिए केजरीवाल, संजय सिंह, प्रियंका गांधी और रामगोपाल यादव से पूछताछ की मांग कर रहे हैं। उन्होंने याद दिलाया कि वे 2021 में ही अयोध्या की कोतवाली में कागजी सबूतों के साथ तहरीर दे चुके हैं, जिस पर आज तक एफआईआर नहीं हुई। संजय सिंह ने सवाल उठाया कि आलोक कुमार ने अपनी चिट्ठी में उन लोगों का नाम क्यों नहीं लिखा जो खुद गवाही दे रहे हैं, जैसे निर्माण समिति के अध्यक्ष निपेंद्र मिश्रा, भाजपा नेता डॉ. रजनीश सिंह, वीएचपी कार्यकर्ता महिपाल सिंह, संत धर्मदास, शंकराचार्य, विनय कटियार, संतोष दुबे और कमल नयन दास जी। उन्होंने स्पष्ट किया कि अगर जांच अधिकारी उन्हें बुलाते हैं, तो वे इन सभी गवाहों को साथ लेकर जाएंगे। संजय सिंह ने कहा कि अगर केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी मानते हैं कि एथेनॉल से गाड़ियां खराब नहीं होतीं, तो कम से कम भाजपा के नेताओं, विधायकों, सांसदों और मंत्रियों के लिए नियम अनिवार्य कर दें कि वे अपनी गाड़ियों में 50% एथेनॉल मिला पेट्रोल ही इस्तेमाल करें।'

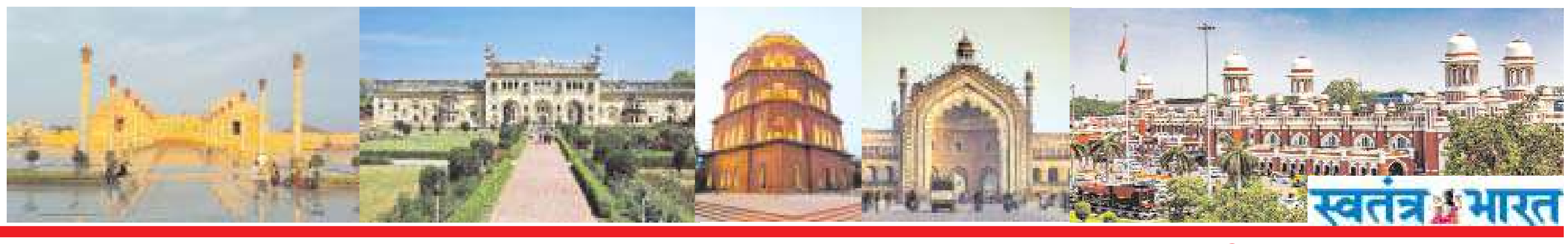

स्वतंत्र भारत

कैबिनेट का फैसला : कानपुर, गाजियाबाद और फतेहपुर में खुलेंगे तीन नए निजी विश्वविद्यालय

स्वतंत्र भारत लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में उच्च शिक्षा विभाग से जुड़े तीन महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने कानपुर नगर, फतेहपुर और गाजियाबाद में तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को स्वीकृति दे दी है। सरकार का कहना है कि इससे प्रदेश में उच्च शिक्षा का विस्तार होगा और युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं शोध के बेहतर अवसर मिलेंगे।

लोक भवन मीडिया सेंटर में आयोजित प्रेसवार्ता में उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने बताया कि उत्तर प्रदेश निजी विश्वविद्यालय अधिनियम, 2019 के तहत निर्धारित मानकों के मूल्यांकन के बाद तीन संस्थाओं को आशय पत्र (एलओपी) जारी करने तथा संचालन प्राधिकार-पत्र प्रदान करने के प्रस्ताव को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य प्रदेश के अंतिम व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा पहुंचाना है। कैबिनेट के निर्णय के अनुसार दिल्ली स्थित स्वामी ब्रह्मानंद सरस्वती चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा कानपुर नगर की बिल्हौर तहसील के गदनपुर आहार गांव में 51.739 एकड़ भूमि पर कृषि आधारित निजी विश्वविद्यालय की स्थापना की जाएगी। यह विश्वविद्यालय कृषि शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देने का कार्य करेगा। इसके अलावा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग सोसाइटी द्वारा गाजियाबाद विकास प्राधिकरण क्षेत्र के डासना में 26.2656 एकड़ भूमि पर निजी विश्वविद्यालय स्थापित किया जाएगा। वहीं एंग्लो संस्कृत कॉलेज द्वारा फतेहपुर तहसील के फतेहपुर दक्षिणी क्षेत्र में 20.45 एकड़ भूमि पर नया निजी विश्वविद्यालय खोला जाएगा।

उच्च शिक्षा मंत्री ने बताया कि वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश में 14 सरकारी और 27 निजी विश्वविद्यालय थे। योगी सरकार के कार्यकाल में अब तक आठ नए सरकारी विश्वविद्यालय स्थापित किए जा चुके हैं। तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की मंजूरी के बाद प्रदेश में निजी विश्वविद्यालयों की संख्या बढ़कर 56 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि इन विश्वविद्यालयों के शुरू होने से छात्रों को प्रदेश में ही गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा, शोध और रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी।

गोरखपुर और मुरादाबाद नगर निगम जारी करेंगे म्यूनिसिपल बॉन्ड

मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में सोमवार को हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में गोरखपुर और मुरादाबाद नगर निगमों को म्यूनिसिपल बॉन्ड जारी करने की मंजूरी दे दी गई। साथ ही इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड (आईडीएफ) से दोनों नगर निगमों की क्रेडिट रेटिंग बेहतर बनाने के लिए अनुदान उपलब्ध कराने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति प्रदान की गई।

सरकार का मानना है कि इस निर्णय से दोनों शहरों में सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, ड्रेनेज और अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास के लिए पूंजी बाजार से संसाधन जुटाने का रास्ता खुलेगा। इसके साथ ही नगर निगमों की वित्तीय क्षमता मजबूत होगी और शहरी विकास परियोजनाओं को गति मिलेगी। प्रदेश सरकार नगरीय निकायों को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और विकास कार्यों के लिए वैकल्पिक वित्तीय स्रोत उपलब्ध कराने की दिशा में लगातार कदम उठा रही है। इसी नीति के तहत अब गोरखपुर और मुरादाबाद नगर निगम भी म्यूनिसिपल बॉन्ड के जरिए धन जुटा सकेंगे। इससे पहले लखनऊ नगर निगम वर्ष 2020 में 200 करोड़ रुपये और गाजियाबाद नगर निगम वर्ष 2021 में 150 करोड़ रुपये के म्यूनिसिपल बॉन्ड सफलतापूर्वक जारी कर चुके हैं। अब कैबिनेट की मंजूरी के बाद गोरखपुर और मुरादाबाद भी इस सूची में शामिल हो जाएंगे।

वाराणसी में बनेगा ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई उत्तर प्रदेश कैबिनेट की बैठक में कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) की स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। कैबिनेट ने वाराणसी में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज तथा मुरादाबाद और गोरखपुर में 100-100 बेड के ईएसआईसी अस्पतालों की स्थापना के लिए भूमि उपलब्ध कराने पर सहमति दे दी है। कैबिनेट के फैसले के अनुसार इन परियोजनाओं का निर्माण भारत सरकार द्वारा कराया जाएगा। इनके शुरू होने से लाखों बीमित श्रमिकों और उनके आश्रितों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी, वहीं प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार के नए अवसर भी सृजित होंगे। श्रम मंत्री ने बताया कि वाराणसी की पिंडरा तहसील के ग्राम पिंडरा में ईएसआईसी मेडिकल कॉलेज के लिए 13 एकड़ भूमि कर्मचारी राज्य बीमा निगम को निःशुल्क आवंटित की जाएगी। वर्तमान ईएसआईसी अस्पताल का विस्तार कर मेडिकल कॉलेज बनाया जाएगा, जिस पर लगभग 800 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। यहां एमबीबीएस की अधिकांश सीटें उत्तर प्रदेश के छात्रों के लिए उपलब्ध होंगी, जबकि बीमित कर्मचारियों के बच्चों के लिए 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान रहेगा। भविष्य में नर्सिंग और पैरामेडिकल पाठ्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे। सरकार के अनुसार इस मेडिकल कॉलेज से वाराणसी और आसपास के जिलों के करीब 1.45 लाख ईएसआई कार्डधारक श्रमिकों तथा उनके लगभग 5.50 लाख आश्रितों को बेहतर चिकित्सा सुविधा का लाभ मिलेगा। मुरादाबाद में 100 बेड के ईएसआईसी अस्पताल के लिए हरथला गांव में 2.025 हेक्टेयर सरकारी भूमि निःशुल्क उपलब्ध कराई जाएगी। इस अस्पताल से जिले के लगभग 93 हजार से अधिक बीमित श्रमिकों और उनके 3.55 लाख से अधिक आश्रितों को इलाज की सुविधा मिलेगी। वहीं गोरखपुर के गीडा सेक्टर-9 में 5.249 एकड़ भूमि पर 100 बेड का ईएसआईसी अस्पताल स्थापित किया जाएगा। इसके लिए भूमि बाजार मूल्य के बजाय रियायती दर पर उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल शुरू होने से पूर्वांचल के बीमित श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मिलेंगी और क्षेत्र में रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।

यूपी बोर्ड : अब सॉफ्टवेयर तय करेगा परीक्षा केंद्र

पूरी प्रक्रिया होगी ऑनलाइन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद ने वर्ष 2027 की हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के लिए परीक्षा केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया को पूरी तरह ऑनलाइन करने का फैसला किया है। नई व्यवस्था के तहत अब परीक्षा केंद्रों का चयन सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाएगा। इससे मानवीय हस्तक्षेप कम होगा, पारदर्शिता बढ़ेगी और परीक्षा केंद्र निर्धारण प्रक्रिया अधिक निष्पक्ष बन सकेगी। नई व्यवस्था के तहत सभी विद्यालयों को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी आधारभूत सुविधाओं का पूरा विवरण ऑनलाइन पोर्टल पर अपलोड करना होगा। इसमें कक्षों की संख्या, फर्नीचर, पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरे तथा अन्य आवश्यक संसाधनों की जानकारी शामिल रहेगी। इसके बाद तहसील स्तरीय समिति विद्यालयों का भौतिक सत्यापन करेगी और अपनी रिपोर्ट भी पोर्टल पर अपलोड करेगी। इसी सत्यापन रिपोर्ट के आधार पर सॉफ्टवेयर परीक्षा केंद्रों की पहली सूची तैयार करेगा। हाथरस जिले में इस नई व्यवस्था को लागू करने की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। जिला विद्यालय निरीक्षक संत प्रकाश ने सभी विद्यालय संचालकों को समयबद्ध तरीके से पोर्टल पर जानकारी अपलोड करने तथा शासन की समय-सारिणी का पालन करने के निर्देश दिए हैं। जिले के 24 राजकीय, 55 वित्तपोषित तथा 273 वित्तविहीन हाईस्कूल एवं इंटर कॉलेज इस प्रक्रिया में शामिल होंगे।

यदि किसी विद्यालय, प्रबंधक या संबंधित पक्ष को परीक्षा केंद्रों की सूची पर कोई आपत्ति होगी तो वह भी ऑनलाइन दर्ज कराई जाएगी। आपत्तियों के निस्तारण के बाद संशोधित सूची जारी होगी और दोबारा ऑनलाइन आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। सभी आपत्तियों का निस्तारण होने के बाद अंतिम परीक्षा केंद्र सूची जारी कर दी जाएगी। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा परिषद के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 20 जुलाई तक विद्यालयों को अपनी सुविधाओं का विवरण पोर्टल पर अपलोड करना होगा। तीन अगस्त तक तहसील स्तरीय समिति विद्यालयों का भौतिक सत्यापन करेगी, जबकि 10 अगस्त तक सत्यापन रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड की जाएगी।

17 अगस्त को परीक्षा केंद्रों की पहली सूची जारी होगी।इसके बाद 22 अगस्त तक ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज की जा सकेंगी। एक सितंबर को आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा और सात सितंबर को संशोधित सूची जारी होगी। संशोधित सूची पर 14 सितंबर तक पुनः आपत्तियां आमंत्रित की जाएंगी। सभी आपत्तियों के निस्तारण के बाद 18 सितंबर को अंतिम परीक्षा केंद्र सूची जारी कर दी जाएगी। हाथरस के जिला विद्यालय निरीक्षक संत प्रकाश ने कहा कि ऑनलाइन प्रणाली लागू होने से परीक्षा केंद्र निर्धारण में पारदर्शिता आएगी, शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण होगा और अनावश्यक विवादों की संभावना भी काफी कम हो जाएगी।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी : राष्ट्रवाद, शिक्षा और अखंड भारत के प्रखर प्रवक्ता

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। भारतीय जनसंघ के संस्थापक, प्रख्यात शिक्षाविद और स्वतंत्र भारत के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती आज देशभर में श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई जा रही है। इस अवसर पर विभिन्न राजनीतिक, सामाजिक और शैक्षणिक संस्थानों में उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें याद किया गया। डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जन्म 6 जुलाई 1901 को कोलकाता में हुआ था। वे कम उम्र में ही शिक्षा के क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान बनाने में सफल रहे और मात्र 33 वर्ष की आयु में कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उन्होंने उच्च शिक्षा और भारतीय भाषाओं के विकास को विशेष प्रोत्साहन दिया। स्वतंत्रता के बाद वे पंडित जवाहरलाल नेहरू की सरकार में देश के प्रथम उद्योग एवं आपूर्ति मंत्री बने। हालांकि, राष्ट्रीय नीतियों को लेकर मतभेद होने के कारण उन्होंने वर्ष 1950 में मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। इसके बाद वर्ष 1951 में उन्होंने भारतीय जनसंघ की स्थापना की, जिसने आगे चलकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के रूप में देश की प्रमुख राजनीतिक शक्ति का रूप लिया। डॉ. मुखर्जी जम्मू-कश्मीर के पूर्ण एकीकरण के प्रबल समर्थक थे। उन्होंने एक देश में दो विधान, दो प्रधान और दो निशान नहीं चलेंगे का नारा देते हुए विशेष संवैधानिक व्यवस्था का विरोध किया। वर्ष 1953 में बिना परमिट जम्मू-कश्मीर प्रवेश के दौरान उन्हें गिरफ्तार किया गया था। हिरासत के दौरान 23 जून 1953 को उनका निधन हो गया। प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्रियों, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्रियों और कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए राष्ट्र निर्माण, शिक्षा और राष्ट्रीय एकता के लिए उनके योगदान को याद किया।

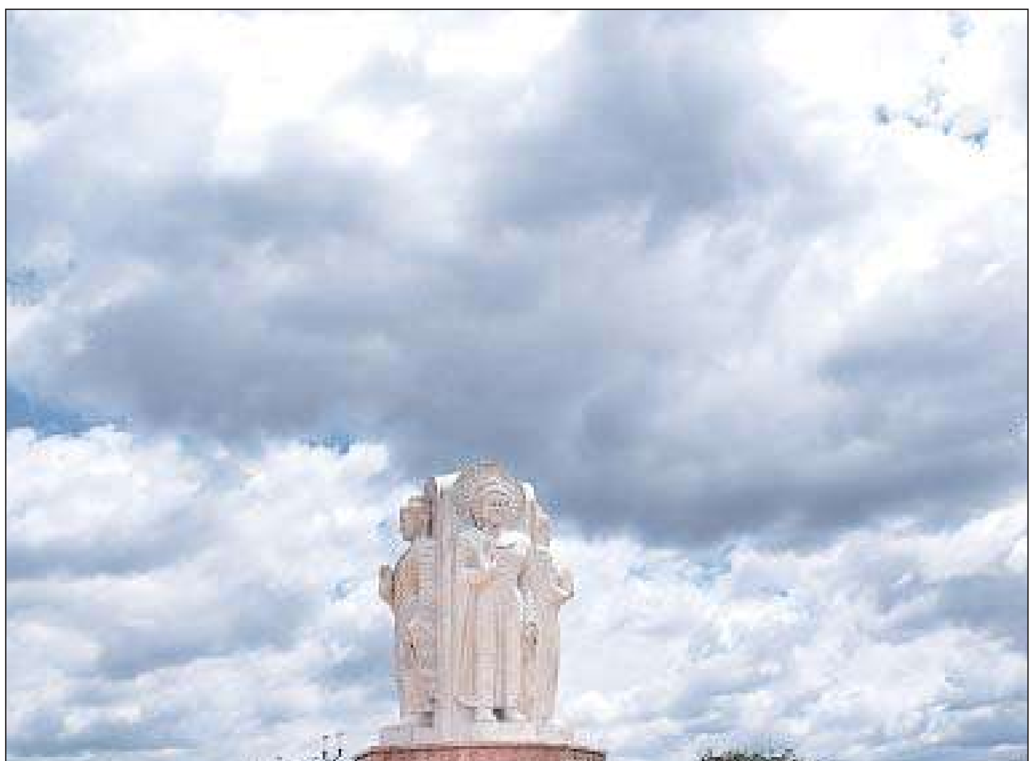

‘बादलों की चादर ओढ़े 1090 चौराहा, लखनऊ... प्रकृति और कला का मनमोहक दृश्य।’ (फोटो : प्रणव कुकरेती)

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का नया परिसर बनेगा भारतीय कला-संस्कृति का वैश्विक केंद्र

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के विजन के अनुरूप भारतीय संस्कृति, संगीत, लोक परंपराओं और प्रदर्शन कलाओं को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय का नया परिसर एक महत्वपूर्ण पहल के रूप में विकसित किया जाएगा। राजधानी लखनऊ के काकराबाद में प्रस्तावित इस विश्वस्तरीय परिसर को केवल संगीत विश्वविद्यालय तक सीमित न रखकर भारतीय संस्कृति के समग्र केंद्र के रूप में विकसित करने की योजना है। इसी उद्देश्य से सोमवार को अपर मुख्य सचिव, संस्कृति, पर्यटन एवं धर्मार्थ कार्य विभाग अमृत अभिजात की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय सलाहकार समिति की बैठक आयोजित हुई, जिसमें देश के प्रतिष्ठित कलाकारों, शिक्षाविदों और विशेषज्ञों ने परिसर की रूपरेखा पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। बैठक में विशेषज्ञों ने कहा कि भारत की हजारों वर्षों पुरानी सांस्कृतिक विरासत को समग्र रूप में प्रस्तुत करने वाला ऐसा संस्थान विकसित किया जाना चाहिए, जहां शास्त्रीय संगीत, नृत्य, रंगमंच, लोक एवं जनजातीय कलाएं, दृश्य एवं ललित कलाएं, साहित्य, दर्शन, योग, आध्यात्म और भारतीय ज्ञान परंपरा का एकीकृत अध्ययन एवं शोध हो सके। इस दृष्टि से

भातखंडे संस्कृति विश्वविद्यालय के नए परिसर को देश के पहले समग्र ‘संस्कृति विश्वविद्यालय’ के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया गया। परिसर में दुर्लभ पांडुलिपियों के संरक्षण, मौखिक परंपराओं के दस्तावेजीकरण, डिजिटल रिपॉजिटरी और भारतीय प्रदर्शन कलाओं के संग्रहालय जैसी आधुनिक सुविधाएं विकसित करने पर भी सहमति बनी। विशेषज्ञों ने परिसर में संगीत, नृत्य, रंगमंच, योग एवं अध्यात्म, दृश्य एवं ललित कला, साहित्य एवं दर्शन, फिल्म निर्माण तथा कला एवं सांस्कृतिक प्रबंधन जैसे विषयों के लिए अलग-अलग विशेष विद्यालय स्थापित करने का सुझाव दिया। साथ ही ध्वनि-विज्ञान आधारित अभ्यास कक्ष, आधुनिक नृत्य स्टूडियो, रिकॉर्डिंग स्टूडियो, एआई म्यूजिक लैब, विष्णु नारायण भातखंडे ग्रैंड ऑडिटोरियम, ब्लैक बॉक्स थिएटर, शास्त्रीय नृत्य थिएटर, रेसाइटल हॉल और मुक्ताकाशी मंच जैसी विश्वस्तरीय अधोसंरचना विकसित करने पर भी चर्चा हुई। बैठक में पद्मश्री मालिनी अवस्थी ने परिसर को भारतीय परंपरा और प्रकृति के अनुरूप विकसित करने पर बल दिया। वहीं प्रो. सिद्धार्थ सिंह ने विश्वविद्यालय को केवल संगीत संस्थान न मानते हुए समग्र संस्कृति विश्वविद्यालय के रूप में विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया। पद्मश्री प्रो. वामन केंद्रे सहित अन्य विशेषज्ञों ने लोक एवं जनजातीय कलाओं, थिएटर, परफॉर्मिंग आर्ट्स, विजुअल आर्ट्स और साहित्य को एकीकृत पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाने की वकालत की।

नगर निगम कार्यकारिणी की बैठक में कई अहम फैसले

वायु गुणवत्ता निगरानी से लेकर गृहकर छूट और शिवरी प्लांट के कचरा निस्तारण को मिली मंजूरी

स्वतंत्र भारत लखनऊ। नगर निगम कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक सोमवार को मोहान रोड स्थित शिवरी सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट में महापौर सुषमा खर्कवाल की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में शहर के समग्र विकास, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, राजस्व वृद्धि, निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, शिक्षा, विद्युत व्यवस्था, पार्किंग, विज्ञापन नीति और पुराने कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण सहित अनेक महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विचार किया गया। कार्यकारिणी ने अधिकांश प्रस्तावों को मंजूरी देते हुए शहर के विकास की दिशा में कई अहम निर्णय लिए।बैठक की शुरुआत कार्यकारिणी समिति के उपाध्यक्ष के चुनाव से हुई, जिसमें सर्वसम्मति से सुशील तिवारी %पम्मी% को कार्यकारिणी का नया उपाध्यक्ष चुना गया। महापौर सहित सभी सदस्यों ने उन्हें बधाई दी।बैठक में शहर में वायु प्रदूषण की निगरानी के लिए प्रत्येक वार्ड स्तर पर आधुनिक व्यवस्था स्थापित करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी गई। नगर निगम एयरावत रिसर्च फाउंडेशन के साथ समझौता करेगा, जिसके तहत शहर में 149 कम लागत वाले वायु गुणवत्ता सेंसर लगाए जाएंगे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित यह प्रणाली सूक्ष्म धूलकणों सहित प्रमुख

प्रदूषकों की निगरानी करेगी, प्रदूषण वाले क्षेत्रों की पहचान करेगी तथा 24 से 72 घंटे पहले तक का पूर्वानुमान भी उपलब्ध कराएगी। विशेष बात यह है कि इस परियोजना पर नगर निगम को कोई वित्तीय व्यय नहीं करना पड़ेगा।कार्यकारिणी ने लखनऊ विकास प्राधिकरण के पार्कों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों के व्यावसायिक उपयोग पर अब व्यावसायिक कर और उपयोग शुल्क वसूलने का निर्णय भी लिया। साथ ही यह भी तय किया गया कि भविष्य में कोई भी कॉलोनी तभी नगर निगम को हस्तांतरित की जाएगी, जब वहां की सभी मूलभूत नागरिक सुविधाएं पूरी तरह विकसित होकर निगम को सौंप दी जाएंगी।नई विज्ञापन नियमावली-2026 के तहत शहर के विज्ञापन स्थलों का बाजार सर्वे कराने के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली। इसके लिए चयनित एजेंसी विभिन्न विज्ञापन स्थलों का सर्वे कर उनकी वास्तविक बाजार क्षमता के आधार पर नई दरें निर्धारित करने में सहयोग करेगी।बैठक में ग्राम कल्ली पश्चिम में नया 33/11 केवी विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने के लिए नगर निगम की भूमि उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन को उपलब्ध कराने का प्रस्ताव भी स्वीकृत किया गया। वहीं अमौसी क्षेत्र में नगर निगम जोन-5 का नया कार्यालय बनाने के लिए भूमि उपलब्ध कराने का निर्णय लिया गया, जिससे क्षेत्रीय प्रशासनिक सेवाएं और अधिक सुदृढ़ होंगी।नगर निगम के लेखा विभाग में वित्तीय अभिलेखों के बेहतर प्रबंधन के लिए विषय विशेषज्ञ की सेवाएं प्राप्त करने का प्रस्ताव भी पारित किया गया। इसके अलावा नगर सीमा में संचालित ई-वाणिज्य कंपनियों और अन्य बड़े भंडारण केंद्रों से अनुज्ञा शुल्क वसूलने के लिए नई उपविधि तैयार करने का निर्णय लिया गया, जिससे नगर निगम के राजस्व में वृद्धि होगी।कार्यकारिणी ने शिवरी स्थित सॉलिड वेस्ट प्रोसेसिंग प्लांट में वर्षों से जमा लगभग 4.21 लाख मीट्रिक टन पुराने कचरे के वैज्ञानिक निस्तारण को भी मंजूरी दी। लगभग 26.60 करोड़ रुपये की लागत से यह कार्य जैव उपचार पद्धति के माध्यम से कराया जाएगा, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ कचरे के सुरक्षित निस्तारण का मार्ग प्रशस्त होगा।शिक्षा के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए नगर निगम संचालित अमीनाबाद इंटर कॉलेज में अब बालकों के साथ बालिकाओं को भी प्रवेश देने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। इससे विद्यालय में सहशिक्षा व्यवस्था लागू हो सकेगी।

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए कराए कार्य

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि. की प्रबंध निदेशक रिया केजरीवाल के निर्देश पर शहर के अमौसी जोन के अंतर्गत शकुन्तला मिश्रा सब.स्टेशन पर 5 एमवीए का अतिरिक्त पावर ट्रांसफार्मर सफलतापूर्वक स्थापित किया गया। इससे क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति अधिक विश्वसनीय होगी तथा उपभोक्ताओं को लो.वोल्टेज की समस्या से राहत मिलेगी। जानकीपुरम क्षेत्र मे सोमवार को निर्बाध बिजली सप्लाई प्रदान करने एवं वितरण परिवर्तकों की क्षतिग्रस्तता को कम करने के लिए उपकेंद्र विकास नगर के अंतर्गत 11 केवी पोषक लेखराज एवं विकास अपार्टमेंट सेक्टर 6 के वितरण परिवर्तको से निकलने वाली बेयर एलटी लाइन के तारों के माध्य प्रॉपर दूरी बनाने हेतु स्पेसर लगाए गये एवं लाइन को टच कर रही पेड़ो की डालियो की छटाई का कार्य कराया गया।

संविदा कर्मी मौत मामले में चार निलंबित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। गाजीपुर के खानपुर विद्युत उपकेंद्र के अंतर्गत संविदा कर्मी धर्मेंद्र यादव की विद्युत दुर्घटना मे हुई मौत के मामले मे पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम के प्रबंध निदेशक (एमडी) शंभू कुमार ने बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए कराई गई उच्चस्तरीय जांच में प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर सहायक अभियंता (उपखंड अधिकारी), अवर अभियंता (जेई) एवं ड्यूटी पर तैनात दो टीजी-2 कर्मचारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। वहीं घोर लापरवाही के आरोप में कुशल लाइनमैन प्रभुनारायण राम को सेवा से बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा अधीक्षण अभियंता विवेक खन्ना एवं अधिशाषी अभियंता (सैदपुर) सुधाकर सिंह से दो दिन के भीतर स्पष्टीकरण तलब किया गया है। बताया जाता है कि 4 जुलाई को खानपुर उपकेंद्र के नेवादा फीडर अंतर्गत ग्राम आह्लादपुर में ट्रांसफार्मर पर कार्य के दौरान संविदा कर्मी धर्मेंद्र यादव की विद्युत स्पर्शाघात (करंट लगने) से मौत हो गई थी। घटना के बाद पूरे क्षेत्र मे सनसनी फैल गई। आक्रोशित ग्रामीणो एवं परिजनो ने शव को खानपुर-जौनपुर मार्ग पर रखकर सड़क जाम कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस एवं एसडीएम ने लोगों को समझा-बुझाकर स्थिति को नियंत्रित किया और जाम समाप्त कराया।

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India
कॉर्पोरेट सेवाएं विभाग, स्टार हाउस, विभूति खंड, आंचलिक कार्यालय गोमती नगर, लखनऊ-226010, फोन नं. 0522-2300039
शारदा नगर योजना (लखनऊ) में नयी शाखा खोलने हेतु परिसर की आवश्यकता
लखनऊ अंचल के अन्तर्गत प्रस्तावित नयी शाखा शारदा नगर योजना शाखा, लखनऊ में खोलने हेतु परिसर की आवश्यकता हेतु, विस्तृत अधिसूचना हमारी वेबसाइट www.bankofindia.bank.in पर उपलब्ध है। प्रस्ताव जमा करने के लिए निर्धारित प्रारूप हमारे कार्यालय, बैंक ऑफ इंडिया स्टार हाउस, गोमती नगर, 1- विभूति खंड, लखनऊ-226010 से प्राप्त किया जा सकता है या हमारी वेबसाइट www.bankofindia.bank.in से डाउनलोड किया जा सकता है।
प्रस्ताव जमा करने की अंतिम तिथि 14.07.2026 शाम 3.00 बजे तक है।
दिनांक : 07.07.2026 उप आंचलिक प्रबंधक, लखनऊ अंचल

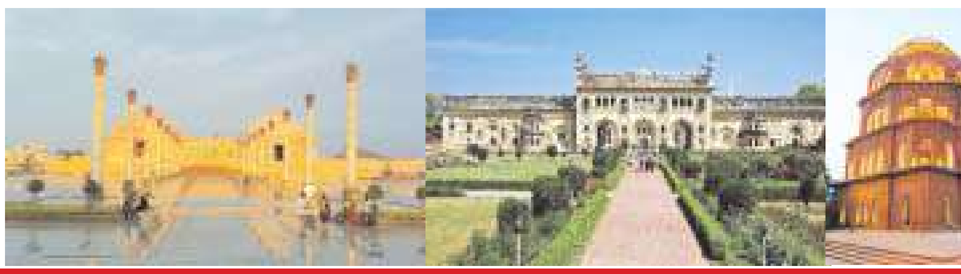

चरस की अंतरराष्ट्रीय मार्केट में 10 लाख कीमत बताया जा रहा है

उपभोक्ता का भार बढ़ाने से पहले एक माह का नोटिस देना अनिवार्य

स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं का ही लोड बढ़ाया जा सकता है बिना नोटिस दिए

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लगभग 47 लाख विद्युत उपभोक्ताओं का भार बढ़ाए जाने का मामला लगातार तूल पकड़ता जा रहा है। इन लाखों विद्युत उपभोक्ताओं में लगभग 50% स्मार्ट मीटर है और 50% नान स्मार्ट मीटर है। एक ओर पावर कारपोरेशन का कहना है कि यह कार्रवाई विद्युत नियामक आयोग द्वारा जारी बिजली दर आदेश में दिए गए कंज्यूमर राइट रूल 2020 (संशोधित 14 जून 2023) के प्रावधानों के तहत की गई है, वहीं दूसरी ओर उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने इस पूरी प्रक्रिया पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उपभोक्ता परिषद द्वारा किए गए अध्ययन में यह बात सामने आयी है कि कंज्यूमर राइट रूल 2020 की धारा 5 और 5क में 14 जून 2023 में भारत सरकार द्वारा किए गए संशोधन मुख्यतः स्मार्ट मीटर आधारित उपभोक्ताओं पर लागू होते हैं। उत्तर प्रदेश में अभी तक केवल 90 लाख विद्युत उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लगे हैं। जबकि प्रदेश में लगभग 3 करोड़ ऐसे उपभोक्ता हैं, जिनके यहां स्मार्ट मीटर अभी नहीं लगे हैं।

- -कंज्यूमर राइट रूल 2020 की धारा 5 केवल स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं पर ही की जा सकती है लागू

ऐसे उपभोक्ताओं पर निश्चित तौर पर वर्तमान में वैधानिक विद्युत वितरण संहिता 2005 लागू होती है, जिसमें स्पष्ट प्रावधान है कि किसी भी उपभोक्ता का भार बढ़ाने से पहले एक माह का नोटिस देना अनिवार्य है। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष एवं राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि कंज्यूमर राइट रूल 2020 में यह व्यवस्था है कि यदि किसी वित्तीय वर्ष में उपभोक्ता का स्वीकृत भार निर्धारित सीमा से अधिक पाया जाता है, तो तीन अधिकतम रीडिंग के आधार पर न्यूनतम अधिकतम मांग निकालकर अगले वित्तीय वर्ष (अप्रैल माह) में भार स्वतः बढ़ाया जाएगा। लेकिन वर्तमान में पावर कारपोरेशन द्वारा अप्रैल माह में या कार्यवाही ना करके जुलाई माह में भार बढ़ाया जा रहा है, जो नियमों का उल्लंघन है। क्योंकि जो व्यवस्था रूल में प्रावधानित है, उसको ना पावर कॉरपोरेशन घटा सकता है और ना बढ़ा सकता है। अगर उसे जुलाई में बढ़ाना जरूरी समझा तो उसे विद्युत नियामक आयेग के सामने अनुमति के लिए जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि कंज्यूमर राइट रूल का पालन नहीं किया गया है तो यह पूरी व्यवस्था कानूनी रूप से प्रश्नचिन्ह के दायरे में आ जाती है। ऐसे में बिना समुचित विधिक और संवैधानिक अध्ययन के उपभोक्ताओं पर इस प्रकार की कार्रवाई उचित नहीं है। अवधेश कुमार वर्मा ने यह भी उल्लेख किया कि भारत सरकार द्वारा लोकसभा में यह स्पष्ट किया गया है कि स्मार्ट मीटर उपभोक्ताओं पर किसी प्रकार की अधिकतम डिमांड पेनल्टी नहीं लगाई जाएगी, जबकि उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर ऐसी पेनल्टी और भार वृद्धि दोनों की कार्रवाई की गई है। उपभोक्ता परिषद ने मांग की है कि पूरे मामले की विधिक और तकनीकी दृष्टि से गहन समीक्षा की जाए तथा नियमों के अनुरूप ही आगे की कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

सपा जीतेगी तभी लोकतंत्र और संविधान बचेगा : अखिलेश

पश्चिम बंगाल में छल-छद्म से भाजपा ने जीत हासिल की

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि समाजवादी पार्टी जीतेगी तभी लोकतंत्र और संविधान बचेगा, नहीं तो 2027 का विधानसभा चुनाव आखिरी चुनाव होगा। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र का खत्म कर एक नए तरीके की डेमोक्रेसी लाना चाहती है। पश्चिम बंगाल में सेंट्रल फोर्स और प्रशासन दोनों पर कब्जा कर छल-छद्म से भाजपा ने जीत हासिल की। भाजपा से सावधान रहना है। चुनाव में प्रदेश में प्रशासन की साजिशों का रास्ता निकाला जाएगा। अखिलेश यादव समाजवादी पार्टी के राज्य मुख्यालय लखनऊ में जनपद के प्रमुख पार्टी जनों, सांसद, विधायक, पूर्व विधायक, पदाधिकारियों तथा बूथ स्तर तक के प्रमुख कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कार्यकर्ताओं और नेताओं को जीत का मंत्र देते हुए कहा कि बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें। भाजपा की साजिशों पर नजर रखें। भाजपा झूठ बोलती है, षड्यंत्रकारी पार्टी है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में आईबी से पहले ही रिपोर्ट बना ली थी। उसी के अनुसार अधिकारी पोस्ट किए गए थे। यूपी के भी कई अधिकारी गये थे। उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को खत्म कर रही है। अन्य दलों के सांसद तोड़ लिए है। भाजपा साजिश और षडयंत्र करेगी। महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन बिल लाने पर बड़ा परिवर्तन आएगा। अखिलेश यादव ने कहा कि परिसीमन और महिला आरक्षण के बहाने भाजपा की मंशा मनमानी करने की है। समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण के पक्ष में है। भाजपा सिर्फ लोकसभा क्षेत्रों में सीटें बढ़ाना चाहती है, राज्यसभा में नहीं। भाजपा निर्वाचन क्षेत्रों में फेरबदल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि संसद जुलाई का अगला सत्र बहुत महत्वपूर्ण होगा। हमने लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराया तो उनमें घबराहट फैली हुई है। प्रदेश में भाजपा ने कोई विकास कार्य नहीं किया। हमारी परियोजनाओं को ही अपनी बताकर उद्घाटन-शिलान्यास कर रहे हैं। जनता में जो आक्रोश है, भाजपा उससे भयभीत है।

मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर अखिलेश ने किया सम्मानित

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने सोमवार को पार्टी के राज्य मुख्यालय में वर्ष 2026 में सीबीएसई और यूपी बोर्ड की हाईस्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षाओं में जनपद गोरखपुर में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देकर सम्मानित किया। सीबीएसई की हाईस्कूल परीक्षा में गौरांश अग्रहरि को 98 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम तथा सर्वज्ञ मिश्रा को 98 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय तथा इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रिंस सिंह को 96.80 प्रतिशत अंको के साथ प्रथम तथा अनन्या त्रिपाठी को 92 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान मिला। ये सभी छात्र-छात्रा पीएन नेशनल पब्लिक स्कूल, गोरखपुर के हैं। यूपी बोर्ड की 2026 वार्षिक परीक्षा में हाईस्कूल में 95.67 प्रतिशत अंको से दिव्या यादव को प्रथम और 95.00 प्रतिशत अंको के साथ प्रिया चौहान को द्वितीय स्थान पाने पर सम्मानित किया गया। दिव्या यादव संस्कार इंटर कॉलेज रिथुवाखोर पाली गोरखपुर तथा प्रिया चौहान यूएमवी सिधौरा बेलघाट गोरखपुर की छात्राएं है। इंटरमीडिएट में कार्मेल गर्ल्स इंटर कालेज गोरखपुर की छात्रा आस्था दुबे को 92.80 प्रतिशत के अंक के साथ प्रथम स्थान तथा सुप्रिया शर्मा को 92.40 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान मिला हैं। अखिलेश यादव ने इन सभी मेधावी छात्र-छात्राओं को लैपटॉप देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और जीवन में सफलता के लिए आशीर्वाद दिया।

सपा की सरकार बनाने का लिया संकल्प

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। जनपद अमरोहा के ग्राम मखदूमपुर स्थित विनायक बैंक्विट हॉल में नौगावां सादात एवं जमना खास जोन के सेक्टर और बूथ अध्यक्षों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. बुनियाद अली ने तथा संचालन रफत प्रधान ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए विधायक चौधरी समरपाल सिंह ने कहा कि भाजपा की तथाकथित डबल इंजन सरकार ने जनता को विकास नहीं, बल्कि महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और युवाओं की निराशा का उपहार दिया है। उन्होंने कहा कि जिस सरकार ने हर वर्ष दो करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, उसी के शासनकाल में नौजवान रोजगार कार्यालयों, प्रतियोगी परीक्षाओं और सड़कों पर भटकने को मजबूर हैं। प्रदेश का छात्र पेपर लीक से परेशान है, किसान अपनी उपज का उचित मूल्य पाने के लिए संघर्ष कर रहा है और आम आदमी महंगाई के बोझ तले दबा हुआ है। उन्होंने कहा कि जब-जब जनता रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास पर जवाब मांगती है, तब-तब भाजपा सरकार असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए समाज को धर्म और जाति के नाम पर बांटने का प्रयास करती है। सरकार की प्राथमिकता जनता की समस्याओं का समाधान नहीं, बल्कि राजनीतिक ध्रुवीकरण दिखाई देती है। बैठक में उपस्थित नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वर्ष 2027 में पीडीए समाज, किसानों, युवाओं, मजदूरों, व्यापारियों तथा सभी वंचित वर्गों को साथ लेकर भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों का लोकतांत्रिक तरीके से मुकाबला किया जाएगा और समाजवादी पार्टी की सरकार बनाने के लिए बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत किया जाएगा।

स्वतंत्र भारत वर्गीकृत

सूचना
मैंने अपने पुत्र अश्वनी कुमार उर्फ सत्यम मौर्य व पुत्रवधू बबीता मौर्या की गलत आदतों व हरकतों से तंग होकर अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूँ। इनके द्वारा किये गये कृत्यों व लेन-देन के वे स्वयं जिम्मेदार होंगे। मैं व मेरा परिवार उत्तरदायी न होगा। नवम किशोर मौर्य पुत्र राम नरेश मौर्य, मोहल्ला- सदरबाजार (मिस्काऊट) थाना को. करनैलगंज, गोण्डा।
सी.आर.- 662/L-48

सूचना
मैं शकीला बानो पत्नी स्व. रब्बानी, निवासी- 419/89 ख, हाजी रहीम बक्श कोठी ठाकुरगंज, लखनऊ, मैंने अपने पुत्र आतिफ व पुत्रवधू शब्बो बानो से सारे सम्बन्ध समाप्त कर, सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। इनके द्वारा किये गये कृत्यों एवं कार्यों की जिम्मेदारी प्रार्थिनी व उसके परिवार की नहीं होगी।
सी.आर.- 663/L-41

सूचना
मैंने अपनी पत्नी मालादेवी को दुर्व्यवहार के कारण चलअचल संपत्ति से बेदखलकर संबंधविच्छेद कर लिये। वह अपने कृत्यों की स्वयं जिम्मेदार होगी। नन्हेलाल पुत्र स्व रतीराम,नि.ग्रा. झपकादिलावरपुर , थाना, मदनापुर,शाहजहांपुर।
सी.आर.- 665/D-26

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि पहले मेरा नाम (ज़ोहरअली) Zohar Ali पुत्र मोहर अली Mohar Ali था जो अब बदलकर जोहर अली (Johar Ali) पुत्र मोहर अली Mohar Ali हो गया है। जोहर अली पुत्र मोहर अली, 93 तुलसी पुर शिवगढ़, पोस्ट- सोरांव ज़िला- प्रयागराज, उत्तर प्रदेश पिन कोड 212502
सी.आर.- 669/D-45

सूचना
सूच्य हो कि हम अपने पुत्र मोहित मिश्रा व बहू रोली तिवारी को उनका आचरण ठीक न होने के कारण अपनी समस्त चल अचल सम्पत्ति से बेदखल करते हैं। आज के बाद उक्त लोगों द्वारा किये गये किसी भी कृत्य से हमारा कोई भी वास्ता व सरोकार नहीं होगा। रामतीर्थ मिश्र पुत्र स्व0 दुखहरन प्रसाद मिश्र व मालती मिश्रा(पत्नी) निवासीजन ग्रा0 नीमामऊ, प0सुबेहा त0हैदरगढ़, जि0 बाराबंकी।
सी.आर.- 664/D-50

सूचना
उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय कार्यकारिणी का निर्वाचन सभी पदों का होगा। निर्वाचन स्थान श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, गोसाईगंज, लखनऊ में दिनांक 26 जुलाई, 2026 को निश्चित कार्यक्रम निम्नवत है:-
1. दि. 26-07-2026 को प्रातः 8 बजे से 11 बजे तक नामांकन, 11 बजे से 2 बजे तक नामांकन पत्रों की जांच, दो बजे वैध प्रत्याशियों की सूची का प्रकाशन, दो बजे से तीन बजे तक नाम वापसी तथा 26-07-2026 को पांच बजे वैध प्रत्याशियों के सूची का प्रकाशन यदि आवश्यक हुआ तो।
2. दि. 27-07-2026 को प्रातः 07 बजे से एक बजे तक मतदान, तदोपरान्त मतगणना और परिणाम घोषणा।
प्रदेशीय साधारण सभा के सदस्यों से अनुरोध है कि समय से उपस्थित होकर प्रतिभाग सुनिश्चि करे।
(विनय कुमार तिवारी) अध्यक्ष (उमाशंकर सिंह) महामंत्री
सी.आर.- 670/L

निविदा सूचना
पत्रांक : 196 / सीडीसी / 2026-27 दिनांक : 06 / 07 / 2026
नेताजी सुभाष चन्द्र बोस राजकीय महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अलीगंज, लखनऊ में उच्च शिक्षा निदेशालय द्वारा प्राप्त 29 अनुरक्षण मद में कुल रु. 5.00 लाख का अनुदान जिसके अन्तर्गत पुरुष शौचालय का अनुरक्षण स्टॉफ रूम के पीछे सिंक का निर्माण तथा प्राचार्य कक्ष का रंग-रोगन इत्यादि कार्य कराया जाना है। इस हेतु अनुभवी एवं प्रतिष्ठित फर्मों से मोहरबंद निविदाए दिनांक 14.07.2026 तक आमंत्रित की जाती हैं। प्राप्त निविदाओं को दिनांक 14.07.2026 की अपरान्ह में उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोला जायेगा। सभी अथवा किसी निविदा को निरस्त करने का अधिकार प्राचार्य का होगा। निविदा के साथ में रु. 10000.00 की प्रतिभूति जो प्राचार्य के पक्ष में लगाना होगा। कार्य का विवरण एवं निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में महाविद्यालय कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है का पंजीकृत एवं जी.एस.टी. तथा पैन नम्बर होना अनिवार्य है।
प्रोफेसर [illegible] प्राचार्य
सी.आर.- 668/L

सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे जन्म प्रमाणपत्र में मेरे पिता का नाम मोहम्मद अकबर अली व मेरी माता का नाम बेगम फहमीदा खातून अंकित हो गया है जो कि गलत है। मेरे पिता का सही नाम अकबर अली है और मेरी माता का सही नाम फहमीदा खातून है। भविष्य में मेरे पिता व माता को इसी नाम से जाना व पहचाना जाय।
मो0 अब्दुल समद सिद्दीकी पुत्र अकबर अली, नि0 -4/4 बैदन टोला प्रयागराज
सी.आर.- 669/D

सार्वजनिक सूचना
सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी पुत्री का सही नाम प्रियांशी यादव (PRIYANSHI YADAV) पुत्री सुशील कुमार यादव है, जो उसके शैक्षणिक अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरी पुत्री के आधार कार्ड संख्या- 2895 5224 9757 में उसका नाम भूमि यादव (BHUMI YADAV) अंकित हो गया है, जो कि गलत है। भविष्य में मेरी पुत्री को उसके सही नाम प्रियांशी यादव (PRIYANSHI YADAV) पुत्री सुशील कुमार यादव के नाम से ही जाना और पहचाना जाए।
एतद्द्वारा प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त के संबंध में समस्त विधिक औपचारिकताएँ मेरे द्वारा पूर्ण कर ली गई हैं।
सुशील कुमार यादव पुत्र स्व. ओम प्रकाश यादव निवासी :- 123बी/12बी/1, राजापुर, जिला- प्रयागराज, उत्तर प्रदेश
सी.आर.- 669/D

बैंक ऑफ इंडिया Bank of India BOI
आंचलिक कार्यालय : "स्टार हाउस", विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010, फोन सं. 0522-2721512
मांग सूचना
प्रतिभूतिकरण और वित्तीय आस्तियों का पुनर्गठन एवं प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 की धारा 13 (2) के तहत सूचना
अधोहस्ताक्षरकर्ता ने बैंक ऑफ इण्डिया का प्राधिकृत अधिकारी होते हुए वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्गठन और प्रतिभूतिहित प्रवर्तन अधिनियम -2002 की धारा 13(2) के तहत प्रदत्त शक्तियों के अनुप्रयोग में निम्नलिखित ऋणियों की मांग सूचना जारी की गई थी तथा मांग सूचना पत्र उनके पते पर रजिस्टर्ड डाक से भेजी गयी थी। पुनः इस सूचना के प्रकाशन द्वारा ऋण गृहीता को, जिन्होंने हमसे ऋण प्राप्त किया था, विशिष्ट रूप से सूचित किया जाता है कि वह इस सूचना के 60 दिनों के भीतर अपने ऋण विवरण अधोवर्णित का भुगतान कर दें। ऋणगृहीताओं व जमानतदारों को विशिष्ट रूप से और सर्व साधारण को सामान्य रूप से एतद्द्वारा सम्पत्ति के साथ व्यवहार क्रय-विक्रय नहीं करने की चेतावनी दी जाती है।

क्र.	उधारकर्ता/जमानतदार का नाम व पता	दृष्टिबंधक सम्पत्ति का विवरण/सम्पत्ति मालिक का नाम	बकाया धनराशि (₹) धारा 13(2) के अनुसार मांग सूचना की तिथि
	शाखा : अशोक मार्ग		
1.	श्रीमती ज़रीन मेंहदी (ऋणी व बंधककर्ता) पति : जीशान मेंहदी पता : 25, सालेमपुर हाउस, कैसरबाग, लखनऊ- 226001 श्री शेख ताकी मेंहदी (जमानतकर्ता) पता : 25, सालेमपुर हाउस, कैसरबाग, लखनऊ- 226001	संपत्ति का विवरण : बैंक द्वारा दी गई क्रेडिट सुविधाएं नीचे दिए गए एसेट्स/सिक्योरिटीज़ (बैंक को चार्ज की गई प्रापर्टीज़/एसेट्स की जानकारी) से सुरक्षित है :- महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा स्कार्पियो एनजेड 8 डीएमटी (निबन्धन संख्या- यूपी 32 एलयू 7271 इंजन नंबर: YDS4E75583, चेसिस नंबर: MA1TJ2YDS6E65136) रंग: काला, ईंधन: डीजल, निर्माण का वर्ष/माह : 5/2025, निर्माणकर्ता का नाम : स्कार्पियो एनजेड 8 डीएमटी)	19,88,376.00 + उस पर ब्याज + अन्य चार्ज 22.12.2025 से संविदा अनुसार के साथ संयोजित 01.07.2026

उक्त अधिनियम तहत 13(2) नोटिस के माध्यम से हम आपको सूचित करते है कि यदि इस नोटिस के प्रकाशन के 60 दिनों के अन्दर आपने समस्त राशि (ब्याज व अन्य खर्च सहित- नोटिस की तिथि से भुगतान प्राप्त होने की तिथि तक) का भुगतान नहीं किया तो बैंक सरफेसी नियम के तहत सम्पत्ति का अधिग्रहण कर व निविदा द्वारा बिक्री सूचना जारी करेगा। इसके बाद कोई भी मांग सूचना जारी नहीं की जायेगी।
दिनांक : 01.07.2026, स्थान : अशोक मार्ग, लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, बैंक ऑफ इंडिया

कार्यालय, नगर पंचायत तमकुहीराज, कुशीनगर।
संख्या- 199 / न0पं0तम0 / 2026-27 दिनांक- 03.07.2026
अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना
एतद्द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत तमकुहीराज, कुशीनगर में साफ-सफाई व्यवस्था में लगे जेसीबी मशीन को राज्य वित्त आयोग / निकायनिधि के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से रिपेयरिंग / मरम्मत कराया जाना है। इच्छुक एवं पंजीकृत फर्मों / ठेकेदारों से **दिनांक 10.06.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक** अल्पकालीन निविदा / कोटेशन सूचना आमंत्रित किया जाता है। समस्त डाली गयी कोटेशन / निविदा उसी दिन **अपरान्ह 03:00 बजे** दिन में अधोहस्ताक्षरी द्वारा नगर पंचायत कार्यालय पर उपस्थित कोटेशनदाताओं के समक्ष खोला जायेगा। सबसे न्यूनतम दर के अल्पकालीन निविदा / कोटेशन को ही स्वीकृति प्रदान की जायेगी। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा। कार्य का का विवरण निम्नलिखित है :-

क्रम सं०	कार्य का विवरण	ठेकेदार / फर्म द्वारा अंकित किये जाने वाला सबसे न्यूनतम दर	समयावधि
1	जेसीबी मशीन रिपेयरिंग / मरम्मत कार्य।	----------	07 दिन

नियम व शर्तें :-
1. पंजीकृत फर्म / ठेकेदार का ही अल्पकालीन निविदा / कोटेशन मान्य होगा।
2. अल्पकालीन निविदा / कोटेशन एक या समस्त अस्वीकृत करने का अधिकार बिना कारण बताये अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत तमकुहीराज में निहित होगा।
3. अल्पकालीन निविदा / कोटेशन खोलने की तिथि को अवकाश होने की दशा में अगला कार्य दिवस मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी, नगर पंचायत, तमकुहीराज, जनपद-कुशीनगर। अध्यक्ष नगर पंचायत, तमकुहीराज, जनपद-कुशीनगर।

कार्यालयः नगर निगम, गोरखपुर
ई-निविदा सूचना
जलकल विभाग, नगर निगम, गोरखपुर द्वारा ई-निविदा प्रणाली के माध्यम से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। निविदा सूचना वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर भी उपलब्ध है।

निविदा प्रकाशन की तिथि	07.07.2026
निविदा डालने की तिथि	08.07.2026 को 10 बजे से 23.07.2026 को 12 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि	23.07.2026 अपरान्ह 03.00 बजे तक

क्र. सं.	वार्ड सं.	कार्य का नाम	मात्रा	अनुमानित धनराशि (GST सहित) रू0 लाख में	निविदा मूल्य (GST सहित)	धरोहर धनराशि (अनुमानित धनराशि का 2%) रू0 लाख में
1	--	जल संचयन व्यवस्था हेतु महानगर के विभिन्न स्थलों पर जल संचयन एवं जल भराईयों (JSJB) के अन्तर्गत वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य।	--	250.00	11800.00	5.00

पत्रांक: 23/नलका/जलकल/2026-27 दिनांक: 06.07.2026
महाप्रबन्धक, जलकल विभाग नगर निगम, गोरखपुर

दि किसान सहकारी चीनी मिल्स लि.-पूरनपुर-पीलीभीत। जेम निविदा सूचना
मिल समिति में वर्ष 2026-27 में निम्नांकित सामानों की आपूर्ति / जॉब कार्यों हेतु प्रत्येक के सम्मुख अंकित तिथि तक जेम पोर्टल पर बिड आमंत्रित की गयी है।

Sl. No.	Particulars	GEM Bid No Dated	Last Date of Bid
1.	Refubing and Reclamation of Boiler Tube	GEM/2026/B/7694843	11-07-2026
2.	Black Polythene, Poly Propline Sheet, Supply of Thread cone	GEM/2026/B/7711178	11-07-2026
3.	Heavy Chemicals	GEM/2026/B/7711699	11-07-2026
4.	Replacement of New SS Screen in Rotary Screen	GEM/2026/B/7712046	10-07-2026
5.	Rootech Root Blower Air cooled flow	GEM/2026/B/7711901	11-07-2026
6.	Dryer House Handling Work	GEM/2026/B/7714657	15-07-2026
7.	Sugar Handling work for Godown	GEM/2026/B/7714723	15-07-2026
8.	PVC Alluminum Copper Cable	GEM/2026/B/7715082	13-07-2026
9.	Industrial Paints	GEM/2026/B/7715335	13-07-2026
10.	High Flow Pump Spears	GEM/2026/B/7717234	13-07-2026
11.	Vaccume Filter Servicing	GEM/2026/B/7718086	15-07-2026
12.	Cane Transport	GEM/2026/B/7728550	10-07-2026
13.	Rewinding of Motor	GEM/2026/B/7718455	13-07-2026
14.	Iron and Steel	GEM/2026/B/7721686	15-07-2026

उक्त निविदा gem.gov.in पर देखी जा सकती है।
पत्रांक : 359/लेखा / जेम निविदा /2026-27 दिनांक : 06-07-2026 प्रधान प्रबन्धक
सी.आर.- 666/D

कार्यालय : अधिशासी अभियन्ता जोन-06 बालागंज, जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ।
पत्रांक संख्या : 39 / 2026-06 / एन0ओ0ए0 2026-27 दिनांक : 06.07.2026
अल्प कालीन निविदा सूचना
जलकल विभाग में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालिक निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में दिनांक 13.07.2026 को अपरान्ह 3.00 बजे तक अधिशासी अभियन्ता जोन-06 कार्यालय से बैंक ड्राफ्ट जमा कर प्राप्त किये जा सकते हैं। सील्ड निविदाएं दिनांक 13.07.2026 को अधिशासी अभियन्ता जोन-06 के कार्यालय में अपरान्ह 3.30 बजे तक जमा की जायेंगी। प्राप्त सभी निविदायें दिनांक 13.07.2026 को उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष 4.00 बजे अधिशासी अभियन्ता जोन-06 के कार्यालय में खोली जायेंगी। [illegible]

क्र. सं.	कार्य का नाम	धनराशि	धरोहर धनराशि	निविदा मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
01	Development, supply of P-gravel & other mechanical works for mini tubewell bore behind Kali Charan College, Chowk Bazar Kalji Ward, Lucknow	414507	8300	Rs. 450.00+(18%GST)=531	30 Days
02	Boring work of Mini Tubewell Size 200X200 mm behind Kali Charan College, Chowk Bazar Kalji Ward, Lucknow	418350	8400	Rs. 450.00+(18%GST)=531	30 Days
03	Supply & Fixing of by pass system & other electrical/Civil works for newly bore mini tubewell behind Kali Charan College, Chowk Bazar Kalji Ward, Lucknow	423054	8500	Rs. 450.00+(18%GST)=531	30 Days
04	Laying and Interconnection of PVC pipe line General Gali, Mahatir Tola I Ward Lucknow	208006	4200	Rs. 200.00+(18%GST)=236	07 Days
05	Reboring of 1 Nos 1.5 HP Submersible pump near Hari Mazar Yaseenganj, Ambergani Ward, Lucknow	163380	3300	Rs. 200.00+(18%GST)=236	07 Days
06	Reboring of 1 Nos 1.5 HP Submersible pump in Prathmik Vidyalay Top Darwaza, Lucknow	163968	3300	Rs. 200.00+(18%GST)=236	07 Days
07	Repair of 11 nos 1.5 HP Submersible Pump at Different places of Acharya Narendra Dev & Kalyan Singh Ward Lucknow	195000	4000	Rs. 200.00+(18%GST)=236	07 Days
08	Laying and Interconnection of PVC pipe line 110mm Dia 100 mt at House No. 40/7, Khet Gali Hakim Abdul Aziz Road, Daulatganj Ward Lucknow	267197	5400	Rs. 300.00+(18%GST)=354	07 Days
09	Laying and Interconnection of PVC pipe line 110mm Dia 100 mt at Sunbeam School to House No. 53/7B/11, Ram Kutir, Acharya Narender Dev Ward, Lucknow	167062	3400	Rs. 200.00+(18%GST)=236	07 Days
10	Laying and Interconnection of PVC pipe line 110mm Dia 100 mt at Santosh House to House No. 414/156 Amir Tola Wali Gali, Sarai Mali Khan Acharya Narender Dev Ward Lucknow	197163	4000	Rs. 200.00+(18%GST)=236	07 Days
11	Reboring of 2 Nos 1.5 HP Submersible pump near 1-D.P. Bora Plot, 2-Near Raja Bihar's House, Hari Mazar, Gandhiana, Husainabad ward Lucknow	336672	6800	Rs. 350.00+(18%GST)=413	07 Days
12	Reboring of 2 Nos 1.5 HP Submersible pump at 1-near Sheesh Mahal Apartment 2-Near Bhatia's House, Gandhiana Husainabad ward Lucknow	336672	6800	Rs. 350.00+(18%GST)=413	07 Days

अधिशासी अभियन्ता, जोन-6 जलकल विभाग, नगर निगम, लखनऊ

एफ0सी0जे0 फार्म नं0 33 भाग-7 हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारुप)
न्यायालय श्रीमान उपजिलाधिकारी महोदय, मोहम्मदी जिला खीरी
वाद संख्या T202610430402155 सन् 2026 ई0
रेहाना बानो आदि बनाम मो0 यूसुफ आदि प्रतिवादी
1-हासिम खां पुत्रगण जमायत अली खां, निवासीगण ग्राम-सिसोरा नासिर, परगना- पसगवां,
2-असलम खां तहसील-मोहम्मदी, जिला- खीरी।
चूंकि उपरोक्त नामांकित ... ने इस न्यायालय में यह आवदे न किया है कि .. अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उस आवेदन के खिलाफहेतु संदर्शित करने के लिए 2026 के माह 07 दिवस 07 को समय प्रातः 10:00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रुपेण अनुदिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजात हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवदेन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा व अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित सन् 2026 के 06 माह 29 दिवस को निकाली गयी।
ता0 पेशी- 07/07/2026
न्यायालय उपजिलाधिकारी महोदय, मोहम्मदी-खीरी
सी.आर.- 667/D-CN

कोर्ट नोटिस
वाद पदों के स्थितिकारण के लिए सम्मन (आदेश 5, नियम 1 और 5)
अपर प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश कक्ष सं0- 2 इलाहाबाद
वैवाहिक वाद संख्या -1678 सन 2025
श्रीमती अन्नू श्रीवास्तव उर्फ अनुपम उम्र लगभग 32 वर्ष पत्नी शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव पुत्री ज्योति प्रकाश श्रीवास्तव निवासिनी- चाँदपुर सराय भारत रैयया तह. सोरांव इलाहाबाद... याचिनी
बनाम
शैलेन्द्र कुमार श्रीवास्तव उम्र 36 वर्ष पुत्र स्व0 त्रिभुवन लाल श्रीवास्तव निवासी. देवकली तह0 सदर जनपद- प्रतापगढ़...विपक्षी
प्रार्थना अन्तर्गत धारा 13 हिन्दू विवाह अधिनियम-1955
चूँकि .. ने आपके खिलाफ के लिए वाद सरिबत किया है अतएव आपको एतद द्वारा जो की सम्यक रूपेण अनूदिष्ट है और वाद संबंधी सब सरबान प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ है या इसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति है जो कि ऐसे सब प्रश्नों के उत्तर देने में समर्थ है । 2026 के 08 के 03 दिवस को 10 बजे आहूत ने दावे का उत्तर देने के लिए इस न्यायालय में उपसाजत हो और आपको यह निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन ऐसे सब दस्तावेजों को पेश करें जिनका की अपनी प्रतिरक्षा के समर्थन में सहारा लेने का आपका आशय है आपको यह सूचना दी जाती है कि पूर्ण वर्णित दिवस को आपको उपसजाति चूक होने पर वाद आपकी अनुपस्थिति में सुना जाएगा और अवधारित किया जाएगा। मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुहर सहित आज के दिवस को निकाला गया।
नियत तिथि-03.08.2026
न्यायाधीश
सी.आर.- 669/D-CN

‘बॉस स्कैम’ के माध्यम से व्यवसायी से 18 लाख की ठगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में पहली बार सामने आए ‘बॉस स्कैम’ (सीईओ प्रतिरूपण धोखाधड़ी) का खुलासा साइबर क्राइम सेल ने किया है। पीड़ित के

■ साइबर क्राइम ने 10.85 लाख कराया वापस

खाते में 10.85 लाख रुपये वापस लौटए हैं। साथ ही साथ मध्य प्रदेश के ग्वालियर से तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। शेष रिकवरी एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी की कार्रवाई की जा रही है। अपर पुलिस उपायुक्त अपराध (एडीसीपी) किरन यादव ने बताया कि ‘बॉस स्कैम’ का शिकार बने लखनऊ के मशहूर व्यवसायी कलकत्ता रेगलिया के अकाउंटेंट से व्हाट्सएप पर व्यवसायी के पुत्र बनकर मालवेयर युक्त संदेश भेजकर 18 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई थी। इसका सफल अनावरण साइबर क्राइम सेल ने किया है। साइबर सेल ने संबंधित बैंकों, पेमेंट एग्रीगेटर्स एवं अन्य संस्थाओं से त्वरित समन्वय स्थापित कर संदिग्ध बैंक खातों को चिन्हित कर फ्रॉड की गई धनराशि को सुरक्षित कराने के लिए लगातार प्रभावी फॉलोअप करने के साथ ही अथक प्रयासों के बाद पूर्व में दो भागों में दस लाख पचासी हजार रुपये की ठगी गई धनराशि पीड़ित को वापस कराई जा चुकी है। शेष धनराशि की रिकवरी, साइबर अपराधियों की पहचान एवं गिरफ्तारी के लिए तकनीकी एवं विधिक कार्रवाई निरंतर प्रचलित है। ठगी के रकम का आधा रुपया वापस होने के बाद पीड़ित ने सोमवार को लखनऊ साइबर क्राइम पुलिस का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उसने कहा कि जब मेरे साथ 18 लाख की साइबर ठगी हुई तो मुझे लगा कि मेरी पूरी धनराशि वापस मिलना असंभव

लग रहा था लेकिन थाना साइबर क्राइम की टीम ने मेरी शिकायत को गंभीरता से लेका तत्परता के साथ तकनीकी दक्षता एवं संवेदनशील कार्यप्रणाली के लिए मैं पूरी टीम का धन्यवाद करता हूँ। एडीसीपी ने बताया कि ठगी के लिए साइबर अपराधी लगातर नए-नए हथकंडे अपनाते हुए नए-नए तरीकों में यह बॉस स्कैम तेजी से उभरकर सामने आया है। यह साइबर अपराध का ऐसा संगठित स्वरूप है जिसमें अपराधी किसी कंपनी के मालिक, निदेशक अथवा वरिष्ठ अधिकारी का प्रतिरूप धारण करते हैं। अपराधी पहले सोशल मीडिया, कंपनी की वेबसाइट, लिंकडिन, फेसबुक और इस्टाग्राम एवं अन्य सार्वजनिक स्रोतों से कंपनी तथा उसके अधिकारियों की जानकारी एकत्र करते हैं। इसके बाद समान प्रोफाइल फोटो एवं नाम का उपयोग कर फर्जी व्हाट्सएप अकाउंट, ई-मेल अथवा मोबाइल नंबर बनाते हैं।इसके बाद अकाउंट या फाइनेंस विभाग के कर्मचारी को संदेश भेजकर कहा जाता है कि, ‘मैं मीटिंग मेंहूँ, कॉल मत करना। ‘यह गोपनीय भुगतान है’ ‘अभी तुरंत भुगतान करना है।’ ‘डील फाइनल करनी है, देर नहीं होनी चाहिए।
अपराधी कर्मचारी को मानसिक दबाव एवं विश्वास में लेकर धनराशि अपने बैंक खातों में ट्रांसफर करा लेते हैं। इस तरह के साइबर अपराधों से बचने के लिए बताया कि साइबर अपराधी तकनीक के साथ-साथ मानवीय विश्वास एवं मनोविज्ञान का भी दुरुपयोग कर रहे हैं। बॉस स्कैम में अपराधी स्वयं को कंपनी का मालिक, वरिष्ठ अधिकारी अथवा उनके परिजन बताकर कर्मचारियों पर तत्काल भुगतान का दबाव बनाते हैं। उन्होंने लोगों से अपील की है कि शिकार व्यक्ति को तत्काल 1930 हेल्पलाइन अथवा एनसीसीआरपी पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं।

मानव तस्करी के अंतरर्राष्ट्रीय सिंडिकेट पर एटीएस की बड़ी कार्रवाई

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड (एटीएस) को मानव तस्करी के एक अंतरराष्ट्रीय सिंडिकेट के खिलाफ बड़ी कानूनी सफलता मिली है। एनआईए/एटीएस की विशेष अदालत ने 13 बांग्लादेशी नागरिकों और दो रोहिंग्या समेत कुल 15 दोषियों को अवैध घुसपैठ, जाली भारतीय दस्तावेज तैयार कराने और मानव तस्करी के मामले में पांच-पांच वर्ष के कठोर कारावास तथा 10-10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। एटीएस अफसरों के मुताबिक मामले का खुलासा करते हुए 26 अक्टूबर 2021 को एटीएस ने कार्रवाई करते हुए मिथुन मंडल, पिंटू दास उर्फ शाओन अहमद, रोनी पॉल उर्फ मोमीनूर इस्लाम, बापी राय उर्फ मेंहदी हसन, विक्रम सिंह, महफूजुर रहमान, समीर मंडल उर्फ टोनी और मोहम्मद जमील उर्फ हरीश उल्लाह को गिरफ्तार किया था। सिंडिकेट से जुड़े अन्य आरोपियों के नाम भी सामने आए, जिन्हें बाद में गिरफ्तार कर जेल भेजा

गया।विवेचना में सामने आया कि यह गिरोह भारत-बांग्लादेश सीमा के जरिए अवैध घुसपैठ कराकर बांग्लादेशी नागरिकों को भारत लाता था। इसके बाद उन्हें भारतीय नागरिक दर्शाने के लिए आधार कार्ड, पहचान पत्र और पासपोर्ट सहित अन्य फर्जी भारतीय दस्तावेज तैयार कराए जाते थे। गिरोह का उद्देश्य इन लोगों को भारतीय नागरिक के रूप में स्थापित कर विदेश भेजना था। टीम इस मामले में साक्ष्य जुटाकर आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल किया। प्रभावी पैरवी और ठोस साक्ष्यों के आधार पर एनआईए/एटीएस विशेष न्यायालय, लखनऊ ने सभी 15 अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए 6 जुलाई 2026 को पांच-पांच वर्ष के कारावास और 10-10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई। एटीएस ने इसे मानव तस्करी, अवैध घुसपैठ और फर्जी दस्तावेज तैयार करने वाले संगठित अंतरराष्ट्रीय नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई और महत्वपूर्ण न्यायिक सफलता बताया है।

खबर एक नजर

अग्निशमन निदेशक सुजीत पांडेय को केंद्र में मिली बड़ी जिम्मेदारी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। केंद्र सरकार ने भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के तीन वरिष्ठ अधिकारियों की नई नियुक्तियों को मंजूरी दे दी है। मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने गृह मंत्रालय के प्रस्ताव पर मुहर लगाते हुए आलोक कुमार मित्तल को पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआर एवं डी) का महानिदेशक, अमित गर्ग को राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो का निदेशक और सुजीत पांडेय को सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी (का निदेशक नियुक्त किया है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 2 दोस्तों की मौत

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर अज्ञात वाहन ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। सोमवार सुबह करीब 10 बजे परिवारवालों को जानकारी हुई, जिसके बाद पुलिस ने दोपहर करीब 2:00 बजे दोनों शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। मृतकों की पहचान 22 वर्षीय अनुज पाल उर्फ हनी और 22 वर्षीय नितिन शर्मा के रूप में हुई। दोनों दोस्त थे। 4 जुलाई की रात बाइक से घर से निकले थे। परिवार वालों को उन्होंने अलग-अलग वजह बताई थी।अनुज ने घर पर कहा था कि वह ऑफिस के काम से लखीमपुर जा रहा है, जबकि नितिन ने परिजनों को बताया था कि वह पटना पेपर देने जा रहा है। नितिन शर्मा कल्याणपुर की शिवपुरी कॉलोनी का रहने वाला था। मां का नाम शोभा रानी है। दो भाइयों और दो बहनों में वह सबसे छोटा था। एक मोबाइल दुकान पर काम करने के साथ एलएलबी की पढ़ाई भी कर रहा था। वहीं, अनुज पाल उर्फ हनी के पिता मुन्नालाल निशातगंज स्थित बेसिक शिक्षा निदेशालय में संविदा कर्मचारी हैं अनुज भी संविदा कर्मचारी था।

महिला ने जहर खाकर दी जान

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। नोएडा के थाना फेस-2 में मानसिक तनाव के चलते एक महिला ने जहर खा लिया। उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया ,जहां पर उपचार के दौरान मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक राघवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि डॉली पत्नी विकास निवासी शिकारपुर जनपद बुलंदशहर (33 वर्ष) ने बीती रात को अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया। उन्हें गंभीर हालत में उपचार के लिए नोएडा के सेक्टर 110 स्थित एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि अस्पताल की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया कि मृतका के परिजनों को घटना की सूचना दे दी गई है। उन्होंने बताया कि इस मामले में अग्रिम कार्रवाई जनपद बुलंदशहर पुलिस द्वारा की जाएगी।

गड्ढे में बाइक के नीचे दबा मिला युवक का शव

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ जनपद में गोसाईगंज थाना इलाके में सोमवार एक युवक सड़क किनारे बने गड्ढे में अपनी मोटरसाइकिल के नीचे दबा मिला है। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच की तो युवक की सांसें थम चुकी थी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम भेजते हुए मामले की जांच शुरू कर दी। गोसाईगंज थाना प्रभारी दिलेश कुमार सिंह ने बताया कि थाना पर एक सूचना प्राप्त हुई कि थाना क्षेत्रान्तर्गत ग्राम पंचसरा के पास एक युवक सड़क किनारे बने गड्ढे में अपनी मोटरसाइकिल के नीचे दबा पड़ा है। सूचना प्राप्त होते ही थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची, तो देखा कि युवक की मौत हो चुकी है। युवक की पहचान सीतापुर जिले के ग्राम रसूलपुर निवासी विनीत कुमार के रूप में हुई। जांच में प्रथम दृष्टया प्रतीत होता है कि मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने गड्ढे में गिर गई, जिससे यह दुर्घटना हुई। फ़िलहाल शव को पोस्टमार्टम भेजकर घटना की जानकारी मृतक के परिवार को देकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर अग्रिम आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

अज्ञात युवक का शव मिला, पहचान नहीं

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी के चिनहट मदेयगंज थाना क्षेत्र में सोमवार को राजधानी हॉस्पिटल के सामने सड़क किनारे एक अधेड़ व्यक्ति का शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। पुलिस आसपास के थानों और जनपदों में सूचना भेजकर शव की शिनाख्त कराने का प्रयास कर रही है।पुलिस के अनुसार, 6 जुलाई 2026 को चार्ली कंट्रोल के माध्यम से सूचना मिली कि मदेयगंज थाना क्षेत्र में राजधानी हॉस्पिटल के सामने सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही थाना मदेयगंज पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।जांच में सड़क किनारे करीब 50 वर्षीय अज्ञात पुरुष मृत अवस्था में मिला। पुलिस ने मौके पर मौजूद लोगों तथा स्थानीय नागरिकों से शव की पहचान कराने का प्रयास किया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक मृतक की शिनाख्त नहीं हो सकी।पुलिस ने नियमानुसार पंचायतनामा की कार्रवाई पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। साथ ही पहचान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से शव को पोस्टमार्टम हाउस की मोर्चरी में सुरक्षित रखवाया गया है। मृतक की पहचान के लिए आसपास के थानों एवं अन्य जनपदों को भी आवश्यक सूचना भेजी गई है।पुलिस अधिकारियों के अनुसार, प्रथम दृष्टया मृत्यु का कारण स्पष्ट नहीं हो सका है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट अन्य उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मौत के कारणों का निर्धारण किया जाएगा। मामले में सभी पहलुओं की जांच की जा रही है तथा आवश्यक वैधानिक कार्रवाई जारी है।

सरथुवा हत्याकांड में पुलिस को एक और सफलता दूसरे अभियुक्त को भी किया गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र के सरथुवा गांव में युवक अभिषेक रावत की हत्या के बहुचर्चित मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले मुख्य आरोपी अखिलेश रावत को न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। अब पुलिस ने घटना में शामिल एक अन्य अभियुक्त सुभाष चन्द्र को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है, जबकि शेष आरोपियों की तलाश लगातार जारी है।पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र कुमार सेंगर और संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) अपर्णा कुमार के निर्देशन में अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनन्द, अपर पुलिस उपायुक्त रल्लापल्ली वंसथ कुमार तथा सहायक पुलिस आयुक्त गोसाईगंज ऋषभ यादव के मार्गदर्शन में प्रभारी निरीक्षक पीजीआई धीरेन्द्र कुमार सिंह के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई।पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई 2026 को ग्राम जगतखेड़ा मजरा कल्ली पश्चिम निवासी पुष्पा रावत की तहरीर पर पीजीआई थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। शिकायत में आरोप लगाया गया कि उनके पुत्र अभिषेक रावत को ग्राम सरथुवा बुलाकर कई लोगों ने धारदार हथियार, लाठी-डंडों और लोहे की करछुल (बड़े पलटे) से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया। उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इस मामले में अखिलेश रावत, अमन रावत, राधे सरकार उर्फ अभिषेक, अरुण रावत, अपिन लोधी, सचिन रावत, शिवम चटियार, राजू उर्फ रज्जा सहित अन्य अज्ञात लोगों के विरुद्ध हत्या सहित विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया।घटना के बाद पुलिस ने मुख्य आरोपी अखिलेश रावत को 4 जुलाई को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया था। इसके बाद अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई पुलिस टीमों का गठन किया गया। जांच के दौरान घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्यों का गहन विश्लेषण किया गया। साथ ही स्थानीय लोगों से पूछताछ कर घटना से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य जुटाए गए।इसी क्रम में पूछताछ और साक्ष्यों के आधार पर प्रकाश में आए अभियुक्त सुभाष चन्द्र पुत्र राम खिलावन, निवासी ग्राम सरथुवा, थाना पीजीआई, को सोमवार को किसान पथ अंडरपास के पास मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेजते हुए आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।पूछताछ के दौरान गिरफ्तार अभियुक्त ने पुलिस को बताया कि पुरानी रंजिश के कारण दोनों पक्षों के बीच विवाद और मारपीट हुई थी। झगड़ा बढ़ने पर अभिषेक रावत गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसके बाद उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।पुलिस का कहना है कि मामले की विवेचना जारी है।

युवती से किया दुष्कर्म, आरोपित गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मोहनलालगंज थाना क्षेत्र में छत पर सो रही युवती को उठाकर जंगल में ले जाकर दुष्कर्म करने वाला आरोपित को गिरफ्तार किया है। वरिष्ठ उपनिरीक्षक यशवंत सिंह ने सोमवार को बताया कि एक युवती ने थाना में चार जुलाई को तहरीर दी थी। इसमें पीड़ित ने बताया कि वह रात में घर की छत पर परिवारीजनों के साथ सो रही थी। इसी दौरान गोपालखेड़ा निवासी अजय आधी रात को छत पर आया। उसने सभी को सोता देखकर चुपके से मेरा मुंह बंद कर पास के जंगल में ले जाकर दुष्कर्म किया और धमकाया कि अगर उसने किसी को यह बात बताई तो जान से मार देगा। इसके बाद पीड़ित ने घटना की जानकारी परिवार को देते हुए आरोपित के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने सोमवार को एक सूचना के बाद आरोपित अजय को हरिकंशगढ़ी के अंडरपास के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपित के विरूद्ध गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया है।

पत्नी का हत्यारोपित पति गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी के इंदिरानगर क्षेत्र में दहेज उत्पीड़न और विवाहिता की हत्या के मामले में पुलिस ने सोमवार को आरोपी पति को गिरफ्तार किया है। पीड़िता के भाई की तहरीर के आधार पर पति समेत उसके परिजनों के विरुद्ध दहेज उत्पीड़न के साथ गला घोंटकर हत्या करने का मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की विवेचना कर अन्य आरोपितों की तलाश जारी है। पुलिस के मुताबिक बीते 5 जुलाई को बिहार के बक्सर जनपद के सिमरी थाना क्षेत्र स्थित खरहाराड़ गांव निवासी अभिषेक ओझा ने इंदिरानगर थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि उसकी बहन को उसके पति और ससुराल पक्ष के लोगों ने लगातार अतिरिक्त दहेज के लिए प्रताड़ित करते थे। आरोप है कि चार पहिया वाहन की मांग पूरी न होने पर पति कमलकांत और अन्य परिजनों ने मिलकर उसकी बहन की दुपट्टे से गला घोंटकर हत्या कर दी। पीड़ित की शिकायत के आधार पर इंदिरानगर थाने में मुकदमा संख्या 176/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की धारा 80(2), 85 तथा दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 3/4 के अंतर्गत मुकदमा दर्ज किया गया। मामले की विवेचना सहायक पुलिस आयुक्त गाजीपुर द्वारा की जा रही है।घटना को गंभीरता से लेते हुए वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर इंदिरानगर थाना पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। जांच और साक्ष्य संकलन के दौरान पुलिस टीम ने सोमवार 6 जुलाई को दोपहर लगभग 12:40 बजे खुर्रमनगर स्थित पिकनिक स्पॉट गेट के पास से मुख्य आरोपी कमलकांत मिश्रा उर्फ मिलन को गिरफ्तार कर लिया गया। वह मूल रूप से भोजपुर जनपद (बिहार) के संदेश थाना क्षेत्र के पिंजरोई गांव का निवासी है और वर्तमान में इंदिरानगर के मानस एन्क्लेव स्थित किराये के मकान में रह रहा था। वहीं इस मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच कर रही है तथा अन्य नामजद आरोपितों की भूमिका भी खंगाली जा रही है। आरोपी को न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजने की प्रक्रिया पूरी की जा रही है।

यूपी की आईजीआरएस रैंकिंग में लखनऊ प्रथम स्थान पर

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के एकीकृत जनसुनवाई शिकायत निवारण प्रणाली (आईजी आरएस) पोर्टल पर जन शिकायतों के त्वरित, संतोषजनक और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के मामले में पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी कार्यप्रणाली का बेहतरीन प्रदर्शन किया है। कमिश्नरेट लखनऊ मुख्यालय के पुलिस उपायुक्त ने

बताया कि उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित जनसुनवाई समाधान पोर्टल (आईजीआरएस) पर शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण, समयबद्ध एवं प्रभावी निस्तारण के क्रम में पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने माह जून-2026 की शासन की जारी रैंकिंग में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि पुलिस आयुक्त अमरेन्द्र सिंह के कुशल नेतृत्व, में संयुक्त पुलिस आयुक्त अपर्णा कुमार (अपराध एवं मुख्यालय) के प्रभावी मार्गदर्शन में पुलिस उपायुक्त मुख्यालय एवं नोडल आईजीआरएस स्टाफ ऑफिसर के प्रभावी मॉनिटरिंग का परिणाम है। जनसुनवाई शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता, गुणवत्ता, समयबद्धता एवं उत्तरदायित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से कमिश्नरेट स्तर पर निरंतर समीक्षा, प्रभावी अनुश्रवण के साथ ही शिकायत कर्ताओं से फीडबैक प्राप्त करने की सुदृढ़ व्यवस्था विकसित की गई। जिसके प्रयास का परिणाम है कि कमिश्नरेट लखनऊ के 50 थानों ने करीब शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान अर्जित किया है। यह उपलब्धि केवल प्रशासनिक दक्षता का परिचायक ही नहीं है, अपितु आमजन की शिकायतों के प्रति पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की संवेदनशीलता, जवाबदेही एवं जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता को भी दर्शाती है। भविष्य में भी शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित निस्तारण को सर्वोच्च प्राथमिकता प्रदान करते हुए जनविश्वास को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा।

सुनार को घायल कर करोड़ों की लूट करने वाले दो गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोसाईगंज थाना क्षेत्र में बीते दिनों सुनार के साथ हुई लूट की घटना का सफल अनावरण किया गया। लूट में शामिल दो शातिर अभियुक्तों को सोमवार की भोर में गिरफ्तार किया है। इनके पास से डेढ़ करोड़ रुपये का माल,

पिस्टल मय कारतूस बरामद हुआ है। पुलिस उपायुक्त (दक्षिणी) अमित कुमार आनंद ने प्रेसवार्ता के दौरान बताया कि पचवन टोला बंग्ला वार्ड अमेठी निवासी सचिन कुमार वर्मा ने 23 जून को मुकदमा दर्ज कर बताया कि उनकी मुन्शीगंज राम बाग रोड पर ज्वैलर्स की दुकान है। प्रति दिन की भांति वह अपनी दुकान व अपने भाई मनीष सोनी की दुकान का सोने चांदी के जेवरात बैग में रख कर अपनी स्कूटी से दुकान से घर जा रहा था कि रात 08.30 बजे बंग्ला भवानी मन्दिर के पास तीन अज्ञात व्यक्तियों ने स्कूटी रोककर स्कूटी व बैग लूटने की कोशिश करने लगे। जब वादी ने शोर मचाया तो अभियुक्तों ने वादी के पैर में गोली मार कर स्कूटी व बैग में रखे आभूषण लूट कर भाग गए।इस घटना में मुकदमा दर्ज कर पुलिस की चार टीमें लगाई गईं। टीम की ओर से करीब 600 सीसीटीवी कैमरे की फुटेज को देखा गया तथा सर्विलांस सेल द्वारा इलेक्ट्रानिक साक्ष्य एकत्रित किया गया। इसके बाद कार्रवाई करते सोमवार भोर के समय पुलिस ने दो शातिर अभियुक्तों को दहेरामऊ एण्डरपास थाना गोसाईगंज से गिरफ्तार कर लिया। उन लोगों के पास से लूट का माल भी बरामद हुआ। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्तों में जौनपुर जिले के शिवम यादव उर्फ कुंदन और अंकुल यादव उर्फ गोले के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है। वहीं फरार एक अभियुक्त सोनू यादव की गिरफ्तारी शीघ्र की जायेगी। अभियुक्तों ने स्वीकारा कि अपने सामान्य उद्देश्य व जरूरतों को पूरा करने के लिए ज्वैलर्स की दुकान के आस-पास व उनके आने-जाने के समय की रैकी करते हैं और अपने साथ चोरी की ही मोटर साइकिल रखते हैं। 23 जून को सुनार के साथ हुई घटना को भी उन लोगों ने अंजाम दिया था। इसके अलावा हजरतगंज में बाइक चोरी, रायबरेली, चंदौली जिले में भी सुनार को गोली मारकर लूट की घटना घटित की थी।

चारबाग से चोरी हुई बच्ची 20 दिन बाद सकुशल बरामद

बेचने की फिराक में महिला गिरफ्तार, जीआरपी ने करीब 450 सीसीटीवी फुटेज खंगाले

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। चारबाग रेलवे स्टेशन से बीते 15 जून को चोरी हुई मासूम बच्ची को जीआरपी के पुलिस अधीक्षक के कुशल निर्देशन में सोमवार को करीब 20 दिन बाद सकुशल बरामद कर आरोपित महिला को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधिक्षक ने बताया कि प्रारम्भिक जांच में आरोपी महिला बच्ची को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गई थी और उसे बेचने की मंशा रखते हुए ग्राहक की तलाश कर रही थी ग्राहक नहीं मिलने के कारण बच्ची उसके पास ही रही, जहां से पुलिस ने उसे सुरक्षित बरामद कर लिया। जीआरपी और सर्विलांस टीम ने पूरे घटनाक्रम की जांच के दौरान करीब 450 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज को खंगालने के साथ ही लगातार तकनीकी और मैनुअल निगरानी के बाद पुलिस आरोपी महिला तक पहुंचने में सफल रही

और बच्ची को सुरक्षित बरामद कर लिया। बेटी को सकुशल वापस पाकर माता-पिता भावुक हो गए। उन्होंने जीआरपी और जांच टीम का आभार जताते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद थी कि उनकी बच्ची वापस मिलेगी और पुलिस ने उनकी उम्मीद को सच कर दिखाया। पुलिस अधीक्षक रोहित मिश्रा ने बताया कि सफल ऑपरेशन में शामिल पुलिस और सर्विलांस टीम को उत्कृष्ट कार्य के लिए 25,000 का पुरस्कार दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की जांच जारी है और बच्ची की तस्करी के संभावित नेटवर्क की भी पड़ताल की जा रही है।

मासूम का हत्यारा युवक गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के मड़ियांव थाना क्षेत्र में एक बच्चे की मारपीट कर हत्या का खुलासा हुआ है। पुलिस ने सोमवार को एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। उसके पास हत्या में इस्तेमाल किया गया घरेलू का उपयोग

होने वाला पलटा बरामद किया। इस हत्या में बच्चे की मां भी आरोपित है,जिससे पुलिस पूछताछ कर रही है। थाना प्रभारी शिवानन्द मिश्र ने बताया कि उन्नाव जिले के रहने वाले दिनेश ने पांच साल के बेटे की हत्या की तहरीर दी थी। उसने यह आरोप लगाया था कि उसकी पत्नी और प्रशांत उर्फ गौरव सिंह ने उसके बेटे की मारपीट कर हत्या की है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी बच्चें को कही जगह चोटों के निशान पाए गए थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने एक सूचना के आधार पर आरोपित प्रशांत को मड़ियांव पुल के नीचे रेलवे लाइन के पास से गिरफ्तार किया है। वह कहीं भागने की फिराक में था, तभी धर दबोचा। पुलिस का दावा है कि प्रेम संबंध में बाधक बनने पर पूनम और उसके प्रेमी प्रशांत ने बेटे अहम की हत्या की है। फिलहाल पुलिस आरोपित को गिरफ्तार कर पूछताछ कर रही है।

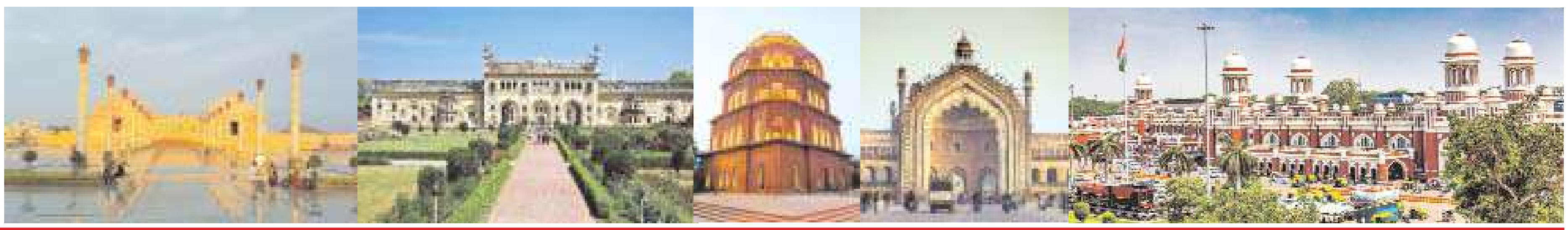

एसपी ने पिटाई करने वाले दरोगा को किया निलंबित, विभागीय जांच शुरू

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जनपद में यमुना पुल पर 20 हजार रुपये की चोरी करने और उनकी पिटाई के वायरल वीडियो का पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान लिया है। उन्होंने मामले में प्रथम दृष्टया आरोपित दरोगा को निलंबित करते हुए विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस अधीक्षक के मीडिया प्रभारी ने बताया कि सोमवार को हमीरपुर के यमुना पुल पर दरोगा गिरीश मिश्रा को डंपर चालक के 20 हजार रुपये चोरी करने और बीच सड़क पर दौड़ा-दौड़ाकर पीटने का मामला प्रकाश में आने पर उन्होंने संज्ञान में लेते हुए पीड़ित डंपर चालक महेश निवासी बहराइच जनपद ने बताया कि दरोगा गिरीश मिश्रा ने घाटमपुर से हमीरपुर उनके साथ आ रहे थे। आरोप है कि डंपर के केबिन में बैठे दरोगा ने रास्ते में चालक के 20 हजार रुपये चोरी कर लिया और टोल प्लाजा अलियापुर के पास उतर कर एक वैन में सवार होकर हमीरपुर की ओर से भागने लगे। चालक ने पीछा कर हमीरपुर स्थित यमुना पुल पर इन्हें पकड़ लिया और तलाशी में उसके चोरी के 20 हजार रुपये उनके पास से मिले। उसके बाद पीड़ित चालक की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित दरोगा को गिरफ्तार कर बीएनएस की धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है।

> वीडियों वायरल होने पर स्वतः संज्ञान में लेकर तत्काल प्रभाव से दरोगा को निलंबित कर दरोगा के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उनके खिलाफ विभागीय जांच के भी आदेश दिये हैं। **-मृगांग शेखर पाठक, पुलिस अधीक्षक**

लीकेज सिलेंडर से लगी आग, दूल्हे की बहन झुलसी

-लाखों का सामान जलकर राख

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद जनपद में थाना राजेपुर के कस्बे में सोमवार दोपहर बारात की तैयारियों के बीच एक घर में गैस सिलेंडर लीकेज होने से भीषण आग लग गई। हादसे में दूल्हे की बहन अनीता झुलस गई, जबकि घर में रखा करीब एक लाख रुपये का सामान जलकर राख हो गया। घटना से विवाह वाले घर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस के मुताबिक कस्बा राजेपुर तिराहा निवासी घनश्याम पुत्र सेवाराम की बारात मंगलवार को जनपद लखीमपुर खीरी जानी थी। सोमवार को दोपहर करीब 2 बजे घर में विवाह से जुड़ी तेल की रस्म चल रही थी और रिश्तेदार और परिजन गैस सिलेंडर पर भोजन तैयार कर रहे थे। तभी अचानक गैस रिसाव होने से आग भड़क उठी। आग लगते ही घर में चीख-पुकार मच गई। सभी लोग जान बचाकर बाहर भागे, लेकिन इस दौरान घनश्याम की बहन अनीता आग की चपेट में आकर झुलस गई। परिजनों ने उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र राजेपुर में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। वहीं आग ने कुछ ही देर में विकराल रूप धारण कर लिया। आसपास के लोगों ने पानी डालकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। पीड़ित घनश्याम ने बताया कि आग में करीब पांच मोबाइल फोन सहित घरेलू सामान जल गया, जिससे लगभग एक लाख रुपये का नुकसान हुआ है। डायल-112 को सूचना देने पर पुलिस मौके पर पहुंची। थाना प्रभारी नागेंद्र सिंह ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और कहा कि आग से कोई जनहानि नहीं हुई है। मामले की जांच शुरू कर दी है।

बेटी का जन्मदिन मनाने ससुराल आये युवक का शव पेड़ से लटका मिला

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी के बंथरा थाना क्षेत्र में सोमवार तड़के एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने की घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। युवक अपनी बेटी का जन्मदिन मनाने के लिए ससुराल आया था, लेकिन सुबह उसका शव गांव के बाहर एक पेड़ से गमछे के सहारे लटका मिला। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक सुबह 5:42 बजे पुलिस रिस्पांस वाहन (पीआरवी) के माध्यम से सूचना मिली कि बंथरा थाना क्षेत्र के ग्राम मवई पड़ियाना में एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। सूचना मिलते ही थाना बंथरा पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।प्रारंभिक जांच में मृतक की पहचान धर्मेन्द्र (32 वर्ष) पुत्र सुखदेव निवासी ग्राम हंसखेड़ा, थाना पारा, लखनऊ के रूप में हुई। पुलिस की जांच में सामने आया कि धर्मेन्द्र अपनी पुत्री का जन्मदिन मनाने के लिए अपनी ससुराल ग्राम मवई पड़ियाना आया हुआ था। इसी दौरान वह गांव के बाहर चला गया और वहां एक पेड़ पर गमछे के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।घटना की जानकारी मिलते ही परिवार के लोग और ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। अचानक हुई इस घटना से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिवार के सदस्यों ने ऐसी घटना की कल्पना भी नहीं की थी। स्थानीय लोगों ने भी युवक की मौत पर गहरा दुख व्यक्त किया।पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर आवश्यक साक्ष्य जुटाए हैं। फोरेंसिक दृष्टि से भी घटनास्थल का परीक्षण किया गया है, ताकि घटना से जुड़े प्रत्येक तथ्य की पुष्टि की जा सके। इसके बाद शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।पुलिस अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल आत्महत्या के कारण स्पष्ट नहीं हो सके हैं। इंस्पेक्टर ने बताया कि मामले में नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जा रही है और हर पहलू की गंभीरता से जांच जारी है। फिलहाल पुलिस आत्महत्या के पीछे की परिस्थितियों और संभावित कारणों का पता लगाने में जुटी हुई है।

ट्रक की चपेट में आई बाइक सवार महिला की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के रोहनिया थाना क्षेत्र के मोहनसराय-कनेरी गांव के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर सोमवार सुबह तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार 32 वर्षीय महिला की मौत हो गई। हादसे में बाइक चला रहा उसका भतीजा बाल-बाल बच गया, जबकि दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे तथा आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक मृतका गुलप्शा बेगम (32) पत्नी नवाज शरीफ निवासी उगापुर गांव भदोही जिले के रूप में हुई। मृतका अपने भतीजे खुर्शीद आलम के साथ वाराणसी के लोहता स्थित एक डॉक्टर के पास दवाई लेने जा रही थी। जैसे ही उनकी बाइक मोहनसराय-कनेरी गांव के गेट के सामने हाईवे पर पहुंची, सामने से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक से बाइक का हैंडल फंस गया।

विभूति खंड में लगा लंबा जाम

स्वतंत्र भारत संवाददाता लखनऊ। राजधानी के गोमती नगर स्थित विभूति खंड क्षेत्र में सोमवार की शाम करीब 4 बजे के बाद यातायात व्यवस्था प्रभावित हो गई। सड़कों पर गाड़ियों की लंबी कतारें लगने के साथ ही वहाने रेंगते नजर आये जिससे लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

-इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान चौराहे पर बैरिकेडिंग बनी वजह

जाम देर शाम तक बना रहा।वहीं राहगीरों के मुताबिक इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान चौराहे पर लगाई गई बैरिकेडिंग यातायात बाधित होने का मुख्य कारण है। बैरिकेडिंग के कारण वाहन चालकों को सीधे जाने के बजाय आगे जाकर यू-टर्न लेना पड़ रहा है। इससे सड़क पर वाहनों का दबाव कई गुना बढ़ जाता है। इसके अलावा इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के गेट नंबर-2 से निकलने वाले वाहनों की भी स्थिति को और जटिल बना रहे हैं। इन वाहनों को शहीद पथ की ओर जाने वाले यातायात को रोककर निकाला जाता है, जिससे कुछ ही मिनटों में लंबा जाम लग जाता है। राहगीरों का कहना है कि चौराहे पर बैरिकेडिंग लगने के बाद से ऐसी स्थिति अक्सर देखने को मिल रही है। लोगों ने प्रशासन से यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाने के लिए वैकल्पिक उपाय करने की मांग की है, ताकि दैनिक यात्रियों को इस परेशानी से निजात मिल सके।

मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार, एक घायल

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद की चेतगंज और रामनगर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने रविवार देर रात रामनगर के बंदरगाह रोड पर हुई मुठभेड़ के दौरान दो बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लगी, जिसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। एडीसीपी काशी जोन वैभव बांगर ने बताया कि रविवार की रात चेतगंज थाना प्रभारी वी.के. शुक्ला को सूचना मिली कि लूटकांड में शामिल दोनों आरोपी रामनगर के भीटी क्षेत्र में मौजूद हैं।

-घायल बदमाश ने सर्राफा व्यापारी से की थी लूटपाट

सूचना मिलते ही रामनगर और चेतगंज के दोनों प्रभारियों की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार दोनों आरोपितों में आकाश सेठ और आशीष मौर्या के रूप में हुई है। घायल आकाश सेठ चेतगंज थाना क्षेत्र के तेलियाबाग में 27 जून की आधी रात सर्राफा व्यवसायी अमित कुमार से पांच लाख रुपये की लूट की घटना को अंजाम दिया था। पुलिस टीम ने घटनास्थल और आसपास के सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी पहचान कर उनकी तलाश कर रही थी।

> पुलिस टीम संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी उसी दौरान देर रात बंदरगाह रोड की ओर से दो संदिग्ध युवक आते दिखाई दिए जिन्हें रुकने का संकेत दिया गया लेकिन आरोपियों ने रुकने के बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी जिसकी जवाबी कार्रवाई में आकाश सेठ के पैर में गोली लग गई, जिससे वह मौके पर ही गिर गया उसके कब्जे से हथियार भी बरामद किए हैं। **-वैभव बांगर, अपर पुलिस उपायुक्त**

ट्रक से बाइक टकराई, युवक की मौत

स्वतंत्र भारत ब्यूरो लखनऊ। उत्तर प्रदेश में वाराणसी जनपद के मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर स्थित वाराणसी-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार देर रात सड़क किनारे खड़ी एक ट्रक से तेज रफ्तार बाइक टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद ट्रक चालक वाहन समेत प्रयागराज की ओर फरार हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी राजगढ़, मीरजापुर।

सामग्री आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदा की सूचना

राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त (टाईड/अनटाईड) योजनान्तर्गत वर्ष 2026–27 में क्षेत्र पंचायत के द्वारा निम्नलिखित परियोजना पर सामग्री आपूर्ति करने हेतु वाणिज्य कर कार्यालय में जी0एस0टी0 पंजीकृत फर्मों से अल्पकालिन निविदा आमंत्रित की जाती है फर्म एक या एक से अधिक कार्यों पर सामग्री आपूर्ति के लिए निविदा डाल सकती है।

1–कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी राजगढ़ में दिनांक 13.07.2026 तक दोपहर 12 बजे तक लिफाफा बन्द निविदायें डाली जायेंगी। (2) दिनांक– 13.07.2026 को अपरान्ह/पूर्वान्ह 2 बजे अधोहस्ताक्षरी/निविदा हेतु गठित समिति के द्वारा फर्म (जो उपस्थित रहना चाहते हों) के समक्ष निविदायें खोली जायेंगी। (3) जिस फर्म की दर सबसे कम होगी उसी को आपूर्ति करने हेतु स्वीकृत प्रदान की जायेगी। (4) निविदा दरों में सभी करों को सम्मिलित करके ही निविदा दर भरी जाय। (5) टेण्डर फार्म के साथ सामग्री अंश का 02 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी की धनराशि एन0एस0सी0/एफ0डी0 आदि के रूप में अधोहस्ताक्षरी के पदनाम बंधक कराकर जमा करना अनिवार्य होगा एवं निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त 8 प्रतिशत धरोहर धनराशि के रूप एन0एस0सी0/एफ0डी0 के रूप में अधोहस्ताक्षरी के पदनाम बंधक कराकर जमा करना अनिवार्य होगा। (6) निविदा फार्म की फीस रू0 500.00 मात्र कार्यालय कार्य दिवस में जमा करके प्राप्त किया जा सकता है। (7) अन्य किसी भी प्रकार की जानकारी कार्यालय में किसी भी कार्य दिवस में प्राप्त किया जा सकता है। (8) अधोहस्ताक्षरी द्वारा बिना कारण बताये किसी भी समय निविदा निरस्त की जा सकती है। (9) सामग्री की मात्रा आवश्यकतानुसार घट बढ़ सकती है। (10) परियोजनाओं पर आपूर्ति किये जाने वाली सामग्री का विस्तृत विवरण निविदा फार्म के साथ उपलब्ध कराया जायेगा। (11) कतिपय कारणों से कार्य प्रारम्भ न होने पर सामग्री की आपूर्ति लिया जाना सम्भव न होगा, तदनुसार टेण्डर निरस्त माना जायेगा। (12) जो भी फर्म टेण्डर डालेगें उनका [illegible] एवं विकास खण्ड के किसी अधिकारी एवं कर्मचारी से किसी भी प्रकार का सम्बन्ध न हो, एवं उपलब्ध धनराशि अनुसार ही सामग्री आपूर्ति हेतु आदेश निर्गत किया जायेगा।

क्रम0	कार्य का नाम	प्रस्तावित लाo/अनुमान (लाख में)	सामग्री अंश की प्रस्तावित लागत (लाख में)
1	[illegible]	7.00	5.79
2	[illegible]	8.84	7.90
3	[illegible]	9.05	8.14
4	[illegible]	9.90	8.06
5	[illegible]	4.80	4.01
6	[illegible]	4.66	4.16
7	[illegible]	8.53	7.70
8	[illegible]	9.78	8.18
9	[illegible]	9.94	8.93
10	[illegible]	6.33	3.50
11	[illegible]	9.97	7.98
12	[illegible]	9.90	8.88
13	[illegible]	9.36	8.08
14	[illegible]	6.47	5.82
15	[illegible]	2.70	2.43
16	[illegible]	6.85	6.27
17	[illegible]	6.89	6.23
18	[illegible]	6.97	6.30
19	[illegible]	8.44	8.85
20	[illegible]	9.67	8.05
21	[illegible]	3.15	3.49
22	[illegible]	3.92	3.53
23	[illegible]	5.37	4.46
24	[illegible]	5.79	3.20
25	[illegible]	3.30	3.96
26	[illegible]	8.84	7.90
27	[illegible]	9.90	8.93
28	[illegible]	9.93	8.03
29	[illegible]	2.20	2.00
30	[illegible]	7.99	6.55
31	[illegible]	9.90	8.22
32	[illegible]	3.61	3.19
33	[illegible]	7.24	6.53
34	[illegible]	9.95	7.98
35	[illegible]	3.50	3.07
36	[illegible]	3.63	3.19
37	[illegible]	6.55	5.41
38	[illegible]	9.98	8.16
39	[illegible]	9.97	8.61
40	[illegible]	9.93	8.66
41	[illegible]	9.17	8.23
42	[illegible]	9.93	7.98
43	[illegible]	9.87	8.86
44	[illegible]	8.86	7.79
45	[illegible]	8.03	7.21
46	[illegible]	5.32	4.36
47	[illegible]	9.97	8.16
48	[illegible]	3.85	3.68
49	[illegible]	1.93	1.75
50	[illegible]	3.68	3.33
51	[illegible]	1.33	1.20
52	[illegible]	2.68	2.42
53	[illegible]	4.42	3.98
54	[illegible]	7.24	6.49
55	[illegible]	7.00	5.81
56	[illegible]	3.37	3.03
57	[illegible]	6.48	5.31
58	[illegible]	6.43	5.76
59	[illegible]	6.28	5.64
60	[illegible]	2.80	2.54
61	[illegible]	9.98	8.00
62	[illegible]	9.92	8.07
63	[illegible]	3.17	2.86
64	[illegible]	9.92	8.06
65	[illegible]	9.96	8.09
66	[illegible]	1.70	1.68
67	[illegible]	1.70	1.68
68	[illegible]	1.70	1.68
69	[illegible]	1.70	1.68
70	[illegible]	1.70	1.68
71	[illegible]	1.70	1.68
72	[illegible]	1.70	1.68
73	[illegible]	1.70	1.68
74	[illegible]	1.70	1.68
75	[illegible]	1.70	1.68
76	[illegible]	1.70	1.68
77	[illegible]	1.70	1.68
78	[illegible]	1.70	1.68
79	[illegible]	1.70	1.68
80	[illegible]	1.70	1.68
81	[illegible]	1.70	1.68
82	[illegible]	1.70	1.68
83	[illegible]	1.70	1.68
84	[illegible]	1.70	1.68
85	[illegible]	1.70	1.68
86	[illegible]	1.70	1.68
87	[illegible]	1.70	1.68
88	[illegible]	1.70	1.68
89	[illegible]	1.70	1.68
90	[illegible]	1.70	1.68
91	[illegible]	1.70	1.68
92	[illegible]	1.70	1.68
93	[illegible]	1.70	1.68
94	[illegible]	1.70	1.68
95	[illegible]	1.70	1.68
96	[illegible]	1.70	1.68
97	[illegible]	1.70	1.68
98	[illegible]	1.70	1.68
99	[illegible]	1.70	1.68
100	[illegible]	1.70	1.68
101	[illegible]	1.70	1.68
102	[illegible]	1.70	1.68
103	[illegible]	1.70	1.68
104	[illegible]	1.70	1.68
105	[illegible]	1.70	1.68
106	[illegible]	1.70	1.68
107	[illegible]	1.70	1.68
108	[illegible]	1.70	1.68
109	[illegible]	1.70	1.68
110	[illegible]	1.70	1.68
111	[illegible]	1.70	1.68
112	[illegible]	1.70	1.68
113	[illegible]	1.70	1.68
114	[illegible]	1.70	1.68
115	[illegible]	1.70	1.68
116	[illegible]	1.70	1.68
117	[illegible]	2.74	2.49
118	[illegible]	2.73	2.48
119	[illegible]	2.76	2.51
120	[illegible]	2.79	2.53
121	[illegible]	2.75	2.50
122	[illegible]	2.77	2.52
123	[illegible]	2.80	2.55
124	[illegible]	2.76	2.51
125	[illegible]	2.78	2.50
126	[illegible]	2.75	2.50
127	[illegible]	3.82	3.40
128	[illegible]	2.77	2.52
129	[illegible]	2.79	2.53
130	[illegible]	2.71	2.47
131	[illegible]	2.74	2.48
132	[illegible]	3.86	3.47
133	[illegible]	2.72	2.48
134	[illegible]	3.85	3.60
135	[illegible]	2.73	2.49
136	[illegible]	2.74	2.50
137	[illegible]	2.79	2.53
138	[illegible]	5.18	4.27
139	[illegible]	9.92	8.30
140	[illegible]	2.84	2.38
141	[illegible]	4.52	3.70
142	[illegible]	0.98	0.85
143	[illegible]	3.55	3.19
144	[illegible]	2.53	2.02
145	[illegible]	7.83	6.46
146	[illegible]	7.67	6.33
147	[illegible]	8.22	6.76
148	[illegible]	6.27	5.81
149	[illegible]	9.83	7.63
150	[illegible]	4.33	3.40
151	[illegible]	9.86	8.59

नोट– उपलब्ध धनराशि के अनुसार सामग्री आपूर्ति आदेश एवं कार्य आदेश जारी किया जायेगा।

पत्रांक: 344/निविदा प्रकाशन/2026–27 दिनांक : 02.07.2026

अवर अभियन्ता (RED)
राजगढ़, मीरजापुर।

खण्ड विकास अधिकारी
राजगढ़, मीरजापुर।

भाजपा में चल रहा है सत्ता का संघर्ष

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि अयोध्या श्रीराम मंदिर में चढ़ावा चोरी से आस्था और श्रद्धा के साथ खिलवाड़ हुआ है। खजाना देख कर सत्ता में बैठे लोग अंधे हो गये है। उन्हें आस्था और श्रद्धा की परवाह नहीं है। ये सब बौरा गये हैं। भाजपाइयों के घपलों की वजह से अयोध्यावासियों को दुःख-दर्द सहना पड़ रहा है। सोमवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय लखनऊ पर आयोजित प्रेस-कांफ्रेस में अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में चढ़ावा चोरी की घटना बहुत दुखद है। अयोध्या में जो घटना हुई है, उसका सम्पूर्ण विश्व के राम भक्त संज्ञान लें। दुनिया भर के सनातनी, अयोध्या के पूज्य साधु संत, सर्वोच्च न्यायालय, लोकसभा अध्यक्ष, अयोध्या के सभी नागरिक और समस्त पीडीए समाज अयोध्या में चढ़ावा चोरी की घटना का संज्ञान ले। राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि चढ़ावा, चंदा और दान चोरो का गिरोह जनाक्रोश का सामना नहीं कर पा रहा है। यह गिरोह डरा हुआ है। इसीलिए चुपचाप बैठ गये हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा में सत्ता का संघर्ष चल रहा है। अगर चढ़ावा चोरी की जांच ईडी, सीबीआई, इनकम टैक्स करती तो जांच दिल्ली वालों के हाथ में होती रिपोर्ट उनके पास जाती, दिल्ली वाले जब तक सोचते तब तक लखनऊ वालों ने एसआईटी बना दी। अब रिपोर्ट इनके पास आयेगी। अयोध्या में पैसे को देखकर ये सब बौरा गये है। सारी मर्यादाएं और लक्ष्मण रेखा पार कर गये हैं। एक सवाल के जवाब में अखिलेश यादव ने कहा कि चोरों को सब लोग चोर नजर आते हैं। सोशल मीडिया पर हमारे खिलाफ जो दुष्प्रचार चल रहा है। समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उस पर एफआईआर लिखाएंगे। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार में अन्याय, अत्याचार, भ्रष्टाचार चरम पर है। अत्याचार की सारी सीमाएं पार हो गयी है। पूरी सरकार वनस्पति के नशे में है। भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस केवल इस सरकार का नारा है। हर विभाग और हर काम में भ्रष्टाचार है। कोई क्षेत्र भ्रष्टाचार और लूट से अछूता नहीं है। भ्रष्टाचार से पूरा प्रदेश त्रस्त है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार प्रदेश की जनता के लिए संकट है। भाजपा सत्ता से हटेगी तभी संकट खत्म होगा और लोगों को न्याय मिलेगा। उन्होंने कहा कि किसानों को डीएपी और यूरिया खाद नहीं मिल रही है। फसलों का सही दाम नहीं मिल रहा है। बिचौलिए लूट कर रहे हैं। भाजपा नेताओं ने सब मक्का किसानों से खरीद लिया और उसका मुनाफा ले लिया। किसानों को कुछ नहीं मिला। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं बर्बाद है। अस्पतालों में गुणवत्ता युक्त इलाज नहीं मिल रहा है। लखनऊ में सिविल हॉस्पिटल को अच्छा बनाने के लिए समाजवादी पार्टी की सरकार में सूचना विभाग की बिल्डिंग हॉस्पिटल के लिए खाली करायी गयी, लेकिन भाजपा सरकार ने दस साल में कुछ नहीं किया। समाजवादी सरकार में लखनऊ के सिविल हॉस्पिटल और बलरामपुर हॉस्पिटल को विश्वस्तरीय बनाएंगे, सभी सुविधा

आरडब्ल्यूए की नई कार्यकारिणी का गठन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। राजधानी के रश्मि खंड स्थित रश्मि लोक अपार्टमेंट में लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) के निर्देशों के अनुपालन में रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की नव-निर्वाचित कार्यकारिणी के गठन के लिए बैठक आयोजित की गई। बैठक में सभी निर्वाचित सदस्यों की आपसी सहमति से पदाधिकारियों का सर्वसम्मति से चयन किया गया। बैठक में अमृतांशु मिश्रा को अध्यक्ष, जितेन्द्र सिंह को उपाध्यक्ष, सुनीता देवी को सचिव तथा सचिन मिश्रा को कोषाध्यक्ष चुना गया। नव-निर्वाचित पदाधिकारियों ने अपार्टमेंट के सभी निवासियों का आभार व्यक्त करते हुए भरोसा दिलाया कि वे पारदर्शिता, सहभागिता और समर्पण के साथ कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि परिसर की सुरक्षा, स्वच्छता, रखरखाव, बुनियादी सुविधाओं के विकास और निवासियों की समस्याओं के समाधान को प्राथमिकता दी जाएगी। बैठक में उपस्थित सदस्यों ने नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास जताया कि सभी निवासियों के सहयोग से रश्मि लोक अपार्टमेंट के समग्र विकास और सौहार्दपूर्ण वातावरण को और अधिक सुदृढ़ किया जाएगा। नई टीम से अपार्टमेंट के बेहतर प्रबंधन और निवासियों की सुविधाओं में वृद्धि की उम्मीद व्यक्त की गई।

अंतरराष्ट्रीय रीजनिंग प्रतियोगिता में छात्र को सर्टिफिकेट ऑफ हाई डिस्टिंक्शन

स्वतंत्र भारत लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल (सीएमएस) के इन्दिरा नगर प्रथम कैम्पस के कक्षा-7 के छात्र अजेन्द्र प्रताप सिंह ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आयोजित इंटरनेशनल बेंचमार्क टेस्ट (आईबीटी) की रीजनिंग प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सर्टिफिकेट ऑफ हाई डिस्टिंक्शन हासिल किया है। अजेन्द्र ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर यह सम्मान अपने नाम किया और विद्यालय का गौरव बढ़ाया। सीएमएस की संस्थापिका-निदेशिका डॉ. भारती गांधी ने अजेन्द्र की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। सीएमएस के हेड कम्युनिकेशन्स ऋषि खन्ना ने बताया कि यह प्रतियोगिता ऑस्ट्रेलियन काउंसिल फॉर एजुकेशनल रिसर्च (एसीईआर) के तत्वावधान में आयोजित की गई थी। इसमें विश्व के लगभग 18 देशों के छात्रों ने भाग लिया, जबकि भारत के अनेक प्रतिष्ठित विद्यालयों के हजारों छात्र भी इसमें शामिल हुए।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
17वाँ (वि0/याँ0) वृत्त लो0नि0वि0 लखनऊ

पत्रांक:- 1582/2 CBW/(अयो0वि0)-17E/M/2026-27 दिनांक: 03/07/2026

ई-निविदा सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, 17वाँ (वि0/याँ0) वृत्त लो0नि0वि0, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु दो बिड पद्धति पर प्रतिशत दर के आधार पर ऑनलाइन निविदा https://etender.up.nic.in के माध्यम से दिनांक 09.07.2026 से दिनांक 03.08.2026 दोपहर 12:00 बजे तक आमंत्रित की जाती है। निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 03.08.2026 अपरान्ह 12:30 बजे ऑनलाइन खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने की अथवा छुट्टी होने की दशा में तकनीकी बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेगी। कार्य का विवरण निम्न प्रकार है:-

क्र0 सं0	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र मूल्य (रू0 में)	निविदा की पात्रता
1	2	3	4	5	6	7
1	जनपद न्यायालय अयोध्या के 24 कक्षीय न्यायालय भवन में अपर जिला न्यायाधीश कोर्ट एवं विश्राम कक्षों में ए0सी0 स्थापना का कार्य	99.18 + GST Extra	6.96	05 Months	2354.00	लो0नि0वि0 में विद्युत कार्यों हेतु 'ए' श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदार

शासनादेश संख्या 1/2018/3070/76-2-2018/42आई0टी0/2017(22) दिनांक 03/01/2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग/कार्यालय में प्रस्तुत किये जाते हैं। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानों के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।

निविदा का तकनीकी मूल्यांकन प्रहरी सॉफ्टवेयर के माध्यम से किया जाना है, जिसकी विस्तृत जानकारी बिड डॉक्यूमेन्ट के साथ संलग्न निविदा सूचना में उपलब्ध है।

निविदा से सम्बन्धित नियम/शर्तें तथा विवरण वेबसाइट पर https://etender.up.nic.in उपलब्ध है।

(अखिलेश कुमार)
अधिशासी अभियन्ता
वि0/याँ0खण्ड, लो0नि0वि0,
अयोध्या

(आर0एम0 श्रीवास्तव)
अधीक्षण अभियन्ता
17वाँ (वि0/याँ0) वृत्त, लो0नि0वि0,
लखनऊ

उ0प्र0 253403 दिनांक- 06.07.2026 Website: www.upgov.nic.in

आज की भव्य अयोध्या करोड़ों रामभक्तों के त्याग और संघर्ष का परिणाम : योगी

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, प्रयागराज। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सोमवार को प्रयागराज दौरे पर पहुंचे, जहां उन्होंने कालीघाट स्थित प्रेरणास्थल पार्क में , और की प्रतिमाओं का अनावरण किया। इस दौरान उन्होंने 37वीं राष्ट्रीय कयाकिंग प्रतियोगिता का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आज श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर पूरे देश के सामने है। उन्होंने कहा कि आज की भव्य अयोध्या करोड़ों रामभक्तों के त्याग, तप और लंबे संघर्ष का परिणाम है। यह देश के संतों के नेतृत्व और जन-जन की भागीदारी से चला सबसे बड़ा सांस्कृतिक आंदोलन था। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1980 के दशक में उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक श्रीराम मंदिर आंदोलन ने व्यापक जनजागरण किया। उस समय जाति, भाषा और क्षेत्र की सीमाओं से ऊपर उठकर पूरा देश एक स्वर में रामलला हम आएंगे, मंदिर वहीं बनाएंगे का उद्घोष कर रहा था। उन्होंने कहा कि के नेतृत्व में युवाओं ने इस आंदोलन को नई दिशा दी और उन्होंने अपना संपूर्ण जीवन सनातन धर्म, राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित किया। कार्यक्रम के दौरान एक रोचक वाकया भी देखने को मिला।डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य मंच पर मौजूद सपा की बागी विधायक और भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष पूजा पाल का नाम भूल गए। मंच पर सीएम के साथ डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, नंद गोपाल गुप्ता नंदी और सपा की बागी विधायक पूजा पाल भी मौजूद रहीं। प्रतिमा अनावरण कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ पहुंचे, जहां दोनों नेताओं ने विधिवत पूजा-अर्चना कर आरती उतारी और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

अखिलेश के बयानों पर डॉ. राजेश्वर सिंह का पलटवार

स्वतंत्र भारत लखनऊ। सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के हालिया बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रभु श्रीराम करोड़ों भारतीयों की आस्था, संस्कृति और मर्यादा के प्रतीक हैं। उनका नाम राजनीतिक सुविधा या चुनावी रणनीति का माध्यम नहीं बनाया जाना चाहिए। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता भली-भांति जानती है कि जो लोग वर्षों तक श्रीराम जन्मभूमि, अयोध्या और रामभक्तों की भावनाओं के प्रति मौन या उपेक्षापूर्ण रवैया अपनाते रहे, वे आज लगभग हर बयान में श्रीराम का स्मरण कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि यह परिवर्तन हृदय से आया है तो उसका स्वागत है, लेकिन यदि यह केवल चुनावी मजबूरी है तो जनता इसे भी अच्छी तरह समझ रही है। उन्होंने कहा कि श्रीराम का नाम लेना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके आदर्शों–मर्यादा, सत्य, सेवा और राष्ट्रधर्म–को सार्वजनिक जीवन में अपनाना ही सच्ची श्रद्धा का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में अयोध्या का गौरव पुनर्स्थापित हुआ है तथा श्रीराम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था का प्रतीक बनकर स्थापित हुआ है। डॉ. राजेश्वर सिंह ने कहा, राम आस्था हैं, ट्रेंड नहीं; राम मर्यादा हैं, राजनीतिक मजबूरी नहीं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता आस्था और अवसरवाद के बीच का अंतर भली-भांति समझती है और राजनीतिक दलों का आकलन उनके आचरण के आधार पर करती है, केवल बयानों के आधार पर नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि जो कभी श्रीराम के मुद्दे पर मौन थे, वे आज राम-नाम का सहारा ले रहे हैं। आस्था भाषणों से नहीं, बल्कि आचरण से सिद्ध होती है।

स्व. राजा आनंद सिंह की प्रथम पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा

स्वतंत्र भारत ब्यूरो, लखनऊ। स्वर्गीय राजा आनंद सिंह की प्रथम

पुण्यतिथि पर सोमवार को बारादरी प्रांगण में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के पदाधिकारियों, गणमान्य नागरिकों और शुभचिंतकों ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके व्यक्तित्व, कृतित्व और समाज सेवा के योगदान को स्मरण किया। श्रद्धांजलि सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय राजा आनंद सिंह ने अपने सार्वजनिक जीवन में जनसेवा, सामाजिक सरोकार और लोककल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने समाज के विभिन्न वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया और अपने व्यवहार, नेतृत्व क्षमता तथा राजनीतिक सूझबूझ से लोगों के बीच एक अलग पहचान बनाई। उनके विचार, संस्कार और समाज के प्रति समर्पण आज भी लोगों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने कहा कि स्वर्गीय राजा आनंद सिंह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके आदर्श, कार्यशैली और सेवा भाव हमेशा याद किए जाएंगे। वक्ताओं ने उनके बताए मार्ग पर चलने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प भी दोहराया। श्रद्धांजलि सभा में संस्था के उपाध्यक्ष एवं पूर्व विधान परिषद सदस्य राजा राकेश प्रताप सिंह, सचिव कुंवर मनीष वर्धन सिंह, संयुक्त सचिव सैयद तारिक हसन नकवी, सहायक सचिव स्वरेश्वर बली, विनय कुमार सिंह, ठाकुर ध्यान पाल सिंह, कैप्टन कमलेश्वर सिंह, दिनेश दत्त राम पांडेय, राज कुमार सेठ, विनीत सेठ, दुश्यंत कुमार सिंह, सैयद इकबाल मुबाशिर किदवई, ठाकुर उदयन प्रताप सिंह, विवेक कुमार सेठ, राजा अभिषेक सिंह, सैयद मोहम्मद अली खान, कुंवर विक्रम सिंह सहित बड़ी संख्या में संस्था के सदस्य एवं अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यालय खण्ड विकास अधिकारी, राजगढ़, मीरजापुर।

सामग्री आपूर्ति हेतु–अल्पकालीन ई–निविदा की सूचना

क्षेत्र पंचायत योजनान्तर्गत राज्य वित्त/केन्द्रीय वित्त (टाईड/अनटाईड) वित्तीय वर्ष 2026–27 में निम्न परियोजना पर सामग्री आपूर्ति करने हेतु वाणिज्य कर कार्यालय में जी0एस0टी0 पंजीकृत फर्मों से अल्पकालीक ई निविदा आमंत्रित की जाती है।

1–विकास खण्ड राजगढ़ अन्तर्गत होने वाले कार्यों पर सामग्री आपूर्ति हेतु निविदा ई टेण्डरिंग के माध्यम से दिनांक– 08.07.2026 को 12 बजे से आनलाइन निविदा डाली जायेगी। 2–निविदा दिनांक 14–07–2026 को शायंकाल 2 बजे तक निविदा डाली जावेगी। 3–निविदा की शर्ते आदि www.etendar.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

निम्न बिन्दुओं का अनुपालन कराना अति आवश्यक है।

1– निविदा फर्म के साथ निम्न प्रपत्रों को स्व हस्ताक्षर अपलोड करना अति आवश्यक है। 2–जिलाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र की छायाप्रति। 3–सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत निवास प्रमाण पत्र की प्रति। 4–जी0एस0टी0 पंजीयन की छायाप्रति। 5–पैनकार्ड की छायाप्रति। 6–रूपये 100 के स्टाम्प पेपर पर नोटरी के द्वारा प्रमाणित शपथ की प्रति। 7–नवीनतम एक फोटो पासपोर्ट साइज की। 8–आधार कार्ड की छायाप्रति। 9–प्राक्कलित/अनुमानित लागत का 2 प्रतिशत अर्नेस्ट मनी की धनराशि एन0एस0सी0/एफ0डी0 आदि के रूप में जो खण्ड विकास अधिकारी, राजगढ़, मीरजापुर के पक्ष में बंधक होगा की छायाप्रति। 10– निविदा फार्म की फीस 1000 का बैंक ड्राफ्ट खण्ड विकास अधिकारी राजगढ़, मीरजापुर के पक्ष में तैयार कराकर संलग्न करें 11– दिनॉक 14–07–2026 को 4 बजे तक अनिवार्य रूप से विकास खण्ड कार्यालय में आनलाइन डाली गयी निविदा के साथ उपरोक्त अभिलेख की मूल प्रति एवं अपलोड पत्रों की प्रिंट आउट कार्यालय में जमा किया जाना अनिवार्य है। 12– दिनॉक 15–07–2026 को अपरान्ह 2 बजे निविदा समिति के समक्ष आनलाईन निविदा खोली जायेगी। 13–जिस फर्म की निविदा स्वीकृति होगी उस फर्म के द्वारा सामग्री आपूर्ति लागत का 3 प्रतिशत धरोहर राशि की धनराशि एन0एस0सी0/एफ0डी0 आदि के रूप में जो खण्ड विकास अधिकारी राजगढ़, के पक्ष में बन्धक होगा। एक सप्ताह के अन्दर अनिवार्य रूप से जमा किया जायेगा। 14–सामग्री की आपूर्ति निर्धारित अवधि दो माह के अन्दर किया जाना अनिवार्य है। 15–निविदा में उपलब्ध कराये जाने वाले दर में समस्त करो को समाहित कर निविदा दर डाला जाना अनिवार्य है। 16–सामग्री की मात्रा आवश्यकता अनुसार घट–बढ़ सकती है। 17 कतिपय कारण से कार्य प्रारम्भ न होने पर सामग्री की आपूर्ति लिया जाना सम्भव न होगा। तदनुसार टेण्डर निरस्त माना जायेगा। 18–बिना कारण बताये निविदा अस्वीकृत/निरस्त करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा। बिल के साथ खनिज विभाग के रूप पत्र एम0एम0 11 संलग्न करना अनिवार्य होगा है। 19–निविदा डालने वाली फर्म का विकास खण्ड राजगढ़ के किसी भी अधिकारी व कर्मचारी से कोई सम्बन्ध न हो, एवं उपलब्ध धनराशि अनुसार ही सामग्री आपूर्ति हेतु आदेश निर्गत किया जायेगा।

क्र0 सं0	कार्य का नाम	प्राक्कलित लागत (लाख में)	प्राकलित सामाग्री की लागत लाख में
1	ग्रा0पं0 खम्हरिया मेन रोड विनोद पाण्डे के घर से रामपुर शरहद तक जी0एस0बी0 का कार्य।	13.22	11.90
	योग–	13.22	11.90

पत्रांक: 352/अल्पकालीन निविदा/2026–27 दिनांक – 04.07.2026

अवर अभियन्ता (RED)
राजगढ़, मीरजापुर।

खण्ड विकास अधिकारी
राजगढ़, मीरजापुर।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच

पत्रांक: 2267/1ए–11 **ई–प्रोक्योरमेण्ट नोटिस** दिनांक: 02.07.2026

1- अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच द्वारा महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से उ0प्र0 लोक निर्माण विभाग में ए, बी, सी व डी श्रेणी के पंजीकृत निविदादाताओं से ई–टेण्डरिंग के माध्यम से जनपद बहराइच के निम्न वर्णन के अनुसार मार्ग निर्माण हेतु कार्य की निविदा प्रतिशत दरों के आधार पर आमंत्रित की जाती है।

क्र0 सं0	जनपद	कार्य का नाम	निविदा की लागत (बिना जीएसटी) (रू0 लाख में)	बिड सिक्योरिटी (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क + प्रोसेसिंग शुल्क + जी.एस.टी. (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6	7
विधानसभा–नानपारा।						
1	बहराइच	वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकासखण्ड–नवाबगंज के ग्रामीण मार्गों के पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.50	945.00	12 माह
2	बहराइच	वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकासखण्ड–शिवपुर के अन्य जिला मार्गों के पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.50	945.00	12 माह
3	बहराइच	वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकासखण्ड–शिवपुर के ग्रामीण मार्गों के पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.50	945.00	12 माह
4	बहराइच	वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकासखण्ड–नवाबगंज के अन्य जिला मार्गों के पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.50	945.00	12 माह
5	बहराइच	वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकासखण्ड–बलहा के अन्य जिला मार्गों के पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.60	945.00	12 माह
6	बहराइच	वित्तीय वर्ष 2026–27 में विकासखण्ड–बलहा के ग्रामीण मार्गों के पैच मरम्मत का कार्य।	15.00	1.50	945.00	12 माह

2. ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें प्रकाशित होने की तिथि 09–07–2026 से पूर्व।
3. बिड डाक्यूमेन्ट की उपलब्धता एवं बिड–सबमिट करने का माध्यम–
(क) बिड डाक्यूमेन्ट आनलाइन दिनांक 09–07–2026 से 18–07–2026 तक उपलब्ध रहेगी, जो आनलाइन http://etender.up.nic.in पर ही सबमिट किया जायेगा।
(ख) निविदा डालने हेतु निविदादाता को उपरोक्त वेबसाइट पर पंजीकरण कराना अनिवार्य है। निविदायें आनलाइन डालने हेतु निविदादाता के पास किसी डिजिटल सिग्नेचर सर्टिफिकेट सर्टिफाइंग अथोरिटी द्वारा जारी डिजिटल सिग्नेचर सार्टिफिकेट होना अनिवार्य है।
(ग) ई–प्रोक्योरमेण्ट के माध्यम से निविदायें डालने की अन्तिम तिथि 18–07–2026 दोपहर 12.00 बजे तक एवं टेक्निकल क्वालिफिकेशन पार्ट–1 दिनांक 18–07–2026 अपराह्न 12.30 बजे से कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, बहराइच में खोली जायेगी। विस्तृत विवरण http://etender.up.nic.in देखा जा सकता है।
(घ) प्रमुख अभियन्ता (विकास) एवं विभागाध्यक्ष, उ0प्र0 लो0नि0वि0, लखनऊ का सर्कुलर सं0–95–कैम्प–प्र0अ0 विकास/01 सर्कुलर/2026 दिनांक 18.04.2026, 96–कैम्प–प्र0अ0 विकास/01 सर्कुलर/2026 दिनांक 21.04.2026 एवं शासनादेश सं0–86/2026/649/2026/23–7099/106/2025 दिनांक 23.05.2026 के अन्तर्गत निविदा स्वीकार होगी।
(ङ) तकनीकी निविदा खोलने के 03 कार्य दिवस बाद वित्तीय निविदा खोली जायेगी।

(ई0 अंकित कुमार वर्मा/ई0 अंकुर मौर्य)
सहायक अभियन्ता,
प्रा0ख0, लो0नि0वि0, बहराइच

(ई0 प्रदीप कुमार)
अधिशासी अभियन्ता,
प्रा0ख0, लो0नि0वि0, बहराइच

उ0प्र0 253266 दिनांक- 03.07.2026 Website: www.upgov.nic.in

कार्यालय, नगर पंचायत तमकुहीराज, कुशीनगर।

संख्या– 200/न0पं0त0म0/2026–27 दिनांक– 03.07.2026

अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना

एतद्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत तमकुहीराज, कुशीनगर वाटर टैंकर को पुनः उपयोग योग्य बनाये जाने हेतु राज्य वित्त आयोग/निकायनिधि के अन्तर्गत, प्राप्त धनराशि से रिपेयरिंग/मरम्मत कराया जाना है। इच्छुक एवं पंजीकृत फर्मो/ठेकेदारों से **दिनांक 10.07.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे तक** अल्पकालीन निविदा/कोटेशन सूचना आमंत्रित किया जाता है। समस्त डाली गयी कोटेशन/निविदा उसी दिन **अपरान्ह 03:00 बजे** दिन में अधोहस्ताक्षरी द्वारा नगर पंचायत कार्यालय पर उपस्थित कोटेशनदाताओं के समक्ष खोला जायेगा। सबसे न्यूनतम दर के अल्पकालीन निविदा/कोटेशन को ही स्वीकृति प्रदान की जायेगी। इस सम्बन्ध में किसी भी प्रकार की किसी भी आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा। कार्य का का विवरण निम्नलिखत है :–

क्रम सं0	कार्य का विवरण	ठेकेदार/फर्म द्वारा अंकित किये जाने वाला सबसे न्यूनतम दर	समयावधि
1	वाटर टैंकर रिपेयरिंग/मरम्मत कार्य।	....	07 दिन

नियम व शर्ते :–
1. पंजीकृत फर्म/ठेकेदार का ही अल्पकालीन निविदा/कोटेशन मान्य होगा।
2. अल्पकालीन निविदा/कोटेशन एक या समस्त अस्वीकृत करने का अधिकार बिना कारण बतायें अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत तमकुहीराज में निहित होगा।
3. अल्पकालीन निविदा/कोटेशन खोलने की तिथि को अवकाश होने की दशा में अगला कार्य दिवस मान्य होगा।

अधिशासी अधिकारी,
नगर पंचायत, तमकुहीराज,
जनपद–कुशीनगर।

अध्यक्ष
नगर पंचायत, तमकुहीराज,
जनपद–कुशीनगर।

कार्यालय जिला पंचायत, सीतापुर।

पत्रांक: 495/मेला0 लि0–जि0पं0/2026–27 दिनांक: 22–06–2026

ई–निविदा सूचना

जिला पंचायत, सीतापुर द्वारा समान प्रकृति के कार्य का किसी विभाग में अनुभव प्राप्त ठेकेदारों से ई–निविदा **दिनांक: 08–07–2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक: 14–07–2026 को दोपहर 12.00 बजे तक** https://etender.up.nic.in पर निम्न शर्तो के अधीन आमंत्रित की जाती है। निविदा एवं शर्ते **दिनांक: 08–07–2026 को प्रातः 10.00 बजे से दिनांक: 14–07–2026 को दोपहर 12.00 बजे तक** उपरोक्त वेबसाइट से डाउनलोड व अपलोड की जा सकती है। तकनीकी निविदा **दिनांक: 15–07–2026 को अपरान्ह 03.00 बजे** से जिला पंचायत कार्यालय में उपस्थित ठेकेदारों के समक्ष निविदा समिति द्वारा खोली जायेगी। तदोपरान्त निविदा के तकनीकी मूल्यॉकन (Technical Bid Evaluation) में वैध पायी गयी निविदाओं का वित्तीय मूल्यांकन (Financial Bid Evaluation) उपरान्त निविदा खोले जाने की अग्रिम कार्यवाही की जायेगी। धरोहर धनराशि तथा निविदा शुल्क कालम 5 व 6 के अनुसार देय होगी, धरोहर धनराशि का टी0डी0आर0/एफ0डी0आर0 जो राष्ट्रीयकृत बैंक द्वारा निर्गत हो तथा अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, सीतापुर के पक्ष में बंधक हो एवं निविदा शुल्क की धनराशि को "इण्डियन बैंक, शाखा सिविल लाईन, सीतापुर" में रक्षित जिला पंचायत, सीतापुर का खाता "जिला निधि, जिला पंचायत खाता संख्या–21082963797 आई0एफ0एस0सी0 कोड–IDIB000C633" में आनलाईन माध्यम/आर0टी0जी0एस0/एन0ई0 एफ0टी के माध्यम से जमा करना होगा तथा प्राप्त यू0टी0आर0/ट्राजेक्शन नं0 आदि की स्कैन प्रतिया निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य है। कार्यों का विस्तृत विवरण एवं शर्ते आदि ई–टेण्डर पोर्टल पर उपलब्ध है तथा किसी भी कार्यशील दिवस में कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

अभियन्ता, जिला पंचायत, सीतापुर।
अधिशासी अभियन्ता, जिला पंचायत, सीतापुर।
अपर मुख्य अधिकारी, जिला पंचायत, सीतापुर।
अध्यक्ष, जिला पंचायत, सीतापुर।

स्वतंत्र भारत

यदा यदाहि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम्।।

बदलाव के लिए

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में पिछले दिनों हुए विधानसभा चुनावों में जबर्दस्त उलट फेर के बाद अब संसद के मानसून सत्र पर निगाहें टिक गई हैं। चुनाव परिणामों और उसके बाद की गतिविधियों से संसद में एनडीए के संख्या बल में बढ़ोत्तरी के बाद सत्र की गतिविधियों को लेकर उत्सुकता और बढ़ गई है। माना जा रहा है कि अपनी बढ़ी ताकत से उत्साहित मोदी सरकार कई अहम विधेयक इस सत्र में ला सकती है। इसी पृष्ठभूमि में सरकार द्वारा 130वां संविधान संशोधन विधेयक लाने की उम्मीद है जिसके अंतर्गत प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और अन्य मंत्रियों को पांच साल से ज्यादा सजा के प्रावधान वाले गंभीर अपराधों के लिए गिरफ्तार किए जाने और लगातार तीस दिनों तक हिरासत में रखे जाने पर पद से हटाने का प्रस्ताव है। यह सही है कि देश की राजनीति में जवाबदेही और पारदर्शिता लाने के मुद्दे पर लंबे समय से बातें होती रही हैं लेकिन ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बन सकी है कि केवल साफ छवि के लोगों को जनप्रतिनिधि बनने का अवसर मिले। आज इस बात में कोई संशय नहीं कि देश की राजनीति में आपराधिक पृष्ठभूमि के लोगों का बढ़ता दखल गंभीर समस्या बन चुका है। कानूनी प्रावधानों के अंतर्गत तकनीकी जटिलताओं का फायदा उठा कर संसद या विधान सभाओं में कई बार ऐसे लोग भी चुन कर पहुंच जाते हैं जिन पर गंभीर व जघन्य अपराधों में शामिल होने का आरोप लगा रहता है। जब ये बातें सामने आती हैं तब चिंता तो सभी दल जताते हैं लेकिन ऐसे लोगों को टिकट न देने की किसी भी दल में कोई इच्छाशक्ति नहीं होती। हैरत की बात यह है कि चुनाव आयोग भी इस मामले पर कोई स्पष्ट रुख नहीं अपनाता है। इसीलिए पिछले साल अगस्त में सरकार ने संसद में यह विधेयक पेश किया था पर विपक्ष की आपत्तियों के बाद इसकी जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति बनी। हालांकि अपनी बात न सुने जाने का आरोप लगा कर विपक्ष समिति का बहिष्कार कर दिया था। अब विधेयक पर विचार करने के बाद यदि समिति इसे अपनी मंजूरी दे देती है तो मानसून सत्र में इसे फिर पेश किया जाएगा। वैसे भी सार्वजनिक जीवन में जवाबदेही बढ़ाने से लेकर लोकतंत्र में नैतिकता सुनिश्चित किए जाने के लिए इस समय सख्त कानूनी प्रावधान की जरूरत है। लेकिन यह सावधानी भी बरतनी होगी कि नया कानून देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर विपरीत प्रभाव डालने वाला न हो। प्रस्तावित कानून में यह व्यवस्था भी स्पष्ट रूप से होनी चाहिए कि केवल किसी चुनी हुई सरकार को अस्थिर करने के इरादे से इसका दुरुपयोग न होने पाए। स्वस्थ दृष्टिकोण रखकर बना तो यह कानून देश की राजनीति में निश्चित रूप से गुणात्मक परिवर्तन लाने का मार्ग प्रशस्त करेगा।

संगठित जालसाजी

पिछले दिनों लखनऊ के विभूति खंड में पकड़े गए फर्जी अंतर्राष्ट्रीय काल सेंटर के बारे में अब सामने आ रही जानकारियों से पता लगता है कि जालसाजी का काम भी कितने संगठित रूप से आपराधिक ढंग से खड़ा कर लिया जाता है। पकड़े गए एक सौ उन्नीस कर्मचारियों में स्थानीय लोग कम हैं और मुंबई, पुणे, अहमदाबाद और असम के लोग अधिक हैं। इनकी जालसाजी का खास मकसद प्रौढ़ अमेरिकन नागरिकों को ठगना था जिनसे ये लोग अभी तक ढाई अरब रुपए वसूल चुके हैं। फोन पर अमेजन कंपनी के कर्मचारी बन कर झांसे का जाल फैलाने वाले ये साइबर ठग महीने में तनख्वाह और इंसेंटिव मिला कर एक से डेढ़ लाख रुपए तक कमा लेते थे। शक के दायरे से बाहर रहने और अपना हाई प्रोफाइल बनाए रखने के लिए ये लोग लखनऊ के महंगे पॉश इलाकों व होटलों में रहते थे। अपने शिकार का भरोसा जीतने के लिए ये खुद को अमेजन, एप्पल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी नामी गिरामी कंपनियों का कस्टमर केयर एग्जीक्यूटिव बताते थे। गिरोह के काम करने के शातिर तौर तरीकों का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि विभूति खंड के ऑफिस से डेढ़ साल तक इनकी जालसाजी चलती रही लेकिन स्थानीय पुलिस और एलआईयू को इसकी भनक तक न लग सकी। संदेह की सुई से बचने के लिए ही गिरोह ने भारत नहीं बल्कि हजारों मील दूर अमेरिका में बैठे लोगों को शिकार बनाने का रास्ता चुना। अत्याधुनिक तकनीकी उपकरणों की मदद से इतने बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी किए जाने का लखनऊ में यह अपने आप में पहला बड़ा मामला भले ही हो पर इस संभावना से इंकार नहीं हो सकता कि छोटे या बड़े पैमाने पर इसी ढंग से अन्य जालसाजों ने भी अपना चला रखा हो। चूंकि शहर का तेजी के साथ विस्तार हो रहा है और व्यावसायिक गतिविधियां भी तेजी से बढ़ रही हैं तो ऐसे काम किए जाने की कोशिशें संभव भी हो सकती हैं।

कॉंव-कॉंव

♦♦♦

भारी बारिश के बावजूद नहीं भर पा रहे जलाशय
जैसे करोड़ों रुपये खाकर भी नीयतें नहीं भरतीं!

बच्चों से जुड़े अश्लील कंटेंट पर मेटा को नोटिस
एपस्टीन फाइल की चर्चा अमेरिका में जारी है!

मुझे रोकना है तो मारना ही पड़ेगा-ममता बनर्जी
दीदी की सुरक्षा अब केंद्र सरकार का सिरदर्द है!

चढ़ावा चोरी के पापियों को सख्त सजा-भागवत
चोरों को चाबी सौंपने वाले निर्दोष बने रहेंगे?

मानसून सत्र में आ सकता है परिसीमन विधेयक
समय रहते ही मन की मर्जी पूरी करनी चाहिये!

सत्ताईस में जीत के रिकार्ड तोड़ेगी भाजपा-नबीन
तोड़ने फोड़ने में भाजपा को महारत हासिल है!

♦♦♦

दल-बदल कानून पर पुनर्विचार की जरूरत

- संजय कुमार

> पश्चिम बंगाल में चल रहा राजनीतिक घटनाक्रम यह संकेत देता है कि दल-बदल विरोधी कानून पर आज फिर से विचार करने की आवश्यकता है. इसके पीछे कुछ कारण हैं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है. पश्चिम बंगाल राज्य विधानसभा से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नव निर्वाचित विधायकों में से दो-तिहाई से अधिक के दल-बदल करने और लोकसभा में भी तृणमूल कांग्रेस के दो-तिहाई से अधिक सांसदों के दल-बदल कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआइ) में विलय कर लेने के बावजूद दल-बदल की वैधता पर बहस अगर जारी है, तो इसी से इस मामले की गंभीरता समझी जा सकती है. चुनावी नतीजा घोषित होने के बाद दल बदलने वाले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित होंगे या नहीं, इस पर सवाल उठ रहे हैं। प्रश्न यह भी उठ रहा है कि पार्टी में विभाजन आखिर किसे माना जाये. क्या यह केवल निर्वाचित विधायकों और सांसदों से ही संबंधित है या फिर पार्टी संगठन में विभाजन को भी इसमें शामिल किया जायेगा. ये दरअसल कानूनी प्रश्न हैं, जिनका उत्तर कानून की व्याख्या पर ही निर्भर करता है. लेकिन पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद तेजी से घटी राजनीतिक घटनाएं निश्चित रूप से एक बड़े मुद्दे पर आत्ममंथन की मांग करती हैं. वह मुद्दा है जनादेश की पवित्रता का, मतदाताओं के वोट की पवित्रता का, और जिस उम्मीदवार को मतदाताओं ने चुना, वह चुनाव के बाद यदि विरोधी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है, तो क्या हो।

पश्चिम बंगाल में चल रहा राजनीतिक घटनाक्रम यह संकेत देता है कि दल-बदल विरोधी कानून पर आज फिर से विचार करने की आवश्यकता है. इसके पीछे कुछ कारण हैं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है. पश्चिम बंगाल राज्य विधानसभा से तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के नव निर्वाचित विधायकों में से दो-तिहाई से अधिक के दल-बदल करने और लोकसभा में भी तृणमूल कांग्रेस के दो-तिहाई से अधिक सांसदों के दल-बदल कर नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया (एनसीपीआइ) में विलय कर लेने के बावजूद दल-बदल की वैधता पर बहस अगर जारी है, तो इसी से इस मामले की गंभीरता समझी जा सकती है. चुनावी नतीजा घोषित होने के बाद दल बदलने वाले तृणमूल कांग्रेस के विधायक और सांसद दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित होंगे या नहीं, इस पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रश्न यह भी उठ रहा है कि पार्टी में विभाजन आखिर किसे माना जाये. क्या यह केवल निर्वाचित विधायकों और सांसदों से ही संबंधित है या फिर पार्टी संगठन में विभाजन को भी इसमें शामिल किया जायेगा. ये दरअसल कानूनी प्रश्न हैं, जिनका उत्तर कानून की व्याख्या पर ही निर्भर करता है. लेकिन पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद तेजी से घटी राजनीतिक घटनाएं निश्चित रूप से एक बड़े मुद्दे पर आत्ममंथन की मांग करती हैं. वह मुद्दा है जनादेश की पवित्रता का, मतदाताओं के वोट की पवित्रता का, और जिस उम्मीदवार को मतदाताओं ने चुना, वह चुनाव के बाद यदि विरोधी राजनीतिक दल में शामिल हो जाता है, तो क्या हो।

यह बिल्कुल सही है कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस से अलग होने वाले नव निर्वाचित विधायकों की संख्या दो-तिहाई से अधिक है, जो तकनीकी रूप से बिना अयोग्यता के पार्टी विभाजन के लिए आवश्यक है. पर इससे इतर चुनावी जनादेश की पवित्रता पर भी विचार करने की आवश्यकता है. बड़ा प्रश्न यह है कि चुनावी नतीजे के बाद नेताओं का मूल पार्टी छोड़कर दूसरी पार्टी के साथ चले जाने से क्या उन मतदाताओं के साथ धोखा नहीं हो रहा, जिनमें से बड़ी संख्या में लोगों ने पार्टी के आधार पर ही चुनाव में वोट दिया था? अपने देश में बड़ी संख्या में मतदाता चुनावों में उम्मीदवारों को नहीं, बल्कि राजनीतिक पार्टियों को वोट देते हैं. उनके लिए उम्मीदवारों की तुलना में राजनीतिक पार्टियों का महत्व अधिक है. पश्चिम बंगाल में चुनावी नतीजे के बाद जिन विधायकों ने दल-बदल किया, वे दरअसल कुछ ही दिन पहले तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीतकर आये थे. इस वर्ष हुए पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को बड़ा झटका लगा, जहां उसे केवल 80 सीटें मिलीं और 40.1 प्रतिशत वोट मिले. जबकि भाजपा ने 207 सीटें जीतीं और उसने 45.8 प्रतिशत वोट हासिल किये।

इसमें कोई संदेह नहीं कि विधायकों और सांसदों के दल-बदल की स्थिति पहले के दौर की तुलना में बेहतर हुई है, जब कोई कानून नहीं था और जनप्रतिनिधि बिना सोचे-समझे रातों-रात पार्टी बदल लेते थे. लेकिन सच बात तो यह है कि अब भी स्पष्ट नहीं है कि पार्टी में विभाजन किसे कहा जाये. इसलिए इस पर स्पष्ट परिभाषा की आवश्यकता है. इस अस्पष्टता को इसलिए भी दूर किया जाना चाहिए, क्योंकि हाल के वर्षों में दल-बदल से जुड़े अधिकांश प्रश्न इसी कारण विवादित रहे हैं कि पार्टी में विभाजन आखिर किसे माना जाये. हर बार जब दल-बदल होता है, तब यह सवाल उठता है कि क्या अलग समूह बना लेना पर्याप्त है या फिर कानून के तहत उस समूह का किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में विलय अनिवार्य है. तृणमूल कांग्रेस के जिन विधायकों ने दल-बदल किया, उन्होंने एक अलग समूह बनाया है और किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में अपना विलय नहीं किया है. जबकि तृणमूल के लोकसभा सांसदों ने अयोग्यता से बचने के लिए एनसीपीआइ, यानी नेशनलिस्ट सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया में अपना विलय कर लिया। सवाल यह है कि क्या वर्तमान कानून के तहत दोनों स्थितियां वैध हैं. इस मुद्दे पर स्पष्टता अत्यंत आवश्यक है कि किसी अन्य राजनीतिक पार्टी में विलय करना अनिवार्य होना चाहिए या फिर अलग समूह के रूप में बने रहना भी स्वीकार्य हो सकता है. वास्तविकता यह है कि ऐसे मामलों में स्पीकर द्वारा निर्णय लेने में कोई एकरूपता नहीं रही है कि दल-बदल वैध है या नहीं. कुछ मामलों में निर्णय जल्दी लिया जाता है, जबकि कुछ मामलों में स्पीकर द्वारा फैसला लेने में काफी समय लग जाता है. इस असमानता को देखते हुए स्पीकर द्वारा दल-बदल से जुड़े मामलों पर निर्णय लेने के लिए कानून में एक निश्चित समय सीमा तय करने पर विचार करना उचित होगा. दल-बदल के मामले में अयोग्यता से बचने के लिए दो-तिहाई सदस्यों की आवश्यकता एक उचित शर्त प्रतीत होती है।

हालांकि, छोटे राजनीतिक दलों में जहां विधायकों और सांसदों की संख्या कम होती है, वहां यह शर्त अप्रासंगिक हो जाती है. लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि एक राजनीतिक पार्टी से चुने जाने के बाद दूसरी राजनीतिक पार्टी में चले जाने की स्थिति में व्यक्तिगत मतदाता के वोट की पवित्रता का क्या होगा. ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं, जब जनप्रतिनिधियों ने उस राजनीतिक पार्टी में शामिल होकर दल-बदल किया, जिसके खिलाफ उन्होंने चुनाव लड़ा था. इससे यह प्रश्न उठता है कि क्या दल-बदल करने वाले जनप्रतिनिधि वास्तव में जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व करते हैं. यह स्थिति तब और भी गंभीर हो जाती है, जब हम यह पाते हैं कि चुनाव जीतने के कुछ ही दिनों में या कुछ सप्ताहों के भीतर ही दल-बदल हो जाता है, जैसा कि पश्चिम बंगाल में हाल की घटनाओं में देखा गया। दल-बदल विरोधी कानून को बने 41 वर्ष हो चुके हैं. वर्ष 2003 में इसमें एक संशोधन किया गया था, जब एक-तिहाई की शर्त को हटाकर दो-तिहाई कर दिया गया था. मेरा मानना है कि इस कानून को और प्रभावी बनाने के लिए किन बदलावों की आवश्यकता है, इस पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए. यह भी सोचा जा सकता है कि क्या इस कानून में ऐसा कोई प्रावधान होना चाहिए कि जैसे ही कोई निर्वाचित प्रतिनिधि दल बदले, तो उसकी सदस्यता तत्काल समाप्त हो जाये और उस सीट पर उपचुनाव अनिवार्य हो. इससे नेताओं में व्यक्तिगत लाभ या हित के लिए दल-बदल करने की प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकता है. निश्चित रूप से यह आसान निर्णय नहीं होगा, लेकिन इस पर विचार तो किया ही जा सकता है।

।। यथार्थ गीता ।।

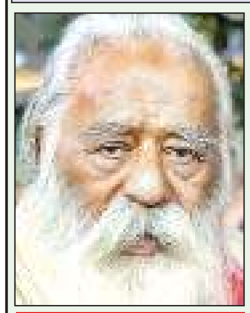

स्वामी अड़गड़ानंद

अथ त्रयोदशोऽध्याय:

(गतांक से आगे

यदा भूतपृथग्भावमेकस्थमनुपश्यति। तत एव च विस्तारं ब्रह्म सम्पद्यते तदा ।। 30।

जिस काल में मनुष्य भूतों के न्यारे-न्यारे भावों को एक परमात्मा में प्रवाहित स्थित देखता है तथा उस परमात्मा से ही सम्पूर्ण भूतों का विस्तार देखता है, उस समय वह ब्रह्म को प्राप्त होता है। जिस क्षण यह अवस्था आ गयी, उसी क्षण वह ब्रह्म को प्राप्त होता है। यह लक्षण भी स्थितप्रज्ञ महापुरुष का ही है।

अनादित्वान्निर्गुणत्वात्परमात्मायमव्ययः । शरीरस्थोऽपि कौन्तेय न करोति न लिप्यते ।। 31 ।।

कौन्तेय ! अनादि होने से और गुणातीत होने से यह अविनाशी परमात्मा शरीर में स्थित होते हुए भी वास्तव में न करता है और न लिप्त ही होता है।

किस प्रकार ? -

यथा सर्वगतं सौक्ष्म्यादाकाशं नोपलिप्यते । सर्वत्रावस्थितो देहे तथात्मा नोपलिप्यते ।। 32 ।।

जिस प्रकार सर्वत्र व्याप्त हुआ आकाश सूक्ष्म होने के कारण लिप्त नहीं होता, ठीक वैसे ही सर्वत्र देह में स्थित हुआ भी आत्मा गुणातीत होने के कारण देह के गुणों से लिप्त नहीं होता। आगे कहते हैं- यथा प्रकाशयत्येकः कृत्स्नं लोकमिमं रविः। क्षेत्रं क्षेत्री तथा कृत्स्नं प्रकाशयति भारत ।। 33।।

अर्जुन ! जिस प्रकार एक ही सूर्य सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड को प्रकाशित करता है, उसी प्रकार एक ही आत्मा सम्पूर्ण क्षेत्र को प्रकाशित करता है। अन्त में निर्णय देते हैं-

क्षेत्रक्षेत्रज्ञयोरेवमन्तरं ज्ञानचक्षुषा। भूतप्रकृतिमोक्षं च ये विदुर्यान्ति ते परम्।। 34।। इस प्रकार क्षेत्र और क्षेत्रज्ञ के भेद को तथा विकारसहित प्रकृति से छूटने के उपाय को जो ज्ञानरूपी नेत्रों द्वारा देख लेते हैं, वे महात्माजन परब्रह्म परमात्मा को प्राप्त होते हैं। क्रमशः...

।। चाणक्य नीति ।।

♦♦♦

अनृत साहस मूढता, कपटरु कृतघन आइ ।
निरदयतारु मलीनता, तियमें सहज रजाइ ॥

झूठ बोलना, एकाएक कोई काम कर बैठना, नखरे करना, मूर्खता करना, ज़्यादा लालच रखना, अपवित्र रहना और निर्दयता का बर्ताव करना ये स्त्रियों के स्वाभाविक दोष हैं।

♦♦♦

मौलिक सोचने की क्षमता को चुनौती दे रहा है एआइ

- अनुभा सिंह

इतिहास गवाह है कि जब भी किसी नये उपकरण का आविष्कार हुआ, उसने मानव श्रम को आसान बनाया. पहिये ने हमारे पैरों की थकान हरी, भाप के इंजनों ने बाहुबल की निर्भरता को अप्रासंगिक किया और कंप्यूटर ने जटिल गणनाओं को पलक झपकते ही संभव बना दिया. पर, इन तमाम युगांतकारी परिवर्तनों के बीच मनुष्य का मस्तिष्क अक्षुण्ण और सुरक्षित था. सोचना, मौलिक जिज्ञासा करना, संदेह प्रकट करना और वैचारिक अंतर्विरोधों से जूझना केवल और केवल मनुष्य का विशेषाधिकार रहा. पर आज इतिहास में पहली बार हम एक ऐसे मोड़ पर आ खड़े हुए हैं, जहां तकनीक हमारे इसी सर्वोच्च विशेषाधिकार यानी 'सोचने की क्षमता' को चुनौती दे रही है।

आज चैटजीपीटी, जेमिनी, क्लॉड और डीपसीक जैसे एआइ प्लेटफॉर्म केवल पारंपरिक सर्च इंजनों की तरह सूचनाएं एकत्र नहीं कर रहे हैं, बल्कि वे मानव मस्तिष्क की नकल करते हुए निबंध लिख रहे हैं, जटिल शोध-पत्र तैयार कर रहे हैं, कविताएं रच रहे हैं और सॉफ्टवेयर के कोड लिख रहे हैं. एकेडमिक और बौद्धिक जगत में इसका असर साफ दिखने लगा है. आज शोध का पहला चरण 'प्रॉम्प्ट' लिखना हो गया है और अंतिम चरण 'कॉपी-पेस्ट' करना. इस कारण बौद्धिक परिपक्वता का दायरा लगातार सिकुड़ता जा रहा है. 'एमआइटी मीडिया लैब' की एक हालिया जांच में पाया गया कि जो छात्र अपने एकेडमिक कार्यों के लिए चैटजीपीटी जैसे एआइ टूल्स पर अत्यधिक निर्भर थे, उनके इइजी माप में मस्तिष्क की सक्रियता काफी कम दर्ज की गयी. तर्क-वितर्क करने की गुणवत्ता भी बेहद निम्न स्तर की पायी गयी।

इसी तरह, गार्लिक द्वारा 2025 में 17 से 25 वर्ष के 666 युवाओं पर किये गये एक व्यापक अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि एआइ पर निर्भरता के कारण युवाओं के 'क्रिटिकल थिंकिंग स्कोर' में उल्लेखनीय गिरावट आयी है. इस डिजिटल शॉर्टकट ने साहित्यिक चोरी (प्लेगरिज्म) को भी एक नया, परिष्कृत और अदृश्य चेहरा दे दिया है. आज बड़े भाषा मॉडल इंटरनेट पर मौजूद अरबों स्रोतों से सामग्री उठाते हैं और उसे इस तरह से पुनर्गठित करते हैं कि मौजूदा प्लेगरिज्म डिटेक्शन सॉफ्टवेयर भी कई बार चकमा खा जाते हैं. परिणामतः, हम एक ऐसी बौद्धिक पीढ़ी का निर्माण कर रहे हैं जो तात्कालिक उत्तर देने में तो माहिर है, लेकिन उसमें नये प्रश्नों को जन्म देने की क्षमता समाप्त हो रही है।

इससे भी बड़ा संकट यह है कि जब एआइ को किसी प्रश्न का सही उत्तर नहीं पता होता, तो वह अपनी प्रोग्रामिंग के आधार पर मनगढ़ंत तथ्य और आंकड़े तैयार कर देता है. इतिहास में पहली बार ऐसा दौर आया है जब गलत और भ्रामक सूचनाएं इतनी सुगठित, व्याकरण सम्मत और आश्वस्त करने वाली भाषा में प्रस्तुत की जा रही हैं कि वे सच से भी ज्यादा सच दिखने लगी हैं. यह केवल तकनीकी खामी नहीं है, लोकतंत्र, न्यायपालिका, चिकित्सा और पत्रकारिता जैसे स्तंभों के लिए गंभीर अस्तित्वपरक संकट है. हमें इस भ्रम से भी बाहर निकलना होगा कि एल्गोरिदम पूरी तरह से निष्पक्ष और तटस्थ होते हैं।

मशीनें अंततः वही सीखती हैं जो मनुष्य उन्हें सिखाता है. यहां सबसे बड़ा प्रश्न नैतिक जवाबदेही का है. यदि किसी एआइ जनित गलत चिकित्सा सलाह से किसी मरीज की जान चली जाये, या मशीन की त्रुटि के कारण अदालत में कोई निर्दोष दोषी सिद्ध हो जाये, तो कटघरे में किसे खड़ा किया जायेगा?

इस आभासी दुनिया का एक और स्याह पहलू है. इंटरनेशनल एनर्जी एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, 2024 में ही दुनियाभर के डाटा सेंटरों ने वैश्विक बिजली का 1.5 प्रतिशत (लगभग 415 टेरावॉट-ऑवर) हिस्सा डकार लिया. अनुमान है कि 2030 तक यह खपत बढ़कर 945 टेरावॉट-ऑवर हो जायेगी. संयुक्त राष्ट्र विश्वविद्यालय की 2026 की हालिया चेतावनी की मानें, तो एआइ सर्वरों और सुपरकंप्यूटरों को ठंडा रखने के लिए होने वाली पानी की खपत 2030 तक 1.3 अरब लोगों की घरेलू पानी की जरूरत के बराबर हो जायेगी और उसका कार्बन उत्सर्जन अर्जेंटीना जैसे बड़े देश के कुल उत्सर्जन को पार कर जायेगा. इस वैश्विक संकट को देखते हुए दुनिया के अग्रणी देशों ने संभलना शुरू कर दिया है. चीन ने अपनी प्राथमिक कक्षाओं में जेनरेटिव एआइ के स्वतंत्र उपयोग पर कड़ा अंकुश लगाया है. वहीं अमेरिका ने प्रतिबंध के बजाय 'एआइ साक्षरता' का मार्ग चुना है. भारत में भी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने एआइ के अनधिकृत उपयोग को अकादमिक कदाचार की श्रेणी में शामिल किया है।

हालांकि, भारतीय संदर्भ में एक व्यावहारिक उलझन यह भी आ रही है कि कई बार एआइ डिटेक्टर सॉफ्टवेयर छात्रों के मौलिक लेखन को भी मशीन जनित घोषित कर देते हैं. इसलिए, भारत को केवल सॉफ्टवेयर पर निर्भर रहने के बजाय वाइवा, विशेषज्ञ समीक्षा और पारदर्शी प्रकटीकरण की नीतियों को समान महत्व देना होगा. एआइ हमारी भाषा सुधार सकता है, शुरुआती मसौदा तैयार कर सकता है और विशाल डाटा को व्यवस्थित कर सकता है, पर संवेदनशीलता, अनुभव, नैतिक विवेक, अंतरात्मा की आवाज और मौलिक चिंतन आज भी केवल मनुष्य की ही थाती हैं. हमें 'एआइ के साथ सोचना' सीखना होगा, न कि 'एआइ द्वारा सोचा जाना' स्वीकार करना होगा।

प्रेरक प्रसंग

सच्चा राजा

एक बड़ा महत्वाकांक्षी राजा था। उसने छोटे-बड़े बहुत-से राज्य जीते। चारों ओर उसकी दुंदुभि बजने लगी। मारे अहंकार के उसका दिमाग आसमान पर चढ़ गया। वह मानने लगा कि उसके मुकाबले का कोई भी राजा नहीं है।

एक बार की बात है। वह छोटे-छोटे राज्यों को जीतकर अपने देश को लौट रहा था। रास्ते में एक गांव पड़ा। वहां उसने देखा कि एक साधु अपनी कुटिया के पास बैठा मस्ती से गा रहा है। उसकी मस्ती को देखकर राजा वहां रुक गया।

उसने साधु से पूछा, तुम कौन हो ?

साधु ने कहा, राजा!

राजा ने यह सुनकर सोचा कि शायद साधु ने उसके सवाल को ठीक से सुना नहीं। कहां फकीर और कहां राजा! उसने अपने सवाल को दोहराया, तुम कौन हो ?

उत्तर वही मिला, राजा।

राजा ने कहा, राजा के पास तो राज्य और खजाना होता है। तुम्हारा राज्य और खजाना कहां है ?

साधु ने राजा की ओर देखा। फिर बोला, देखो, मैंने अपने मन को जीत लिया है। इसलिए मेरा मन मेरा राज्य है। जहांतक खजाने की बात है, प्रकृति ने चारों ओर खजाना-ही-खजाना फैला रखा है। वह सब मेरा ही तो है।

राजा ने समझा कि उसका कहना सही था। राज्यों को जीतना आसान है, पर मन को जीतना कठिन है। इसलिए सच्चा राजा मैं नहीं, वह साधु है।

आपका पत्र मिला

गैर-व्यापार बाधाएं

क्या अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के क्रम भारत अमेरिका को इस बात पर राजी कर पाएगा कि वह दोनों देशों के कारोबार में गैर-व्यापार बाधाएं खड़ी ना करे? भारत के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए अमेरिका के व्यापार प्रतिनिधि जेमिसन ग्रीयर भारत में हैं। उन्हें आशा है कि मंगलवार और बुधवार की वार्ताओं के दौरान ऐसा हो जाएगा। मगर मुद्दा है कि क्या बातचीत का आधार द्विपक्षीय समझौते का वही फ्रेमवर्क है, जिस पर पिछले फरवरी में सहमति बनी थी? या बदली परिस्थितियों के मद्देनज़र भारत फिर से सौदेबाजी कर रहा है? फ्रेमवर्क के एलान के बाद अमेरिका के सुप्रीम कोर्ट ने डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन के लगाए टैरिफ को असंवैधानिक ठहरा दिया था। उससे भारत सरकार को नया मौका मिला। उसका लाभ उठाकर वह उन आलोचनाओं को दूर कर सकती है, जिनसे इस मामले में उस पर समर्पण करने के आरोप लगे हैं।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने हाल में कहा कि भारत- अमेरिका ट्रेड डील को तब तक लागू नहीं किया जाएगा, जब तक भारत के लिए प्रतिस्पर्धात्मक लाभ सुनिश्चित नहीं हो जाता।

इसका अर्थ है कि भारत पर लगने वाले शुल्क दरों को अमेरिका बांग्लादेश, वियतनाम और कुछ मामलों में चीन पर लगे टैरिफ से कुछ नीचे कर दे, तो डील भारत को स्वीकार्य हो जाएगा। स्पष्टतः यह अपने मानक को काफी नीचे रखना है। फ्रेमवर्क में शामिल अमेरिका से अनिवार्य खरीदारी, ऊर्जा खरीद पर उसकी अनुचित शर्तों को मानने, और अपने बाजार को उसके लिए पूरी तरह खोलने जैसी शर्तें शामिल हैं। उन्हें फिर वार्ता की मेज पर लाने के बजाय भारत का निम्न मानक को अपनाना दुर्भाग्यपूर्ण होगा।

एक नागरिक
वाया ई-मेल

इस पेज पर प्रकाशित लेखकों के विचार निजी हैं। समाचार पत्र से इनका कोई लेना-देना नहीं है।
आपके विचार व सुझाव भी आमंत्रित हैं।
संपादक,
स्वतंत्र भारत
1, जॉपलिंग रोड,
लखनऊ-226001
E-mail : swatantrab-harat77@gmail.com

मंदिर में घंटा कब बजाना चाहिए इसका सही नियम और महत्व

हिंदू परंपरा में मंदिर में स्थापित घंटा या घंटी बजाने की परंपरा सदियों से चली आ रही है। इसके पीछे गहरा आध्यात्मिक और वैज्ञानिक महत्व भी छिपा है। मान्यता है कि घंटी की ध्वनि 'ॐ' के समान कंपन उत्पन्न करती है, जो मन और वातावरण दोनों को शुद्ध करती है। यही कारण है कि मंदिर में प्रवेश करते ही घंटा बजाने की परंपरा को विशेष महत्व दिया गया है। स्कंद पुराण सहित कई शास्त्रों में उल्लेख मिलता है कि घंटी की आवाज से नकारात्मक ऊर्जा नष्ट होती है और देव शक्तियां सक्रिय होती हैं। इस कार्य में भी कुछ नियमों और सावधानियों का पालन करना जरूरी है। अनजाने में की गई छोटी-सी गलती पूजा के पूर्ण फल में बाधा बन सकती है। इसलिए यह जानना जरूरी है कि मंदिर का घंटा कब और कैसे बजाना चाहिए।

कब बजाना चाहिए मंदिर का घंटा

शास्त्रों के अनुसार मंदिर में प्रवेश करते समय घंटी बजाना सबसे शुभ माना जाता है। घंटी की ध्वनि मन को सांसारिक उलझनों से दूर कर एकाग्र बनाती है, जिससे भक्त पूरी श्रद्धा के साथ पूजा कर पाता है। आरती के समय घंटी बजाना भी अत्यंत फलदायी माना गया है, क्योंकि इससे पूजा की ऊर्जा कई गुना बढ़ जाती है। घर के मंदिर में भी सुबह और शाम पूजा आरंभ करने से पहले घंटी बजाना चाहिए। ऐसा माना जाता है कि इससे घर में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और वातावरण पवित्र बना रहता है। पुराणों में घंटी की ध्वनि को सृष्टि की मूल नाद शक्ति का प्रतीक माना गया है, जो मानसिक अशांति और नकारात्मक विचारों को दूर करती है।

किस समय घंटा नहीं बजाना चाहिए

वास्तु और धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मंदिर से बाहर निकलते समय घंटी बजाना उचित नहीं माना जाता। प्रवेश के समय घंटी बजाकर देवताओं का आह्वान किया जाता है, लेकिन लौटते समय ऐसा करने से पूजा के दौरान प्राप्त शांति और सकारात्मकता बाधित हो सकती है। इसलिए पूजा के बाद शांत मन से देवताओं को प्रणाम करके बाहर निकलना चाहिए।

घंटी बजाते समय ध्यान रखने योग्य नियम

शास्त्रों के अनुसार घंटी को बार-बार या बहुत देर तक नहीं बजाना चाहिए। सामान्य रूप से 2 से 3 बार पर्याप्त होता है। घर में पूजा करते समय बाएं हाथ से घंटी बजाना चाहिए। रात्रि में तेज आवाज में घंटी बजाने से बचना चाहिए। ध्यान रहे कि घंटी की ध्वनि कुछ क्षण तक गूंजनी चाहिए, जिससे सकारात्मक कंपन उत्पन्न हो।

पूजा के बाद बची सामग्री का क्या करना चाहिए?

फूल माला और हल्दी-कुमकुम का आसान उपयोग

चाहे घर में छोटी पूजा हो या कोई बड़ा धार्मिक अनुष्ठान, पूजा के बाद कुछ सामग्री का बच जाना आम बात है। भोग, फूल, माला या अन्य चढ़ाई गई चीज़ों का दोबारा पूजा में इस्तेमाल नहीं किया जाता, ऐसे में अक्सर यह सवाल उठता है कि इन्हें सही तरीके से कैसे निपटाया जाए। कुछ सामग्री ऐसी होती हैं जिन्हें पूजा घर में सुरक्षित रखा जा सकता है, लेकिन कई वस्तुएं ऐसी होती हैं जिनके लिए उचित और सम्मानजनक तरीका अपनाना जरूरी होता है। पूजा से जुड़ी वस्तुओं के निपटान में साफ़-सफाई और धार्मिक नियमों के साथ-साथ पर्यावरण का ध्यान रखना भी बेहद ज़रूरी है। इसलिए पूजा में हमेशा सात्विक और प्राकृतिक चीज़ों का ही उपयोग करें और प्लास्टिक या अन्य नुकसानदायक सामग्री से बचें। आगे जानते हैं कि पूजा के बाद बची सामग्री के संबंध में क्या नियम हैं और उन्हें किस तरह सही तरीके से उपयोग या विसर्जित किया जाना चाहिए।

दीपक में बचा हुआ घी या तेल

यदि पूजा में रखा गया घी पूरा खत्म नहीं हुआ है, तो उसे संभालकर रख सकते हैं और अगली पूजा में दीया जलाने के लिए उपयोग किया जा सकता है। घी का दोबारा दीपक में प्रयोग करना शुभ माना जाता है। वहीं तेल के मामले में सावधानी रखनी चाहिए। पूजा में इतना ही तेल रखें कि वह दीया जलते-जलते समाप्त हो जाए। पूजा में बचा हुआ तेल किसी अन्य कार्य या भोजन बनाने में इस्तेमाल करना शुभ नहीं माना जाता।

अक्षत, हल्दी और कुमकुम

पूजा में अर्पित की गई अक्षत, हल्दी और कुमकुम को दोबारा पूजा में प्रयोग नहीं किया जाता। इन्हें तुलसी के पौधे या पीपल के वृक्ष में अर्पित करना श्रेष्ठ माना गया है। चाहें तो इन्हें स्वच्छ जल में प्रवाहित भी कर सकते हैं। अक्षत को चिड़ियों को डालना भी एक अच्छा और पुण्यकारी उपाय है। ध्यान रखें कि जहां ये सामग्री डाली जाए, वह स्थान साफ हो और वहां किसी का पैर न पड़े।

पूजा में रखे गए फल और प्रसाद

भगवान को अर्पित किया गया भोग और प्रसाद सभी में बांट देना चाहिए। यदि फिर भी कुछ बच जाए, तो उसे गाय या आसपास के पशु-पक्षियों को खिला दें। पूजा की खाद्य सामग्री को कूड़े में फेंकना अशुभ माना जाता है, इसलिए इसका सम्मानपूर्वक उपयोग करें।

पूजा में उपयोग किए गए वस्त्र

पूजा में चढ़ाए गए या उपयोग किए गए वस्त्र दोबारा पूजा में लगाए जा सकते हैं। यदि वे पहनने योग्य हों, तो उन्हें जरूरतमंद लोगों को दान करना अत्यंत शुभ माना जाता है। इससे पुण्य की प्राप्ति होती है।

पूजा में उपयोग किए गए फूल और माला

पूजा के फूल और माला को कभी भी कूड़े में नहीं फेंकना चाहिए। इन्हें गमले की मिट्टी में दबा सकते हैं या किसी पवित्र पेड़ की जड़ में डाल सकते हैं। इससे ये प्राकृतिक रूप से मिट्टी में मिल जाते हैं और पर्यावरण को भी नुकसान नहीं होता।

पूजा में उपयोग की गई बाती या रुई

पूजा में जली या उपयोग की गई बाती को तुलसी के पौधे के पास रख देना या किसी पवित्र स्थान की मिट्टी में दबा देना उचित माना जाता है। इसे इधर-उधर फेंकने से बचें।

मंदिर दर्शन के बाद सीढ़ियों पर क्यों बैठते हैं भक्त?

क्या है इसके पीछे की धार्मिक मान्यता

सनातन धर्म में मंदिर दर्शन को केवल एक धार्मिक क्रिया नहीं, बल्कि आत्मिक शुद्धि और मानसिक शांति का साधन माना गया है। अक्सर देखा जाता है कि मंदिर में देवदर्शन के पश्चात श्रद्धालु तुरंत घर लौटने के बजाय कुछ समय मंदिर की सीढ़ियों पर बैठकर विश्राम करते हैं। यह परंपरा पीढ़ियों से चली आ रही है। इसके पीछे केवल शारीरिक थकान नहीं, बल्कि गहरी धार्मिक, पौराणिक और आध्यात्मिक मान्यताएं निहित हैं।

1. दिव्य ऊर्जा को आत्मसात करने की परंपरा

धार्मिक मान्यता के अनुसार मंदिर में ईश्वर का वास होता है, जहां सकारात्मक और सात्विक ऊर्जा का प्रवाह अत्यंत प्रबल रहता है। गर्भगृह में दर्शन करते समय भक्त का मन सांसारिक विचारों से मुक्त होकर ईश्वर में एकाग्र हो जाता है। ऐसे में सीढ़ियों पर कुछ देर शांत भाव से बैठना उस दिव्य ऊर्जा को आत्मसात करने का माध्यम माना जाता है। इससे मन में उत्पन्न शांति स्थायी होती है और भक्त को आध्यात्मिक संतोष की अनुभूति होती है।

2. पौराणिक कथाओं में विश्राम का उल्लेख

पुराणों और धार्मिक ग्रंथों में वर्णन मिलता है कि ऋषि-मुनि एवं साधक देवदर्शन के बाद तुरंत सांसारिक जीवन में नहीं लौटते थे। वे मंदिर प्रांगण या सीढ़ियों पर बैठकर ध्यान, जप या मौन साधना करते थे। मान्यता है कि ऐसा करने से ईश्वर की कृपा हृदय में स्थिर होती है। यदि दर्शन के तुरंत बाद व्यक्ति बाहरी दुनिया की हलचल में लौट जाए, तो दर्शन का पूर्ण फल प्राप्त नहीं होता।

3. आध्यात्मिक और भौतिक जगत के बीच संतुलन

मंदिर की सीढ़ियों को धार्मिक दृष्टि से एक संक्रमण स्थल माना गया है। यह स्थान आध्यात्मिक लोक और सांसारिक जीवन के बीच सेतु का कार्य करता है। यहां बैठने से मन धीरे-धीरे भक्तिभाव से सामान्य अवस्था में आता है। यह संतुलन मानसिक अशांति से बचाता है और व्यक्ति को सहजता से अपने दैनिक जीवन में लौटने में सहायता करता है।

4. योग और आयुर्वेद की दृष्टि से महत्व

योग एवं आयुर्वेद के अनुसार दर्शन के समय शरीर की इंद्रियां और मन अत्यधिक सक्रिय हो जाते हैं। इससे ऊर्जा का प्रवाह तेज हो जाता है। ऐसे में कुछ समय शांत बैठना शरीर और मन को संतुलन प्रदान करता है। सीढ़ियों पर बैठकर विश्राम करने से रक्तचाप सामान्य रहता है, मन स्थिर होता है और एकाग्रता बढ़ती है। यही कारण है कि साधक और वृद्धजन इस परंपरा का विशेष पालन करते हैं।

5. विनम्रता और अहंकार त्याग का प्रतीक

भूमि या सीढ़ियों पर बैठना धार्मिक रूप से विनम्रता और समर्पण का प्रतीक माना गया है। इससे भक्त के भीतर यह भाव जागृत होता है कि ईश्वर के सामने सभी समान हैं। यह परंपरा व्यक्ति के अहंकार को शांत करती है और जीवन में सरलता व संतुलन लाने में सहायक बनती है। यही संस्कार धीरे-धीरे सामाजिक व्यवहार में भी दिखाई देता है।

हनुमान मंदिर से लौटते ही बदलें रास्ता, शनि पीड़ा से मिलेगी मुक्ति

अक्सर लोगों से यह सुनने को मिलता है कि जिस रास्ते से हनुमान मंदिर जाना चाहिए, फिर उस रास्ते से वापस नहीं लौटना चाहिए। बता दें कि यह मान्यता हिंदू धर्म की परंपराओं और ज्योतिषीय सिद्धांतों पर आधारित है। जिसका सीधा संबंध हनुमान जी और शनिदेव भगवान से है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए बताने जा रहे हैं कि आखिर हनुमान मंदिर जाने के बाद उसी रास्ते से वापस क्यों नहीं लौटना चाहिए।

क्या है ज्योतिषीय कारण- हनुमान जी को संकटमोचन कहा जाता है और माना जाता है कि वह अपने भक्तों की शनि की साढ़े साती, ढैय्या और अन्य अशुभ प्रभावों से रक्षा करते हैं। इसलिए मंदिर से वापस आने के बाद रास्ता बदलने का नियम सिर्फ परंपरा नहीं बल्कि जीवन की नकारात्मकता और बाधाओं को वहीं पर छोड़े जाने का प्रतीकात्मक तरीका है। माना जाता है कि जब कोई भक्त संकटमोचन हनुमान जी के मंदिर जाता है, तो वह अपने कष्ट, दुख, दुर्भाग्य और शनि से जुड़े दोष लेकर जाता है। वहीं मंदिर में दर्शन और पूजा करने से बाद यह सारे दोष, बाधाएं और नकारात्मक ऊर्जा वहीं छूट जाती हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के मुताबिक अगर आप फिर उसी रास्ते से जाते हैं, तो आप उन अशुभ प्रभावों और बाधाओं को अपने साथ लेकर आते हैं, जिनको आप मंदिर में छोड़ आए थे। वहीं अलग रास्ता अपनाना एक नई शरुआत के प्रतीक के रूप में भी देखा जाता है।

ऐसा करना यह दर्शाता है कि आपने हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त कर लिया है। आप अब एक नए, बाधा मुक्त और शुभ मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। यह नियम और परंपरा जीवन में पुराने कष्टों को पीछे छोड़कर आगे बढ़ने और सकारात्मकता के मार्ग पर चलने का संकेत देता है। रास्ता बदने से जातक यह निश्चित करता है कि आप पुरानी समस्याओं को वापस अपने घर नहीं लाएंगे। हनुमान जी की पूजा करने और प्रसन्न करने से शनिदेव शांत होते हैं। ऐसे में मंदिर से लौटते हुए जब आप रास्ता बदलते हैं, तो यह शनि के अशुभ प्रभाव को निष्क्रिय करने का तरीका माना जाता है।

यह क्रिया बताती है कि आप शनि के दोषों से मुक्त होकर एक नए और सुरक्षित मार्ग को चुन रहे हैं। जिस पर हनुमान जी की सुरक्षा बनी है। इसलिए अधिकतर भक्त हनुमान मंदिर से वापस आते समय रास्त बदलने के नियम का पालन करते हैं।

गणपति को मोदक क्यों है इतना भाता

गणेश उत्सव पर भगवान गणेश को प्रसन्न करने के लिए अलग-अलग तरह के प्रसाद का भोग लगाया जाता है। गणपति बप्पा को इनमें से सबसे ज्यादा मोदक का प्रसाद चढ़ाया जाता है। वहीं लोगों के बीच यह मान्यता है कि मोदक भगवान गणेश को सबसे ज्यादा पसंद होते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आखिर भगवान गणेश को मोदक का भोग ही क्यों लगाया जाता है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको इसके पीछे की धार्मिक और पौराणिक मान्यताएं क्या है।

मोदक का प्रसाद चढ़ाने का धार्मिक महत्व

धार्मिक शास्त्रों में मोदक को ज्ञान और बुद्धि का प्रतीक माना जाता है। मोदक का आकार गोल होता है, जोकि पूर्णता और सुख-समृद्धि को दर्शाता है।

मान्यता है कि मोदक खाने से मन और शरीर को ऊर्जा मिलती है। यह शुद्ध दूध तैयार किया जाता है। मोदक भगवान गणेश को अतिप्रिय हैं। साथ ही लोगों को भी इसका प्रसाद अच्छा लगता है। इसको बनाने के लिए किसी भी चीज का अधिक इस्तेमाल नहीं किया जाता है। इसको शुद्धता के साथ बनाया जाता है। इसलिए मोदक बप्पा को प्रसाद के रूप में चढ़ाया जाता है।मोदक का मीठा स्वाद हमें यह संदेश देता है कि ज्ञान का फल हमेशा मधुर होता है।

भगवान गणेश को 21 मोदक का भोग लगाने की परंपरा काफी लंबे समय से चलता आ रहा है। 21 संख्या ब्रह्मांड की 21 ऊर्जा शक्तियों का प्रतीक मानी जाती है। मोदक चावल के आटे, नारियल और गुड़ से बनाए जाते हैं। जोकि शररी को ऊर्जा प्रदान करते हैं। मोदक को दूध से बने खोए से भी बनाया जाता है और यह शुद्ध होता है।

मोदक को आप व्रत में भी खा सकते हैं।

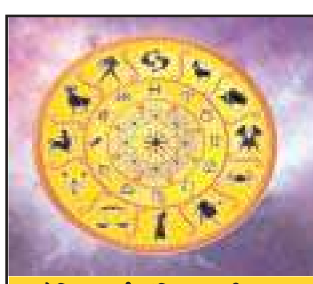

-ज्योतिषाचार्य-पंडित आशीष शुक्ल

दैनिक पंचांग लखनऊ

मंगलवार, 7 जुलाई 2026

श्री शुभ सम्वत् 2083 शके 1948 श्री सूर्य उत्तर अयने पृथ्वी उत्तर गोलगते ग्रीष्म ऋतौ आषाढ़ मासोत्तमे कृष्ण पक्षे सप्तमी तिथौ मंगल वासरे 13/26/ उत्तर भाद्रपद नक्षत्रे 16/25/ शोभन योग 14/31/ बव करणे 13/26/ मीन राशिगत चन्द्रमा घं.मि.पर।

व्रत एवं त्यौहार- पंचक/ शीतलाष्टमी/ कालाष्टमी।

मेष : व्यवसायिक योजना को बल मिलेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। तनाव से बचें। यात्रा की संभावनाएं बनेंगी। व्यय अधिक होगा।

वृष : रुका हुआ कार्य संपन्न होगा। निजी सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे। यात्रा का योग है। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहे।

मिथुन : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। मांगलिक कार्य संपन्न होंगे। जीविका के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल होंगे।

कर्क : व्यवसायिक योजना का लाभ मिलेगा। रोग व शत्रु के कारण तनाव मिलेगा। गृहपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। यात्रा से बचें।

सिंह : निर्माण की दिशा में चल रहे प्रयास भलीभूत होंगे। जीवन साथी का सहयोग मिलेगा। जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

कन्या : दूसरे पर अधिक भरोसा न करें। सम्बन्धों में विकटता आयेगी। यात्रा से बचें। हनुमान जी की उपासना लाभकारी है।

तुला : आर्थिक मामलों में जोखिम न उठायें। स्वस्थ के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक कार्य में व्यस्त रहेंगे। शासन का सहयोग रहेगा।

वृश्चिक : पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। कामी पर सेन रखे। यात्रा में सावधानी आवश्यक है। धन, सम्मान, यश की प्राप्ति होगी।

धनु : भगवती सरस्वती जी की उपासना आपके लिए लाभकारी होगी। समय के महत्व को समझें। वाहन चलाते समय सावधानी रखें।

मकर : धन प्रतिष्ठा की दिशा में लाभ मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी।

कुंभ : अल्प आय व खर्च की अधिकता के कारण आय व्यय में असंतुल पैदा होगा। धैर्य बनाये रखें। हनुमान जी की पूजा फलदायी है।

मीन : पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। निजी सम्बन्ध प्रगाढ़ होंगे। सम्बन्धों में निकटता आयेगी। सम्बन्धों में निकटता आयेगी।

प्रमोशन और कार्यस्थल की सफलता पाने के लिए इन मंत्रों का करें जाप

हर व्यक्ति अपने करियर में सफलता पाने की ख्वाहिश रखता है। कभी-कभी मेहनत के बावजूद भी सफलता नहीं मिलती और काम में बाधाएं आती हैं। शास्त्रों में ऐसे कई मंत्रों का उल्लेख है, जिनका नियमित जाप करने से भगवान प्रसन्न होते हैं और नौकरी में सफलता और प्रमोशन के मार्ग खुलते हैं।

सफलता के लिए मुख्य मंत्र और उनका महत्व

ॐ गणपतये नम :-

इस मंत्र का जाप करने से भाग्य के बंद दरवाजे खुलते हैं। यह मंत्र भगवान गणेश को समर्पित है, जो बाधाओं को दूर करने, शिक्षा और सुख-समृद्धि प्रदान करने वाले देवता माने जाते हैं। इसे नियमित रूप से जप करने से नौकरी और करियर में सकारात्मक बदलाव आते हैं।

ॐ ह्रीं नमः-इस मंत्र से ऊर्जा और आत्मविश्वास बढ़ता है। यह तनाव कम करने, मन को शांत रखने और सकारात्मकता बनाए रखने में मदद करता है। नौकरी में सफलता पाने के लिए यह मंत्र बहुत लाभकारी है।

ॐ क्रीं क्लीं क्लीं क्लीं गं गणपतये वाघश्य वामनाय क्लीं क्लीं क्लीं स्वाहा- यह मंत्र गणपति बप्पा को समर्पित है और करियर में सफलता और प्रमोशन में आने वाली बाधाओं को दूर करने में मदद करता है। नियमित जाप करने से कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा बढ़ती है और काम की गति में सुधार होता है।

ॐ ऐं ह्रीं क्लीं शिवाय नमः

यह मंत्र हर क्षेत्र में सफलता दिलाने वाला माना जाता है। इंटरव्यू या महत्वपूर्ण कामों से पहले इस मंत्र का जाप करने से आत्मविश्वास बढ़ता है और कार्यों में तेजी आती है।

श्रीं ह्रीं क्लीं ग्लौं गं गणपतये वर वरद सर्वजनं मे वशमानय स्वाहा

यह गणेश जी का शक्तिशाली मंत्र है। इसे जपने से सफलता, खुशियां और मन्नत पूरी होना सुनिश्चित होती है। जीवन में आने वाली परेशानियों को दूर करने और सकारात्मक ऊर्जा प्राप्त करने के लिए इसे नियमित रूप से जपना चाहिए।

मंत्र जाप के लाभ-नौकरी में प्रमोशन और सफलता की संभावना बढ़ती है।कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ता है। मानसिक तनाव कम होता है और मन शांत रहता है। आत्मविश्वास बढ़ता है और कार्यों में गति आती है। भगवान की कृपा और शुभ अवसर प्राप्त होते हैं।

गीता के इन उपदेशों से खुलते हैं सफलता के माग

हिंदू धर्म में गीता को अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। इसके जरिए व्यक्ति जीवन जीने की कला और समस्याओं का निवारण करना सीखता है। इस भागदौड़ भरे दौर में हम सभी किसी न किसी रूप में तनाव, बेचैनी और गुस्से का सामना करते हैं। माना जाता है कि भगवान कृष्ण ने गीता का पाठ अर्जुन को तब पढ़ाया था, जब उनके कदम युद्ध के लिए डगमगाने लगे थे। फिर श्रीकृष्ण की बातों को सुनकर अर्जुन अपने लक्ष्य को पूरा करने की ओर अग्रसर हुए। तभी से ऐसा माना गया है कि जीवन की विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य को हमेशा गीता के उपदेशों का स्मरण करना चाहिए। गीता में भगवान कृष्ण ने मनुष्य को सफलता के सूत्र बताए हैं। **गीता के सफलता मंत्र हतो वा प्राप्यसि स्वर्गम् जित्वा वा भोक्ष्यसे महिम्। तस्मात् उत्तिष्ठ कौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चय।** इसका श्लोक का अर्थ है कि, यदि तुम युद्ध में मारे जाओगे, तो तुम्हें स्वर्ग मिलेगा। यदि तुम जीत जाओगे, तो तुम पृथ्वी का राज्य और उसके सुख का भोग करोगे। इसलिए, हे कौन्तेय (अर्जुन), उठो और दृढ़ निश्चय के साथ युद्ध के लिए तैयार हो जाओ।

कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन।
मा कर्मफलहेतुर्भूर्मा ते सङ्गोऽस्त्वकर्मणि॥

इसका श्लोक का अर्थ है कि, आपका अधिकार केवल कर्म करने में है, उसके फल पर नहीं। इसलिए तुम्हें कर्म के फल के लिए चिंतित नहीं होना चाहिए और न ही कर्म न करने में आसक्त होना चाहिए।

डीएम की अध्यक्षता में आयोजित हुआ सम्पूर्ण समाधान दिवस

चकमार्गों पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के साथ तत्काल पटाई भी कराई जाए - डीएम

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। जनसामान्य की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से तहसील नवाबगंज में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह की अध्यक्षता में किया गया। इस अवसर पर एसपी श्री अर्पित विजयवर्गीय एसडीएम नवाबगंज/जॉइंट मजिस्ट्रेट सुश्री गुंजिता अग्रवाल सहित जिला स्तरीय उपस्थित रहे।जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना तथा प्रत्येक प्रकरण में संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। समाधान दिवस के दौरान निवासी आदमपुर बुधवारा श्री सन्तराम द्वारा चकमार्ग की पूर्व में कराई गई पैमाइश को पुनः कराने के संबंध में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया गया। इस पर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी एवं संबंधित खंड विकास अधिकारी को निर्देशित किया कि चकमार्ग की पैमाइश

कराते हुए तत्काल उसकी पटाई भी सुनिश्चित कराई जाए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि राजस्व एवं विकास विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए यह सुनिश्चित करें कि जिस भी चकमार्ग की पैमाइश अथवा अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाए, उसकी तत्काल पटाई भी कराई जाए, जिससे दोबारा उस पर किसी प्रकार का अवरोध या अतिक्रमण न हो सके।

उन्होंने कहा कि केवल पैमाइश या अतिक्रमण हटाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि चकमार्ग को उपयोग योग्य बनाना भी प्रशासन की जिम्मेदारी है।उन्होंने विशेष रूप से निर्देशित किया कि चकमार्ग एवं सरकारी रास्तों पर अतिक्रमण की शिकायतों को गंभीरता से लिया जाए। ऐसी शिकायतों में संबंधित राजस्व कर्मियों की जिम्मेदारी तय की जाएगी तथा लापरवाही पाए जाने पर कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि भूमि विवाद, सरकारी रास्ते एवं चकमार्ग, राशन कार्ड, पेंशन, आवास तथा अन्य जनसामान्य से जुड़े मामलों का प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।

विभिन्न तहसीलों में आयी शिकायतें और निस्तारण

तहसील राम सनेहीघाट में एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित समाधान दिवस में 72 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें से 09 का मौके पर निस्तारण किया गया। तहसील सिरौलीगौसपुर में 29 प्रार्थना पत्रों में से 08 का, तहसील नवाबगंज में 208 में से 20 का, तहसील रामनगर में 44 में से 07 का, तहसील फतेहपुर में 41 में से 06 का तथा तहसील हैदरगढ़ में 81 में से 02 प्रकरणों का मौके पर निस्तारण सुनिश्चित किया गया।

महिलाओं व बालिकाओं को जागरुकता कार्यक्रम के माध्यम से किया जागरुक

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति फेज- 05' द्वितीय चरण के दृष्टिगत जनपद बाराबंकी पुलिस द्वारा जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन कर जागरूक किया गया। प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन हेतु चलाये जा रहे 'मिशन शक्ति फेज- 05' द्वितीय चरण के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक बाराबंकी श्री अर्पित विजयवर्गीय के निर्देशन में बाराबंकी पुलिस के समस्त थानों में संचालित मिशन शक्ति केन्द्र की महिला अधिकारी/कर्मचारीगण द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में महिला सुरक्षा के संबंध में जागरूक कर उ0प्र0 शासन व उ0प्र0 पुलिस के स्तर से संचालित समस्त योजनाओं एवं प्रबन्धों की जानकारी दी गई।

महिला हिंसा से सम्बन्धित तथा अन्य शिकायतों के निवारण हेतु वीमेन पावर लाइन (1090), पुलिस आपातकालीन सेवा (112), सीएम हेल्पलाइन नंबर (1076), चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर (1098), वन स्टाप सेन्टर (181), साइबर हेल्पलाइन नंबर (1930), स्वास्थ्य सेवा हेल्पलाइन नंबर (102), एम्बुलेन्स सेवा (108) व जनसुनवाई पोर्टल, स्थानीय थाने की हेल्प डेस्क, जिला संरक्षण अधिकारी, राष्ट्रीय/राज्य महिला आयोग, जनपद न्यायालय में स्थित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सम्बन्ध में एवं साइबर अपराध के बारे में जागरूक किया गया।

खबर एक नजर

पुलिस ने जेबकतरों को किया गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत, हैदरगढ़ बाराबंकी । कोतवाली क्षेत्र के औसानेश्वर महादेव मंदिर परिसर में सोमवार को श्रद्धालु की जेब काट रहे 2 जेबकतरों को कमेटी के सदस्यों ने पकड़ कर पुलिस के हवाले कर दिया गया। मंदिर समिति के अध्यक्ष संजय गिरी एवं पुजारी अतुल गोस्वामी ने बताया कि कई महीनों से भोलेनाथ के भक्तों की जेब कटने की घटनाएं हो रही थी।मंदिर कमेटी सतर्क थी। सीसीटीवी कैमरों से भी निगरानी हो रही थी। सोमवार को दो जेबकतरों को पकड़ लिया।दोनों थाना दरियाबाद के मदरावन गांव के इमरान व अब्दुल करीम हैं। मंदिर कमेटी द्वारा दोनों को पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

निकाला गया उन्नीसवीं मोहर्रम का कदीमी जुलूस

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। जनपद के सफदरगंज थाना क्षेत्र के चंदवारा गांव में कल उन्नीसवीं मोहर्रम का कदीमी जुलूस पूरी अकीदतो एहतराम के साथ मरहूम सैय्यद सगीर हुसैन के अज़ाखाने से निकला जो अपने निर्धारित मार्ग से होता हुआ देर शाम करबला में जाकर नम आंखों से ताज़िए को सुपुर्दे खाक कर संपन्न हुआ। जुलूस मार्ग पर जगह जगह अकीदत मंदो ने पानी शर्बत आदि की सबील लगाकर अपनी अकीदत का इज़हार किया जुलूस में इमाम हुसैन के घोड़े का प्रतीक जुलजनाह,अलम और ताज़िए की जियारत कराई गई जुलूस से पूर्व हुई मजलिस को मौलाना ज़हीम अब्बास ज़ैदपुरी ने संबोधित किया मेहमान अंजुमन नुसरतुल अजा संगौरा और बहारे अजा हुसैनगंज भटिया के नौजवानों ने नौहाख्वानी और सीनाजनी कर अपनी अकीदत का इज़हार किया स्थानीय अंजुमन शमशीरे हैदरी चंदवारा के नौजवानों ने ज़ंजीर का मातम कर खून का नज़राना पेश किया जुलूस के दौरान थाना सफदरगंज पुलिस सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रही अंत में जुलूस के आयोजक नायाब हुसैन व शादाब हुसैन ने आए मोमनीन का शुक्रिया अदा किया।

लाखों रुपए के जेवरात,नगदी एवं सामान चोरी

स्वतंत्र भारत, हैदरगढ़ बाराबंकी। कोतवाली क्षेत्र में दो अलग-अलग स्थानों पर हुई चोरी की घटनाओं में चोर लाखों रुपए के जेवरात,नगदी एवं सामान चुरा ले गए। पहली घटना कस्बा हैदरगढ़ में लखनऊ-सुल्तानपुर हाइवे पर अवस्थी मेडिकल स्टोर के समीप हुई।जनपद जौनपुर थाना बदलापुर के सुजीत कुमार सिंह हैदरगढ़ के मालिनपुर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में अध्यापक हैं। बताया कि बेटी का इलाज कराकर कई दिन बाद रविवार की रात घर आकर मकान का ताला खोला।कमरे का ताला व दरवाजा टूटा हुआ था। इसमें मौजूद अलमारी व बक्से टूटे पड़े थे।पीड़ित ने बताया कि पत्नी के सोने चांदी के सारे जेवरात चोर चुरा ले गए।चोरी गए गहनों की कीमत पच्चीस लाख रुपए से अधिक थी। अलमारी में रखी सात लाख रुपए नगदी भी चोरी हो गई है।सुजीत ने बताया कि प्लाट लेकर निजी मकान बनाना चाहते थे। इसके लिए एसबीआई बैंक से ऋण लिया।लेकिन अचानक बेटी के बीमार हो जाने के कारण उसके इलाज में लग गए।सारा पैसा भी घर पर ही रखा हुआ था। दूसरी घटना कस्बा पोखरा स्थित विकास वर्मा की गारमेंट्स की दूकान में हुई। पड़ोस के रायपुर गांव निवासी विकास वर्मा की रेडीमेड कपड़े, कास्मेटिक व जूते चप्पल की दूकान पोखरा कस्बा में है।वह सोमवार की सुबह दस बजे दूकान खोलने आए तो ताला टूटा हुआ मिला।अंदर गए तो तमाम कीमती सामान व नगदी व बैट्रा गायब मिला। उन्होंने बताया कि 26 हजार रुपए नगदी एवं सवा लाख रुपए से अधिक का सामान चोरी हो गया है। बताया कि पुलिस को घटना की तहरीर दी है।

दुर्घटना में गई बुजुर्ग की जान

स्वतंत्र भारत, जैदपुर बाराबंकी। जैदपुर थाना क्षेत्र में रविवार शाम करीब 6 बजे एक दर्दनाक हादसे में 75 वर्षीय बुजुर्ग की जान चली गई। कोला गांव निवासी सत्य नारायण शुक्ला अपने किसी निजी कार्य से साइकिल पर तकिया चौराहे आए थे। बताया जा रहा है कि उन्होंने सड़क किनारे साइकिल खड़ी कर एक होटल पर चाय पी। चाय पीने के बाद जैसे ही वह बरगद के पेड़ के नीचे खड़ी अपनी साइकिल लेने पहुंचे, तभी अचानक बरगद की भारी डाल टूटकर बिजली के तार के साथ उनके सिर पर आ गिरी। हादसे में सत्य नारायण शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों और परिजनों की मदद से उन्हें तत्काल जिला अस्पताल बाराबंकी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो बेटों का परिवार छोड़ गए हैं। इनमें एक बेटे की शादी हो चुकी है। हादसे के बाद परिवार में मातम पसरा है और पत्नी का रो-रोकर बुरा हाल है। अचानक हुई इस घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई है।

सर्पदंश से महिला की मौत

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र स्थित करंधा गांव में आज एक दर्दनाक हादसे में 25 वर्षीय महिला की जान चली गई। मृतका की पहचान जरीना, पत्नी मोहम्मद आलम, के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक दोपहर करीब 12 बजे वह अपने घर की सफाई कर रही थीं। इसी दौरान फ्रिज के पीछे जमा धूल हटाते समय वहां छिपे जहरीले सांप ने उनके दाहिने हाथ पर डस लिया। सांप के काटते ही उन्होंने शोर मचाया, जिसके बाद परिजन मौके पर पहुंचे। सांप के डसने के कुछ ही समय बाद जरीना की तबीयत बिगड़ने लगी। हालांकि, उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाने के बजाय परिजन गांव में झाड़-फूंक कराने ले गए। काफी देर तक यह प्रक्रिया चलती रही, लेकिन उनकी हालत लगातार गंभीर होती गई। जब कोई सुधार नहीं हुआ, तब परिजनों ने 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी। एंबुलेंस के जरिए जरीना को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फतेहपुर पहुंचाया गया, जहां डॉ. देशराज सिंह ने उनका उपचार शुरू किया। चिकित्सकों ने उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) इंजेक्शन लगाए। प्राथमिक इलाज के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्हें जिला अस्पताल बाराबंकी रेफर कर दिया गया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जरीना की जांच की, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। महिला की मौत की सूचना मिलते ही परिवार में मातम छा गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है, जबकि पूरे गांव में शोक का माहौल है। चिकित्सकों ने बरसात के मौसम में सांप निकलने की घटनाओं में बढ़ोतरी की संभावना जताते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। उनका कहना है कि सांप के काटने की स्थिति में झाड़-फूंक या अंधविश्वास का सहारा लेने के बजाय मरीज को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाना चाहिए। समय पर एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) उपलब्ध होने से ऐसे कई मामलों में मरीज की जान बचाई जा सकती है।

ट्रेन के सामने कूदकर युवक ने की आत्महत्या

मृतक की पहचान शहर के कृष्णा स्वीट्स व्यापारी अनूप गुप्ता के रूप में हुई

स्वतंत्रभारत, जैदपुर बाराबंकी। जनपद के बड़े मिठाई करोबारी के रूप में पहचाने जाने वाले कृष्णा स्वीट्स भंडार के मालिक ने आज सुबह बनवा रेलवे क्रासिंग के निकट फरक्का एक्सप्रेस के सामने कूद कर जान दे दी। बताया जा रहा है कि मृतक कर्ज में डूबा होने के कारण जान गंवाई है सूचना पर पहुंची जहांगीराबाद पुलिस ने पंचनामा कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सोमवार की सुबह जहांगीराबाद थाना क्षेत्र के बनवा रेलवे क्रासिंग के निकट उस समय सनसनी फैल गई जब बाराबंकी से अयोध्या की ओर जा रही फरक्का एक्सप्रेस के सामने एक 40 वर्षीय युवक ने पटरी के किनारे बाइक खड़ी कर ट्रेन के आगे कूद कर जान दे दी घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया सूचना मिलते ही पुलिस और रेलवे पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल से यूपी-41 एवाई-2426 नंबर की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई। प्रारंभिक जांच में यह बाइक हिमांशु रस्तोगी पुत्र दिनेशचंद्र रस्तोगी के नाम पर रजिस्टर पाई गई। शव की शिनाख्त में जुटी पुलिस को कड़ी मशक्कत के बाद पता चला कि मृतक शहर के प्रतिष्ठित कृष्णा स्वीट्स व्यापारी अनूप गुप्ता है जो सुबह अपने 9 वर्षीय बेटे मनन को स्कूल छोड़ने के लिए अपने मित्र की बाइक को मांग कर ले गया था स्कूल छोड़ने के बाद वह घर नहीं लौटे।

करीब सुबह साढ़े नौ बजे बनवा रेलवे क्रॉसिंग के पास ट्रेन संख्या 15744 फरक्का एक्सप्रेस की चपेट में आने से उनकी मौत हो गई। रेलवे क्रॉसिंग के गेटमैन धर्मेंद्र और प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, मृतक मोटरसाइकिल से क्रॉसिंग पर पहुंचा। उसने बाइक किनारे खड़ी की और ट्रेन आने से पहले पटरी के पास जाकर खड़ा हो गया। फरक्का एक्सप्रेस के पहुंचते ही वह ट्रेन की चपेट में आ गया। ट्रेन तेज रफ्तार में थी इसलिए युवक 300 मीटर तक घिसटता चला गया और शव के टुकड़े-टुकड़े हो गए। मृतक अनूप गुप्ता शहर के जाने-माने मिठाई व्यवसायी थे। बड़ेल चौराहे पर स्थित उनकी कृष्णा स्वीट्स प्रतिष्ठान शहर की प्रमुख दुकानों में गिनी जाती है। उनकी बेटी भव्या गुप्ता इंटरमीडिएट परीक्षा में प्रदेश की टॉपर्स सूची में 18वां स्थान हासिल कर चुकी हैं और वर्तमान में यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रही हैं। घटना की खबर मिलते ही पोस्टमार्टम हाउस पर बड़ी संख्या में व्यापारी, रिश्तेदार, सामाजिक संगठनों के लोग और शुभचिंतक पहुंच गए। सभी ने शोक व्यक्त करते हुए परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। शहर के व्यापारिक संगठनों में भी इस घटना को लेकर गहरा दुख देखने को मिला। घटना के बाद शहर के व्यापारियों के बीच यह चर्चा भी शुरू हो गई कि अनूप गुप्ता पिछले कुछ दिनों से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। कुछ व्यापारियों ने आशंका जताई कि उनकी परेशानी का कारण किसी प्रकार का आर्थिक लेन-देन या वित्तीय विवाद हो सकता है। हालांकि इन चर्चाओं की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जहांगीराबाद थाना पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पूरी निष्पक्षता से की जा रही है।

पुलिस पोस्टमार्टम रिपोर्ट, घटनास्थल से जुटाए गए साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और परिजनों से पूछताछ के आधार पर पूरे घटनाक्रम की पड़ताल कर रही है। फिलहाल पुलिस ने किसी भी संभावना से इनकार नहीं किया है और जांच पूरी होने के बाद ही घटना के कारणों को लेकर आधिकारिक जानकारी देने की बात कही है।

एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वितरित किए गए पौधे

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। वन महोत्सव-2026 के तहत सोमवार को रामनगर वन रेंज की ओर से बी.पी. शुक्ला इंटर कॉलेज, त्रिलोकपुर में पौधरोपण एवं आम वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत अतिथियों, छात्र-छात्राओं और वन विभाग के अधिकारियों ने पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि शेखर हरयाण, मंडल अध्यक्ष अमित सिंह, ग्राम प्रधान देवी शरण यादव, मोनू भाष्कर ने विद्यार्थियों के साथ मिलकर नीम, पीपल, सहजन, आम सहित विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए। कार्यक्रम में सभी विद्यार्थियों को एक-एक पौधा तथा आम का फल भी वितरित किया गया।उप निरीक्षक वन सचिन पटेल ने विद्यार्थियों को वृक्षों के

महत्व की जानकारी देते हुए पौधों के संरक्षण का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि वृक्ष पर्यावरण संतुलन, जल संरक्षण और स्वच्छ वायु के लिए अत्यंत आवश्यक हैं।

अतिथियों ने भी 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान को प्रकृति संरक्षण के साथ मातृत्व सम्मान का प्रतीक बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की।कार्यक्रम में बीट इंचार्ज तिलकराम यादव, दुर्गेश यादव, विपिन शुक्ला, नीरज, लालबचन, प्रदीप सहित वन विभाग के कर्मचारी, विद्यालय परिवार और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

अकीदत के साथ निकाला ताजिया का जुलूस

स्वतंत्रभारत जैदपुर बाराबंकी। हजरत मुहम्मद साहब के नवासे हजरत इमाम हुसैन एव उनके 72 साथियों की शहादत की याद में मनाया जाने वाला गमें हुसैन की याद में

कस्बा शहाबपुर के मोहल्ला कटरा मिर्जा नगर में दसवां अकीदत एव गमगीन माहौल में मनाया गया। शहादत के दसवे दिन कल रात्रि में ताजिया का जुलूस अकीदत और शांतिपूर्ण माहौल में निकाला गया।

पूर्व निर्धारित मार्गो से गुजरते हुए ताजिया जुलूस क्षेत्र का भ्रमण कर पुनः इमामबाड़ा पहुंचकर संपन्न हुआ। जुलूस में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शामिल होकर हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और कर्बला के शहीदों को खिराज-ए-अकीदत पेश की। कर्बला के मैदान में हज़रत इमाम हुसैन अलैहिस्सलाम और उनके 72 साथियों की शहादत की याद में प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी कटरा मिर्जा नगर में ताजिया जुलूस निकाला गया।

जुलूस के दौरान विभिन्न स्थानों पर अज़ादारों की ओर से ठंडे पानी और शरबत की व्यवस्था कर बाहर से आए मेहमानों एवं अकीदतमंदों का वितरित किया गया। ताजिया जुलूस में शहाबपुर, सुरसंडा, मखदूमिया बांसा शरीफ, बड़ागांव, मसौली शरीफ, देवा शरीफ, रसौली सहित आसपास एवं दूर-दराज़ क्षेत्रों से आई अनेक अंजुमनों ने नौहाखानी की और अपने कलाम पेश किए। या हसन या हुसैन की सदाओं से पूरा कटरा मिर्जा नगर गूंज उठा। समाजसेवी सगीर अंसारी ने दूर दराज से आए मेहमानों के के लिए लस्सी, हलीम, (खिचड़ा)मीठा पुलाव और चिकन बिरयानी का विशेष प्रबंध किया, जिसकी उपस्थित लोगों ने सराहना की।

जुलूस में मोहम्मद सलीम अंसारी (टांडे वाले), मोहम्मद नासिर, मोहम्मद समीर, मोहम्मद अली हैदर, मोहम्मद सद्दाम हुसैन, नासिर हुसैन, रिजवान, जुबेर, शादाब, अरशद, अलाउद्दीन, जफरुल हसन, अख्तर हुसैन, नियाज अहमद, चांद बाबू, मोहम्मद कुरैश सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने सक्रिय सहयोग और सहभागिता निभाई।

कटियारा गांव पहुंचे सांसद तनुज पुनिया, ग्रामीणों से की मुलाकात

स्वतंत्रभारत, रामनगर बाराबंकी। कटियारा गांव में 29 जून की घटना के बाद कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस व पीएसी की तैनाती लगातार जारी है। सोमवार को सांसद तनुज पुनिया बुढ़वल स्थित अतिथि गृह पहुंचे, जहां ग्राम प्रधान राजमल वर्मा, पूर्व प्रधान पवन वर्मा सहित ग्रामीणों ने उनसे मुलाकात कर गांव की स्थिति से अवगत कराया।इसके बाद सांसद ने अधिकारियों से वार्ता की और प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र यादव के साथ पुलिस बल की मौजूदगी में कटियारा गांव पहुंचकर ग्रामीणों से बातचीत की। महिलाओं सहित ग्रामीणों ने बताया कि घटना के बाद गांव में भय का माहौल बना हुआ है, जिसके चलते कई परिवार अस्थायी रूप से गांव छोड़कर चले गए हैं। उनका कहना था कि पुलिस का उद्देश्य आरोपितों की गिरफ्तारी है, लेकिन पुलिस के गांव पहुंचने पर लोग भयवश घरों से निकल जाते हैं।ग्रामीणों ने यह भी बताया कि जिन परिवारों के सदस्य गांव से बाहर हैं, उनके घरों में मौजूद पशुओं के लिए पुलिस की ओर से चारा-पानी की व्यवस्था कराई जा रही है। उन्होंने खेती-बुवाई और बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होने का मुद्दा उठाते हुए जल्द सामान्य माहौल बहाल कराने की मांग की। कुछ ग्रामीणों ने

यह भी कहा कि पथराव की घटना में शामिल लोगों की वजह से पूरे गांव को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।इस पर सांसद तनुज पुनिया ने ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि वह उच्च अधिकारियों से वार्ता कर निर्दोष लोगों को अनावश्यक परेशानी न हो, इसका प्रयास करेंगे। उन्होंने गांव के संभ्रांत लोगों से पुलिस प्रशासन के साथ संवाद और समन्वय बनाए रखने की अपील की, ताकि जल्द सामान्य स्थिति बहाल हो सके। गौरतलब है कि 29 जून को कटियारा गांव निवासी एक युवक का शव फंदे से लटका मिला था। परिजनों ने प्रेम प्रसंग के विवाद में युवती के स्वजन पर हत्या का आरोप लगाया था।

अगले दिन आरोपितों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर ग्रामीणों और उनके समर्थकों ने हाईवे पर प्रदर्शन किया। पुलिस के अनुसार भीड़ को हटाने के दौरान पथराव हुआ, जिसके बाद मामला दर्ज कर आरोपितों की तलाश शुरू की गई। घटना के बाद से गांव में पुलिस और पीएसी की तैनाती की गई है तथा पुलिस कार्रवाई जारी है।

इस दौरान प्रदेश कमेटी सदस्य अमरनाथ मिश्रा, जिलाध्यक्ष मो. मोहसिन, जिला उपाध्यक्ष नेकचंद त्रिपाठी, नगर अध्यक्ष सचिन त्रिपाठी, ब्लॉक अध्यक्ष सौरभ पांडेय, सद्दाम हुसैन, रामकुमार लोधी, राहुल मौर्य सहित कांग्रेस के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जालिम के अत्याचारों से क्या जालिम को मिल पाएगी राहत ?

सुरेश बहादुर सिंह कौशिक

स्वतंत्र भारत, बाराबंकी। प्रदेश में कोई भी सरकार हो चलती सिर्फ मशीनरी की है। कई बार एक ही समय में एक ही तरह के मामले में दोहरा मापदण्ड सामने आ जाता है। आम आदमी को इसके अनेकों उदाहरण रोजमर्रा की जिन्दगी में देखने को मिलते हैं।

ऐसा ही एक मामला बाराबंकी जनपद की पूर्व तहसील रुदौली (अब अयोध्या) का है। यहां के परगना बसौढ़ी के ग्राम मथुरा का पुरवा निवासी जालिम पुत्र जगन्नाथ की मां द्वारा 1986 में एक किता प्लाट की रजिस्ट्री कराकर उस पर कब्जा दखल प्राप्त किया गया था तबसे आज तक उसका इस्तेमाल जालिम द्वारा किया जा रहा है। इसी प्लाट पर उसने अपना पहले से पक्का मकान बना रखा है उसका कुछ खुला भाग जानवरों के बांधने व चारा आदि खिलाने के लिए छोड़ रखा था तथा उस पर टीन शेड डाल रखा था। इधर जब एक दिन बहुत बड़ी आंधी आई तो उसमें वह टीन उड़ गई थी

जिसे दुबारा रखने के बजाए वह उस भाग पर पक्की छत डालने जा रहा था। शटरिंग पड़ गयी थी सरिये का जाल डाल दिया गया था केवल आरसीसी का मसाला डालना शेष था कि तभी जालिम के पड़ौसी की एक शिकायत पर थानाध्यक्ष पटरंगा ने उसे यह कहकर रोकवा दिया कि इसके अन्दर पुराना सार्वजनिक कुआं है जो बन्द हो जायेगा। जालिम ने पुलिस को बताया कि यह कुंआ जिसका प्लाट उसने खरीदा है उसी के अधिकार क्षेत्र में है। वह निजी उपयोग में आता था। जब उसका इस्तेमाल बन्द हो गया तब से पाट दिया गया। अब लगभग 20 वर्षो से उसका केवल अस्तित्व मात्र है लेकिन पुलिस ने उसकी एक न सुनी। गाँव में और आस पास के सभी को व पुलिस को भी इसकी बखूबी जानकारी है कि शिकायत करने वाले व्यक्ति ने गांव के अनेक लोगों को प्रताड़ित कर रखा है जिसमें विनोद कुमार पुत्र गरीबे का नाम प्रमुख है। आम चर्चा है कि उक्त व्यक्ति मुकदमे कराता है उसी के आधार पर लोगों को कानूनी उलझन में फंसा कर रखता है। उसने रेलवे में अपनी तैनाती के दौरान गाँव के विनोद कुमार के निर्माणाधीन मकान को रेलवे गैंग आदि लगवाकर दिनदहाड़े गिरवा दिया था जिसका मुकदमा आज भी न्यायालय में विचाराधीन है। जालिम भी इसी तरह से परेशान है।

क्षेत्रीय लेखपाल ने भी अपनी जांच रिपोर्ट में भी इसका उल्लेख किया है कि जमीन जालिम की ही है। बड़े आश्चर्य की बात यह है कि शिकायत करने वाले ने अपने सगे चाचा की 106 एअर भूमि जो खेल के मैदान की है कब्जा करवाकर घर बनवा दिया। जिसकी समय -समय पर शिकायतें भी हुई किन्तु कोई भी पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी उसे नही हटवा सका।

इतना ही नही इसी खेल की भूमि पर छह एअर का अवैध कब्जा करके दुकानों की दीवारें खड़ी कर रखी गई हैं। जिस पर 15सी का मुकदमा चला और उसे कब्जा छोड़ने व 36,000 रुपये का जुर्माना अदा करने का आदेश हुआ मगर अधिकारियों ने इस आदेश का पालन न कराकर उसे पुनः रिवीजन करवाकर रोकवा दिया। 23/07/2021 को हुए इस निर्णय का क्रियान्वयन आज तक नही करवाया जा सका है। लोगों का कहना है कि अधिकारियों एवं कर्मचारियों द्वारा शिकायतों को नजरअंदाज किये जाने की वजह से फर्जी शिकायतें करने वाले के हौसले काफी बुलन्द हैं जिससे वह तरह तरह से लोगों को प्रताड़ित करवाता रहता है। फिलहाल जालिम की समस्या का निराकरण नहीं हो सका है व पुलिस व् प्रशासन के लोगों ने उसके मामले में कोई ठोस सुनवाई नहीं की है। समस्या जस को तस बनी हुई है।

मनाई गई बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि

स्वतंत्रभारत, बाराबंकी। सांसद आवास ओबरी में भारत के महान स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक एवं पूर्व उप-प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम की पुण्यतिथि मनाई गयी। इस अवसर पर पूर्व सांसद डा0 पी0एल0 पुनिया एवं सांसद तनुज पुनिया ने कांग्रेसजनो के साथ पूर्व उप प्रधानमंत्री बाबू जगजीवन राम जी के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर पूर्व सांसद पीएल पुनिया ने कहा कि बाबू जगजीवन राम का जन्म 5 अप्रैल 1908 को बिहार में हुआ था। उन्होंने सामाजिक समानता, दलित एवं वंचित वर्गों के अधिकारों तथा सामाजिक न्याय के लिए आजीवन संघर्ष किया। स्वतंत्र भारत की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा। वे लंबे समय तक सांसद रहे तथा केंद्रीय मंत्री, रक्षा मंत्री और उप-प्रधानमंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया। सांसद श्री तनुज पुनिया ने बाबू जगजीवन राम के चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुये कहा कि बाबू जगजीवन राम को भारतीय लोकतंत्र और सामाजिक समरसता के प्रमुख स्तंभों में गिना जाता है। बाबू जगजीवन राम एक स्वतंत्रता सेनानी और राष्ट्रीय नेता थे जिन्होंने दलितों के उत्थान के लिए अथक संघर्ष किया।

खबर एक नजर

उपभोक्ताओं को लूट रहा विद्युत विभाग-ओपी

स्वतंत्र भारत रायबरेली। सेण्ट्रल बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ समाजवादी नेता ओपी यादव ने कहा विद्युत विभाग उपभोक्ताओं को लूट रहा है। विभाग द्वारा लगाये गये स्मार्ट मीटर इतनी तेजी से चलते है कि विद्युत की खपत से अधिक की रीडिंग आती है। इसके पूर्व एक आदेश विभाग द्वारा प्री-पेड का आया जिसे मुख्यमंत्री द्वारा वापस लिया गया। अब जुलाई में जनपद के लगभग एक लाख उपभोक्ताओं का लोड बिना उपभोक्ताओं की स्वीकृत के एक किलोवाट से 5 किलोवाट तक बढ़ा दिये गये विद्युत बिल 50 से लेकर 100 प्रतिशत तक बढ़ाकर भेजा जा रहा है। जिलाधिकारी के कार्यालय से लेकर सामान्य विभाग के कार्यालयों का बिजली का बिल जमा नही किया जाता है। बिजली विभाग में सेवारत किसी कर्मचारी-अभियंता के विभाग एवं आवास का बिल नही जमा किया जाता है। इस घाटे को पूरा करने के लिए सामान्य उपभोक्ताओं को लूटा जा रहा है। व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं छोटे-छोटे उद्योग केन्द्रों में बिजली विभाग के अभियंता उपभोक्ताओं से पैसे लेकर कामर्शियल कनेक्शन के स्थान पर घरेलू कनेक्शन दिये गये है। विद्युत विभा की जर्जर लाइनों को ठीक नही कराया जा रहा है। कोई लाइनमैन अपना काम नही करता है। इसके लिए अलग से आदमी रक्खे जाते है। यही कारण है कि आये दिन हादसे होते रहते है। विभाग की लापरवाही के कारण एक एक पखवारे पर तक विद्युत आपूर्ति नही होती है। बिजली तो नही आती परन्तु उपभोक्ताओं के यहां बिल पहुंच जाता है। यही कारण है कि विभाग घाटे में विभागीय कर्मचारी मालामाल है। श्री यादव ने महामहिम राज्यपाल महोदय को फैक्स भेजकर विद्युत विभाग के तुकलकी आदेश को वापस लेने एवं विभाग द्वारा की जा रही लूट पर अंकुश लगाये जाने की मांग की है।

मार्ग दुर्घटना मे एक की मौत, 6 घायल

स्वतंत्र भारत ऊँचाहार, रायबरेली। प्रयागराज से लखनऊ जा रही कार पुलिया से टकराकर सड़क किनारे खाई में चली गई, घटना में कार सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई। 6 अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। मूलरूप से प्रयागराज जिले के सिसवा के रहने वाले रवि कुमार परिवार सहित लखनऊ के सेक्टर दस इंदिरा नगर में मकान बनाकर निवास करते हैं। सोमवार की दोपहर रवि पिता हरिलाल 62 वर्ष, मां राजकेसरी 52 वर्ष, पत्नी प्रतिमा 32 वर्ष, बेटा आस्तिक 2 वर्ष, भतीजे सक्षम 12 व भीम कुमार 6 वर्ष को कार से लेकर सिसवा से लखनऊ जा रहे थे, तभी रायबरेली प्रतापगढ़ जिले की सीमा पर सवैसपुर के पास चालक रवि को झपकी आने की वजह से कार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकराकर सड़क किनारे गहरी खाई में चली गई। सूचना पर पहुंची पीआरवी ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से बाहर निकालकर एम्बुलेंस की मदद से सीएचसी में भर्ती कराया, जहां हरीलाल को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर कोतवाल ओमप्रकाश राय पुलिस टीम के साथ सीएचसी पहुंचे और घटना की जानकारी हासिल की। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल एक व्यक्ति को मृत अवस्था में सीएचसी लाया गया थाए अन्य घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। कोतवाल ओमप्रकाश राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया हैए कार सवार के परिजनों को घटना की सूचना दी गई है।

कलाकारों ने मंच पर बिखेरा जलवा

स्वतंत्र भारत रायबरेली। इंडियाज़ बेस्ट डांसर सीज़न 5 में माधुरी दीक्षित, करिश्मा कपूर, जावेद जाफ़री, अमीषा पटेल, रेमो डिसूज़ा, टेरेंस लुईस, उर्मिला मातोंडकर और शिल्पा शिरोडकर के शानदार डांस मोमेंट्स इस सीज़न के सबसे बड़े आकर्षण बने।

अज्ञात वाहन की टक्कर से स्कूटी सवार वृद्ध दम्पति घायल, एक गंभीर

स्वतंत्र भारत बछरावां रायबरेली। थाना क्षेत्र के अंतर्गत लखनऊ-प्रयागराज राष्ट्रीय राजमार्ग पर चुरूवा चौराहे के निकट अज्ञात वाहन की टक्कर से एक स्कूटी सवार वृद्ध दम्पति घायल हो गए। जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार घायल वृद्ध दंपति रामशंकर पुत्र जमुना प्रसाद उम्र 60 वर्ष निवासी सेहगो अपनी स्कूटी पर सवार होकर अपनी पत्नी मालती उम्र 52 वर्ष को लेकर बछरावां से अपने घर वापस जा रहे थे। जैसे ही वह उक्त राष्ट्रीय राजमार्ग पर चुरुवा चौराहे के नजदीक पहुंचेए तभी पीछे से आ रहे किसी अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह दोनो स्कूटी समेत हाईवे मार्ग पर ही गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास मौजूद लोगों की सूचना पर पहुंची एंबुलेंस के द्वारा दोनों घायलो को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बछरावां पहुंचाया गया। जहां मौजूद चिकित्सक के द्वारा दोनों का घायल अवस्था में प्राथमिक उपचार करने के पश्चात रामशंकर की हालत को गंभीर देखते हुए उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। वहीं टक्कर मारने के बाद अज्ञात वाहन मय चालक सहित मौके से फरार हो गया।

भावनात्मक कहानी बयां की

स्वतंत्र भारत रायबरेली। भारतीय हिप-हॉप कलाकार पैंथर और गायिका आकांक्षा चौधरी का नया गीत दूरियां रिलीज हो गया है, जो आधुनिक रिश्तों, प्यार और बिछड़ने की भावनात्मक कहानी को बयां करता है।

बुजुर्ग समेत कुल तीन लोग घायल

स्वतंत्र भारत ऊँचाहार, रायबरेली। क्षेत्र के अलग अलग स्थानों पर हुई सड़क दुर्घटनाओं में एक बुजुर्ग समेत कुल तीन लोग घायल हो गये, जिसमें एक घायल को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है। पहली घटना लखनऊ प्रयागराज राजमार्ग पर स्थित चड़रई चौराहे है जहां सोमवार की सुबह कार की टक्कर से स्कूटी सवार ममता पांडेय 36 वर्ष उनकी बेटी महक 14 वर्ष निवासी पूरे भुसई मजरे इटौरा बुजुर्ग घायल हो गई। एनएचएआई के पेट्रोलिंग वाहन से घायलों को इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया। दूसरी घटना कस्बे के पुराना पेट्रोल पंप के पास की है, जहां सोमवार की दोपहर कार की टक्कर से साइकल सवार रामलखन मौर्य 70 वर्ष निवासी नरवापार मजरे ऊँचाहार देहात घायल हो गये, स्थानीय लोगों की मदद से घायल को सीएचसी में भर्ती कराया गया। सीएचसी अधीक्षक डॉ मनोज शुक्ल ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायल तीन लोग सीएचसी आये थे, जिसमें रामलखन मौर्य को प्राथमिक उपचार के बाद जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

सच या सज़ा की कहानी

स्वतंत्र भारत रायबरेली। दर्शकों की मांग पर लॉक अप सच या सज़ा अब शनिवार से गुरुवार रात 8 बजे तक छह दिन स्ट्रीम होगा। रितेश देशमुख और फराह खान ने इसे दर्शकों के प्यार का नतीजा बताया।

उपहार पाकर खिल उठे मेधावी छात्रों के चेहरे

स्वतंत्र भारत लालगंज, रायबरेली। बैसवारा इंटर कॉलेज के गोविंद सभागार में सोमवार को मेधा सम्मान का आयोजन हुआ। मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित कर उनका उत्साह बढ़ाया गया। कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को साइकिल और पेडस्टल फैन भेंट किए गए। मुख्य अतिथि नगर पंचायत अध्यक्ष सरिता दीपेन्द्र गुप्ता ने विद्यालय को दिए गए वाटर कूलर का फीता काटकर उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि मेहनत और लगन से पढ़ने वाले विद्यार्थी ही समाज और देश का भविष्य हैं। इंटरमीडिएट परीक्षा में 91 प्रतिशत अंक हासिल कर जनपद में नौवां स्थान पाने वाले छात्र मयंक त्रिपाठी को साइकिल दी गई। हाईस्कूल में 94 प्रतिशत अंक लाकर विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा ज्योति शर्मा को भी साइकिल देकर सम्मानित किया गया। 90 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय स्थान पाने वाली अंशिका और कृषि संकाय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले दिव्यांशू त्रिवेदी को पेडस्टल फैन प्रदान किया

हरचंदपुर को मिली कृषि एवं औद्यानिकी महाविद्यालय की सौगात, कैबिनेट की मंजूरी पर जताया आभार

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए बहुप्रतीक्षित कृषि एवं औद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना का सपना अब साकार होने की दिशा में बढ़ गया है। उत्तर प्रदेश मंत्रिमंडल द्वारा महाविद्यालय की स्थापना को मंजूरी दिए जाने के बाद क्षेत्र में खुशी का माहौल है। इस अवसर पर उप्र के स्वतंत्र प्रभार राज्यमंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने इसे अपने सार्वजनिक जीवन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक बताते हुए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि जिस हरचंदपुर की धरती पर उन्होंने टूटी साइकिल से चलकर शिक्षा प्राप्त की, उसी पावन माटी में अब आने वाली पीढ़ियों के लिए उच्च शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र स्थापित होगा। उनके अनुसार, कृषि एवं औद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना से न केवल क्षेत्र के युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिलेगी, बल्कि किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, अनुसंधान और नवाचार का भी लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर महाविद्यालय की स्थापना के लिए लगभग 22 हेक्टेयर करीब 80 बीघा भूमि उपलब्ध करा दी गई है। अब संस्थान की स्थापना में कोई बड़ी बाधा शेष नहीं है। महाविद्यालय का भव्य परिसर, आधुनिक प्रयोगशालाएँ, उद्यान, छात्रावास और अन्य सुविधाएँ विकसित होने के बाद भगवान अचलेश्वर की पावन नगरी हरचंदपुर शिक्षा और विकास का प्रमुख केंद्र बनकर उभरेगी। दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि हरचंदपुर ने उन्हें सामाजिक और राजनीतिक पहचान दी है और इस क्षेत्र का ऋ ण वे जीवनभर नहीं चुका सकते। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता की सेवा करना उनके लिए दायित्व और सौभाग्य दोनों है तथा हरचंदपुर और रायबरेली के सम्मान एवं विकास के लिए वे अंतिम सांस तक प्रयासरत रहेंगे। उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान कराए गए विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों के हित में सतांव में मंडी परिषद का निर्माण, रायबरेली में गुरु गोविंद सिंह पर्यावरणीय उद्यान, बछरावां के शिवगढ़ में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फ ॉर हनी, ऊंचाहार में मंडी परिषद, जिले के सभी विकासखंडों में 125 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वज तथा विभिन्न नदियों पर पुलों के निर्माण जैसे अनेक कार्य क्षेत्र की पहचान बन चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि पूर्व में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले जनप्रतिनिधियों ने हरचंदपुर से जनसमर्थन तो प्राप्त किया, लेकिन युवाओं, किसानों और उच्च शिक्षा के क्षेत्र में इस स्तर की स्थायी पहल नहीं हो सकी। कृषि एवं औद्यानिकी महाविद्यालय की स्थापना से हरचंदपुर और रायबरेली के विकास को नई गति मिलेगी तथा आने वाली पीढ़ियों के लिए रोजगारए शिक्षा और अनुसंधान के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

आरेडिका में हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता-2026 आयोजित

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। आरेडिका में हिंदी काव्य में रचनात्मक कौशल एवं उनको बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने की कला को विकसित करने व प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से राजभाषा विभाग की ओर से हिंदी काव्य पाठ प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में आरेडिका के अधिकारीगण, कर्मचारीगण एवं उनके आश्रितों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की यह विशेषता रही कि प्रतिभागियों को मंच पर अपनी स्व-रचित रचना ही प्रस्तुत करना था। प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले कार्मिकों को निर्णायक मण्डल एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी की उपस्थिति में पुरस्कृत किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय व तृतीय पुरस्कार एवं तीन प्रेरणा पुरस्कार प्रदान किये गये। निर्णायक मंडल में मुख्य सामग्री प्रबंधक कृष्ण कुमार कनौजिया एवं मुख्य गुणवत्ता प्रबंधक ओमकार शरण सिंह शामिल रहे। कार्यक्रम में प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त रमेश चन्द्र, राजभाषा अधिकारी राकेश रंजन, जनसंपर्क अधिकारी अनिल श्रीवास्तव एवं अन्य उपस्थित थे।

पुल के मुहाने पर धंसी सड़क, बड़े हादसे का खतराय ग्रामीणों ने तत्काल मरम्मत की उठाई मांग

स्वतंत्र भारत संवाददाता, सलोन, रायबरेली। छतोह से गांधीनगर जाने वाले मुख्य संपर्क मार्ग पर परैया नमकसार गांव के पास सई नदी पुल के मुहाने पर सड़क धंस जाने से बड़ा और गहरा गड्ढा बन गया है। यह गड्ढा राहगीरों और वाहन चालकों के लिए गंभीर खतरा बन गया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो यहां कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। ग्रामीणों के अनुसार पुल के पास सड़क धंसने से मार्ग पर आवाजाही प्रभावित हो रही है। दिन में तो वाहन चालक किसी तरह सावधानी से निकल जाते हैं, लेकिन रात के समय गड्ढा स्पष्ट दिखाई न देने के कारण दुर्घटना की आशंका कई गुना बढ़ जाती है। इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों छोटे-बड़े वाहन गुजरते हैं, जिनमें ट्रैक्टर-ट्रॉली, एंबुलेंस और अन्य भारी वाहन भी शामिल हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि भारी वाहनों के पलटने का खतरा बना हुआ है, जबकि कई दोपहिया वाहन चालक अचानक गड्ढा सामने आने पर संतुलन खोकर गिर चुके हैं और चोटिल भी हुए हैं।

ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग पीडब्ल्यूडी और स्थानीय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि सड़क धंसने के बाद भी अब तक न तो मरम्मत कराई गई है और न ही दुर्घटना से बचाव के लिए कोई चेतावनी बोर्ड, बैरिकेडिंग या संकेतक लगाए गए हैं। इससे राहगीरों की जान जोखिम में बनी हुई है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार करने के बजाय तत्काल गड्ढे को भरवाकर सड़क की मरम्मत कराई जाए, ताकि लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिल सके। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी के अपर अभियंता हरी प्रसाद ने बताया कि मामले की जानकारी विभाग को मिल गई है। उन्होंने कहा कि सड़क पर बने गड्ढे को जल्द से जल्द भरवाने और आवश्यक मरम्मत कार्य कराने की कार्रवाई की जाएगी, जिससे मार्ग को सुरक्षित बनाया जा सके।

जिला सहकारी बैंक में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की मनाई गई 125वीं जयंती

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। जिला सहकारी बैंक लि0, रायबरेली के सभागार में सोमवार को भारतीय जनसंघ के संस्थापक एवं प्रखर राष्ट्रवादी विचारक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती श्रद्धा एवं सम्मान के साथ मनाई गई। कार्यक्रम की शुरुआत डॉ मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर की गई। इस अवसर पर बैंक के अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह ने डॉ मुखर्जी के जीवन और विचारों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि डॉ मुखर्जी एक विद्वान, कुशल प्रशासक, शिक्षाविद और सच्चे देशभक्त थे। मात्र 33 वर्ष की आयु में वे कलकत्ता विश्वविद्यालय के सबसे युवा कुलपति बने। उनके कार्यकाल में नए विभाग खोले गए और पुस्तकालय व प्रयोगशालाओं का विस्तार किया गया। अंग्रेजी, बंगाली, संस्कृत सहित कई भाषाओं के ज्ञाता डॉ मुखर्जी स्पष्टवक्ता और सिद्धांतवादी नेता थे। उनके लिए देश की एकता और अखंडता सर्वोपरि थी।

उन्होंने कहा शिक्षा बिना चरित्र के अधूरी है। कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने डॉ मुखर्जी के राष्ट्रवाद, सांस्कृतिक एकता और राष्ट्रहित के विचारों को याद किया। वक्ताओं ने कहा कि उन्होंने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनके आदर्श और दर्शन आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। इस मौके पर सभी उपस्थित लोगों ने संकल्प लिया कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बताए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र निर्माण, सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण और भारत को सशक्त एवं समृद्ध बनाने में अपना योगदान देंगे। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष भाजपा रामदेव पाल, विजय बाजपेई, रंजीत सिंह, पूर्व जिला पंचायत सदस्य जगत प्रताप सिंह बघेल, सोनू सिंह, सुशील सिंह अध्यक्ष बी-पैक्स खरौली सहित बैंक के अधिकारी, कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एएसपी ने घाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का किया जायजा

स्वतंत्र भारत संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। गुरुपूर्णिमा व कांवड़ यात्रा के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक ने घाट पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए कोतवाल को जरूरी दिशा निर्देश दिये हैं। आगामी 29 तारीख को गुरुपूर्णिमा व अगले दिन से कांवड़ यात्रा की शुरुआत होगी। श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था न हो इसको लेकर सोमवार को अपर पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार सिंह गोकना घाट पहुंचे, जहां उन्होंने घाट पर साफ-सफाई, नाव नाविक, गोताखोरों व आदि के सम्बंध में तीर्थ पुरोहित जितेंद्र द्विवेदी से जानकारी हासिल की। इसके अलावा कोतवाल ओमप्रकाश राय से कांवड़ियों के जाने वाले मार्ग के बारे जानकारी ली और सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिगत जरूरी दिशा निर्देश दिए।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर कार्यकर्ता सम्मेलन का हुआ भव्य आयोजन

स्वतंत्र भारत संवाददाता, रायबरेली। भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती के उपलक्ष्य में जिला पंचायत सभागार में भव्य कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कार्यकर्ताओं ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संगठन की मजबूती के संकल्प को दोहराया तथा डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता भाजपा उत्तर प्रदेश के प्रदेश मंत्री अवधेश श्रीवास्तव रहे। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने राष्ट्र की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उनका बलिदान देशवासियों के लिए सदैव प्रेरणा का स्रोत रहेगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे डॉ मुखर्जी के विचारों और आदर्शों को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाते हुए संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करें। इस अवसर पर कायस्थ समाज के प्रतिनिधियों ने प्रदेश मंत्री अवधेश श्रीवास्तव का विशाल पुष्पमाला पहनाकर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन किया, जिसका उपस्थित कार्यकर्ताओं ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश सरकार के राज्यमंत्री

स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता राष्ट्रहित को सर्वोपरि मानकर कार्य करता है। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी का जीवन राष्ट्रभक्ति, सेवा, समर्पण और दृढ़ संकल्प का अद्वितीय उदाहरण है। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष रंजना चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष बुद्धिलाल पासी ने की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त बनाने का संकल्प लेकर कार्य करे। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य किरण सिंह, पूर्व जिला अध्यक्ष आरबी सिंह, अनिता श्रीवास्तव, पूर्व प्रत्याशी सदर पुष्पेंद्र सिंह, कार्यक्रम संयोजक गौरव रस्तोगी, रेनू सिंह, आकांक्षा शुक्ला, संगीता पासवान, जिला महामंत्री शरद सिंह, जिला मंत्री विजय सिंह टप्पू, जिला उपाध्यक्ष जनमेजय सिंह, देवेंद्र सिंह, अनुज मौर्य, अभिषेक वर्मा, कमलेश चौधरी, इंजीनियर पंकज तथा जिले के भाजपा के सभी प्रमुख पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। सम्मेलन में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वे डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के राष्ट्रवादी विचारों, सेवा, समर्पण और अखंड भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाएंगे तथा संगठन की नीतियों को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य करेंगे। कार्यक्रम का वातावरण राष्ट्रभक्ति, संगठनात्मक ऊर्जा और उत्साह से ओत-प्रोत रहा।

संपूर्ण समाधान दिवस में उमड़ी फरियादियों की भीड़, 148 शिकायतें दर्ज, 20 का मौके पर निस्तारण

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज, रायबरेली। तहसील सभागार में सोमवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका और पुलिस अधीक्षक रवि कुमार की अध्यक्षता में संपूर्ण समाधान दिवस आयोजित हुआ। समाधान दिवस में फरियादियों की अभूतपूर्व भीड़ उमड़ी। दोपहर करीब 12 बजे से डीएम और एसपी ने एक एक कर शिकायतें सुनीं और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बकुलिहा सेमरी चौराहा निवासी सोहनलाल ने बताया कि उनका नाम राशन कार्ड से काट दिया गया है। जानकारी करने पर कोटेदार ने उन्हें मृत घोषित होने की बात बताई। पीड़ित ने राशन कार्ड में दोबारा नाम जुड़वाने की मांग की। चक चौरहिया मजरे मीठापुर निवासी दुर्गेश कुमार ने आरोप लगाया कि रविवार को गांव के चार लोगों ने पुरानी रंजिश और पैसों के विवाद में रास्ते में घेरकर लाठी.डंडों से हमला कर दिया। इससे उनका सिर फट गया। उन्होंने शिकायत के बावजूद पुलिस पर एफआईआर दर्ज न करने का आरोप लगाया। नरपत का पुरवा मजरे कुम्भडौरा निवासी मंजू देवी ने बताया कि गांव के दो लोग उन्हें लगातार परेशान कर रहे हैं। आरोप है कि वे कमरे से बक्सा उठा ले गए, जिसमें पांच हजार रुपये नकद, सोने की नाक की कील, सोने की जंजीर और अन्य सामान रखा था। उन्होंने आरोप लगाया कि आरोपी शराब पीकर बदनाम करते हैं और झोपड़ी में आग लगाने की धमकी भी देते हैं। महाखेड़ा के रामकेश समेत ग्रामीणों ने गांव का जर्जर ट्रांसफार्मर बदलवाने की मांग की। राघवेंद्र सूर्यवंशी सहित अन्य लोगों ने खाली पड़े राजकीय कन्या इंटर कॉलेज भवन का सरकारी उपयोग सुनिश्चित करने की मांग उठाई। वहीं नगर में नॉन.जेडए भूमि की खरीद-फरोख्त से पहले निबंधन विभाग से सत्यापन कराने की मांग भी की गई। सातनपुर निवासी सुमन कश्यप ने बताया कि उन्होंने प्रेम विवाह किया थाए लेकिन अब पति उन्हें अपने साथ नहीं रख रहा है और प्रताड़ित कर रहा है। उन्होंने न्याय दिलाने की गुहार लगाई। समाधान दिवस में अपनी बारी का इंतजार करने के लिए बड़ी संख्या में फरियादी लाइन में खड़े दिखाई दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि लोगों की बढ़ती भागीदारी सकारात्मक संकेत है। इससे स्पष्ट है कि जनता को प्रशासन से न्याय मिलने का भरोसा है। समाधान दिवस में कुल 148 शिकायतें दर्ज हुईं। इनमें से 20 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष मामलों को संबंधित विभागों को समयबद्ध कार्रवाई के निर्देश के साथ भेज दिया गया। इस दौरान स्थानीय सपा विधायक देवेंद्र प्रताप सिंह, एसडीएम राजेश कुमार श्रीवास्तव, सीएमओ डॉ नवीन चंद्रा, सीओ सुजीत ,ए एसडीओ शिवम वर्मा, ईओ राजभान शुक्ला, तहसीलदार शिवम राठौड़, नायब तहसीलदार ऋतुराज और सीएचसी अधीक्षक डॉ अमल पटेल सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति सुन भावविभोर हुए श्रद्धालु

स्वतंत्र भारत संवाददाता, लालगंज, रायबरेली। कस्बे के डलमऊ रोड बाईपास स्थित एक उत्सव लॉन में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के पांचवें दिन भक्त प्रह्लाद की अटूट भक्ति का प्रसंग सुनाया गया। संगीतमय कथा प्रसंग सुनकर कई श्रद्धालुओं की आंखें नम हो गईं। पूरा पंडाल राधे-राधे और हरि बोल के जयघोष से गूंज उठा। पूरा पंडाल भक्ति रस में डूबा रहा। वृंदावन से पधारे कथा व्यास चैतन्य मुनि जी महाराज ने कहा कि भगवान के प्रति सच्ची आस्था हर संकट पर विजय दिलाती है। उन्होंने हिरण्यकश्यप और भक्त प्रह्लाद की कथा सुनाते हुए बताया कि अहंकार का अंत निश्चित है, जबकि ईश्वर की भक्ति अमर रहती है। उन्होंने कहा कि हिरण्यकश्यप ने अपने भाई की मृत्यु का बदला लेने के लिए कठोर तप करने का संकल्प लिया। बाद में उसके घर प्रह्लाद का जन्म हुआ। गुरुकुल से लौटने पर प्रह्लाद हर समय भगवान नारायण का स्मरण करते थे। यह बात हिरण्यकश्यप को स्वीकार नहीं हुई। उसने अनेक यातनाएं दीं, लेकिन प्रह्लाद अपनी भक्ति से कभी विचलित नहीं हुए। कथा व्यास ने बताया कि जब हिरण्यकश्यप ने पूछा कि तुम्हारा भगवान कहां है, तब प्रह्लाद ने कहा कि भगवान कण कण में विराजमान हैं। क्रोधित होकर हिरण्यकश्यप ने खंभे पर प्रहार किया। उसी क्षण भगवान नरसिंह प्रकट हुए और उसका वध कर दिया। कथा के दौरान भजनों और संगीतमय प्रस्तुति ने श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया। प्रवचन के अंत में श्रद्धालुओं ने भगवान के जयघोष के साथ आरती में भाग लिया और पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस मौके पर धर्मदास, पूजा, आरती, सुनीता, राजेंद्र, अर्जुन यादव, डॉ सुंदर यादव, हृदएश कुमार, बराती लाल यादव, प्रभाकर सविता, शिवा यादव, मनीष जायसवाल, उमाशंकर सिंह, हनुमान यादव, रामचंद्र मिश्रा, बलराम, राजन यादव, मुन्ना, अंकित, सुरेश, गरिमा, सीमा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

देशभर के 10 लाख बच्चों को डायबिटीज की बीमारी

फ्री इलाज की घोषणा के साथ डॉक्टरों ने दी बड़ी चेतावनी

इंदौर। भारत में बच्चों में तेजी से बढ़ता टाइप-1 डायबिटीज यानी बाल मधुमेह अब एक गंभीर राष्ट्रीय स्वास्थ्य चुनौती का रूप ले चुका है। मौजूदा समय में भारत में लगभग 9.9 लाख बच्चे इस खतरनाक बीमारी से प्रभावित हैं। यह बात राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित प्रख्यात मधुमेह शोधकर्ता डॉ. रविंद्र नांदेडकर ने इंदौर में कही। उन्होंने देश में बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कई जरूरी जानकारियां दीं। वे यहां पर अनुयश आरोग्य प्रतिष्ठान एवं मधुमेह मुक्त भारत अभियान के तत्वावधान में आयोजित एक कार्यक्रम में आए। डॉक्टर नांदेडकर का मानना है कि यदि समय पर इस बीमारी की पहचान कर ली जाए, व्यापक स्तर पर जनजागरूकता फैलाई जाए और सामाजिक सहयोग मिले, तो देश के हजारों बच्चों का भविष्य सुरक्षित किया जा सकता है।

डॉक्टर नांदेडकर ने टाइप-1 डायबिटीज इंडेक्स के आंकड़ों का हवाला देते हुए एक चिंताजनक हकीकत सामने रखी। उन्होंने बताया कि मौजूदा समय में भारत में लगभग 9.9 लाख बच्चे इस खतरनाक बीमारी से प्रभावित हैं। उन्होंने इस बीमारी की प्रकृति को स्पष्ट करते हुए कहा कि टाइप-1 डायबिटीज मूल रूप से एक ऑटो-इम्यून रोग है। इस बीमारी की स्थिति में मरीज के शरीर का अग्न्याशय पूरी तरह से इंसुलिन बनाना बंद कर देता है। इंसुलिन न बनने के कारण ऐसे पीड़ित बच्चों को जीवनभर कृत्रिम इंसुलिन के सहारे रहना पड़ता है और उन्हें लगातार विशेषज्ञ मार्गदर्शन की अत्यंत आवश्यकता होती है।

इस गंभीर चुनौती से निपटने और पीड़ित बच्चों की मदद के लिए अनुयश आरोग्य प्रतिष्ठान द्वारा देशव्यापी स्तर पर बाल मधुमेही दत्तक योजना चलाई जा रही है। इस विशेष योजना के अंतर्गत 18 वर्ष तक की आयु के बच्चों का 100 प्रतिशत निःशुल्क पंजीकरण किया जाता है। इसके साथ ही संस्थान की ओर से बच्चों को उचित चिकित्सकीय मार्गदर्शन और उनके द्वारा विशेष रूप से विकसित की गई हर्बल औषधि डायबा-टी पूरी तरह से मुफ्त उपलब्ध कराई जाती है। आंकड़ों के अनुसार अब तक देश के 2,000 से अधिक बच्चे इस कल्याणकारी योजना का प्रत्यक्ष लाभ उठा चुके हैं। इस महत्वपूर्ण अवसर पर हर्बायु वेलनेस इंडिया के सीओओ विजय निंबालकर और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रचारक विशाल खानवलकर भी मौजूद रहे, जिन्होंने समाज के सभी वर्गों से इस अभियान में बढ़-चढ़कर सहयोग करने की अपील की।

अमरनाथ यात्रा का पांचवां जत्था जम्मू से रवाना

जम्मू। अमरनाथ यात्रा सोमवार तड़के 5,794 श्रद्धालुओं का एक और जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच रवाना हुआ। अधिकारियों के अनुसार, इस जत्थे में 1,211 महिलाएं, 21 बच्चे, 599 साधु और 76 साध्वियां शामिल हैं।

■ 60 हजार पार पहुंचे दर्शनार्थी

श्रद्धालुओं को अलग-अलग काफिलों में सुबह 3:10 बजे से 3:45 बजे के बीच रवाना किया गया। इनमें से 3,490 श्रद्धालु 139 वाहनों के जरिए पहलगाम स्थित नुनवान आधार शिविर के लिए निकले, जबकि 2,304 श्रद्धालु 128 वाहनों से बालटाल आधार शिविर की ओर रवाना हुए।

अधिकारियों ने बताया कि यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक करीब 60 हजार श्रद्धालु पवित्र अमरनाथ गुफा में बाबा बर्फानी के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा इस वर्ष 3 जुलाई से शुरू हुई थी। श्रद्धालु पारंपरिक 48 किलोमीटर लंबे पहलगाम-नुनवान मार्ग और 14 किलोमीटर लंबे लेकिन अधिक कठिन बालटाल मार्ग से यात्रा कर रहे हैं। दक्षिण हिमालय में समुद्र तल से लगभग 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा तक चलने वाली 57 दिवसीय अमरनाथ यात्रा 28 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन संपन्न होगी।

दिल्ली में मानसून एक्सप्रेस ने पकड़ी रफ्तार

वीकेंड पर झमाझम बारिश ने मौसम किया सुहाना

नई दिल्ली। दिल्ली में मानसून एक्सप्रेस ने और गति पकड़ ली है। ऐसे में रविवार दोपहर को आई झमाझम बारिश ने वीकेंड पर मौसम को सुहाना बना दिया। सुबह सूर्यदेव अपना कहर बरपा रहे थे। लेकिन, सुबह 10 बजे के आसपास आसमान में एकदम से बादल छा गए। साथ ही, तेज हवा भी चलने लगी। कुछ ही देर में बारिश शुरू हो गई और इससे मौसम सुहाना हो गया। इससे कुछ जगह सड़कों पर जलभराव देखने को मिला। मौसम विभाग ने खबर लिखे जाने तक पूरी दिल्ली में आंधी और हल्की से मध्यम बारिश का यलो अलर्ट अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, सफदरजंग मानक केंद्र में शाम 5:30 बजे तक 6.4 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। साथ ही, छतरपुर में 48.5, रिज में 10.2 और जनकपुरी में 7 एमएम बारिश रिकॉर्ड हुई। इस दौरान अधिकतम तापमान 35.5 और न्यूनतम तापमान 29.2 डिग्री दर्ज हुआ। दिल्ली में अधिकतम आर्द्रता 87 प्रतिशत और न्यूनतम आर्द्रता 70 प्रतिशत रही। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान 26-29 और अधिकतम तापमान 35-36 डिग्री सेल्सियस के दायरे में रहा है।

कुत्तों की लड़ाई में मालिकों की हाथापाई

देहरादून। पालतू कुत्तों के बीच शुरू हुआ विवाद देखते ही देखते खूनी संघर्ष में बदल गया। नेहरू कॉलोनी क्षेत्र में एक पिटबुल के दूसरे पालतू कुत्ते पर झपटने के बाद दोनों पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि विवाद इतना बढ़ गया कि लाठी-डंडे और धारदार हथियार चल गए। इस हमले में शहर कोतवाली में तैनात दरोगा नवीन भारद्वाज और उनके बेटे के सिर पर गंभीर चोटें आईं। दरोगा के सिर में छह टांके लगे, जबकि उनके बेटे के सिर पर भी चार टांके लगाने पड़े। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तहरीर के अनुसार, दो जुलाई को नवीन भारद्वाज अपने परिवार के साथ छह नंबर पुलिया स्थित आदर्श कॉलोनी में पोते के मुंडन समारोह में शामिल होने गए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह अपने पालतू कुत्ते को चेन से बांधकर गाड़ी की ओर जा रहे थे। इसी दौरान आरोप है कि पड़ोसी धर्मेंद्र प्रसाद भट्ट का पिटबुल घर के गेट से बाहर निकल आया और उनके कुत्ते की गर्दन पर झपट पड़ा।

■ पिटबुल ने किया हमला लाठियों से किया वार

■ दरोगा और बेटे का सिर फूटा

काफी प्रयास के बाद दरोगा और उनके बेटे ने दोनों कुत्तों को अलग कराया। आरोप है कि इस दौरान जब उन्होंने पिटबुल को नियंत्रित रखने की बात कही तो कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दूसरे पक्ष के लोग घर से लाठी-डंडे व धारदार हथियार लेकर बाहर आ गए। पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने सड़क पर ही उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान दरोगा नवीन भारद्वाज के सिर पर धारदार हथियार से वार किया गया, जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़े। उन्हें बचाने पहुंचे उनके बेटे पर भी हमला कर दिया गया, जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई। दोनों घायलों को उपचार के लिए दून अस्पताल ले जाया गया।

शादी का झांसा देकर करता रहा यौन शोषण

आखिर चढ़ा पुलिस के हत्थे

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस क्राइम ब्रांच की आरके पुरम एनडीआर यूनिट ने नाबालिग की तस्करी और यौन शोषण के मुख्य आरोपी मोहम्मद फिरोज को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया था। डीजीपी क्राइम ब्रांच चंद्र कुमार सिंह ने बताया कि फिरोज से पूछताछ जारी है। यह मामला गोविंदपुरी थाने में 2023 में दर्ज हुआ था। किशोरी तुगलकाबाद एक्सटेंशन में पर्स बनाने का काम सीख रही थी। इसी दौरान वह मोहम्मद फिरोज (46) के संपर्क में आई। फिरोज मूल रूप से मुजफ्फरपुर, बिहार का निवासी है। वह गुरुग्राम के उद्योग विहार में एक फैक्टरी में काम करता था। आरोप है कि फिरोज ने किशोरी को बहलाया। वह उसे अलग-अलग जगह ले गया। उसने शादी का झांसा देकर किशोरी का यौन शोषण किया। बाद में फिरोज ने 2 लाख रुपये लेकर किशोरी की शादी करा दी। यह शादी झुंझुनू, राजस्थान में किसी अन्य व्यक्ति से कराई गई थी। पीड़िता के परिजनों ने पुलिस से संपर्क किया। इसके बाद पुलिस ने किशोरी को बचाया। चिकित्सकीय जांच में किशोरी के यौन उत्पीड़न की पुष्टि हुई। इस मामले में पोक्सो एक्ट समेत अन्य धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई थी।

सिया ने केतन मर्डर से पहले राजा रघुवंशी केस पढ़ा

पुणे। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड की मुख्य आरोपी सिया गोयल ने वारदात से पहले इंदौर के राजा रघुवंशी हत्याकांड की जानकारी जुटाई थी। पुलिस के मुताबिक सिया ने इंटरनेट पर यह भी सर्च किया था कि क्या पुलिस कस्टडी में महिलाओं के साथ मारपीट होती है। यह पूरी जानकारी सिया के दोनों मोबाइल की सर्च हिस्ट्री से मिली। पुलिस 2 दिन पहले सिया को उसके घर लेकर गई थी, जहां उसके बेडरूम से दूसरा मोबाइल भी जब्त किया है। घटना वाले दिन के कुछ चश्मदीद भी मिले हैं, जिनके बयान जांच को और मजबूत कर रहे हैं। आरोप है कि 18 जून को सिया और चेतन ने केतन को पुणे के लोहगढ़ किले से 400 फीट गहरी खाई में धक्का दे दिया था। फिलहाल दोनों 16 जुलाई तक येरवदा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। सिया गोयल के पिता ने उन दावों को खारिज कर दिया है कि उसने मीडिया की ओर कोई अश्लील इशारा किया था। उनका कहना है कि वायरल वीडियो का गलत मतलब निकाला गया। उनके मुताबिक, कानूनी औपचारिकताओं के लिए पुलिस जब सिया को घर ला रही थी, तब कार का दरवाजा बंद होने से उसकी दो उंगलियों में चोट लग गई थी। सिया वही चोट दिखा रही थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि उस समय मौजूद पुलिसकर्मियों से इन चोटों की पुष्टि की जा सकती है। यह विवाद एक वायरल वीडियो से शुरू हुआ, जिसमें पुलिस की हिरासत में ले जाते समय सिया आपत्तिजनक इशारा करती हुई दिखाई दी।

■ मोबाइल हिस्ट्री से पता चला

■ पता किया कि क्या कस्टडी में महिला से मारपीट होती है

घरेलू विवाद में नशे के आदी बेटे ने मां को मारी गोली

एम्स में लड़ रही जिंदगी की जंग

ऋषिकेश। ऋषिकेश में रविवार को रिश्तों को शर्मसार कर देने वाली सनसनीखेज वारदात सामने आई। आईडीपीएल चौकी क्षेत्र की विस्थापित कॉलोनी में एक युवक ने घरेलू विवाद के दौरान अपनी ही मां को गोली मार दी। गंभीर रूप से घायल महिला को उपचार के लिए एम्स ऋषिकेश में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। वहीं, आरोपी बेटे को भी गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार, विस्थापित कॉलोनी गली नंबर-3 निवासी उषा देवी और उनके बेटे सुमित गौड़ के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी हिंसक रूप ले गई और आरोप है कि गुस्से में सुमित ने अपनी मां पर गोली चला दी। गोली लगते ही उषा देवी लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ीं। गोली चलने की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। घटनास्थल का मंजर देखकर लोगों के होश उड़ गए।

एक नजर

ट्रक-बुलेरो की बीच भीषण टक्कर में पांच की मौत

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में सोमवार दोपहर आष्टा-शुजालपुर मार्ग पर ग्राम मेना गोदी के पास भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार ट्रक और बोलेरो की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी भीषण थी कि बुलेरो के परखच्चे उड़ गए और उसमें सवार कई लोग वाहन के अंदर फंस गए। स्थानीय लोगों ने तत्काल राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से सिविल अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी और चीख-पुकार का माहौल बन गया। सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंची तथा राहत कार्य शुरू कराया। पुलिस ने दुर्घटना की जांच शुरू कर दी है। मृतकों की पहचान और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है।

गुजरात में शेरनी का किसान पर हमला

हाथ जबड़े में आधे घंटे दबाए रही, फिर छोड़ा

भावनगर। गुजरात में भावनगर के पालीताना तालुका में सोमवार सुबह शेरनी ने किसान पर हमला कर दिया। किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया कि शेरनी ने मेरी पीठ पर वार किया और मुझे गिरा दिया। फिर उसने मेरा हाथ अपने मुंह में पकड़ लिया। उसने मुझे करीब आधे घंटे तक पकड़े रखा। इसका एक वीडियो भी चल रहा है। कालूभाई ने बताया, मैं लगातार उससे छूटने की कोशिश करता रहा। मैंने उसे खरोंचा भी, लेकिन उसकी पकड़ मजबूत थी। शेरनी ने इसके पहले एक और व्यक्ति पर हमले की कोशिश की, लेकिन उसने भाग कर खुद को घर में बंद कर लिया। भावनगर, गिर नेशनल पार्क के इलाके में है। यहां अक्सर घरों और खेतों के आसपास शेर देखे जा सकते हैं। किसान कालूभाई बोगभाई परमार ने बताया, मैं सुबह 10.30 बजे अपनी गाय को चारा खिलाने जा रहा था। तभी यह घटना हुई। मैंने खुद को बचाने के लिए शेरनी को खरोंचा, जिससे उसने मेरा हाथ छोड़ दिया। उन्होंने बताया, मैं तुरंत वहां से भागा। इसके बाद शेरनी मेरी गाय के पीछे चली गई। वीडियो में देखा जा सकता है कि शेरनी जमीन पर बैठी है और आदमी को दबाए हुए है। शेरनी ने आदमी के पैर पर काट लिया। आदमी अपनी जान बचाने के लिए संघर्ष कर रहा है।

घर बुलाकर बॉयफ्रेंड की हत्या कुल्हाड़ी से गर्दन काटी

फरीदकोट। फरीदकोट में बॉयफ्रेंड की घर बुलाकर हत्या कर दी गई। परिजनों ने कहा कि एक महिला उस पर अपने साथ संबंध रखने का दबाव बना रही थी। जब युवक ने इनकार किया तो महिला ने उसे अपने घर बुला लिया। वहां महिला, उसके पति और भाई ने हाथ-पैर और मुंह बांध दिए। इसके बाद कुल्हाड़ी से उसकी गर्दन काट दी। मृतक की पहचान धारा सिंह कॉलोनी निवासी 26 वर्षीय अर्शदीप सिंह के रूप में हुई है। वह मूल रूप से गांव हसनभट्टी का रहने वाला था। मृतक के पिता हरनेक सिंह ने बताया कि वह पंजाब पुलिस की कमांडो बटालियन में हेड कांस्टेबल हैं और उनकी ड्यूटी चंडीगढ़ में है। उनका बड़ा बेटा अर्शदीप सिंह शादीशुदा था और पिछले कुछ दिनों से काफी परेशान चल रहा था। वहीं डीएसपी तरलोचन सिंह ने बताया कि इस मामले में आरोपी महिला और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने कथित तौर पर योजना बनाकर युवक को घर बुलाया और उसकी हत्या कर दी।

शोपियां में लश्कर के दो आतंकियों की सुरक्षाबलों को तलाश

विक्टर फोर्स ने संभाला मोर्चा

शोपियां। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-ताइबा के दो स्थानीय आतंकियों की तलाश में चल रहा सर्च ऑपरेशन सोमवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। सुरक्षाबलों ने सुबह होते ही तलाशी अभियान फिर शुरू कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, दोनों आतंकी शुक्रवार को मीमंदर इलाके के एक घने बाग में लगे कैमरों में दिखाई दिए थे। इसके बाद सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) ने संयुक्त अभियान चलाते हुए पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी। रविवार शाम तक आसपास के चार गांवों में तलाशी पूरी कर ली गई थी। सुरक्षा एजेंसियों ने दोनों आतंकियों की पहचान कुलगाम जिले के रहने वाले लतीफ और जाकिर के रूप में की है। बताया जा रहा है कि सुरक्षाबलों के करीब पहुंचने पर आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी, जिसके जवाब में जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई की। इसके बाद दोनों आतंकी घने बाग में छिप गए। आतंकियों के भागने की आशंका को देखते हुए सेना की विशेष काउंटर-इंसर्जेंसी यूनिट विक्टर फोर्स की अतिरिक्त टुकड़ियां तैनात की गई हैं। पूरे इलाके में संभावित निकास मार्गों पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है और रात के समय भी सर्च ऑपरेशन जारी रखने के लिए क्षेत्र में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था की गई है। सुरक्षा अधिकारियों के मुताबिक, गर्मियों में बागों की घनी हरियाली आतंकियों को छिपने में मदद करती है, जिससे निगरानी और तलाशी अभियान चुनौतीपूर्ण हो जाता है। रिकॉर्ड के अनुसार जाकिर वर्ष 2024 से लश्कर-ए-ताइबा से जुड़ा हुआ है, जबकि लतीफ पिछले वर्ष इस आतंकी संगठन में शामिल हुआ था।

महाकाल के दर्शन करने आए नोएडा के दंपती पर हमला

पार्किंग के विवाद लेकर महिला को मारा चाकू

उज्जैन। बाबा महाकाल के दर्शन करने आए श्रद्धालुओं के साथ गुंडागर्दी का शर्मनाक मामला सामने आया है। नोएडा से आए ट्रांसपोर्ट कारोबारी और उनकी पत्नी पर फूल-प्रसाद बेचने वाले दबंगों ने हमला कर दिया। विरोध करने पर महिला को चाकू मारकर घायल कर दिया और गाड़ी के कांच भी तोड़ दिए। नोएडा के गौतमबुद्ध नगर निवासी बलराम दीक्षित (31) अपनी पत्नी रितु और परिवार के साथ शनिवार रात महाकाल दर्शन करने उज्जैन आए थे। रात करीब 9:45 बजे चारधाम मंदिर के सामने कार पार्क करने को लेकर फूल-प्रसाद बेचने वाले कमल प्रजापत और कालू कहार दोनों निवासी जयसिंहपुरा से विवाद हो गया। आरोप है कि दोनों ने पार्किंग के नाम पर 500 रुपये मांगे। मना करने पर गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट पर उतर आए। बीच-बचाव करने पहुंचीं पत्नी रितु पर कालू कहार ने चाकू से हमला कर दिया। चाकू रितु के हाथ में लगा और वो लहूलुहान हो गईं। इसके बाद दबंगों ने दंपती की स्कार्पियो के कांच भी फोड़ दिए। घायल रितु को चरक अस्पताल ले जाया गया। सूचना पर महाकाल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों आरोपियों को हिरासत में लिया।

ऑनलाइन बाल यौन शोषण पर एसटीएफ की बड़ी कार्रवाई

52 मुकदमे दर्ज, परिजनों से गतिविधियों पर नजर रखने की अपील

देहरादून। उत्तराखंड में बच्चों से जुड़े ऑनलाइन यौन शोषण और आपत्तिजनक सामग्री के मामलों को लेकर स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने सख्त रुख अपनाया है। एसटीएफ साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने ऐसे मामलों में लगातार कार्रवाई करते हुए जून 2026 के दौरान राज्य के विभिन्न जनपदों में 52 एफआईआर दर्ज की हैं। पुलिस का कहना है कि बच्चों से संबंधित अश्लील एवं आपत्तिजनक सामग्री के प्रसारण, संग्रहण और साझा करने वाले लोगों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कठोर कानूनी कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि 2026 में नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रेन से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर लगातार कार्रवाई की जा रही है। मई माह में भी करीब एक दर्जन मुकदमे दर्ज किए गए थे, जबकि जून में यह संख्या बढ़कर 52 तक पहुंच गई। सभी मामलों में आरोपियों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने की प्रक्रिया जारी है। एसटीएफ अधिकारियों का कहना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म, मैसेजिंग एप और क्लाउड स्टोरेज जैसी डिजिटल सेवाओं का दुरुपयोग कर बच्चों से जुड़ी आपत्तिजनक सामग्री साझा करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। ऐसे मामलों को अत्यंत गंभीर अपराध मानते हुए त्वरित कार्रवाई की जा रही है।

क्या पंचायत चुनाव टलने पर फिर घिरेगी सरकार ? हाईकोर्ट में कंटेम्प्ट याचिका दाखिल

राजस्थान। राजस्थान में पंचायत चुनाव की लड़ाई एक बार फिर हाईकोर्ट के दरवाजे पहुंच गई है। हाईकोर्ट ने 22 मई 2026 को दिए अपने फैसले में स्पष्ट निर्देश दिए थे कि ग्राम पंचायतों और नगर निकायों सहित सभी स्थानीय निकायों के चुनाव 31 जुलाई 2026 तक संपन्न कराए जाएं।

लेकिन राज्य सरकार, राज्य निर्वाचन आयोग के स्तर पर अब तक चुनावों की तारीखों का ऐलान नहीं किया गया है। ऐसे में याचिकाकर्ता संयम लोढ़ा की तरफ से अधिवक्ता पुनीत सिंघवी ने सोमवार को राजस्थान हाईकोर्ट की जयपुर पीठ में अवमानना (कंटेम्प्ट) याचिका दायर की है। याचिका में राज्य निर्वाचन आयोग, पंचायती राज विभाग और स्वायत्त शासन विभाग के चार वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों को प्रतिवादी बनाया गया है।

22 मई को हाईकोर्ट ने अपने फैसले में यह भी निर्देश दिए थे कि नगरीय निकायों में वार्डों के परिसीमन और मतदाता सूची पुनरीक्षण का कार्य 20 जून 2026 तक पूरा किया जाए। राज्य सरकार में शहरी निकायों के प्रशानिक विभाग स्वायत्त शासन ने 15 जून को ओबीसी आयोग के सचिव को चिट्ठी लिखकर नगरीय निकायों में अति पिछड़ा वर्ग के आरक्षण से संबंध में सूचना उपलब्ध करवाने के लिए कहा था।

इस चिट्ठी में कहा गया कि विभाग द्वारा राज्य निर्वाचन आयोग को राजस्थान नगरपालिका (निर्वाचन) नियम, 1994 के नियम 5 व 6 के अनुसार विभिन्न वर्गों यथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग एवं महिला वर्ग के पदों के आरक्षण की सूचना पिछड़ा आयोग की रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद ही प्रेषित की जा सकेगी। सूत्रों के अनुसार ओबीसी आयोग ने रिपोर्ट तैयार करने के लिए सरकार से जो आंकड़े मांगे थे वह सरकार की तरफ से कंप्लीट नहीं किए गए।

याचिका में कहा गया है कि अदालत ने अपने फैसले में यह भी स्पष्ट कर दिया था कि राजस्थान अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग की रिपोर्ट का इंतजार किए बिना चुनाव कराए जाएं और आयोग की रिपोर्ट में देरी चुनाव टालने का आधार नहीं बन सकती। इसके बावजूद राज्य सरकार और संबंधित विभाग लगातार ओबीसी आयोग की रिपोर्ट तथा ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया का हवाला देते रहे।

याचिका के अनुसार 1 जून, 15 जून, 16 जून और 23 जून 2026 के बीच राज्य निर्वाचन आयोग, पंचायती राज विभाग, स्वायत्त शासन विभाग और ओबीसी आयोग के बीच हुए आधिकारिक पत्राचार से स्पष्ट है कि अधिकारी चुनावी प्रक्रिया आगे बढ़ाने के बजाय ओबीसी आयोग की रिपोर्ट का इंतजार करते रहे। जबकि हाईकोर्ट पहले ही इस आधार को अस्वीकार कर चुका था। याचिकाकर्ता ने कहा है कि संबंधित अधिकारियों का यह रवैया हाईकोर्ट के स्पष्ट और बाध्यकारी आदेशों की जानबूझकर अवहेलना है, जो अवमानना अधिनियम, 1971 की धारा 2(बी) और धारा 12 के तहत सिविल कंटेम्प्ट की श्रेणी में आता है।

लॉरेंस बिश्नोई गैंग के दो शूटर मुठभेड़ में ढेर

नई दिल्ली। दिल्ली और हरियाणा पुलिस ने हांसी के जिम ट्रेनर कपिल हत्याकांड के दो मुख्य आरोपी शूटरों प्रवेश व हिमांशु को बहादुरगढ़ में मुठभेड़ में मार गिराया। गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से जुड़े दोनों शूटर हिसार के रहने वाले थे। इन पर हरियाणा पुलिस ने एक-एक लाख रुपये का इनाम घोषित किया था। बदमाशों की गोली लगने से दिल्ली पुलिस का सिपाही अंकित भी घायल हो गया। पुलिस के अनुसार दोनों आरोपी किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम और हरियाणा की एसटीएफ की टीम ने यह कार्रवाई की। स्पेशल सेल के अतिरिक्त पुलिस आयुक्त पीएस कुशवाह ने बताया कि 11 जून को हिसार के हांसी में जिम ट्रेनर कपिल की हत्या और उसी दिन दिल्ली के पश्चिम विहार स्थित गायक गुरु रंधावा के जिम 24 ऑवर फिटनेस पर गोलीबारी की गई थी। दोनों वारदात की जिम्मेदारी लॉरेंस समर्थित गैंगस्टर हैरी बॉक्सर व अनिल पंडित के गिरोह ने ली थी। जांच में प्रवेश व हिमांशु का नाम सामने आया था।

■ जिम ट्रेनर का किया कत्ल, गुरु रंधावा के जिम पर फायरिंग में भी थे शामिल

गिरफ्तार शूटरों से मिला था पुलिस को भागे हुए आरोपियों का सुराग

दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलिजेंस टीम और हरियाणा पुलिस की बहादुरगढ़ एसटीएफ की टीम की कार्रवाई में ढेर शूटर प्रवेश और हिमांशु के बारे में गिरफ्तार शूटरों से आरोपियों का सुराग मिला था। स्पेशल सेल ने 25 जून को पश्चिम विहार ईस्ट के नाला रोड पर मुठभेड़ के बाद जिम पर गोलीबारी करने वाले दो अन्य शूटर हकीकत उर्फ साहिल और सागर को गिरफ्तार किया था। दोनों हरियाणा के सोनीपत जिले के रावरा गांव के रहने वाले हैं।

सेंसेक्स 521 अंक उछला, निफ्टी 24400 के पार पहुंचा

नई दिल्ली। सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में शानदार रौनक रही। सकारात्मक घरेलू और वैश्विक संकेतों के दम पर सेंसेक्स और निफ्टी लगातार चौथे कारोबारी सत्र में बढ़त के साथ बंद हुए। देश के कई हिस्सों में हुई भारी बारिश से अच्छे मानसून की उम्मीदें फिर जिंदा हो गई हैं, जिससे निवेशकों

■ शेयर बाजार हरे निशान पर बंद

का सेंटीमेंट काफी मजबूत हुआ। इसके साथ ही, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की खरीदारी ने बाजार की तेजी को सहारा दिया। इस चौतरफा खरीदारी के चलते सेंसेक्स जहां 521 अंक चढ़ा, वहीं निफ्टी ने 24,400 के मनोवैज्ञानिक स्तर को पार कर लिया। डॉलर के मुकाबले रुपया 20 पैसे गिरकर 95.38 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

सोमवार को सेंसेक्स और निफ्टी ने क्लोजिंग के समय क्या आंकड़े दर्ज किए?

सोमवार को दोनों मुख्य सूचकांकों ने जोरदार प्रदर्शन किया। सेंसेक्स 521 अंक की छलांग लगाकर बंद हुआ, वहीं निफ्टी 50 ने 24,400 के पार बंद होने में सफलता हासिल की। हालांकि, इस तेजी के बावजूद **व्यापक बाजार का रुझान नकारात्मक रहा। एनएसई पर कुल 1,769 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,578 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, और 115 शेयर सपाट बंद हुए।

इससे साफ है कि बाजार में तेजी चुनिंदा सेक्टरों और बड़े शेयरों तक ही अधिक सीमित थी।

बाजार में इस जबरदस्त उछाल के पीछे कौन से छह मुख्य कारण रहे?

विशेषज्ञों के अनुसार, बाजार को मजबूत करने में निम्नलिखित छह प्रमुख की सबसे बड़ी भूमिका रही-मानसून~ देश में हुई भारी बारिश से अच्छे मॉनसून की उम्मीदें फिर से जाग उठी हैं ।

एफआईआई की खरीदारी~ विदेशी संस्थागत निवेशक भारतीय बाजार में शुद्ध खरीदार बने हैं।

संघर्ष विराम की उम्मीद~ अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविराम की उम्मीदों ने वैश्विक अनिश्चितता कम की। सस्ता कच्चा तेल~ कच्चे तेल की कीमतें 72 डॉलर प्रति बैरल से नीचे गिर गई हैं।

कम होती बॉन्ड यील्ड~ बॉन्ड यील्ड में आई गिरावट ने इक्विटी बाजार को आकर्षक बनाया।

दिग्गज शेयरों में लिवाली~ हैवीवेट शेयरों में खरीदारी ने सूचकांकों को सीधे सहारा दिया।

किन खास सेक्टर्स और शेयरों में तेजी रही और कहां मुनाफावसूली दिखी?

सोमवार को बाजार की तेजी की अगुवाई मेटल और एनर्जी सेक्टरों ने की। व्यक्तिगत शेयरों में हिंडाल्को और ओएनजीसी के शेयर 3-3त्न से ज्यादा की बढ़त के साथ सबसे आगे रहे।

सोने की कीमतों में 150 रुपये की गिरावट, चांदी भी 5,000 रुपये टूटी

नई दिल्ली। वैश्विक बाजार में हो रहे आर्थिक बदलावों और अमेरिकी डॉलर की मजबूती का सीधा असर घरेलू सर्राफा बाजार पर दिखने लगा है। लगातार चार दिनों से चांदी की कीमतों में आ रही तेजी सोमवार को अचानक थम गई और इसमें भारी गिरावट दर्ज की गई। वहीं, सोने की चमक भी थोड़ी फीकी पड़ी है। निवेशकों की नजरें इस वक्त अमेरिका के महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़ों और पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर टिकी हैं, जिसके चलते कीमती धातुओं में मुनाफावसूली का दौर देखने को मिल रहा है।

दिल्ली सर्राफा बाजार में आज सोने-चांदी का क्या भाव रहा?

राजधानी दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोमवार को सोने और चांदी, दोनों ही कीमती धातुओं के भाव में नरमी देखने को मिली। सोने की कीमत 150 रुपये गिरकर 1,50,650 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गई।

पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले इस सोने का बंद भाव 1,50,800 रुपये प्रति 10 ग्राम था। वहीं, चांदी को बड़ा झटका लगा है। पिछले चार दिनों से इसमें जारी तेजी का सिलसिला टूट गया और इसकी कीमत में सीधे 5,000 रुपये की भारी गिरावट दर्ज की गई। स्थानीय डीलर्स के मुताबिक, शुक्रवार को 2,45,000 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद होने वाली चांदी अब 2,40,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स सहित) पर आ गई है। अगर अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें, तो वहां भी सुस्ती है। स्पॉट गोल्ड की कीमत गिरकर 4,160.60 डॉलर प्रति औंस और चांदी 62.24 डॉलर प्रति औंस पर आ गई है।

सोने और चांदी की कीमतों में क्यों आई यह गिरावट- इस गिरावट के पीछे सबसे बड़ी वजह मजबूत अमेरिकी डॉलर और सुस्त ग्लोबल ट्रेंड है। जब भी अंतरराष्ट्रीय बाजार में डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य करेंसी वाले निवेशकों के लिए सोना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी डिमांड घटती है। इसके अलावा, पश्चिम एशिया में वाशिंगटन और तेहरान (अमेरिका-ईरान) के बीच चल रहे भू-राजनीतिक तनाव और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मौद्रिक नीति को लेकर अनिश्चितता ने भी निवेशकों को सतर्क कर दिया है। इसी उधेड़बुन के बीच ट्रेडर्स अपनी पोजीशन हल्की कर रहे हैं।

बाजार के जानकारों का इस पर क्या कहना है- बाजार विश्लेषकों का मानना है कि निवेशक अभी वेट एंड वॉच के मोड में हैं। लेमन मार्केट्स डेस्क के रिसर्च एनालिस्ट गौरव गर्ग का कहना है, सोमवार को घरेलू बाजार में सोने की कीमतों में हल्की गिरावट आई है। निवेशक वाशिंगटन-तेहरान के बीच के जटिल हालातों पर नजर बनाए हुए हैं।

भारत टैक्सी की तर्ज पर शुरू होगी नई सहकारी जीवन बीमा कंपनी : अमित शाह

नई दिल्ली। देश के सहकारिता आंदोलन को नया जीवन देने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने के लिए केंद्र सरकार ने एक ऐतिहासिक नीतिगत पहल की है। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारिता मंत्रालय के पांचवें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित एक भव्य समारोह में घोषणा की कि देश में सहकारी समितियों के विकास को तेज करने के लिए जल्द ही एक नई सहकारी लाइफ इंश्योरेंस (जीवन बीमा) कंपनी का गठन किया जाएगा। उन्होंने साफ किया कि सहकारिता आंदोलन, जो कांग्रेस शासन के दौरान एक उपेक्षित आंदोलन बन चुका था, उसे इस मंत्रालय के गठन से एक महत्वपूर्ण %लाइफलाइन% मिली है। देश के लगभग 8.5 लाख सहकारिता संगठनों और 30 करोड़ से अधिक सदस्यों के लिए यह पहल एक दूरगामी गेम-चेंजर साबित होने वाली है। **बीमा और परिवहन क्षेत्र में सहकारी मॉडल के विस्तार को लेकर सरकार की क्या योजना है-** केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने बताया कि देश में सहकारी मॉडल पर आधारित भारत टैक्सी का कामकाज बेहद शानदार रहा है और आगामी दो वर्षों में इसका विस्तार 500 शहरों में करने की ठोस तैयारी है। इसी मॉडल की तर्ज पर, बीमा क्षेत्र में सहकारी समितियों की हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए एक स्वतंत्र सहकारी जीवन बीमा कंपनी स्थापित की जाएगी। उन्होंने इस बात का भी उल्लेख किया कि उर्वरक क्षेत्र की दिग्गज सहकारी संस्था इफको (आईएफएफसीओ) पहले से ही एक जापानी फर्म के साथ संयुक्त उद्यम (जॉइंट वेंचर) के जरिए बीमा व्यवसाय में सक्रिय है। यह नई कंपनी सीधे तौर पर सहकारिता क्षेत्र को वित्तीय सुरक्षा के दायरे में लाकर उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित करेगी। **ग्रामीण स्तर पर पैक्स (पीएसीएस) के डिजिटलीकरण और क्षमता निर्माण के लिए कौन से कदम उठाए गए हैं-**सहकारिता क्षेत्र को पेशेवर, पारदर्शी और आधुनिक बनाने के लिए मंत्रालय ने महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

टर्म इंश्योरेंस या एंडोमेंट प्लान : आपके परिवार के लिए कौन-सा सुरक्षा कवच है सही?

नई दिल्ली। अगर तेज बारिश में घर से निकलना है, तो हम छाता साथ ले जाते हैं, ताकि भीगें नहीं। जिस तरह से छाता बारिश से बचाता है, ठीक उसी तरह बीमा बुरे वक्त में आपके परिवार को मुश्किलों से बचाता है। लेकिन आज बाजार में इतने प्रकार के जीवन बीमा हैं कि हम उलझन में पड़ जाते हैं।

टर्म इंश्योरेंस लें या एंडोमेंट प्लान, सबसे बड़ा सवाल है- कौन-सा बेहतर है?

बीमा और निवेश की उलझन दूर कीजिए ज्यादातर लोग बीमा को निवेश का एक जरिया मानते हैं। गड़बड़ यहीं से शुरू होती है। बीमा का काम है, अगर आपको कुछ हो जाए, तो परिवार को पैसों के जरिये सुरक्षा देना। दूसरी तरफ निवेश का काम है, आपके पैसे को समय के साथ बढ़ाना, ताकि आप अपने जीवन के लक्ष्य हासिल कर सकें। दोनों अलग-अलग काम हैं और दोनों ही जरूरी भी हैं। लेकिन बाजार में एजेंट्स हों या बैंक कर्मचारी अक्सर ऐसे प्लान बेचते हैं, जिनमें बीमा और निवेश दोनों का साथ होता है। दिक्कत यह है कि जब दोनों काम एक ही प्लान में मिला दिए जाते हैं, तो न पूरी सुरक्षा मिलती है और न अच्छी कमाई। ऐसा प्लान दोनों तरफ से कमजोर रह जाता है।

सुरक्षा और निवेश अलग क्यों रखें?

एक आसान उदाहरण से समझते हैं- मान लीजिए आप दाल और चावल एक ही बर्तन में एक साथ पकाएं, तो न दाल ठीक से बनेगी और न चावल। इसलिए हमेशा दोनों चीजों को अलग-अलग बर्तन में पकाते हैं, ताकि दोनों स्वादिष्ट बनें। पैसों के साथ भी यही बात है। परिवार की सुरक्षा के लिए टर्म इंश्योरेंस होना चाहिए और लक्ष्य हासिल करने के लिए म्यूचुअल फंड जैसे साधनों में अलग से निवेश कीजिए। इससे कम खर्च में बड़ी सुरक्षा और बेहतर कमाई, दोनों एक साथ मिलते हैं। समझदार परिवार यही रास्ता चुनते हैं।

किसे चुनना चाहिए टर्म इंश्योरेंस और क्यों?

यदि परिवार के किसी सदस्य पर जिम्मेदारी है, तब टर्म इंश्योरेंस उसके लिए सबसे जरूरी है। घर के हर कमाने वाले सदस्य को यह जरूर प्लान लेना चाहिए, क्योंकि आज के समय में एक से ज्यादा सदस्य का कामना आवश्यक हो गया है। टर्म इंश्योरेंस में बहुत कम पैसे में बड़ा रिस्क कवर मिलता है, जिससे आपके न रहने पर भी परिवार में आने वाले लक्ष्य हासिल किए जा सकें। जो पैसा प्रीमियम में बचता है, उसे आप म्यूचुअल फंड में लगाकर बच्चों की पढ़ाई या अपना घर जैसे बड़े सपने आसानी से पूरे कर सकते हैं।

एंडोमेंट प्लान किसके लिए और कब बेहतर- एंडोमेंट प्लान उन लोगों के लिए ठीक है, जो बाजार के उतार-चढ़ाव के साथ नहीं जाना चाहते। जो पूरी तरह सुरक्षित, गारंटी वाली बचत चाहते हैं। जो आत्मसंयम से बचत नहीं कर पाते, उनके लिए यह जबरन बचत की एक अच्छी आदत बना देता है। लेकिन एक बात हमेशा याद रखें, इसे परिवार की सुरक्षा का मुख्य साधन कभी न बनाएं, क्योंकि इसमें सुरक्षा कवच छोटा रहता है और यह जिम्मेदारी अकेले नहीं संभाल सकता।

भावना में आकर न लें फैसला –पैसों के फैसले भावना में बहकर नहीं, समझदारी से लेने चाहिए। पहले परिवार की सुरक्षा पक्की कीजिए, फिर निवेश की ओर बढ़िए। सही जानकारी और सही सलाह के साथ चुना गया रास्ता ही आपके परिवार को सही मायने में आगे बढ़ने, सुरक्षित रहने और खुशहाल होने की ओर ले जाता है।

टर्म इंश्योरेंस के फायदे- बेहद कम प्रीमियम में बड़ी सुरक्षा मिलती है। (जैसे 1 करोड़ रुपये तक)। समझने में आसान और सीधा-सादा प्लान।

मुश्किल समय में परिवार को बड़ी रकम एकमुश्त –प्रीमियम पर आयकर में छूट का लाभ। जरूरत के हिसाब से राइडर (गंभीर बीमारी, दुर्घटना) जोड़ने की सुविधा।

नुकसान- जीते-जी आपको कोई पैसा वापस नहीं मिलता। इसमें बचत या निवेश का कोई हिस्सा नहीं। यदि आपने समय पर प्रीमियम नहीं भरा, तो कवर बंद हो जाएगा। उम्र बढ़ने के बाद नया प्लान लेना महंगा। कई लोगों को लगता है पैसा बेकार गया, जबकि यह सुरक्षा की कीमत है।

एंडोमेंट प्लान के फायदे- बीमा के साथ-साथ बचत भी होती रहती है। मैच्योरिटी पर जमा पैसा वापस मिलता है। बचत की अच्छी आदत अपने आप बन जाती है। रिटर्न लगभग तय होता है, जोखिम कम रहता है। प्रीमियम और मैच्योरिटी, दोनों पर टैक्स लाभ।

नुकसान- प्रीमियम बहुत ज्यादा, पर सुरक्षा कवच छोटा। रिटर्न कम (सालाना करीब 4-6त्न), जो अक्सर महंगाई से भी नीचे रहता है।

देश में 2030 तक 60 नए एयरपोर्ट का बड़ा प्लान लेकिन इस रिपोर्ट में सामने आई ये बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। भारत का विमानन क्षेत्र तेजी से विस्तार की ओर बढ़ रहा है। आने वाले वर्षों में देश में बड़े पैमाने पर नए हवाई अड्डों का निर्माण होने की उम्मीद है। हालांकि, इस विस्तार के लिए जरूरी निवेश जुटाना और नए एयरपोर्ट्स को आर्थिक रूप से टिकाऊ बनाए रखना सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। भारतीय क्रेडिट रेटिंग एजेंसी ब्रिकवर्क रेटिंग्स की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2030 तक 50 से 60 करोड़ यात्रियों की क्षमता विकसित करने और 55-60 नए हवाई अड्डों के निर्माण के लिए करीब 3 लाख करोड़ रुपये के निवेश की जरूरत होगी। 30 नए हवाई अड्डों के जरिये 12 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों की क्षमता विकसित करने के लिए करीब 1.2 लाख करोड़ रुपये का निवेश करना होगा। रिपोर्ट के अनुसार, बढ़ती हवाई यात्रा की मांग को पूरा करने के लिए आने वाले वर्षों में विमानन क्षेत्र में बड़े निवेश की आवश्यकता होगी।

एयरपोर्ट का मुनाफा हो सकता है कम

एविएशन सेक्टर में भारी निवेश के बावजूद ब्रिकवर्क रेटिंग्स ने अपनी रिपोर्ट में वित्त वर्ष 2026-27 तक विमानन क्षेत्र की क्रेडिट रेटिंग आउटलुक को स्थिर बताया है। हवाई यात्रियों की लगातार बढ़ती संख्या,

नए ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट परियोजनाओं की तेज रफ्तार और प्रमुख एयरपोर्ट ऑपरेटरों पर घटते कर्ज के कारण क्षेत्र की वित्तीय स्थिति मजबूत बनी रहेगी। रिपोर्ट में आगाह किया गया है कि, भारी निवेश और लंबी निर्माण अवधि के कारण वित्त वर्ष 2021 से 2027 के बीच एयरपोर्ट ऑपरेटरों का शुद्ध मुनाफा कम हो सकती है। पश्चिम एशिया की संकट के चलते एविएशन टर्बाइन ईंधन की कीमतों में उतार-चढ़ाव, भूमि अधिग्रहण में देरी, विभिन्न एजेंसियों से मंजूरी मिलने में लगने वाला समय और मेट्रो शहरों के हवाई अड्डों पर क्षमता की कमी आने वाले वर्षों में विमानन क्षेत्र की प्रमुख चुनौतियां बनी रहेंगी। हालांकि रिपोर्ट में यह भी बताया कि, सरकार की नीतियां विमानन क्षेत्र की तेज वृद्धि को समर्थन देंगी। करीब 28,840 करोड़ रुपये की उड़ान योजना, वर्ष 2014 के बाद 25 ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को मिली मंजूरी, ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट विकास में 100 फीसदी प्रत्यक्ष विदेशी निवेश और डिजी यात्रा व गगन जैसी डिजिटल पहलें आने वाले वर्षों में विमानन क्षेत्र के विस्तार को गति देंगी।

2036 में 48 करोड़ हो सकती है हवाई यात्रियों की संख्या- पिछले एक दशक में भारत का विमानन क्षेत्र तेजी से बढ़ा है। वर्ष 2014 में देश में 74 परिचालन हवाई अड्डे थे, जो अब बढ़कर 163 हो गए हैं। वित्त वर्ष 2025-26 के अप्रैल से जनवरी के दौरान देश के हवाई अड्डों से करीब 35.05 करोड़ यात्रियों ने यात्रा की। इनमें 28.18 करोड़ घरेलू और 6.87 करोड़ अंतरराष्ट्रीय यात्री शामिल रहे है। इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन के अनुसार, वर्ष 2030 तक भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा हवाई यात्री बाजार बन जाएगा। वहीं, वर्ष 2036 तक देश में हवाई यात्रियों की संख्या बढ़कर करीब 48 करोड़ पहुंचने का अनुमान है।

एफएसएसएआई ने ताजा पनीर के दावों को लेकर हेरिटेज फूड्स को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली। खाद्य नियामक एफएसएसएआई ने उपभोक्ता हितों की रक्षा का हवाला देते हुए हेरिटेज फूड्स लिमिटेड को उसके उत्पाद फ्रेश पनीर के संबंध में भ्रामक दावों के लिए नोटिस जारी किया है। नियामक ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। एफएसएसएआई ने हेरिटेज फूड्स से सात दिनों के भीतर यह जवाब मांगा है कि एफएसएस अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत कार्रवाई क्यों शुरू नहीं की जानी चाहिए। सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में, भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने कहा कि उसने कंपनी को उसके उत्पाद हेरिटेज फ्रेश पनीर के बारे में भ्रामक दावों को लेकर नोटिस जारी किया है। नियामक ने कहा, ÷ताजा पनीर का दावा अनुसूची ड्ड के तहत ताजा शब्द के उपयोग के लिए निर्धारित शर्तों को पूरा नहीं करता है।÷ एफएसएसएआई ने कहा कि इसलिए, ताजा शब्द का प्रयोग उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है और इसे भ्रामक माना जाता है। सोशल मीडिया पोस्ट में ट्रेडमार्क/नाम हेल्दी हैप्पीनेस में हेल्दी शब्द का प्रयोग खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम, 2018 के विनियमन 8(3) के अनुरूप नहीं है। एफएसएसएआई ने कहा, ÷स्वस्थ% शब्द का प्रयोग यह धारणा पैदा कर सकता है कि उत्पाद स्वाभाविक रूप से स्वास्थ्य को बढ़ावा देता है या बढ़ाता है, जिससे दावा भ्रामक हो जाता है।÷ हाल ही में, नियामक खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) के खिलाफ की गई अपनी कार्रवाइयों के संबंध में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर पोस्ट कर रहा है। यह नोटिस स्वतः संज्ञान लेने के साथ-साथ उपभोक्ता शिकायतों के आधार पर जारी किया गया है।

सरकारी बैंकों के दम पर सुधरेगा सीडी रेशियो, FY27 में 14% रहेगी क्रेडिट ग्रोथ

नई दिल्ली। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र के लिए नया वित्त वर्ष काफी स्थिर रहेगा। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज (एमओएसएफएल) के अनुसार, वित्त वर्ष 2027 में बैंकों की क्रेडिट ग्रोथ सालाना 14 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इस विकास यात्रा में सरकारी बैंक (पीएसबी) सबसे आगे रहेंगे और क्रेडिट-टू-डिपॉजिट (सीडी) रेशियो में सुधार का नेतृत्व करेंगे। बैंकिंग क्षेत्र में होने वाले ये बदलाव देश में कर्ज की मजबूत मांग और बदलती लिक्विडिटी आवश्यकताओं को दर्शाते हैं।

क्रेडिट ग्रोथ की वर्तमान स्थिति क्या है और इसके बढ़ने के पीछे मुख्य वजहें क्या हैं?

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार, 15 जून 2026 तक बैंकिंग प्रणाली की सिस्टेमिक क्रेडिट ग्रोथ सालाना आधार पर बढ़कर 17.7 प्रतिशत पर पहुंच गई थी। इस तेजी के पीछे निम्नलिखित मुख्य कारण हैं~ वर्किंग कैपिटल लोन की मांग~ कच्चे माल और इनपुट लागत बढ़ने से कंपनियों को अपने दैनिक काम के लिए अधिक वर्किंग कैपिटल लोन की जरूरत पड़ रही है। नियामकीय बदलाव~ आरबीआई नियमों के कारण बैंकों का ध्यान लोन-टू-डिपॉजिट रेशियो (स्ठ्ठक्र) से हटकर लिक्विडिटी कवरेज रेशियो (स्ष्टक्र) और नेट स्टेबल फंडिंग रेशियो (हृस्स्नक्र) की ओर बढ़ा है। बॉन्ड यील्ड में तेजी~ वित्त वर्ष 2027 की पहली तिमाही (त्तक्र स्नङ्घ27) में बॉन्ड यील्ड बढ़ने से कंपनियों ने बाजार के बजाय सीधे बैंकों से लोन लेना शुरू किया।

आरबीआई के किस फैसले से बैंकों को 40-50 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह मिल सकता है?

बैंकिंग प्रणाली में लिक्विडिटी सुधारने के लिए आरबीआई ने एक बड़ा कदम उठाया है- FCNR(B) डिपॉजिट को ष्टक्रक्रऔर स्रुक्रसे छूट~ आरबीआई ने तीन से पांच साल की अवधि वाले विदेशी मुद्रा अनिवासी-क्क यानी FCNR(B) डिपॉजिट्स को कैश रिजर्व रेशियो (सीआरआर) और स्टेट्यूटरी लिक्विडिटी रेशियो (एसएलआर) की अनिवार्यताओं से मुक्त किया है। बिजनेस ग्रोथ को सहारा~ इस अकेले उपाय से ही वित्त वर्ष 2027 (स्नङ्घ27) में देश में 40 से 50 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह होने की उम्मीद है, जिससे बैंकों के समग्र बिजनेस ग्रोथ को सहारा मिलेगा।

नए कर्जों की ब्याज दरों और बैंकों के मुनाफे पर इसका क्या असर हुआ है?

ब्याज दरों और शुद्ध ब्याज मार्जिन (एनआईएम) को लेकर रिपोर्ट में मिश्रित रुख दिखाया गया है*लोन यील्ड में बदलाव~ मई 2026 में नए ऋणों पर यील्ड में सरकारी बैंकों के लिए छह बेसिस पॉइंट (बीपी) की बढ़त हुई, जबकि निजी बैंकों के लिए यह 7 बीपी गिर गई। इससे पूरे बैंकिंग सेक्टर में केवल 1 बीपी की मामूली शुद्ध बढ़त दर्ज हुई। मार्जिन पर दबाव~ मध्यम आकार के बैंकों के नेट इंट्रेस्ट मार्जिन (एनआईएम) पर थोड़ा दबाव है। पिछले छह महीनों से रेपो रेट स्थिर रहने से ब्याज दरों में कटौती का असर पूरी तरह से खत्म हो चुका है।

बिना बताए क्रेडिट कार्ड की लिमिट क्यों घटा देते हैं बैंक?

नई दिल्ली। क्या आपके क्रेडिट कार्ड की सीमा अचानक कम हो गई है? आमतौर पर जब ऐसा होता है, तो कार्डधारक हैरान रह जाते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे तो समय पर भुगतान कर रहे थे। बैंकों की ओर से क्रेडिट सीमा में की जाने वाली यह कटौती कोई अचानक लिया गया निर्णय नहीं होती। बैंक अपनी वित्तीय सुरक्षा और जोखिम को कम करने के लिए ऐसा करते हैं। इसकी टाइमिंग सीधे तौर पर आपके खर्च करने के तरीके या भुगतान के व्यवहार से जुड़ी होती है।

भुगतान में देरी या मिनिमम बिल चुकाने की आदत

यह सबसे बड़ा कारण है। अगर आप बार-बार भुगतान की तारीख भूल जाते हैं, किसी अन्य कर्ज को चुकाने में चूक कर रहे हैं, या सिर्फ न्यूनतम देय राशि चुकाकर काम चला रहे हैं, तो बैंकों की स्वचालित प्रणाली इसे एक खतरे के संकेत के रूप में देखती है और आपकी क्रेडिट सीमा तुरंत घटा देती है।

कार्ड का पूरा इस्तेमाल करना- अगर आप हर महीने अपने कार्ड की पूरी सीमा का उपयोग कर लेते हैं, तो बैंक को लगता है कि आप पूरी तरह कर्ज पर निर्भर हो चुके हैं। भले ही आप पूरा भुगतान समय पर कर रहे हों, लेकिन बैंक अपना जोखिम कम करने के लिए आपकी खर्च सीमा को कम कर सकता है।

कार्ड का इस्तेमाल न करना- यह काफी अजीब लग सकता है, लेकिन अगर आपका कार्ड लंबे समय से निष्क्रिय पड़ा है और आप उससे कोई खरीदारी नहीं कर रहे हैं, तो बैंक उस बेकार पड़ी क्रेडिट सीमा को वापस ले लेते हैं और उसे किसी अन्य सक्रिय ग्राहक को आवंटित कर देते हैं।

क्रेडिट स्कोर में गिरावट- आपके क्रेडिट स्कोर में अचानक बड़ी गिरावट आती है, तो वह छिप नहीं पाती। बैंक नियमित रूप से आपकी क्रेडिट योग्यता की समीक्षा करते हैं और स्कोर कम होते ही आपकी लिमिट पर कैंची चल जाती है।

आय में कमी या रोजगार का बदलना- यदि बैंक को किसी माध्यम से यह भनक लगती है कि आपकी नियमित आय में कमी आई है या आपकी नौकरी में अस्थिरता है, तो वे एहतियात के तौर पर यह कदम उठाते हैं।

वित्तीय सेहत पर कैसे पड़ता है असर- जब आपकी क्रेडिट सीमा घटती है और आपका मासिक खर्च उतना ही रहता है, तो आपका क्रेडिट यूटिलाइजेशन रेशियो बढ़ जाता है। यह अनुपात आपके क्रेडिट स्कोर को निर्धारित करने वाला एक मुख्य कारक है, जिससे आपका स्कोर तेजी से गिरता है।

अगर ऐसा हो जाए, तो तुरंत क्या करें- सबसे पहले अपने बकाए को तुरंत कम करें। कुल सीमा का केवल 30त्न ही खर्च करें। क्रेडिट रिपोर्ट को ध्यान से देखें, कहीं कोई गलत एंट्री तो दर्ज नहीं है। अपने बैंक से संपर्क करें, कारण पूछें और अगर आय में सुधार हुआ है, तो नया आय प्रमाण पत्र दिखाकर मैन्युअल समीक्षा का अनुरोध करें।

वर्ल्ड कप से बाहर हुआ ब्राजील

एर्लिंग हालैंड ने 11 मिनट में नॉर्वे को वर्ल्ड कप क्वार्टर फाइनल में पहुंचाया

नई दिल्ली। पांच बार की चैंपियन ब्राजील जारी फीफा वर्ल्ड कप में राउंड ऑफ 16 से बाहर हो गई है. एर्लिंग हालैंड ने दो शानदार गोल करके नॉर्वे को न्यू जर्सी में राउंड ऑफ़ 16 के मैच में 2-1 से जीत दिलाई. पहले हाफ़ में कोई गोल नहीं होने के बाद, हालैंड ने 80वें मिनट में हेडर के जरिए स्कोर की शुरुआत की. उन्होंने 90वें मिनट में बॉक्स के बाहर से एक शानदार गोल करके नॉर्वे की बढ़त को दोगुना कर दिया. नेमार ने इंजरी टाइम में एक पेनल्टी पर गोल किया. ब्राज़ील के मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस ने 14वें मिनट में एक पेनल्टी मिस कर दी, जबकि सब्स्टीट्यूट एंड्रिक ने विनीसियस जूनियर के शानदार पास के बाद एक सुनहरा मौका गंवा दिया. ब्राज़ील 1990 के बाद पहली बार राउंड ऑफ़ 16 स्टेज से बाहर हुई है, और उसका इंटरनेशनल फुटबॉल में नॉर्वे को कभी न हराने का उनका सिलसिला जारी है. ब्राजील अब तक नॉर्वे को इंटरनेशनल फुटबॉल में कभी नहीं हरा पाया है. वे 2002 वर्ल्ड कप फाइनल में जर्मनी के खिलाफ जीतने के बाद से वर्ल्ड कप नॉकआउट में किसी भी यूरोपियन विरोधी को हराने में भी नाकाम रहे हैं. और सोमवार को भी यही सिलसिला जारी रहा. हालैंड के दो गोल ने उन्हें टूर्नामेंट में लियोनेल मेसी के सात गोल के बराबर कर दिया. नॉर्वे का सामना अब 11 जुलाई को मियामी में को-होस्ट मेक्सिको या इंग्लैंड से हो होगा। 24 साल से चले आ रहे वर्ल्ड कप के सूखे को खत्म करने के लिए ब्राजील ने कार्लो एंसेलोटी को हायर किया था. लेकिन उन्हें भी सफलता नहीं मिली. यह लगातार छठा टूर्नामेंट है जहां वे यूरोपियन विरोधी टीम से हार गए हैं. बता दें 1990 में ब्राजील को अर्जेंटीना से हार मिली थी, जिसके बाद वह क्वार्टर फाइनल से पहले ही बाहर हो गए थे. हालैंड ने कहा, 'यह एक जबरदस्त दिन है.' 'यह नॉर्वे के इतिहास के सबसे जबरदस्त भरे दिनों में से एक है.' हालैंड को उनके दो गोल के लिए प्लेयर ऑफ द मैच दिया गया. गैब्रियल मार्टिनेली, जिन्होंने पिछले राउंड में जापान के खिलाफ स्टॉपेज-टाइम में निर्णायक गोल किया था, उनकी शुरुआती इलवेन में वापसी हुई. आर्सेनल के इस विंगर ने चोटिल लुकास पैक्वेटा की जगह ली. नॉर्वे को जूलियन रायर्सन की वापसी से फ़ायदा हुआ, जो जांघ की चोट के कारण पिछले दो गेम से बाहर रहे थे। ब्राजील के पैट्रिक बर्ग को लगा कि उन्होंने तीन मिनट के अंदर नॉर्वे को बढ़त दिला दी है, लेकिन इस गोल को ऑफ़साइड मानकर रद्द कर दिया गया. एक खराब शुरुआत के बाद, ब्राज़ील को पेनल्टी मिली, जब क्रिस्टोफ़र एजर बॉक्स में मैथियस कुन्हा से टकरा गए थे. रेफरी ने शुरुआत में इसे पेनल्टी नहीं माना था,जिससे ब्राजील के खिलाड़ी काफी गुस्से में थे, लेकिन वीडियो रिव्यू के जरिए फैसला पलटा गया. ब्राजील के लिए गुइमारेस ने यह किक ली, लेकिन नॉर्वे के गोलकीपर नाइलैंड का अंदाज़ा सही रहा और उन्होंने न्यूकैसल के मिडफील्डर को पेनल्टी पर गोल नहीं करने दिया. नाइलैंड ने इसके बाद मार्टिनेली के लो ड्राइव पर भी अच्छा बचाव किया. नाइलैंड ने इसके बाद विनीसियस जूनियर को रोका और एक और अहम मौके पर गोलपोस्ट के सामने दीवार की तरह खड़े रहे. पहले हाफ में हालैंड अपना असर डालने के लिए संघर्ष करते रहे. इस स्ट्राइकर ने ब्राज़ील के डिफेंस में गेब्रियल मैगलहेस और मार्क्विनहोस के लिए मुश्किलें खड़ी कीं।

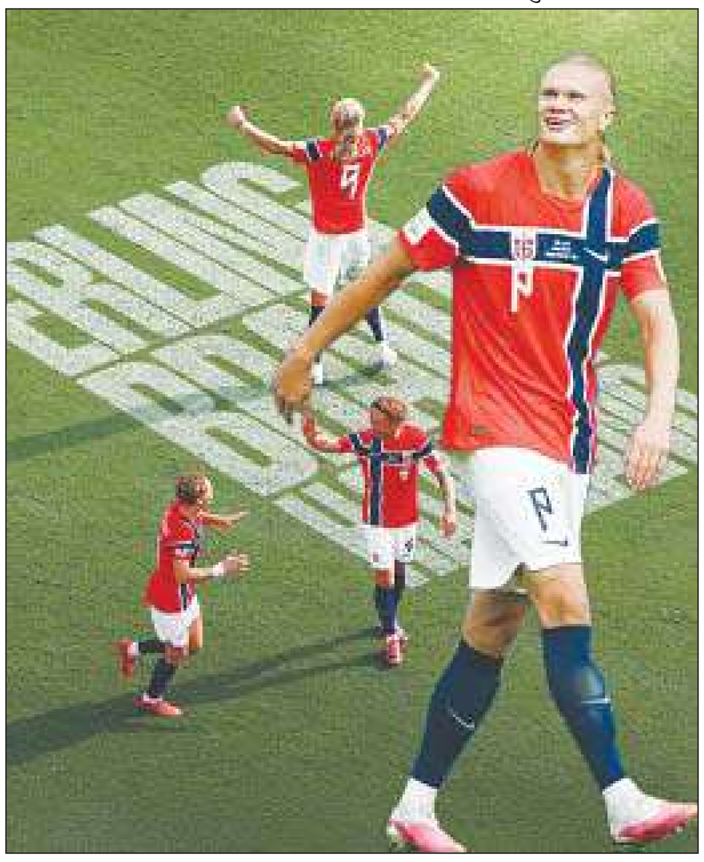

टूटकर बिखरे नेमार, कर दिया इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास का ऐलान

ब्राजील के महान और दिग्गज फॉरवर्ड खिलाड़ी नेमार जूनियर ने इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की घोषणा कर दी है। यह चौंकाने वाला और भावुक फैसला उन्होंने रविवार को फीफा वर्ल्ड कप 2026 के राउंड ऑफ 16 मुकाबले में नॉर्वे के हाथों ब्राजील को मिली 2-1 की ऐतिहासिक हार के ठीक बाद लिया। मेटलाइफ स्टेडियम में मिली इस शिकस्त के साथ ही पांच बार की विश्व चैंपियन ब्राजील का सफर टूर्नामेंट में समाप्त हो गया और इसके साथ ही नेमार के एक शानदार इंटरनेशनल करियर का भी अंत हो गया। 34 साल के नेमार जूनियर ने मैच के बाद संवाददाताओं से बात करते हुए बेहद भावुक शब्दों में कहा, 'मैंने बहुत कोशिश की, मैंने हर संभव प्रयास किया। लेकिन अब यह सफर खत्म हो चुका है। मैंने इसी अमेरिका की सरजमीं से अपने इंटरनेशनल करियर की शुरुआत की थी और यहीं पर इसे खत्म कर रहा हूं।' नेमार के इस बयान के साथ ही ब्राजील के लिए एक युग का अंत हो गया है। किसी ने सोचा तक नहीं होगा कि नेमार के लिए इस तरह से इंटरनेशनल करियर का अंत होगा। नॉर्वे के खिलाफ मुकाबले में नेमार फिटनेस समस्याओं के बाद बतौर सब्सीट्यूट मैदान पर उतरे थे। स्टॉपेज टाइम के 10वें मिनट में जब कासेमीरो पर हुए फाउल के कारण ब्राजील को पेनल्टी मिली, तो नेमार ने इसे गोल में तब्दील किया, जो इस टूर्नामेंट का उनका पहला गोल और उनके इंटरनेशनल करियर का आखिरी शॉट साबित हुआ।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचा इंग्लैंड

10 प्लेयर से खेलते हुए मेक्सिको को 3-2 से हराया

नई दिल्ली। फीफा विश्वकप 2026 का रोमांच फैंस के सिर चढ़कर बोल रहा है। नॉकआउट स्टेज में अब तक ऐसे दिलचस्प मैच देखने को मिले हैं कि फैंस को नाखुन चबाने पर मजबूर कर दिया। राउंड ऑफ-16 के एक ऐसे ही मैच में इंग्लैंड की टीम मेक्सिको को हराकर फीफा विश्वकप 2026 के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है। इस रोमांचक मुकाबले में इंग्लिश टीम ने दूसरे हाफ में 10 खिलाड़ियों से खेलते हुए संयुक्त मेजबान को 3-2 से हराकर विश्वकप से बाहर कर दिया। इंग्लैंड ने गजब का जज्बा दिखाया और मेक्सिको के हर प्रहार को निरस्त कर दिया। 'इट्स कमिंग होम' का उनका नारा फिलहाल जिंदा है। इंग्लैंड के लिए जूड बेलिंगहम ने दो गोल दागे, जबकि एक गोल हैरी केन ने दागा। वहीं, मेक्सिको के लिए एक गोल क्विनोन्स ने किया और एक गोल राउल जिमिनेज ने पेनल्टी पर दागा।

पहले हाफ का खेल

दोनों ही टीमों के अटैक्स वन ऑफ द बेस्ट थे। ऐसे में कड़ा मुकाबला होने की पूरी उम्मीद थी। ऐसा ही हुआ भी। पहले ही हाफ में इंग्लैंड ने दो मिनट में दो गोल दागे और इसके चार मिनट बाद ही मेक्सिको ने एक गोल दागा। यानी छह मिनट में कुल तीन गोल लगे थे। इंग्लैंड के लिए ये दोनों गोल जूड बेलिंगहम ने किए। उन्होंने 36वें और 38वें मिनट में गोल दागा। दोनों गोल के बीच अंतर 99 सेकंड का रहा। इसके बाद 42वें मिनट में मेक्सिको के क्विनोन्स ने गोल दाग स्कोर 2-1 कर दिया। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा।

दूसरे हाफ में जबरदस्त ड्रामा

इंग्लैंड को 54वें मिनट में तब झटका लगा, जब उनके खिलाड़ी जारेल क्वान्सा को रेड कार्ड दिया गया। वीएआर रिव्यू के बाद जारेल क्वान्सा को मेक्सिकन खिलाड़ी को गलत तरीके से चुनौती देने के कारण रेड कार्ड दिखाया गया। इसके साथ ही वह फीफा विश्व कप के इतिहास में रेड कार्ड पाने वाले इंग्लैंड के चौथे खिलाड़ी बन गए। इसी के साथ इंग्लिश टीम में 10 खिलाड़ी ही रह गए। मैच में ड्रामा जारी रहा। 60वें मिनट में इंग्लैंड को पेनल्टी मिल गई है, क्योंकि मेक्सिको के गोलकीपर राउल रेंगेल ने लापरवाही भरी चुनौती देते हुए एंथनी गॉर्डन को बॉक्स के अंदर गिरा दिया। इस पेनल्टी पर हैरी केन ने गोल दागा और इंग्लैंड को 3-1 से आगे कर दिया। 10 खिलाड़ियों से खेलते हुए भी इंग्लैंड ने जबरदस्त चुनौती पेश की। टीम लगातार दबाव बनाती रही और हजारों मेक्सिकन फैंस के समर्थन के सामने मेक्सिको को कड़ी टक्कर दी। हालांकि, इसके बाद भी मुकाबले का रोमांच थमने का नाम नहीं लिया। 69वें मिनट में मेक्सिको को पेनल्टी मिल गई। इंग्लैंड के कप्तान हैरी केन ने अपने ही पेनल्टी बॉक्स में ऊंचा पैर उठाकर मेक्सिको के एक खिलाड़ी को फाउल कर दिया, जिसके बाद रेफरी ने मेक्सिको के पक्ष में पेनल्टी दे दी। राउल जिमिनेज ने इस पर गोल दाग स्कोर 3-2 कर दिया। आखिरी 20 मिनट में मेक्सिकन ने पूरा जोर लगा दिया और लगातार काउंटर अटैक्स करते रहे, लेकिन इंग्लैंड के गोलकीपर पिकफोर्ड ने सारे प्रयासों को निरस्त कर दिया। इस तरह 10 खिलाड़ियों से खेलते हुए भी इंग्लिश टीम ने मेक्सिको को विश्वकप से बाहर कर दिया। और 1966 के बाद पहली बार विश्वकप जीतने के सपने को जिंदा रखा है। मेक्सिको सिटी में खराब मौसम और स्टेडियम के आसपास बिजली गिरने के खतरे को देखते हुए फीफा विश्व कप 2026 के राउंड ऑफ 16 में मेक्सिको और इंग्लैंड के बीच होने वाले मुकाबले की किक-ऑफ को समय से शुरू नहीं करने का एलान किया था। यह मैच पहले भारतीय समयानुसार सुबह साढ़े पांच बजे शुरू होना था, लेकिन मौसम खराब होने की वजह से मैच सुबह साढ़े छह बजे शुरू हुआ। फीफा ने अपने बयान में कहा कि खिलाड़ियों, अधिकारियों, स्टाफ और दर्शकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है।

कप्तान बनते ही बदले बाबर आजम के सुर

अब याद आया अनुशासन और फिटनेस, बोले- इन चीजों पर नहीं होगा कोई समझौता

नई दिल्ली। पाकिस्तान टेस्ट टीम की कप्तानी एक बार फिर मिलने के बाद बाबर आजम के तेवर बदले-बदले नजर आ रहे हैं। दूसरी बार टेस्ट कप्तान बने बाबर आजम अब अनुशासन, फिटनेस और प्रदर्शन की बात कर रहे हैं। दिलचस्प बात यह है कि कप्तानी संभालते ही बाबर ने साफ कर दिया कि इन तीन चीजों पर किसी तरह का समझौता नहीं होगा। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने खराब नतीजों के बाद शान मसूद को टेस्ट कप्तानी से हटाकर बाबर आजम को दोबारा यह जिम्मेदारी सौंपी है। शान मसूद की कप्तानी में पाकिस्तान ने 16 टेस्ट मैचों में सिर्फ चार जीत दर्ज कीं, जबकि 12 मुकाबलों में हार का सामना करना पड़ा। बाबर ने माना कि अपने पहले कप्तानी कार्यकाल से उन्होंने काफी कुछ सीखा है और अब वह पहले से ज्यादा परिपक्व होकर लौटे हैं। उन्होंने कहा, 'पाकिस्तान की कप्तानी करना हमेशा सम्मान की बात होती है। पिछले कार्यकाल से मैंने काफी कुछ सीखा है। समय के साथ इंसान में परिपक्वता और स्पष्टता आती है। कई फैसले अच्छे होते हैं तो कुछ फैसलों पर बाद में लगता है कि उन्हें और बेहतर किया जा सकता था। मैंने अपने सोचने का तरीका बदला है और अब ज्यादा स्पष्टता के साथ आगे बढ़ रहा हूं।' बाबर ने कहा कि मौजूदा पाकिस्तान टीम में कई युवा खिलाड़ी घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन करके आए हैं और उनकी जिम्मेदारी होगी कि उन पर अतिरिक्त दबाव न आने दें। उन्होंने कहा, 'यह एक युवा टीम है। मेरी कोशिश रहेगी कि खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन निकलवाऊं, उन्हें सहज रखूं और मुश्किल समय में उनका साथ दूं। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में काफी दबाव होता है, इसलिए मैं युवा खिलाड़ियों का दबाव कम करने की कोशिश करूंगा।'

जैस्मिन पाउलोनी ने एलेक्जेंड्रा ऐला का ऐतिहासिक सफर रोका, क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

नई दिल्ली। इटली की 13वीं वरीयता प्राप्त जैस्मिन पाउलोनी ने सोमवार को फिलीपींस की युवा स्टार एलेक्जेंड्रा ऐला को रोमांचक मुकाबले में 6-4, 4-6, 6-3 से हराकर विंबलडन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। सेंटर कोर्ट पर खेले गए इस मुकाबले में पाउलोनी ने तीन सेट तक चले संघर्षपूर्ण मैच में आक्रामक खेल का प्रदर्शन किया। पिछले साल विंबलडन की उपविजेता रहीं 30 वर्षीय पाउलोनी ने निर्णायक सेट में शानदार वापसी करते हुए जीत अपने नाम की। मैच के दौरान टेनिस के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर रॉयल बॉक्स में मौजूद थे। जीत के बाद पाउलोनी ने कहा कि फेडरर उनके आदर्श हैं और उनकी मौजूदगी में खेलना उनके लिए बेहद खास अनुभव रहा। उन्होंने कहा, 'वह मेरे आदर्श हैं। मैच के दौरान मैं खुद से बार-बार कह रही थी कि सिर्फ अपने खेल पर ध्यान दो, यह मत सोचो कि वह यहां मौजूद हैं। मैं वर्षों तक यहां उनके फाइनल और मुकाबले देखती रही हूं।'

21 वर्षीय एलेक्जेंड्रा ऐला ने तीसरे दौर में पूर्व चैंपियन इगा स्वियातेक को हराकर बड़ा उलटफेर किया था, लेकिन वह अपने शानदार प्रदर्शन को दोहराने में सफल नहीं हो सकीं। इसके बावजूद ऐला ने इतिहास रचते हुए ओपन युग में ग्रैंड स्लैम एकल के क्वार्टर फाइनल से पहले तक पहुंचने वाली फिलीपींस की सबसे सफल महिला खिलाड़ी बनने का गौरव हासिल किया। क्वार्टर फाइनल में पाउलोनी का सामना यूक्रेन की मार्टा कोस्त्युक से होगा। कोस्त्युक ने क्वालीफायर एशलिन क्रूगर को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर पहली बार विंबलडन के अंतिम आठ में जगह बनाई। 24 वर्षीय कोस्त्युक का मौजूदा सीजन में अमेरिकी खिलाड़ियों के खिलाफ शानदार रिकॉर्ड रहा है। उन्होंने इस वर्ष अमेरिका की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले सभी 10 मुकाबलों में जीत दर्ज की है। पुरुष एकल में इटली के नौवीं वरीयता प्राप्त फ्लेवियो कोबोली ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पांचवीं वरीयता प्राप्त ऑस्ट्रेलिया के एलेक्स डी मिनौर को सीधे सेटों में 7-5, 7-6 (7-5), 6-3 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया।

भारतीय बल्लेबाजों को दिखाना होगा दम

नई दिल्ली। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का तीसरा मुकाबला मंगलवार को नॉटिंघम में खेला जाएगा। भारतीय टीम को पिछले मैच में हार का सामना करना पड़ा था और भारत सीरीज में 0-1 से पीछे चल रहा है। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में भारत की टी20 में यह तीसरी हार थी। इससे पहले टीम को आयरलैंड के खिलाफ भी दो मैचों में हार मिली थी। भारत को अगर सीरीज जीतनी है तो उसे हर हाल में तीसरा टी20 मुकाबला अपने नाम करना होगा। भारत ने दूसरे टी20 मैच में प्लेइंग-11 में एक बदलाव किया था और संजू सैमसन की जगह वैभव सूर्यवंशी को मौका दिया था। वैभव डेब्यू मैच में बड़ी पारी नहीं खेल सके थे, लेकिन यह तय है कि उन्हें तीसरे टी20 में भी मौका दिया जाएगा। इस स्थिति में एक बार फिर सैमसन को बाहर बैठना पड़ेगा। वैभव के साथ अभिषेक शर्मा पारी का आगाज करने उतरेंगे। तीसरे स्थान पर ईशान किशन और चौथे नंबर पर कप्तान श्रेयस बल्लेबाजी करने उतरेंगे। यानी ये तय है कि भारत बल्लेबाजी क्रम में तो कोई बदलाव नहीं करेगा। कप्तान श्रेयस अय्यर की अगुआई में टीम प्रबंधन अतिरिक्त तेज गेंदबाज को प्लेइंग-11 में शामिल करने पर विचार कर रहा है, जबकि लेग स्पिनर रवि बिश्नोई की जगह खतरे में दिखाई दे रही है। मैनचेस्टर में खेले गए दूसरे टी20 में बिश्नोई पूरी तरह लय से बाहर नजर आए। उन्होंने तीन बैक-फुट नो-बॉल फेंकी और पारी के 17वें ओवर में 29 रन लुटाए। चार ओवर में बिना विकेट लिए 60 रन खर्च करने के बाद उनकी टीम में जगह पर सवाल उठने लगे हैं। ट्रेंट ब्रिज की परिस्थितियों को देखते हुए बिश्नोई का प्लेइंग-11 में शामिल होना मुश्किल माना जा रहा है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को मौका मिल सकता है। स्विंग और पिच से अतिरिक्त हरकत हासिल करने की उनकी क्षमता उन्हें प्रसिद्ध कृष्णा से बेहतर विकल्प बनाती है, जिनकी बैक-ऑफ-द-लेंथ गेंदें टी20 क्रिकेट में अपेक्षाकृत आसान साबित होती हैं।

भारतीय युवा पहलवानों का दमदार प्रदर्शन, एशियाई चैंपियनशिप में जीते 20 पदक, चार स्वर्ण शामिल

नई दिल्ली। भारतीय पहलवानों ने अंडर-20 एशियाई कुश्ती चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए चार स्वर्ण सहित 20 अपने नाम किए जिसमें सात रजत और नौ कांस्य पदक शामिल है। भारत ने चैंपियनशिप के महिला कुश्ती और पुरुष फ्रीस्टाइल में ओवरऑल टीम रैंकिंग में भी शीर्ष तीन में जगह पक्की की। महिला कुश्ती में भारतीय टीम 184 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही जो चैंपियन चीन (189 अंक) से थोड़ा ही कम था। जापान (142 अंक) तीसरे स्थान पर रहा। भारतीय पुरुष फ्रीस्टाइल टीम 152 अंकों तीसरे स्थान पर रही। उससे आगे विजेता कजाकिस्तान (170) और ईरान (164) रहे। महिला वर्ग में परवीन (50 किग्रा), मुस्कान (53 किग्रा) और काजल (76 किग्रा) ने स्वर्ण पदक के साथ भारतीय चुनौती की अगुआई की। मान्या राजपूत (57 किग्रा), सविता (62 किग्रा) और मनीषा (72 किग्रा) को चीन के पहलवानों के खिलाफ अपने-अपने फाइनल मुकाबले हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

काजल (55 किग्रा), कोमल (59 किग्रा) और मानसी लाथर (65 किग्रा) के कांस्य पदक जीतने में सफल रहे। पुरुष फ्रीस्टाइल में सुमित कुमार लक्ष्मण भारास्कर ने 70 किग्रा वर्ग में भारत के लिए एकमात्र स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने कजाखस्तान के सुंगकर सेदाखमेट के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में 13-7 से जीत हासिल की। पुष्प (61 किग्रा), सौरभ यादव (79 किग्रा) और रौनक (125 किग्रा) को फाइनल में शिकस्त झेलने के बाद रजत पदक मिला, जबकि रोहित (57 किग्रा), आदर्श युवराज पाटिल (74 किग्र) और लकी (97 किग्रा) ने कांस्य पदक जीते। इससे पहले ग्रीको-रोमन वर्ग में अक्षय राणा ने 97 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता था। नीरज पटेल (55 किग्रा), अनुज (67 किग्रा) और धीरज कुमार मलिक (67किग्रा) को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

सैमसन जिम्बाब्वे टी-20 सीरीज से बाहर, सूर्यवंशी को फिर मौका

लगातार तीसरी सीरीज में चुने गए रिंकू सिंह और मयंक यादव की वापसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए भारतीय टीम का एलान कर दिया है। टीम की कमान श्रेयस अय्यर के ही हाथ में है। दिलचस्प बात यह है कि इस टीम में संजू सैमसन को मौका नहीं मिला है। वहीं, युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी टीम में शामिल हैं। दोनों टीमों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज 23 जुलाई से खेली जाएगी।

जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए भारतीय टीम में युवा खिलाड़ियों को मौका दिया गया है। वहीं, वैभव सूर्यवंशी आयरलैंड और इंग्लैंड के बाद जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज के लिए भी टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। पंजाब किंग्स के सलामी बल्लेबाज प्रभसिमरन सिंह को भी इस सीरीज के लिए चुना गया है, जबकि तिलक वर्मा उपकप्तान बने रहेंगे। वहीं, ईशान किशन, रिंकू सिंह और शिवम दुबे का नाम भी टीम में है।

जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए कई खिलाड़ियों को आराम दिया गया है। वहीं,

विस्फोटक बल्लेबाज रिंकू सिंह की टीम में वापसी हुई है। रिंकू सिंह टी20 विश्व कप 2026 की टीम में शामिल थे, लेकिन उन्हें आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए मौका नहीं मिला था। अब रिंकू जिम्बाब्वे दौरे पर जाएंगे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा और प्रसिद्ध कृष्णा को आराम दिया गया है। इनकी जगह प्रिंस यादव, अशोक शर्मा और मयंक यादव को मौका मिला है। इतना ही नहीं, अक्षर पटेल भी जिम्बाब्वे दौरे पर नहीं जाएंगे। सूर्यांश शेडगे, हर्ष दुबे और वरुण चक्रवर्ती को टीम में जगह मिली है।

बीसीसीआई की चयन समिति ने इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए भी टीम में बदलाव किया है। चोटिल नीतीश कुमार रेड्डी की जगह ऑलराउंडर शिवम दुबे को टीम में शामिल किया गया है। नीतीश कुछ समय से चोट के कारण भारतीय टीम से बाहर हैं और उम्मीद की जा रही थी कि वह इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलते नजर आएंगे। लेकिन वह समय से फिट नहीं हो सके जिस कारण उन्हें सीरीज से बाहर करना पड़ा है।

जिम्बाब्वे दौरे के लिए भारत की टी20 टीमः श्रेयस अय्यर (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा (उपकप्तान), ईशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, वरुण चक्रवर्ती, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव और प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

इंग्लैंड के खिलाफ भारत की संशोधित वनडे टीमः शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह, प्रसिद्ध कृष्णा, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, गुरनूर बरार और शिवम दुबे।

अब स्वच्छ ऊर्जा श्रोतों से मिल रही आधी से अधिक बिजली

बिजली की मांग का रिकॉर्ड बनने पर इसकी अनवरत आपूर्ति सुनिश्चित करने का भी बन रहा रिकॉर्ड

नई दिल्ली, ब्यूरो। इस वर्ष मई से अब तक 50 अलग-अलग दिनों में स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी भारत की कुल बिजली मांग में 45 प्रतिशत के स्तर को पार कर चुकी है लेकिन इसमें सबसे महत्वपूर्ण आज का दिन रहा जब देश की कुल 221.5 गीगावाट बिजली की रिकॉर्ड मांग को पूरा करते हुए अनवरत आपूर्ति सुनिश्चित करने के रिकॉर्ड में स्वच्छ ऊर्जा का योगदान 50.02 प्रतिशत तक पहुंच गया। इस स्वच्छ ऊर्जा में सौर और पवन जैसी अक्षय ऊर्जा के साथ जलविद्युत तथा परमाणु ऊर्जा भी शामिल हैं। ऊर्जा विशेषज्ञों का मानना है कि यह उपलब्धि केवल एक दिन का रिकॉर्ड नहीं बल्कि भारत के बिजली उत्पादन ढांचे में आ रहे स्थायी परिवर्तन का संकेत है। काउंसिल ऑन एनर्जी, एनवायरनमेंट एंड वॉटर यानी सीईईडब्ल्यू की फेलो दिशा अग्रवाल के अनुसार यह लगातार दूसरा वर्ष है जब देश में कुल बिजली की मांग को पूरा करने में स्वच्छ ऊर्जा का आधे से अधिक के योगदान का स्तर दिन के समय में देखने को मिला है। दिशा के अनुसार कुल मांग के अनुपात में आधी से अधिक बिजली की आपूर्ति स्वच्छ ऊर्जा के विभिन्न स्रोतों से होना देश में ऊर्जा की उपलब्धता में परंपरागत श्रोतों के साथ स्वच्छ श्रोतों के मिश्रण के अनुपात में आ रहे स्थायी बदलाव का ठोस संकेत दे रहा है।

दरअसल कुछ वर्ष पहले तक बिजली व्यवस्था मुख्य रूप से कोयला आधारित संयंत्रों पर निर्भर थी लेकिन अब सौर ऊर्जा की बढ़ती क्षमता, पवन ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार, बड़े जलविद्युत संयंत्रों और परमाणु ऊर्जा के संतुलित योगदान ने बिजली उत्पादन के स्वरूप को बदलना शुरू कर दिया है। इसका सीधा लाभ यह है कि जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता धीरे-धीरे घट रही है, कार्बन उत्सर्जन में कमी के लक्ष्य को हासिल करने में कामयाबी मिल रही है और ऊर्जा सुरक्षा को नया आधार मिल रहा है।

हालांकि दिशा अग्रवाल के अनुसार सीईईडब्ल्यू के अध्ययन से स्पष्ट होता है कि केवल सस्ती अक्षय ऊर्जा की उत्पादन क्षमता में इजाफा करना ही पर्याप्त नहीं होगा बल्कि उसके साथ लचीली ऊर्जा भंडारण प्रणाली का तेजी से विस्तार भी जरूरी है। दरअसल सौर ऊर्जा केवल दिन में उपलब्ध रहती है और पवन ऊर्जा भी मौसम पर निर्भर करती है। ऐसे में जब उत्पादन अधिक हो तब अतिरिक्त बिजली को सुरक्षित रखने और आवश्यकता पड़ने पर ग्रिड में वापस उपलब्ध कराने के लिए बैटरी ऊर्जा भंडारण, पंप्ड स्टोरेज हाइड्रो जैसी आधुनिक तकनीकें ही भविष्य में चौबीसों घंटे भरोसेमंद स्वच्छ बिजली आपूर्ति की आधारशिला बनेंगी। ऊर्जा विश्लेषकों का मानना है कि यदि भारत अक्षय ऊर्जा के उत्पादन का विस्तार करने के साथ ही ऊर्जा भंडारण, स्मार्ट ग्रिड और आधुनिक प्रसारण नेटवर्क में समान गति से निवेश करता है तो आने वाले वर्षों में दिन के समय ही नहीं, बल्कि चौबीसों घंटे स्वच्छ ऊर्जा की हिस्सेदारी लगातार बढ़ाई जा सकेगी।

1 किलो 35 ग्राम अभय चरस के साथ एक तस्कर गिरफ्तार

स्वतंत्र भारत चुनार (मिर्जापुर)। पुलिस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए 1 किलो 35 ग्राम अवैध चरस के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया

चरस की अंतरराष्ट्रीय मार्केट में 10 लाख कीमत बताया जा रहा है

है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में जब्त की गई चरस की अनुमानित कीमत 10 लाख रुपये बताई जा रही है। यह गिरफ्तारी 6 जुलाई 2026 को सुबह 2:25 बजे दुर्गा जी मोड़, खोवा मंडी के पास से हुई। गिरफ्तार किए गए अभियुक्त की पहचान करनल उर्फ सोनू पटेल (25) के रूप में हुई है, जो मिर्जापुर जिले के चुनार थाना क्षेत्र के बाराडीह, उदितनगर गांव का निवासी है। पुलिस ने उसे खोवा मंडी कांशीराम आवास के पास से पकड़ा। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक मिर्जापुर अपर्णा रजत कौशिक के कुशल निर्देशन में और अपर पुलिस अधीक्षक ऑपरेशन राजकुमार मीणा व क्षेत्राधिकारी चुनार जटाशंकर मिश्र के पर्यवेक्षण में की गई। प्रभारी

निरीक्षक चुनार विजय शंकर सिंह के नेतृत्व में टीम गठित कर गिरफ्तार किया गया अपराध की रोकथाम और अपराधियों की धरपकड़ के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा था।आज दिनांक 06.07.2026 को पं0 दीनदयाल पुरम कॉलोनी बरौधा कचार मीरजापुर स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने पार्टी के मनीषि डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया एवं कोन मंडल के पुरजागीर में वृक्षारोपण किया। पश्चात उसके जिला कार्यालय पर बैठक आहूत हुई जिसमें मा0 प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आगमन की तैयारी की गई । जिलाध्यक्ष जी ने मोर्चो पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारी दिया । इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शरदिन्दुमणि त्रिपाठी हेमंत, रवीन्द्र नारायण सिंह पटेल, गौरव ऊमर, इन्द्र कुमार सिंह, उदयभान तिवारी, जिला महामंत्री रविशंकर पाण्डेय, डॉ0 सी0एल0 बिन्द, स्वामीनाथ सिंह, जिलामंत्री संध्या पटेल, रोहित त्रिपाठी, अनिल सिंह, वीरेन्द्र यादव, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दूबे, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा दिनेश सिंह, युवा मोर्चा जिला महामंत्री पुष्पेंद्र द्विवेदी के साथ अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला झुलसी, हालत सामान्य

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के बैधा गांव में रविवार की देर शाम घर के पास यूकेलिप्टस के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिरने से बरामदे में बैठी एक महिला अचेत हो गई। परिजन आनन-फानन में उसे निजी साधन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए, जहां उसका इलाज चल रहा है।जानकारी के अनुसार बैधा गांव निवासी 36 वर्षीय धर्मा देवी घर के बरामदे में बैठी थीं। इसी दौरान बूंदाबांदी के बीच घर से कुछ दूर यूकेलिप्टस के पेड़ पर आकाशीय बिजली गिर गई। बिजली की तेज गड़गड़ाहट व असर से महिला अचेत होकर गिर पड़ी।परिजन बिना देरी किए महिला को निजी वाहन से हलिया स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले आए। यहां चिकित्सकों ने तत्काल उपचार शुरू किया।प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक विवेक खरे ने बताया कि बिजली से झुलसी महिला का उपचार चल रहा है। फिलहाल उसकी हालत सामान्य है और खतरे से बाहर है।बारिश के मौसम में आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। प्रशासन ने लोगों से पेड़ों के नीचे न खड़े होने व सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की है।

मवई कला के पंचशील पब्लिक स्कूल में मनाया गया वन महोत्सव, किया गया पौधरोपण

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। हलिया रेंज के मवई कला गांव स्थित पंचशील पब्लिक स्कूल में सोमवार को वन महोत्सव वृक्षारोपण महाअभियान के तहत पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान वन विभाग के अधिकारियों, स्कूल स्टाफ व बच्चों ने मिलकर पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में पंचशील पब्लिक स्कूल के प्रबंधक आलोक मौर्य, वन दरोगा नीटू शर्मा, राजकुमार वर्मा मुख्य रूप से मौजूद रहे। उनके साथ वन विभाग के अन्य कर्मचारी, स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं व छात्र-छात्राएं भी शामिल हुए। सभी ने मिलकर स्कूल परिसर में आम, अमरूद समेत छायादार व फलदार पौधों का रोपण किया।1 से 7 जुलाई तक वृक्षारोपण महाअभियान चलाया जा रहा है। 'आम पौधा लगाओ-पेड़ बचाओ' लोगों को अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया गया। वन दरोगा नीटू शर्मा ने बच्चों को पर्यावरण बचाने व लगाए गए पौधों की देखभाल करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि पेड़ जीवन का आधार हैं। एक पेड़ लगाने से कई जिंदगियां बचती हैं। पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए सभी को वृक्षारोपण करना चाहिए।कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबंधन ने वन विभाग का आभार जताया। वन विभाग ने स्कूल को पौधों की सुरक्षा व सिंचाई की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया।

दुकान का शटर खोल मनबढ़ चोरों ने लाखों के जेवरात पर हाथ किया साफ, पुलिस जांच में जुटी

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के ड्रमंडगंज हलिया मार्ग पर ऊंटी गांव स्थित गड़बड़ा पुल के पास रविवार की देर रात हौसला बुलंद चोरों ने आभूषण की दुकान का शटर खोल आलमारी में रखे सोने चांदी के आभूषणों पर हाथ साफकर दिया। दुकानदार की सूचना पर पहुंची पुलिस घटना की जांच में जुट गई है।हलिया क्षेत्र के हलिया कस्बा निवासी सतीश कुमार अग्रहरि ने ऊंटी गांव के गड़बड़ा पुल के पास किराए के मकान में आभूषण की दुकान खोल रखी है। रविवार की रात मनबढ़ चोर दुकान का शटर खोल कर दुकान के भीतर रखी आलमारी को नैड़ी अदवा मार्ग (पवांरी कलां मार्ग) पर ले गए। जहां आलमारी का लाक तोड़कर उसके भीतर रखा सोने चांदी का आभूषण उठा ले गए। बेखौफ चोर सड़क किनारे झाड़ियों में आलामारी को फेंककर चले गए। सोमवार सुबह सड़क किनारे टूटी आलामारी व आभूषण की दुकान का शटर खुला देख मझिगवां गांव निवासी वीरू मौर्य ने दुकानदार को सूचना दी। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे दुकानदार ने घटना की सूचना पुलिस को दी। घटना की जानकारी मिलने पर एसआई पुनीत गुप्ता,मनोज कुमार राय,एसआई शिवाकांत पांडेय व रमेश यादव ने घटना की जांच की।आभूषण व्यवसायी सतीश कुमार अग्रहरि ने बताया कि करीब चार लाख रुपए की कीमत के सोने चांदी का आभूषण चोरी हुआ है। मौके पर पहुंचे प्रधान संघ अध्यक्ष हलिया शिव बाबू सेठ ने पुलिस से चोरी का खुलासा किए जाने की मांग की।पीड़ित दुकानदार ने अज्ञात चोरों के विरुद्ध तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। प्रभारी थानाध्यक्ष ड्रमंडगंज पुनीत कुमार गुप्ता ने बताया कि घटना की बारीकी से जांच की जा रही है जल्द ही पर्दाफाश कर दिया जाएगा।

अदवा फीडर पर पेड़ों की डालियां काटने के लिए 2 घंटे 20 मिनट का शटडाउन

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम द्वारा हलिया उपकेंद्र के अदवा 11 केवी फीडर पर लाइन मरम्मत कार्य के चलते सोमवार को नियोजित शटडाउन लिया गया है।सोमवार को सुबह 11रू50 बजे से लिया गया है। यह लगभग 2 घंटे 20 मिनट तक रहेगा। विभाग के अनुसार अदवा फीडर पर पेड़ की डालियां लाइन को छू रही थीं। बारिश में फॉल्ट व हादसे की आशंका को देखते हुए डालियां काटने के लिए अधिकारी द्वारा शटडाउन कराया गया है।शटडाउन से अदवा फीडर से जुड़े गांवों की बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। कार्य पूरा होते ही सप्लाई बहाल कर दी जाएगी। विद्युत विभाग ने उपभोक्ताओं से निर्धारित समय तक धैर्य बनाए रखने की अपील की है। लाइन मरम्मत से भविष्य में फॉल्ट व ब्रेकडाउन की समस्या कम होगी। मौसम खराब होने पर शटडाउन की अवधि बढ़ भी सकती है।

सदस्य सचिव, उ0 प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जनपद न्यायाधीश द्वारा लिया गया संज्ञान

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। हलिया ब्लॉक सभागार में आयोजित विधिक साक्षरता एवं सशक्तीकरण शिविर तथा विशेष लोक अदालत में गड़बड़ा गांव निवासी संजय अपनी मां गीता देवी के दाह संस्कार के बाद सात वर्ष पुराने मारपीट के मामले के निस्तारण की उम्मीद लिए कतार में लगे अपनी बारी का इंतजार कर रहे थे, जिसकी खबर अखबार में प्रकाशित की गयी। उक्त प्रकाशित खबर का सदस्य सचिव उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ एवं जनपद न्यायाधीश ध् अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मिर्जापुर द्वारा संज्ञान लेते हुए तत्काल न्यायाधिकारी ग्राम न्यायालय लालगंज, मिर्जापुर सुमित कुमार यादव को निर्देशित किया गया जिसके क्रम में न्यायाधिकारी द्वारा सोमवार को उक्त व्यक्ति से संबन्धित पुरानी लम्बित पत्रावली का जुर्म स्वीकारोक्ति प्रार्थना पत्र के आधार पर नियमानुसार अर्थदण्ड के आधार पर पत्रावली का निस्तारण किया गया।

34 करोड़ की लागत से चुनार रेलवे क्रॉसिंग से नगर पालिका तक 4.5 किलोमीटर रोड चौड़ीकरण मध्य से 20 फुट दोनों तरफ चौड़ीकरण का विधायक ने किया शिलान्यास

स्वतंत्र भारत चुनार (मिर्जापुर)। क्षेत्रीय विधायक ने चुनार रेलवे क्रॉसिंग से नगर पालिका तक रोड चौड़ीकरण का टेकौर चौराहे के पास पूजन कर किया शिलान्यास विधायक ने बताया कि 2018 में चुनार का पक्का पुल बन जाने से इस रूट पर ट्रैफिक ज्यादा बढ़ गया था जिसको लेकर रोड चौड़ीकरण करना अनिवार्य हो गया। कहां की इस प्रकरण पर मुख्यमंत्री से रोड चौड़ीकरण को लेकर वार्ता किया था जिसको स्वीकृति 33 करोड़ 49 लाख दस हजार सुकृति मिली जिसको एक वर्ष में सड़क को कार्य पूर्ण कर लेना है। 34 करोड़ में 6 करोड़ सड़क चौड़ीकरण में जो मकाने जग में आएंगे मुआवजा के

रूप में दिया जाएगा। 3 करोड रुपए बिजली विभाग को दिया जाएगा।इसमें 5 वर्ष तक सड़क मेंटेनेंस कार्यदाई संस्था एम के कांट्रैक्टर को करना होगा। 34 करोड़ की लागत में सभी व्यवस्थाएं रोड की करनी है। क्षेत्रिय विधायक अनुराग सिंह ने कहा कि रोड चौड़ीकरण से जिले से आने-जाने और सोनभद्र वाराणसी के लिए सहूलियत होगी। इस दौरान उपस्थित पूर्व कोषाध्यक्ष बचाऊ लाल सेठ, विधायक प्रतिनिधि आलोक सिंह, भाजपा नगर अध्यक्ष मंगरु साहनी, पूर्व मंडल अध्यक्ष व जिला कार्यकारिणी सदस्य चंद्रहास गुप्ता, मनीष राय, गौतमजयसवाल, विकास कश्यप, विजय बहादुर सिंह, ज्योति प्रकाश सिंह, अखिलेश मिश्रा, बृजेश विक्रम सिंह, अभिलाष राय, विजय बहादुर बिन्द आलोक श्रीवास्तव, पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता जनार्दन सिंह यादव सहायक अभियंता नंदलाल यादव, जेई अंजेश पटेल, जेईअमरनाथ के साथ नगर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भाजपा ने किया पौधा रोपण

स्वतंत्र भारत मिर्जापुर। पं0 दीनदयाल पुरम कॉलोनी बरौधा कचार स्थित भाजपा जिला कार्यालय पर भाजपा जिलाध्यक्ष लाल बहादुर सरोज ने पार्टी के मनीषि डॉ0 श्यामा प्रसाद मुखर्जी के जन्म जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण किया एवं कोन मंडल के पुरजागीर में वृक्षारोपण किया। पश्चात उसके जिला कार्यालय पर बैठक आहूत हुई जिसमें प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी के आगमन की तैयारी की गई । जिलाध्यक्ष जी ने मोर्चो पदाधिकारियों को विभिन्न जिम्मेदारी दिया । इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष शरदिन्दुमणि त्रिपाठी हेमंत, रवीन्द्र नारायण सिंह पटेल, गौरव ऊमर, इन्द्र कुमार सिंह, उदयभान तिवारी, जिला महामंत्री रविशंकर पाण्डेय, डॉ0 सी0एल0 बिन्द, स्वामीनाथ सिंह, जिलामंत्री संध्या पटेल, रोहित त्रिपाठी, अनिल सिंह, वीरेन्द्र यादव, जिला कार्यालय मंत्री मनोज दूबे, जिलाध्यक्ष किसान मोर्चा दिनेश सिंह, युवा मोर्चा जिला महामंत्री पुष्पेंद्र द्विवेदी के साथ अन्य पदाधिकारीगण उपस्थित रहे ।

दो बाइको की टक्कर में बाइक सवार तीन गंभीर रूप से घायल, मंडलीय चिकित्सालय रेफर

स्वतंत्र भारत हलिया (मिर्जापुर)। स्थानीय थाना क्षेत्र के हलिया ड्रमण्डगंज मार्ग समौती गांव में सोमवार की दोपहर दो बाइको की टक्कर होने से एक बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए सूचना पर पहुँचे एम्बुलेंस कर्मियों ने घायलों को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर आये जंहा पर चिकित्सक द्वारा तीनों घायलों को मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है लालगंज थाना क्षेत्र के बघई गांव निवासी 50 वर्षीय गणेश बाइक से अपनी पत्नी 45 वर्षीय सीमा व पुत्र 17 वर्षीय शिवम के साथ गड़बड़ा धाम से दर्शन पूजन कर वापस घर लौट रहे थे की जैसे ही हलिया ड्रमण्डगंज मार्ग के समौती गांव में पहुँचे की सामने से आ रहे अज्ञात बाइक सवार से टक्कर होने से बाइक सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए मौके पर पहुँचे ग्रामीणों ने घायलों को एम्बुलेंस वाहन से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया भिजवाया जंहा पर चिकित्सक आलोक यादव द्वारा प्राथमिक उपचार के बाद तीनों घायलों की हालत गंभीर देखकर मंडलीय चिकित्सालय के लिए रेफर कर दिया है अज्ञात बाइक चालक मौके से भाग निकला है।

अठहठा संपर्क मार्ग गड्ढों में तब्दील राहगीरों की बढ़ी परेशानी

स्वतंत्र भारत सेवराई। तहसील क्षेत्र के मोहम्मदाबाद विधानसभा अंतर्गत अठहठा गांव को जाने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग बदहाल स्थिति में पहुंच गया है।

करीब दो किलोमीटर लंबी इस सड़क पर 200 से अधिक बड़े-छोटे गड्ढे हो जाने से आवागमन जोखिम भरा बन गया है। सड़क की जर्जर हालत के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि इस मार्ग से प्रतिदिन सैकड़ों लोग आवागमन करते हैं। सड़क पर जगह-जगह गड्ढे होने से दोपहिया वाहन चालकों के दुर्घटनाग्रस्त होने का खतरा बना रहता है। बरसात के दिनों में गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे हादसों की आशंका और बढ़ जाती है। ग्रामीणों ने बताया कि कई बार संबंधित अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों से सड़क की मरम्मत कराने की मांग की जा चुकी है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई। लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क की मरम्मत कराकर आवागमन सुगम और सुरक्षित बनाने की मांग की है।

जिला महिला अस्पताल में कन्या जन्मोत्सव

स्वतंत्र भारत मऊ। जिला महिला चिकित्सालय में बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के तहत कन्या जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में 10 नवजात बालिकाओं का स्वागत कर बेबी किट वितरित की गई। परिजनों को मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला व प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना की जानकारी दी गई तथा मिशन शक्ति के तहत महिला सुरक्षा हेल्पलाइन नंबरों के प्रति जागरूक किया गया।

खुरहट में स्कूली वाहनों की जांच

स्वतंत्र भारत मऊ। के खुरहट क्षेत्र में परिवहन एवं यातायात पुलिस की संयुक्त टीम ने स्कूली वाहनों की जांच अभियान चलाकर 16 वाहनों का चालान किया। परिवहन विभाग ने सभी विद्यालय प्रबंधकों को 10 जुलाई 2026 तक वाहनों का फिटनेस प्रमाणपत्र अनिवार्य रूप से बनवाने के निर्देश दिए हैं।

राजगढ़ क्षेत्र में धान की रोपाई शुरू, खेतों की तैयारी में जुटे किसान, अच्छी बारिश न होने से किसान मायूस

स्वतंत्र भारत राजगढ़ (मिर्जापुर)। विकासखंड राजगढ़ क्षेत्र में मानसून की सक्रियता के साथ धान की रोपाई का कार्य शुरू हो गया है। गांव-गांव में किसान अपने खेतों की जुताई, पलेवा और रोपाई की तैयारियों में जुटे हुए हैं। कई स्थानों पर खेतों में पानी भरने के बाद किसान परिवार और मजदूर मिलकर धान की रोपाई कर रहे हैं। किसानों का कहना है कि समय पर हुई बारिश से खेती का कार्य गति पकड़ रहा है। यदि आने वाले दिनों में भी अच्छी वर्षा होती रही, तो धान की फसल बेहतर होने की उम्मीद है। दिन

भर आसमान में छाए बादल लेकिन हल्की वर्षा होने से किसान रहे मायूस । किसान सुनील कुमार सिंह अनिल कुमार सिंह कृष्ण कुमार जगदीश सिंह मनोज कुमार अजय कुमार संदीप सिंह ने बताया कि आसमान में दिन भर बादल छाए रहे ऐसा लगा कि भारी वर्षा होगी लेकिन हल्की बारिश के साथ मौसम साफ हो गया। जुलाई महीने का एक हफ्ता बीत गया अच्छी बारिश न होने से किसान भी परेशान हो रहा है।जिससे धान फसलों को लाभ मिलने की उम्मीद है।राजगढ़ क्षेत्र के खेत इन दिनों हरियाली की ओर बढ़ रहे हैं और धान की रोपाई का कार्य पूरे गांव में कहीं-कहीं देखने को मिल रहा है। किसान अच्छी पैदावार की उम्मीद में दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। लेकिन मेघ बरस नहीं रहे हैं। जिससे किसान की धान की रोपाई का मात्र एक जरिया बिजली ही बची है। उसी के सहारे किसान अपने धान की नर्सरी को बचाए हुए हैं। अभी तक राजगढ़ क्षेत्र में अच्छी बारिश नहीं हुई है।

तेज बारिश से गर्मी व उमस से मिली राहत, किसानों के खिले चेहरे

हलिया क्षेत्र में सोमवार को हुई झमाझम बारिश से लोगों को भीषण गर्मी व उमस से बड़ी राहत मिली है। पिछले कई दिनों से पड़ रही तेज धूप और गर्म हवाओं के बाद हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया।सुबह से ही आसमान में बादल छाए थे। दोपहर बाद तेज हवा के साथ हुई बारिश से तापमान में 4 से 5 डिग्री तक की गिरावट दर्ज की गई। गर्मी से बेहाल लोगों ने राहत की सांस ली। इस बारिश से धान की रोपाई कर रहे किसानों के चेहरे खिल गए हैं। खेतों में नमी आने से खरीफ फसल की बुआई में तेजी आएगी। किसानों का कहना है कि यह बारिश धान, मक्का व सब्जी की फसलों के लिए फायदेमंद है। बारिश के बाद मौसम खुशगवार होने से बाजारों में भी रौनक लौट आई। लोग घरों से बाहर निकलकर खरीदारी करते दिखे। बच्चे भी बारिश में भीगकर आनंद लेते नजर आए। हालांकि कुछ निचले इलाकों में जलभराव की समस्या भी सामने आई है। मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में और बारिश की संभावना है।

सरयू नदी के कटान को रोकने के लिए 5.66 करोड़ की परियोजना का डीएम ने किया निरीक्षण

स्वतंत्र भारत मधुबन। बाढ़ और सरयू नदी के लगातार बढ़ते तट कटान से प्रभावित क्षेत्रों को सुरक्षित बनाने की दिशा में जिला प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जिलाधिकारी आनंद वर्द्धन ने सोमवार को सरयू नदी के दायें तट पर स्थित परसिया देवार एवं धर्मपुर विशुनपुर के मध्य प्रस्तावित तट कटान निरोधक परियोजना का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने परियोजना की तकनीकी एवं प्रशासनिक तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ कार्य पूरा करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बताया कि परियोजना की कुल स्वीकृत लागत ?566.16 लाख है। वर्ष 2025 में सरयू नदी ने लगभग 3 किलोमीटर लंबाई और 125 मीटर चौड़ाई तक दायें तट की ओर तीव्र कटान किया है, जिससे नदी का बहाव आबादी की ओर बढ़ता जा रहा है। यदि समय रहते सुरक्षात्मक कार्य नहीं किए गए तो आसपास के गांवों, कृषि भूमि और मकानों पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो सकता है। जिलाधिकारी ने कहा कि बाढ़ एवं तट कटान प्रभावित क्षेत्रों की सुरक्षा जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना के प्रत्येक चरण का क्रियान्वयन निर्धारित मानकों के अनुरूप, पूरी गुणवत्ता और तय समयसीमा में किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी स्तर पर लापरवाही या शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस समाचारपत्र में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले स्वयं उचित जांच-पड़ताल कर लें। समाचारपत्र या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देता तथा ऐसे विज्ञापनों पर विश्वास करके किसी भी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि, परिणाम के लिए जिम्मेदार भी नहीं होंगे।

स्वतंत्र भारत

एग्रो फाइनेन्स एण्ड इन्वेस्टमेन्ट्स प्रा. लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक **अतुल शुक्ला** द्वारा 1, जॉपलिंग रोड, लखनऊ-226001 से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक : **के.के. श्रीवास्तव**

स्थानीय संपादक : **विष्णु मोहन***

फोन : 0522-4043151

swatantrabharat77@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी।

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।

जेडी वेंस की टिप्पणी पर इस्राइली पीएम नेतन्याहू का जवाब

'अमेरिका ही नहीं, हमारे और भी कई दोस्त हैं'

वॉशिंगटन। अमेरिका भले ही दावा करे कि वह इस्राइल का इकलौता सहयोगी है, लेकिन इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ऐसा नहीं मानते हैं। बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को भारत का जिक्र करते हुए अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की उस टिप्पणी का जवाब दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि अमेरिका ही दुनिया में इस्राइल का एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी है। फॉक्स न्यूज संडे ब्रीफिंग को दिए इंटरव्यू में नेतन्याहू ने कहा कि इस्राइल को भारत सहित कई अन्य देशों का भी समर्थन प्राप्त है। उन्होंने व्यंग के लहजे में कहा, हमारे कुछ और दोस्त भी हैं, जैसे भारत नाम का एक छोटा-सा देश। वहां 1.4 अरब लोग रहते हैं और हमें वहां जबरदस्त समर्थन मिलता है। पिछले महीने व्हाइट हाउस में एक ब्रीफिंग के दौरान जेडी वेंस ने कहा था कि इस्राइल को अमेरिका और ईरान के बीच चल रही शांति वार्ता का सम्मान करना चाहिए। जब उनसे उन खबरों के बारे में पूछा गया कि इस्राइली नेतृत्व अमेरिका-ईरान समझौते से नाखुश है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना कर रहा है, तो वेंस ने कहा था, अगर मैं इस्राइल सरकार के मंत्रिमंडल में होता, तो मैं उस एकमात्र शक्तिशाली सहयोगी की आलोचना नहीं करता जो पूरी दुनिया में अब भी मेरे साथ है। इस पर अब नेतन्याहू ने कहा कि उन्हें फेसबुक पर भारत से काफी समर्थन मिल रहा है। उन्होंने कहा, आप जानते हैं, मेरा फेसबुक पर एक अकाउंट है और वहां मुझे जबरदस्त समर्थन मिलता है। हो सकता है कि मुझे कई अन्य जगहों से भी समर्थन मिल रहा हो। उन्होंने वेंस के इस दावे को खारिज किया कि इस्राइल का कोई दूसरा सहयोगी नहीं है।

नाटो की बैठक से पहले रूस का यूक्रेन पर बड़ा हमला

मिसाइल-ड्रोन अटैक में सात लोगों की मौत

मॉस्को। नाटो शिखर बैठक से ठीक पहले रूस ने युक्रेन की राजधानी कीव और उसके आसपास के इलाकों पर बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इस हमले में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई, जबकि दो दर्जन से अधिक लोग घायल हुए हैं। कई रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है और मलबे में लोगों के फंसे होने की आशंका के बीच राहत एवं बचाव अभियान जारी है। यूक्रेन की वायुसेना के अनुसार, रूस ने एक साथ कई तरह के हथियारों का इस्तेमाल किया। कीव के मेयर विताली क्लिचको ने बताया कि शहर के कम से कम दो जिलों में मलबा गिरने से आग लग गई और नुकसान हुआ है। स्थानीय प्रशासन ने लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रविवार को कहा था कि खुफिया एजेंसियों को जानकारी मिली है कि रूस एक बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि रूस अमेरिका के स्वतंत्रता दिवस और नाटो शिखर सम्मेलन से पहले दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। जेलेंस्की ने कहा कि रूस का उद्देश्य ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाना और लोगों की जान लेना है।

भारतवंशियों ने अमेरिका पर छोड़ी अमिट छाप

वॉशिंगटन। स्वामी विवेकानंद से लेकर महात्मा गांधी तक और बीकेएस अयंगर से लेकर बीआर आंबेडकर तक भारतीय विचारकों व आध्यात्मिक नेताओं ने अमेरिका पर अमिट छाप छोड़ी है। अमेरिकी आजादी की 250वीं वर्षगांठ पर तैयार एक संकलन में गैर-लाभकारी संगठन इंडियास्पोरा ने भारतवंशियों के योगदान को प्रमुखता से रखा है। 250 एट 250 : मोमेंट्स ऑफ द इंडियन अमेरिकन स्टोरी शीर्षक के इस संकलन में अमेरिका में हिंदू दर्शन के प्रसार में स्वामी विवेकानंद व स्वामी परमहंस योगानंद से लेकर दीपक चोपड़ा व राजन जेड जैसे आधुनिक दौर के गुरुओं तक के योगदान का उल्लेख किया गया है। संकलन में कहा गया है कि स्वामी विवेकानंद ने 1893 में शिकागो में आयोजित विश्व धर्म संसद में धार्मिक सहिष्णुता एवं सार्वभौमिक स्वीकार्यता का आह्वान कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया था। यह पहला अवसर था जब किसी

- इंडियास्पोरा का संकलन जारी

हिंदू संन्यासी ने अमेरिका में इतने बड़े पश्चिमी जनसमूह को संबोधित किया था। उन्होंने 1894 में न्यूयॉर्क की वेदांत सोसाइटी की स्थापना में मदद की जो अमेरिका में शुरुआती स्थायी हिंदू संस्थानों में शुमार है।

अमेरिका में हैं 36 हजार योग स्टूडियो

बीकेएस अयंगर ने 1950 के दशक में योग को शारीरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य की अनुशासित पद्धति के रूप में पेश कर अमेरिका में इसके स्वरूप को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंडियास्पोरा के संस्थापक एमआर रंगास्वामी ने कहा, आज अमेरिका की करीब 10 प्रतिशत आबादी योग करती है। देश में लगभग 36,000 योग स्टूडियो हैं।

51 लाख भारतवंशी रहते हैं

बीकेएस अयंगर ने 1950 के दशक में योग को शारीरिक चिकित्सा और समग्र स्वास्थ्य की अनुशासित पद्धति के रूप में पेश कर अमेरिका में इसके स्वरूप को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इंडियास्पोरा के संस्थापक एमआर रंगास्वामी ने कहा, आज अमेरिका की करीब 10 प्रतिशत आबादी योग करती है। देश में लगभग 36,000 योग स्टूडियो हैं।

पीओके में पाकिस्तानी फोर्स ने लोगों पर गोलियां चलाईं

मुजफ्फराबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में रविवार को जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जाक) के शांतिपूर्ण प्रदर्शन रैली पर पाकिस्तानी फोर्स ने गोलियां

- पाकिस्तान सरकार के खिलाफ 40 हजार प्रदर्शनकारी जुटे थे
- कई लोग घायल

चला दीं। एएनआई की रिपोर्ट के मुताबिक,जाक ने दावा किया कि अब्बासपुर के सरदार गुलाम हुसैन खान स्पोर्ट्स स्टेडियम में करीब 40 हजार लोग जुटे थे।

संगठन का आरोप है कि डुडियाल के एएमबी इलाके में शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे लोगों पर पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने बिना उकसावे के गोलीबारी की, जिसमें कई लोग गंभीर रूप से घायल हुए। हालांकि, घायलों की आधिकारिक संख्या या पाकिस्तान प्रशासन की ओर से इस पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। जाक का कहना है कि यह प्रदर्शन इस्लामाबाद सरकार के खिलाफ है। साथ ही, यह आंदोलन जाक के नेताओं और कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी, प्रशासनिक विफलताओं और बुनियादी अधिकारों की मांग को लेकर चल रहा है। संगठन ने गिरफ्तार नेताओं और कार्यकर्ताओं की तुरंत रिहाई की मांग की है। रिपोर्ट के अनुसार, डेरा इस्माइल खान में चल रहे धरना स्थल पर भी कई अलग-अलग इलाकों से लोगों के काफिले लगातार पहुंचते रहे। प्रदर्शन में महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की भी बड़ी भागीदारी बताई गई। जाक ने कहा कि रावलाकोट और चक की महिलाएं भी सड़कों पर उतरकर आंदोलन का नेतृत्व कर रही हैं।

तेहरान में खामेनेई की अंतिम यात्रा शुरू, जनता ने दी श्रद्धांजलि; किसके खिलाफ की गई नारेबाजी?

तेहरान। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की अंतिम यात्रा सोमवार को राजधानी तेहरान में शुरू हुई। शहर की सड़कों पर हजारों लोग उन्हें अंतिम श्रद्धांजलि देने के लिए जुटे। खामेनेई के ताबूत को ईरान के राष्ट्रीय ध्वज में लपेटा गया था और उसे एक विशेष रूप से सजाए गए ट्रक पर रखा गया। इसी ट्रक पर उनके परिवार के उन सदस्यों के ताबूत भी रखे गए, जिनकी 28 फरवरी को इस्राइल और अमेरिका के हमले की शुरुआत में हुए एक हवाई हमले में मौत हो गई थी। ईरान में शनिवार से शुरू हुआ राष्ट्रीय शोक गुरुवार तक जारी रहेगा। इस दौरान कई सड़कें बंद कर दी गई हैं और हवाई क्षेत्र पर भी प्रतिबंध लगाया गया है। अंतिम यात्रा के दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने खामेनेई के समर्थन में झंडे और बैनर लहराए। वहीं कुछ प्रदर्शनकारियों ने अमेरिका और इस्राइल के खिलाफ नारे लगाए तथा डोनाल्ड ट्रंप और बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ बदले की मांग वाले पोस्टर भी उठाए। एक महिला शोककर्ता फातिमा हसन ने कहा, हम यहां सिर्फ अपने नेता को विदाई देने नहीं आए हैं, बल्कि उनका बदला लेने का संकल्प भी लेकर आए हैं।

ईरान से बातचीत की कोशिश कर रहा अमेरिका

उधर, अमेरिका ईरान के साथ बातचीत जारी रखने की कोशिश कर रहा है। इन वार्ताओं का उद्देश्य होर्मुज जलडमरूमध्य को पूरी तरह खोलना, ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर समझौता करना और हालिया युद्ध को स्थायी रूप से समाप्त करना है। हालांकि, अंतिम संस्कार पूरा होने तक इन वार्ताओं के आगे बढ़ने की संभावना कम मानी जा रही है।

ईरान ने भारत का आभार जताया

नई दिल्ली। ईरान दूतावास ने रविवार को पूर्व ईरानी सर्वोच्च नेता अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लेने के लिए भारत सरकार और लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। ईरान ने कहा कि यह भाव दोनों देशों के बीच गहरे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों को दिखाता है। ईरानी दूतावास ने एक्स पर लिखा,भारत गणराज्य में स्थित इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान का दूतावास भारत की मित्रवत सरकार और जनता, विशेष रूप से भारत सरकार और जनता की ओर से उपस्थित आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के प्रति हार्दिक आभार और प्रशंसा व्यक्त करता है जिन्होंने इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान के शहीद नेता, महामहिम अयातुल्ला सैयद अली खामेनेई के अंतिम विदाई समारोह में भाग लिया और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।'

बांग्लादेश : मुहम्मद यूनुस के खिलाफ कोर्ट में शिकायत

खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप

ढाका। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के पूर्व प्रमुख रहे मुहम्मद यूनुस के खिलाफ एक अदालत में शिकायत दर्ज कराई गई है। यूनुस पर देश में खसरे के प्रकोप को लेकर आपराधिक लापरवाही का आरोप लगाया गया है। खसरे से अब तक करीब साढ़े सात सौ लोगों की मौत हो चुकी है। सिराजुल इस्लाम के वकील तस्लीमा जहान ने बताया कि ढाका के अतिरिक्त मुख्य मेट्रोपॉलिटन मजिस्ट्रेट जशिता इस्लाम ने सिराजुल इस्लाम की शिकायत दर्ज की। सिराजुल नौ महीने की बच्ची के पिता हैं, जिसकी डेंगू से मौत हो गई थी। शिकायत के अनुसार, बच्ची की मौत इसलिए हुई क्योंकि वैक्सीन की कमी के कारण उसे टीका नहीं लग पाया था और बाद में ढाका के एक सरकारी अस्पताल में ऑक्सीजन की कमी के कारण उसे सही इलाज नहीं मिल सका।

एक नज़र

फ्रांस के लालिक म्यूजियम में 40 करोड़ रुपए की चोरी

नकाबपोश बदमाश 20 क्रिस्टल ज्वेलरी लेकर फरार

पेरिस। फ्रांस के लालिक म्यूजियम से रविवार तड़के करीब 40 लाख यूरो (करीब 40 करोड़ रुपए) के आभूषण चोरी हो गए। घटना जर्मनी सीमा से सटे विंगन-सुर-मोडेर कस्बे की है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुबह करीब 5.30 बजे कई नकाबपोश बदमाश संग्रहालय का दरवाजा तोड़कर अंदर घुसे। उन्होंने छह डिस्प्ले केस तोड़े और करीब 20 क्रिस्टल आभूषण लेकर फरार हो गए। चोरी हुए आभूषण क्रिस्टल के बने थे और उनमें कीमती रत्न नहीं जड़े थे। इसलिए एक्सपर्ट्स का मानना है कि इन्हें पिघलाकर या दोबारा बेच पाना आसान नहीं होगा। लालिक म्यूजियम की शुरुआत 2011 में हुई थी। यह प्रसिद्ध फ्रांसीसी ज्वेलर और ग्लास कलाकार रेने लालिक तथा उनके उत्तराधिकारियों की कला को समर्पित है। संग्रहालय में 650 से अधिक आर्ट नोवो, आर्ट डेको और आधुनिक क्रिस्टल कला की कलाकृतियां प्रदर्शित हैं। चोरी के बाद संग्रहालय को कुछ दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। इससे पहले पिछले साल अक्टूबर में पेरिस के लूव्र म्यूजियम से फ्रांस के क्राउन ज्वेल्स के आठ दुर्लभ आभूषण चोरी हुए थे। उनकी कीमत करीब 8.8 करोड़ यूरो आंकी गई थी। इसी दौरान डेनिस डिडेरो हाउस ऑफ एनलाइटनमेंट से करीब 2,000 दुर्लभ सिक्के और नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री से 15 लाख यूरो कीमत के छह दुर्लभ सोने के नगेट भी चोरी हुए थे।

श्रीलंका के नेगोम्बो जेल में बलवा, 25 की मौत

100 से ज्यादा घायल

कोलंबो। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो के बाहरी इलाके नेगोम्बो स्थित एक जेल में हुई हिंसक झड़प में कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। मृतकों में चार जेलकर्मी और 15 कैदी शामिल हैं। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नेगोम्बो अस्पताल की निदेशक पुष्पा गमलाथ ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि अस्पताल में चार जेलकर्मियों और 15 कैदियों के शव लाए गए हैं। पुलिस और स्थानीय मीडिया के मुताबिक, राजधानी कोलंबो से करीब 35 किलोमीटर उत्तर में स्थित नेगोम्बो जेल में रविवार को हिंसा शुरू हुई, जो सोमवार तक जारी रही। स्थानीय टीवी चैनल हिरु ने दावा किया कि झड़प में 20 लोगों की मौत हुई है और 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, मृतकों और घायलों में कैदी और जेल अधिकारी दोनों शामिल हैं। श्रीलंका पुलिस के प्रवक्ता चंदना हेराथ ने जेल के अंदर झड़प और लोगों की मौत की पुष्टि की है। हालांकि, उन्होंने घटना के कारण या अन्य विवरण साझा नहीं किए।

पाकिस्तान-तुर्किये में रक्षा संबंध बढ़ाने पर फोकस

भारत के लिए खतरा है यह गठजोड़

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने तुर्किये के प्रति अपने देश के अटूट समर्थन को एक बार फिर दोहराया है। उन्होंने साफ कहा कि अंकारा की सफलता और इस्लामाबाद की प्रगति एक-दूसरे से पूरी तरह जुड़े हुए हैं। शनिवार को इस्तांबुल में एक संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए शरीफ ने तुर्किये के राष्ट्रपति रजब तैयब एर्दोगन को द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने का भरोसा दिलाया। वहीं, राष्ट्रपति एर्दोगन ने दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को आर्थिक संबंधों की आधारशिला बताया। शहबाज शरीफ ने कहा, तुर्किये की सफलता ही पाकिस्तान की सफलता है और पाकिस्तान की तरक्की ही तुर्किये की तरक्की है। तुर्किये के राष्ट्रपति एर्दोगन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी एक पोस्ट में कहा, रक्षा उद्योग में हमारा सहयोग, जो हमारे आर्थिक संबंधों के सबसे महत्वपूर्ण तत्वों में से एक है, नए प्रोजेक्ट्स के साथ दिन-ब-दिन विकसित हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने तुर्किये के निवेशकों को पाकिस्तान में अपनी व्यावसायिक गतिविधियां बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। एर्दोगन ने यह भी स्पष्ट किया कि वे ऊर्जा, परिवहन, महत्वपूर्ण खनिजों और सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में पाकिस्तान के साथ अपने सहयोग को और गहरा करना चाहते हैं।

रिपोर्ट में दावा : जापान पर दबाव बना रहा चीन

बीजिंग। चीन की बढ़ती सैन्य, आर्थिक और साइबर गतिविधियों को लेकर जापान और उसके सहयोगी देशों को सतर्क रहने की

- सहयोगियों के साथ पलटवार की मिली सलाह

सलाह दी गई है। यूरोपियन टाइम्स में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) जासूसी, समुद्री घुसपैठ और आर्थिक दबाव के जरिए जापान पर लगातार दबाव बना रही है। रिपोर्ट के अनुसार, यह सिर्फ जापान की सुरक्षा का नहीं, बल्कि नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था की विश्वसनीयता का भी सवाल है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि जापान के सेमीकंडक्टर, रोबोटिक्स और अन्य अत्याधुनिक उद्योग चीनी खुफिया नेटवर्क के निशाने पर हैं। साइबर हमलों और अंदरूनी लोगों की भर्ती के जरिए संवेदनशील तकनीक हासिल करने की कोशिश की जा रही है। इससे निपटने के लिए जापान को अपनी काउंटर-इंटेलिजेंस व्यवस्था मजबूत करने, शैक्षणिक आदान-प्रदान की निगरानी बढ़ाने और अमेरिका व यूरोपीय संघ के साथ मिलकर तकनीक चोरी रोकने के लिए संयुक्त टास्क फोर्स बनाने की सलाह दी गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि चीन के तटरक्षक जहाज और मछली पकड़ने वाले पोत अक्सर सेनकाकू द्वीप के आसपास के समुद्री क्षेत्र में प्रवेश करते हैं। जापान इस द्वीप समूह पर अपना अधिकार जताता है, जबकि चीन भी इस पर दावा करता है। रिपोर्ट के मुताबिक, ये गतिविधियां केवल उकसावे की कार्रवाई नहीं हैं, बल्कि जापान की संप्रभुता को चुनौती देने की रणनीति का हिस्सा हैं। इसलिए जापान को समुद्री गश्त बढ़ाने, निगरानी मजबूत करने और सहयोगी देशों के साथ संयुक्त सैन्य अभ्यास करने चाहिए।

भारत को ऑस्ट्रेलिया से मिलेगा बंपर यूरेनियम

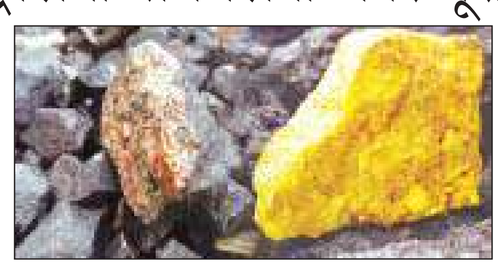

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया से भारत को यूरेनियम की सप्लाई का रास्ता साफ जल्द होने वाला है। इस हफ्ते होने वाली हाई लेवल मीटिंग्स न

- इसी हफ्ते उच्चस्तरीय बैठक में होगा निर्णय
- बदल जाएगी भारत की ऊर्जा सुरक्षा की तस्वीर

केवल ऑस्ट्रेलिया की रक्षा नीति को बदल देंगी बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा की तस्वीर भी बदल जाएगी। द ऑस्ट्रेलियन की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस सोमवार को फिजी पहुंच रहे हैं। वहां वह अपने फिजाई समकक्ष के साथ व्वाले यूनियन पर हस्ताक्षर करेंगे। व्वाले फिजीआई भाषा का शब्द है जिसका अर्थ होता है परिवार। लेकिन राजनीति में इस परिवार का मतलब बहुत गहरा है। यह समझौता ऑस्ट्रेलिया के उस अभियान का हिस्सा है जिसके तहत वह पापुआ न्यूगिनी, तवालू, नोरू और इंडोनेशिया जैसे देशों के साथ अपनी सुरक्षा साझेदारी को पत्थर की लकीर बना रहा है। याद कीजिए साल 2022 जब चीन ने सोलमन आइलैंड्स के साथ एक गुप्त सुरक्षा समझौता करके पूरी दुनिया को चौंका दिया था। तब से ही ऑस्ट्रेलिया और अमेरिका के कान खड़े हो गए हैं। उन्हें डर था कि चीन इन छोटे द्वीप देशों में अपने सैन्य अड्डे बना सकता है। फीजी के साथ होने वाला यह नया समझौता ऑस्ट्रेलिया को फजी की सुरक्षा और पुलिसिंग में एक बड़ी भूमिका देगा। यह ठीक वैसा ही होगा जैसा ऑस्ट्रेलिया ने पापुआ न्यूगिनी के साथ किया है। यानी अगर फिजी की सुरक्षा पर कोई खतरा आता है तो ऑस्ट्रेलिया वहां सैन्य और तकनीकी मदद भेजने वाला पहला देश होगा। यह सीधे तौर पर चीन के पेसिफिक विस्तार पर एक ब्रेक लगाने की तरह होगा। अब बात करते हैं हम उस डील की जो भारत के लिए गेम चेंजर है। मेलबर्न में प्रधानमंत्री मोदी और पीएम एल्बनीज़ की मुलाकात होने वाली है। रिपोर्ट्स की मानें तो दोनों देश यूरेनियम निर्यात समझौते को अंतिम रूप दे सकते हैं।

स्टडी — जलवायु परिवर्तन से निपटने में कैसे मिलेगी मदद

ज्वालामुखी विस्फोट से मिला मीथेन घटाने का नया सुराग

नई दिल्ली। कार्बन डाइऑक्साइड के बाद वैश्विक तापवृद्धि के लिए सबसे जिम्मेदार ग्रीनहाउस गैसों में शामिल मीथेन को हटाने का एक नया प्राकृतिक तरीका वैज्ञानिकों के सामने आया है। दक्षिण प्रशांत महासागर में 2022 में टोंगा के समुद्र के नीचे हुए भीषण ज्वालामुखीय विस्फोट के अध्ययन से संकेत मिले हैं कि कुछ विशेष हालात में वातावरण में बनने वाले रासायनिक कण मीथेन को तोड़ सकते हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज जलवायु परिवर्तन से निपटने की नई तकनीकों का आधार बन सकती है।

नमक, राख और धूप ने मिलकर किया कमाल

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह प्रक्रिया पहले अटलांटिक महासागर के ऊपर देखी गई रासायनिक प्रतिक्रिया जैसी है। वहां सहारा रेगिस्तान की धूल समुद्री नमक के साथ मिलकर लोहे पर आधारित सूक्ष्म कण बनाती है। सूर्य का प्रकाश इन कणों पर पड़ने के बाद क्लोरीन परमाणु उत्पन्न करता है, जो वातावरण में मीथेन से प्रतिक्रिया कर उसे तोड़ने लगते हैं। टोंगा ज्वालामुखी ने समताप मंडल में 58 हजार ओलंपिक आकार के स्विमिंग पूलों के बराबर नमकीन जलवाष्प व बड़ी मात्रा में राख पहुंचाई थी। सूर्य के प्रकाश के प्रभाव से इस मिश्रण में क्लोरीन बना, जिसने ज्वालामुखी से निकली मीथेन के एक हिस्से को तोड़ना शुरू कर दिया।

एक सप्ताह तक लगातार टूटती रही मीथेन

शोधकर्ताओं ने फॉर्मल्डिहाइड के बादल को 10 दिनों तक ट्रैक किया। वान हर्पेन के अनुसार फॉर्मल्डिहाइड वातावरण में केवल कुछ घंटों तक ही मौजूद रहता है। इसलिए उसका लगातार दिखाई देना इस बात का संकेत है कि ज्वालामुखीय गुबार एक सप्ताह से अधिक समय तक मीथेन को लगातार तोड़ता रहा। अध्ययन के अनुसार विस्फोट से लगभग 3.3 लाख टन मीथेन निकली थी, जिसमें से शोधकर्ताओं के अनुमान के मुताबिक प्रतिदिन करीब 900 टन मीथेन नष्ट हो रही थी।

जलवायु परिवर्तन के लिए अहम है यह खोज

कोपेनहेगन विश्वविद्यालय के प्रोफेसर मैथ्यू जॉनसन के अनुसार यह पूरी तरह अप्रत्याशित खोज है। अब तक जिस प्रक्रिया को अटलांटिक महासागर के ऊपर देखा गया था, उसके समताप मंडल में ज्वालामुखीय गुबार के भीतर भी सक्रिय होने के संकेत पहली बार मिले हैं। मीथेन 20 वर्ष में कार्बन डाइऑक्साइड की तुलना में लगभग 80 गुना अधिक गर्मी रोक सकती है। वैश्विक तापवृद्धि में लगभग एक-तिहाई योगदान इसी गैस का है। चूंकि मीथेन अपेक्षाकृत कम समय तक वातावरण में बनी रहती है, इसलिए इसके उत्सर्जन में कमी लाकर अपेक्षाकृत कम समय में वैश्विक तापवृद्धि की रफ्तार धीमी की जा सकती है।

बाजार दर्पण